MICROFILMED BY

NEHRU MEMORIAL MUSEUM

AND LIBRARY

TEEN MURTI HOUSE

NEW DELHI

DR N. S. HARDIKER'S

PAPERS

MICROFILMED AT

GHATPRABHA

DR N. S HARDIKER

PAPER'S

CONTD. FROM FILE NO 32

S. P. A
19. 12. 83

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी
७-जंतर मंतर रोड, नई दिल्ली-१
(कांग्रेस सेवादल)

संख्या-२०   १ जनवरी, १९६६

अध्ययन-पत्रिका

नया वर्ष मुबारक हो। यह आपके लिए सुखकारी एवं स्वास्थ्यवर्धक हो, यही हमारी विनम्र कामना है। आपकी बुद्धिमत्ता [illegible] और त्याग ही [illegible] सकती है। पिछले साल, [illegible] आपने एक राष्ट्रीय नागरिक के रूप में सहर्ष अर्पित किया। [illegible] का एक [illegible] है कि भविष्य में शायद इससे भी कठिन दिन आयेंगे। उसके वास्ते बौद्धिक तैयारी कम महत्वशाली नहीं। "अध्ययन पत्रिका" का प्रधान मकसद यही तो है। लेकिन हम आपकी दृष्टि से ज्यादा लाभप्रद सामग्री दे सकें, इसके हेतु जरूरी होगा कि आपकी अमूल्य राय हमें समय-समय पर मिलती रहे। इसके अलावा, "अध्ययन पत्रिका" का वितरण सिर्फ जिला कार्यालयों तक सीमित है। अतः इनमें प्रकाशित विचारों को आपसे निचली श्रेणी के सभी सेवादल कार्यकर्ताओं तक ले जाना आपकी जिम्मेदारी होगी। धन्यवाद।

ताश्कन्द वार्ता

दुनिया की नजरें धीरे-धीरे रूस स्थित ताश्कन्द नगर पर अधिकाधिक केन्द्रित होती जा रही हैं। वहां ४ जनवरी को भारत-पाक सम्बन्ध सुधारने की दृष्टि से भारत के प्रधान मंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री तथा पाकिस्तानी प्रधान श्री अयूब [illegible] बातचीत आरम्भ करेंगे। दो राय नहीं कि इन दो उप-महाद्वीपों में तनाव और युद्ध इनके लिए ही नहीं वरन् सारे विश्व के लिए खतरा बन [illegible] है। शास्त्री जी ने दोनों ही मुल्कों का हित ध्यान में रखकर ठीक ही कहा था कि निरन्तर हमेशा-हमेशा दो देश आपसी कलह-क्लेश में फंसे रह कर आर्थिक उन्नति कतई नहीं कर पाएंगे। वह, निस्सन्देह, आत्म-हत्या से कम न होगा। इसलिए, शास्त्री जी के मतानुसार, वह खुले दिमाग के साथ वहां जा रहे हैं। साथ ही, यह भी स्पष्ट कर दिया है; चर्चा का विषय भारत-पाक सम्बन्ध सुधारने का होगा। कश्मीर का मामला उसमें से एक हो सकता है। जाहिर है, उस दौरान भारत-पाकिस्तान के बीच सीमा-निर्धारण, सिंधु नदी के पानी, आदि जैसे प्रमुख प्रश्नों पर विचार होगा।

निश्चितत: "युद्ध न छेड़ो" संधि जैसे भारतीय प्रस्ताव की स्वीकृति पाकिस्तान द्वारा ताश्कन्द में होना सम्बन्ध सुधार की दिशा में एक बहुत बड़ी बात होगी। सोवियत नेताओं के दिमाग में एक निश्चित योजना है, ऐसा जान पड़ा - अन्यथा

सभा बनाने में सहायक हों। यह आपके लिए प्रतिनिधि एवं मार्गदर्शक हो, यही हमारी विनम्र कामना है। इनकी बुनियाद [illegible] और त्याग ही हो सकती है। पिछले साल में आपने [illegible] की, [illegible] अपने एक राष्ट्रीय नागरिक के रूप में [illegible] कि भविष्य में [illegible] तैयारी कम [illegible] ती है। लेकिन इस [illegible] हेतु जरूरी होगा कि [illegible] पर [illegible] रहें। इसके अलावा, "[illegible] पत्रिका" का वितरण सिर्फ जिला कार्यालयों तक सीमित है। अतः इनमें प्रकाशित विचारों को आपसे निचली श्रेणी के सभी संगठन कार्यकर्ताओं तक ले जाना आपकी जिम्मेदारी होगी। धन्यवाद।

ताश्कन्द वार्ता

दुनिया की नजरें धीरे-धीरे रूस स्थित ताश्कन्द नगर पर अधिकाधिक केन्द्रित होती जा रही हैं। वहाँ ४ जनवरी को भारत-पाक सम्बन्ध सुधारने की दृष्टि से भारत के प्रधान मंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री तथा पाकिस्तानी प्रधान श्री अयूब खाँ बातचीत आरम्भ करेंगे। दो राय नहीं कि इन दो उप-महाद्वीपों में तनाव और युद्ध इनके लिए ही नहीं वरन् सारे विश्व के लिए खतरा बन सकता है। शास्त्री जी ने दोनों ही मुल्कों का हित ध्यान में रखकर ठीक ही कहा था कि निरन्तर हमेशा-हमेशा दो देश आपसी कलह-क्लेश में फंसे रह कर आर्थिक उन्नति कतई नहीं कर पाएंगे। यह, निस्संदेह, आत्म-हत्या से कम न होगा। इसलिए, शास्त्री जी के मतानुसार, वह खुले दिमाग के साथ वहाँ जा रहे हैं। साथ ही, यह भी स्पष्ट कर दिया है; चर्चा का विषय भारत-पाक सम्बन्ध सुधारने का होगा। कश्मीर का मामला उसमें से एक हो सकता है। जाहिर है, उस दौरान भारत-पाकिस्तान के बीच सीमा-निर्धारण, सिंधु नदी के पानी, आदि जैसे प्रमुख प्रश्नों पर विचार होगा।

निश्चित: "युद्ध न करो" संधि जैसे भारतीय प्रस्ताव की स्वीकृति पाकिस्तान द्वारा ताश्कन्द में होना सम्बन्ध सुधार की दिशा में एक बहुत बड़ी बात होगी। सोवियत नेताओं के दिमाग में एक निश्चित योजना है, ऐसा जान पड़ा - अन्यथा

भारतीय परराष्ट्र मंत्री श्री स्वर्ण सिंह उनसे विचार-विमर्श करने हेतु रंगून से सीधे मछ्ज "सद्भावना-यात्रा" के लिए जायें।

लेकिन फिर संशय की अग्नि-ज्वाला धधक उठती है। उसका कारण महत्व है। हाल की अयूब खां द्वारा अमरीकी यात्रा के दौरान क्या नहीं हुआ। वह न केवल जाते वक्त बल्कि वापसी पर - कायदे के बावजूद - संयुक्त अरब गणराज्य के राष्ट्रपति नासिर से न मिले। हां, सऊदी अरब व ईरान के प्रधानों से बातचीत में सिएन्टो जैसा एक और संगठन पाकिस्तान के अपने मित्रों का बनाने की जरूरत को - जिसकी उपादेयता भूतपूर्व अमरीकी विदेश मंत्री डलेस के कार्य-काल में थी - जन्म मिला। स्मरण रहे, इस बीच नासिर की हत्या के प्रयत्न कई बार किए जा चुके हैं। पाकिस्तान के एक वरिष्ठ अधिकारी पर शक भी किया गया। पाकिस्तान के ही मित्र चीन के एक विशिष्ट राजदूत को इसी वर्ष संयुक्त अरब गणराज्य निष्कासित कर चुका है। युद्ध-विराम स्वीकार कर लेने पर भी, पाकिस्तानी फौजें पिछले मात्र दो महीनों में दो-तीन हजार बार अतिक्रमण कर चुकी हैं। पाकिस्तान के फौजी जनरल न सिर्फ चीनी गोरिल्ला युद्ध के प्रशिक्षण के सम्बन्ध में वहां मौजूद हैं बल्कि तत्सम्बन्धी चीनी साज-सामान पाकिस्तान को मिल रहे हैं। चीन को भड़काने वाली कार्यवाहियों के नये सिलसिले को भी कैसे नजरअन्दाज किया जा सकता है। इसके अलावा, इण्डोनेशिया का वह जंगी जहाज-फलोटिला - जो केवल रिहर्सल-हेतु भारत-पाक युद्ध के दौरान आया था - आज तक पाकिस्तानी जल-सीमा में मौजूद है।

अतएव, यह कहना सम्भवतः अनुपयुक्त होगा कि जानसन-अयूब वार्ता असफल हुई। फिर भी, आशावादी भारत द्वारा इन आचरणों के बावजूद सद् प्रयासों को यथाशक्ति प्रश्रय देना है।

अमेरिका और हमारी खाद्य समस्या

युद्धोपरान्त भारत सरकार का कथन था कि ६ लाख टन अनाज की व्यवस्था हो जाने पर देश में इसकी कमी नहीं रहेगी। अमेरिका पी०एल०-४८० के अन्तर्गत अन्न भेजना रोक दिया था। मगर अमरीकी राष्ट्रपति से हमारे केन्द्रीय खाद्य तथा कृषि मंत्री की बातचीत के बाद १५ लाख टन अनाज आने पर कमी पूरी होगी। श्री जानसन ने इस मात्रा में अनाज के तुरन्त भेजे जाने का निर्देश भी दे दिया है। भूदान नेता आचार्य भावे को यह अमरीकी राष्ट्रपति का एक मानवीय आधार लगा। और उनके नेत्र सजल हो उठे। कहा जाता है कि श्री जानसन, वियतनाम समस्या को हल करने की दिशा में भारत की सुचेष्टाओं से बेहद प्रभावित हुए हैं, जहां परम्परागत शस्त्रों द्वारा युद्ध करना किसी के लिए भी टेढ़ी खीर होगी। खाद्यान्न आयात की इतनी बड़ी मात्रा नजदीकी विकट स्थिति की ओर इशारा करती है, और हमें सोचने पर मजबूर होना पड़ा।

बातचीत के लिए नुक्ते

८- सेवादल का तत्वज्ञान- भावना- क्या है?

--- जीवन में अनुशासन ।

--- अपने संगठन, ध्येय, नेता तथा सहायक के प्रति निष्ठा ।

--- हाथ में लिए गए कार्य को तरीके से और संतोषपूर्वक पूर्ण करने की क्षमता ।

--- किसी भी पक्ष या गुटबन्दी में अलिप्तता ।

--- जिन्हें सहायता की आवश्यकता हो उनकी मदद ।

९- सेवादल का उद्देश्य क्या है?

--- नागरिकता की शिक्षा देना ।

--- स्वयंसेवा की भावना पैदा करना ।

--- राष्ट्रीय चरित्र, राष्ट्रीय अनुशासन तथा राष्ट्रीय एकता बढ़ाना ।

१०-सेवादल सैनिकों से किन-किन कार्यों की अपेक्षा की जाती है?

--- कांग्रेस ध्येय व विचारधारा पर विश्वास और प्रचार ।

--- सेवादल भावना में आस्था व प्रचार ।

--- सुदृढ़ शरीर, जागृतमन और शुद्ध चरित्र की बुनियाद पर आदर्श नागरिकता के लिए युवकों में प्रचार ।

-र० वा० नामदार-

तुलनात्मक नौ-सैनिक शक्ति-स्थिति

जहाज	चीन	इण्डोनेशिया	पाकिस्तान	भार[त]
विमान वाहक	-	-	-	१
क्रूजर	-	१	१	२
विध्वंसक	४	५	५	३
फ्रिगेट	१६	६	५	२
कारवेट	-	३	-	-
पनडुब्बी	३०	६	१	
पैट्रोल जहाज	३०	१०		
तारपीडो बोट	२२०	५६		

जहाज	चीन	इंडोनेशिया	पाकिस्तान	भारत
तटवर्ती माइन स्वीपर	२८	१५	८	४
नदी की गन बोट	१३	--	--	६
मोटर लांच	६१	८२	४	[illegible]
लैंडिंग शिप	३१	११	--	३
लैंडिंग क्राफ्ट	२२	६	--	१
सर्वेक्षक	३	२	२	४
मरम्मती जहाज	२	२	--	--
परिवहन	१	४	--	--
सम्भरण	८	--	--	--
आयलर	५	४	२	३
प्रशिक्षक	२	२	--	--
टग	११	५	४	१
अन्य	४००	५		७
सैनिक	१,२४,०००	३४,०००	८,२५०	१६,५००

	ब्रिटेन	अमेरिका	रूस
विशाल एयरक्राफ्ट कैरियर	--	१२	--
भारी एयरक्राफ्ट कैरियर	३	२४	--
हल्के एयरक्राफ्ट कैरियर	२	३	--
एस्कार्ट कैरियर	२	१६	--
कमाण्ड जहाज	--	२	--
क्रूजर	५	४२	२३
बड़े विध्वंसक	४	२६	--
विध्वंसक	२२	३५७	१३०
फ्रिगेट	७४	३३२	६०
अणुचालित पनडुब्बी	१	५०	३०
पनडुब्बी	४७	[illegible]	४००
रेडार पेटरू	--	१२	--
सब मेरिन चेजर	--	८२	२४६
मोटर तारपीडो	६	१६	६००
माइन लेयर	१	१५	--

[illegible]	ब्रिटेन	अमेरिका	रूस
सी प्लेन टेण्डर	--	७	--
फ्लैग शिप	--	५	--
महासमुद्री माइन स्वीपर	--	१२४	२५
तटीय माइन स्वीपर	६१	३२	३३०
माइन स्वीपिंग बोट	५३	५०	३२०
नदी गन बोट	--	--	२०
मोटर लांच	९७	१००	१००,
लैंडिन्ग शिप	४०	१३५	२४
लैंडिंग क्राफ्ट	१२	१२५	२०६
बम डिफेंस वेसेल	३७	२	३८
सर्वेक्षणक	१२	३७	५६
डिपो	१२	६०	५०
वाहक	--	४०	२५
संभरक	२४,	१००	२०
तैल वाहक	४२	७०	५०
प्रशिक्षणक	--	६	३०
टग	६६	१४०	४०
अन्य	७२	३००	२००

गोपालजी मेहरोत्रा

प्रश्नोत्तर

प्रश्न : शास्त्रीजी पंडितजी की पर-राष्ट्र नीति को चला रहे हैं या विभिन्न ?

उत्तर : प्रतिरक्षा मंत्री ने बम्बई में अपने भाषण के दौरान यह स्पष्ट कहा भारत-पाक युद्ध का निर्णय शास्त्रीजी का था और वह पंडितजी की पर-राष्ट्र-नीति का ही अनुसरण कर रहे हैं; इसके मानी यह हैं कि इस समय पंडितजी होते तो वह भी पाकिस्तान के आक्रमण का मुकाबला पाकिस्तान की सीमा में अपनी सेना भेजकर करते। उन्होंने यह भी कहा था कि कश्मीर पर आक्रमण पूरे भारत पर आक्रमण माना जायेगा।

प्रश्न : भारत का चीन द्वारा १९६२ में पराभव होने के बाद ही कांग्रेस सरकार जागृत हुई और उसने देश के संरक्षण की तैयारी शुरू की ?

उत्तर : यह कहना गलत है कि १९६२ में चीन द्वारा भारत का पराभव हुआ। भारत का पराभव होता तो चीनी सेना अपना जीता हुआ प्रदेश छोड़कर वापिस

न जाती या दोनों राष्ट्रों में कुछ समझौते के बाद ही यह होता। लेकिन ऐसा कोई समझौता हुआ नहीं है।

आजकल देश की रक्षा सिर्फ फौज से नहीं हो सकती। देश की रक्षा के लिए विश्व मत या मित्रता एक बड़ा तथ्य है। फौज से रक्षा में काफी खर्च की आवश्यकता होती है, जो नया आजाद भारत नहीं उठा सकता था। उसे अपने लोगों की सुस्थिति करनी थी, लेकिन विश्व-मत अपने पक्ष में रखकर १४ साल तक कम खर्च में पंडितजी ने अपनी निजी कुशलता से देश की रक्षा की। इतना ही नहीं, उन्होंने भारी उद्योग तथा अनेक वैज्ञानिक अनुसंधान प्रयोगशालाएं खड़ी करके देश के विकास की बुनियाद तथा देश के रक्षण-साधनों की उत्पादन की बुनियाद डाली जो आज काम आरही है।

फौजी तैयारी एक-दो साल का काम नहीं है। आज अपनी सेना की जो तैयारी लोगों को संतोषजनक दिखाई देती है यह कुछ साल पहिले के प्रयत्न का, चीनी आक्रमण से भी पहिले के प्रयत्न का नतीजा है। भविष्य में फिर देश पर आक्रमण होने का संभव है और उसके साथ कैसे लड़ना पड़ेगा उसका बदलती विश्व परिस्थिति के अनुसार जैसा-जैसा महसूस होता जाता है वैसी नयी नयी बात की जाती है। उधार लिये गये शस्त्रास्त्र से देश की क्या स्थिति होती है, इसकी पाकिस्तान एक बड़ी मिसाल है।

<u>प्रश्न</u> : पंडितजी की विदेश नीति से भारत का कोई मित्र राष्ट्र नहीं रहा ?

<u>उत्तर</u> : यह कहना गलत है। प्रथम बात यह है कि प्रत्येक राष्ट्र स्वभावतः अपना हित प्रथम देखता है और किस राष्ट्र का हित किस राष्ट्र के विरोध में कब और कैसा इस बदलते हुए जमाने में रहेगा यह कहना मुश्किल होता है। इसलिए सच्ची मित्रता की भाषा जो राष्ट्र बोलता है, वह प्रत्यक्ष क्या करेगा, यह निश्चित कर लेने की बात है। पाकिस्तान-भारत युद्ध में इंडोनेशिया, चीन, ईरान, टर्की, ब्रिटेन, अमरीका, सीटो, सेन्टो, आदि पाकिस्तान के मित्र कहला सकते हैं। उसमें इंडोनेशिया की आज स्थिति क्या हुई, यह सबको मालूम है। इस स्थिति में वह पाकिस्तान को क्या मदद कर सकता था ? चीन ने भारत को आक्रमण की अंतिम चेतावनी दी लेकिन उसको वह कार्यान्वित नहीं कर सका। यह एक विश्वासघात ही है। टर्की और ईरान की सहायता युद्ध बंद होने के बाद आने लगी, लेकिन वह किस मात्रा में है या प्रभावी है, इसका अन्दाजा अभी तक नहीं आता है। सीटो-सेन्टो ने तो मदद देने से शुरू में ही इन्कार कर दिया था। अमेरिका की सहायता काम की नहीं रही, और ब्रिटेन दूर से ही सहानुभूति बताता रहा। यह है पाकिस्तान के मित्रों की कहानी। जहां तक भारत का सवाल है, उसके साथ मुख्यतः रूस रहा है। उसने चीन, अमेरिका, ब्रिटेन आदि राष्ट्रों को भी इस युद्ध से दूर रहने का इशारा किया, और वैसा कुछ हुआ भी। कश्मीर प्रश्न पर रूस ने अपना दृष्टिकोण नहीं बदला। उस पर वह स्थिर है। इतना ही नहीं, बड़े राष्ट्र जबरदस्ती कुछ करने की कोशिश

करेंगे तो अपने विटो के अधिकार का भी उसके द्वारा प्रयोग किया जाना संभव है।

संक्षेप में यह कहा जा सकता है कि भारत-पाक युद्ध रूस की मित्रता, हमारी विजय यह सब आकस्मिक नहीं हुआ है। वर्षों से चली तैयारी तथा घटनाओं का ही यह नतीजा है।

प्रश्न : १९४७ में कश्मीर का युद्ध-विराम तथा बाद में चीन के साथ दोस्ती की पंडितजी की नीति आगे चलकर एक गलत सी लगती है।

उत्तर : इस प्रश्न का सही स्वरूप समझने के लिए उस काल में जाना जरूरी है। उस समय भारत आज़ाद हुआ था। भारत के पास व्यवस्थित बनी हुई फौज नहीं थी। जो फौज मिली वह विभाजन से प्राप्त हुई अपूर्ण और अव्यवस्थित थी। उस हालत में कोई भी बड़े पैमाने पर फौजी कार्यवाही हाथ में लेना एक साहस का काम था। ब्रिटिशों के चले जाने के बाद अन्य बड़े देश, जो द्वितीय महायुद्ध की वजह से भारत के बहुत नजदीक आये थे, भारत में अपना अड्डा जमाने का विचार नहीं रखते थे ऐसा नहीं कहा जा सकता है। किसी वजह से युद्ध छिड़ जाता तो विदेशी फौजी सहायता लेना जरूरी पड़ जाता है। इस तरह फौजी सहायता लेने का मतलब था फिर से विदेशियों को अपने घर में बुलाना। उनको फौजी अड्डे के लिए जगह सुविधाएँ देना था। यह टालना जरूरी था इसलिए काश्मीर की लड़ाई और बढ़ाते रहना ठीक नहीं था और पाकिस्तान एक देश होने से उसके साथ के झगड़े को यू०एन०ओ० के पास ही ले जाया जा सकता था। इसके अलावा दूसरा चारा नहीं था। ऐसा नहीं करते तो काश्मीर बड़े राष्ट्रों के युद्ध का अखाड़ा बन जाता।

चीन के बारे में भी यही बात थी। इतने बड़े देश का विरोध करना उस समय अक्ल की बात नहीं होती। आज जैसा रूस और चीन में भेद दिखाई देता है वैसा उस समय नहीं दिखाई देता था। स्थिति आज से उलटी थी। चीन का विश्वास पंडितजी को भी नहीं था। रूस के साथ दोस्ती रखने से चीन पर एक तरह से दबाव रहेगा, इस ख्याल से डाक्टर राधाकृष्णन् जैसे व्यक्ति को भेजकर उनसे मित्रता बढ़ाने की कोशिश की गयी। भारतीय कम्युनिस्टों से संघर्ष टालकर रूस की दोस्ती कायम रखने में पंडितजी सफल रहे यह एक बड़ी कामयाबी मानी जा सकती है। इसका नतीजा यह हुआ कि भारतीय कम्युनिस्टों में दो विचारधाराएँ चलने लगीं, जिससे एक पंडितजी का विरोध बहुत ही कम हो गया तथा कुछ समय सहकार भी मिलता रहा। यह एक समझने की बात है कि आजादी के बाद जो लगातार [illegible] करने का विरोध कर रहे थे वे चीन से युद्ध होने से लश्करी युद्ध के लिए तैयार नहीं था [illegible], इसके लिए पंडितजी को दोष देने लगे और भारत ने किसी न किसी प्रकार के अमरीकन गुट के साथ रहना चाहिए, यह कहने वाले कामनवेल्थ से अलग होने की

बात तथा अफ्रीका से सम्बन्ध तोड़ने की बात करने लगे। इस तरह की स्थिति पृष्ठभूमि में देखा जाय तो पंडितजी की विदेश-नीति काफी दूरंदेशी सोचकर स्थिर की गयी थी, यह मानना पड़ेगा।

— र०न्याछनान्दार

--o--

राज्यपाल
मध्यप्रदेश

Raj Bhavan,
BHOPAL.

4th January 1966.

My dear Dr. Hardikar,

Many thanks for your kind letter of the 1st instant. May I take this opportunity of conveying to you my heartiest good wishes for the New Year ?

Shri G.M.Sali had seen me some time ago and on learning from him about his case, I have already done what I could. I would like to assure you that I will keep in touch with him and do whatever is possible to improve his prospects in the Bhilai Steel Works.

Thank you for your renewed invitation to me and my wife to come to Ghataprabha. We will make every endeavour to come there during our next visit that side.

We are keeping well. I have, however, been asked to take complete rest for a few weeks by the Doctors who examined me yesterday. There is nothing serious, but it has been said to be only a precautionary measure.

With loving greetings,

Yours sincerely,

K. C. Reddy

Dr.N.S.Hardikar,
The Karnatak Health Institute,
GHATAPRABHA, Dist.Belgaum.

10

भारतीय संस्कृति-कोश मंडळ

४१३ शनिवार, पुणे २.

जावक क्रमांक : २७।२०७२।६६ — दिनांक : ६-१-६६

श्री ना स्नु हुक्केरीकर, घटप्रभा

यांस स न विं वि

भारतीय संस्कृतिकोशाच्या तिसऱ्या खंडाच्या ५ प्रती रेल्वे पार्सलने काल पाठवल्या आहेत त्या पार्सलची रेल्वे रिसिट या पत्राबरोबर पाठवीत आहे ती देऊन पार्सल आणण्याची व्यवस्था कृपया करावी

पार्सलमधील एक प्रत डॉ माधवराव वैद्य याना द्यावी, एक प्रत श्री शं वा किर्लोस्कर याना द्यावी व एक प्रत कर्नाटक आरोग्य-धाम - ग्रंथालयाला द्यावी श्री कोरगावकर धर्मादाय संस्था, कोल्हापूर साठी एक प्रत पाठवली आहे ती आचार्य भागवत यांच्याकडे द्यावी, ते पाठवण्याची व्यवस्था करतील

डॉ धामापूरकर आपल्याकडे येतील तेव्हा त्यांची प्रत त्यांना द्यावी. प्रत्येक प्रतीवर नाव घातलेले आहे.

पार्सल मिळाल्यावर कळवण्याची कृपा करावी. तसदीबद्दल क्षमस्व क. लो. अ ही विनती.

आपला,

व. ग. सहस्रबुद्धे

कार्यवाहांसाठी

ALL INDIA CONGRESS COMMITTEE

7, JANTAR MANTAR ROAD,
NEW DELHI-1

Congress Seva Dal

Ref No

Date 10 JAN 1966

Respected Doctor Sahib,

I am in receipt of your postcard dated 5th Jan 1966. Thanks. Inamdarji has not mentioned anything about this to me.

(1) I am sending here with the resolution adopted at Lahore Congress and the other paper is circular issued on behalf of the working committee. Later on the constitution of India was adopted so as to inaugurate Republic of India on the 26th Jan. In our library Proceedings of constituent assembly book is not available. I will try to find out whether this statement was given in constituent assembly or not.

(2) Regarding Bhagatsingh there is no book in the Library. I will try to fetch it from the market and let you know in the day or two.

(3) Father remembers you now and then. He was eagerly waiting for your Ashirvad's on the ocasion of my second Daughter's marraige which was performed on 2nd of December 1965. We sent invitation card written in Hindi. He felt sorry for not receiving (any letter from you) the same. All at my home are in good Health. at office we are ~~three~~ Subbarao, Gopalji mehrotra, Dineshji and my self.

Yours
Govardhan Prasad

All India Congress Committee
CONGRESS SEVA DAL

7, Jantar Mantar Road,
New Delhi.
January 14, 1966.

Dear Brother,

This is to confirm the dates of the six monthly meeting and the Border District Workers Training Camp to take place at Delhi on 24th January and 27th January respectively.

Names if not sent should be sent at once. These will be taken as accepted if not otherwise informed.

Yours sincerely,

(S. V. Inamdar)
All India Organizer.

Campsite - from 23rd January.
Bharat Scouts and Guides
camping ground near Hymayun Tomb
New Delhi.
Rly. Station for S. R. C. R. and
W. R. - Hazarat Nizamuddin or
New Delhi. for N. R. and E. R.
Delhi junction.

To:

All Pradesh Heads.

B Copy

टेलीफोन { ४०३२०
{ ४५८७०

तार : कांग्रेस

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी

ALL INDIA CONGRESS COMMITTEE · NEW DELHI ·

७, जन्तर मन्तर रोड,
नई दिल्ली-१.

15.1.66

Sri Subbarao

In spite of your repeated expression to resign I presume that you wanted to continue in Seva Dal Dept. I experience that you are not inclined to talk or discuss, hence this letter.

I have to decide of the allotment of work for the year 1966. You know the type of work we have. To ask which would you prefer? I will see how it could be adjusted and arranged in the whole set up. The allotment of 1965 naturally discontinues.

You have the President's work and it has to be done whenever you are called to do.

In absence of any proposal from

you as regards Seva Dal work I will presume that you will inform me whenever you were free so that I can entrust work to you from time to time. In that case you will take up work connected with Seva Dal and its All India Office when entrusted by me or Dr Hardiker. And you will use your designation in correspondence connected with such work only.

Yours

S. N. [illegible]
All India [illegible]

Copy to Dr N. S. Hardiker
Sanchalak
Ghataprabha

महाराष्ट्र प्रदेश काँग्रेस कमिटी,

फोन नं. ४५१२६१.
टिळक भवन, गोखले रोड (द.),
पेठ गल्ली, दादर, मुंबई २८.

सेवादल - विभाग.

परिपत्रक क्र. १-६६.

दिनांक १८ जानेवारी १९६६.

विषय :- मनमाड येथील सेमीनार व शिबीर सत्रासाठी आलेल्या कार्यकर्त्यांसाठी.

स. न. वि. वि.

विनंती -

हे पत्र मी आधीच पाठवावयास हवे होते. परंतु पंतप्रधान शास्त्रीजी यांच्या दुःखद निधनामुळे जरा वेळ लागला आहे. मनमाड येथील शिबीरात व संमेलनात आपण हजर राहून प्रांताध्यक्ष माननीय श्री. विनायकरावजी पाटील व सरचिटणीस, मा. शंकररावजी देशमुख यांच्या मार्गदर्शनाप्रमाणे आपल्या संघटने-बाबत आपण विचार केला पाहिजे व आपले संघटन बळकट करण्यासाठी अहर्निश प्रयत्न आपणास केला पाहिजे. या मार्गदर्शनाप्रमाणे आपण त्या संमेलनांत व शिबीरांत सर्वांनी, तात्त्विक व्यवहारी दृष्टीकोन डोळ्यासमोर ठेऊन चर्चा केली व निर्णयहि केले. त्या निर्णयाप्रमाणे आपण आपल्या जिल्ह्यांतील सेवादल संघटन आहे ते अधिक बळकट, शक्तीशाली करण्याचा प्रयत्नास लागला असाल. या मेळाव्यांत झालेल्या चर्चेचा व निर्णयाचा गोषवारा दल-सैनिक विशेषांकांत देत आहोत. या अंकाच्या किती प्रति आपणाकडे पाठवूं हे आम्हास त्वरित कळवावें. आपल्या जिल्ह्यांत जिल्हा कार्यालयाचे ठिकाणीं किमान ५० सैनिक गणवेशधारी तयार होतील असा प्रयत्न करावा. या कार्यालयाशीं जास्तीत जास्त संबंध प्रस्थापित करावे व नियमित अहवाल या कार्यालयाकडे पाठविलेले असावे.

आपण या संमेलनास व शिबीरास हजर राहून सहकार्य केल्याबद्दल सरचिटणीस, मा. शंकररावजी देशमुख व माझ्या तर्फे या पत्राद्वारें आपणांस व आपल्या कार्यास सुयश चिंतुन धन्यवाद देत आहोत.

कळावें,

आपला नम्र,

आनं. कुंभ

(आनंदीराम कुंभ),

दलपति,

काँग्रेस सेवादल, महाराष्ट्र प्रदेश.

संचालक का आग्रह

खुशी होती है कि सन् १९२३ में शुरू कियागया सेवा दल आजतक कार्य करता रहा है और कांग्रेस का एक महत्व का विभाग बनगया है. साथ ही मन में यह सवाल भी उठता है कि जिस कार्य को लेकर सेवादल की स्थापना कीगई उसमें हमें कितनी सफलता मिली, उस दिशा में हमने कितना काम किया? कांग्रेस की मदद करना जनता की सहायता करना सेवा करना आदि कार्य तो सेवादल नेंकिया है और करता भी रहेगा. यह कार्य सेवादल के अलावा अन्य एजन्सियां भी करती हैं. कांग्रेस को प्रशिक्षित कार्यकर्ता देना यह काम भी सेवादल को शुरू करने के उद्देश्य में एक था जिन्हों ने सेवादल में प्रशिक्षण लिया है ऐसे काफी कार्यकर्ता महत्व के स्थान पर रहकर कांग्रेस में तथा अन्य कार्यक्षेत्रों में काम कररहे हैं. लेकिन उनमें से कितनों में सेवादल की भावना कायम है तथा उसको फैलाने में कितने प्रयत्नशील हैं यह विचार करने की बात है.

दिसम्बर के दलसमाचार में श्री इन्दिराजी का सन्देश पढा वह पढ कर खुशी हुई. श्री इन्दिराजी आज देश के युवकों का प्रतिनिधित्व करती है. इसलिए उनके विचार को विशेष महत्व है. उन्हों ने लिखा है.: **I have always been an ordent supporter of the Seva Dal as it is the only part of our organisation which is under strict discipline and can therefore be used to inculcate the value of discipline not only in our organisation but in the general public as well."**

मैं हमेशा से सेवादल की समर्थक रही हू. चूंकि वही एक ऐसा विभाग है जो सख्त अनुशासन में रहता है इसीलिए, न केवल संगठन में अनुशासन कायम रखने में उसका उपयोग किया जासकता है बल्कि अनुशासन की गरिमा का जनता को अहसास कराने के लिए भी उपयोग किया जासकता है."

यही सेवादल का बुनियादी कार्य है, मिशन है. सेवादल को संगठन के तौर पर तथा सेवादल सैनिक को व्यक्ति के तौर पर करना है.

अनुशासन या राष्ट्रीय अनुशासन एक बडा शब्द है. लेकिन उसकी सरल व्याख्या " वर्तमान नियम, तथा आज्ञाओं का पालन और अपना ध्येय, संगठन तथा उच्च अधिकारी पर निष्ठा, आचार और उच्चार में संयम, एवं नम्रता " इन शब्दों में किया जासकता है. कितने सेवादल के सैनिक इसमें खरे उतरेंगे, तथा इस भावना को फैलाते रहते हैं?

दूसरी बात है क्षमता की राष्ट्रीय क्षमता की. जो प्रशिक्षण से प्राप्त होती है. सेवादल की टुकडी या सेवादल का सैनिक जहां कहीं देश में काम करता हो उसके काम करने की क्षमता क्या है. वह अपने हाथ में लिया या किसी के व्दारा सौंपागया कार्य कितनी क्षमता से करता है. दूसरे के मुकाबले में वह कितना सफल है. यह देखना भी आवश्यक है. क्षमता में सफलता इतनी महत्व की नहीं जितनी कार्यपद्धति तथा सुन्दरता है. सफलता मात्र एक अंतिम स्थिति है. प्रत्येक कार्य व्यवस्थित तथा मन प्रसन्न करनेवाला होना चाहिए. इस प्रकार की क्षमता लाने का प्रयत्न सेवादल व्दारा होना चाहिए. अत्यन्त छोटे काम में इसबारे में सतर्कता रखीजाय तो बडे काम में वह अपने आप दिखाई

राष्ट्रीय चारित्र्य को भी सेवा दल में महत्व का स्थान है. इस तरह अनुशासन, समता तथा चरित्र का पालन तथा प्रसार सेवादल का कार्य नहीं, मिशन है. यह व्यक्ति तथा राष्ट्र के जीवन की बुनियाद है. कांग्रेस, देश तथा जनता की सेवा करते समय सेवादल संगठन तथा सैनिक इसको न भूलें.

डाक्टर ना. सु. हर्डीकर.

तारीख ७ जनवरी १९६६

SHIVAJI UNIVERSITY

Gram "UNISHIVAJI"
Phone 730, 1088, 1148, 722
1268, 1276

Post Box No. 203.
Kolhapur -3

To avoid delay in reply, please quote :-

Ref No. Dr.(Smt.) U. Ithape,
M.A., Ph.D.,
Dy. Registrar.

D.O.No. SU/GEN/ 40855 18th January, 1966.

Dear Dr. Hardikar,

Adverting to the conversation on phone on 17th January 1966, I write to confirm that the Centenary Celebrations of the Late Lala Lajpat Rai will be organised at 5-30 p.m. on Friday the 28th January 1966, in the Main Hall of the Rajaram College, Kolhapur. The Vice-Chancellor, Dr. A.G. Pawar will be presiding over the function. I should be grateful if you would kindly let me know the title of the lecture which you would like to deliver on that day to enable me to make the necessary announcement. The date and time of your arrival may also be intimated so that arrangements will be made to receive you at the Railway Station/Bus Stand. The University will make arrangements for your accommodation if you so desire. Incidentally I may add for your information that your travelling expenses on account of the function (first class T.A. each way and Rs. 10/- per day as halting allowance) will be borne by the University.

Yours sincerely,

- U Ithape

Dr. N.S. Hardikar,
Karnatak Health Institute,
Ghataprabha, Dist: Belgaum.

PHONE : 73111

CONGRESS SEVA DAL

~~ALL INDIA PUBLICITY COMMITTEE~~

CONGRESS HOUSE,
BOMBAY-4.

Date 21/1/66.

पूज्य डॉक्टर साहब,

आपके दोनों पत्र मिले थे। जवाब इसलिये नहीं दिया कि काम नहीं कर पाया था।

लाल बहादुरजी की तस्वीरों का कुछ [illegible] में [redacted] [illegible] दे जा रहा हूं वे आपको रोज करेंगे। मैं कल का.का. बैठक के बारेमें दिल्ली जा रहा हूं।

स्वामी रामदासजी और शहीद भगतसिंह की किताब भेजने का प्रबंध नहीं हो सका है। शक्य होगा तो जानेसे पहले करूंगा।

२६ जनवरी गणतंत्रदिन
के लिये पसंद किया
गया था कि उसदिन
१९२९ में रावी के तट पर
'मुकम्मल आज़ादी' की इसने
प्रतिज्ञा की थी। १९५० में
गणतंत्र ज़ाहीर हुआ। प्रमाण
ढूँढ कर भेजूँगा।

मैं और हरिहर [illegible]
आशा कापड़िया जा रहे हैं
के. हरेन्द्र व अरुणा संपत
भी आते हैं। हम सब
कुशल हैं। आपकी
कुशलता प्रार्थित है।
— [illegible]

प्रति,
श्री. डॉ. एन. एस. हर्डीकर,
कर्नाटक हेल्थ इन्स्टिट्यूट,
घटप्रभा
(ज़िला बेलगाम)
GHATPRABHA
(Dist. Belgaum)

618.

SHIVAJI UNIVERSITY

Gram : " UNISHIVAJI "
Phone : 730, 1088, 1148, 722
1268, 1276

Post Box No. 203.
Kolhapur.-3

To avoid delay in reply, please quote :-

Ref No. SU/Gen/ 4151

21 JAN 1966

Dr.(Mrs.)Usha G.Ithape,
Ag.Registrar.

Dear Dr. Hardikar,

I am most grateful to you for your kind letter of the 20th inst. accepting our invitation to deliver a talk on the occasion of the celebrations of Lala Rajpat Rai Birth Centenary. I have just now sent to you a telegram to communicate that you may kindly speak in Marathi. The function would take place under the Presidentship of Dr.A.G.Pawar, Vice-Chancellor, Shivaji University at 6 p.m. on Friday, the 28th January, 1966 in the Rajaram College, Kolhapur. The printed invitation of the function will reach you soon.

Awaiting to meet you,

Yours sincerely,

U Ithape

(Usha Ithape)

Dr. N.S.Hardikar,
Administrator,
Karnatak Health Institute,
Ghataprabha (Dist.Belgaum)

टेलीफोन { ४०३२०
{ ४१८७०

तार : कांग्रेस

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी

ALL INDIA CONGRESS COMMITTEE · NEW DELHI

७, जन्तर मन्तर रोड,
नई दिल्ली-१.

હૈદ્રાબાદ
2/1/80

પુજ્ય ડૉ. સાહેબ,

સા. ન.

[illegible] આગળ ની [illegible]
[illegible] આપને પણ [illegible]
પણ ~~[illegible]~~ [illegible]
[illegible] છે. હવે [illegible] કાંઇ
કારણ નથી. [illegible]
[illegible] ~~[illegible]~~ [illegible]
[illegible] પણ તે [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] છે. [illegible]
છે. 2 જાનેવારી 1980 ના [illegible]

रेडिओ [illegible] [illegible] कवि कुसुमाग्रजांचे पाठ.
केले होते त्यावेळेस २५ जाने [illegible] पाठ.
पुनर्रचनांमध्ये नवीन [illegible] आज [illegible]
होते.

येथील वाचकांना माहीत आहे की रेडिओ
ठाणे पुरस्कार आहे तो ठरव आपणास
दरवर्षी [illegible] [illegible] पाठवण्याची
[illegible] आहे. [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible]

आज सोबत [illegible] जात आहे. तेथे
[illegible] बैठक आहे. आपणास माहितीच
असेलच. बाकी विशेष नाही. पत्राचे
उत्तर [illegible] पत्त्यावर पाठवावे.
प्रकृतीची काळजी घ्यावी. [illegible]

[illegible] [illegible]

टेलीफ़ॉन { ४०३२० ४५८७०

तार : कांग्रेस

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी

ALL INDIA CONGRESS COMMITTEE · NEW DELHI ·

७, जन्तर मन्तर रोड,
नई दिल्ली-१.

Jawaharlal Nehru

A Biography

by

Frank Moraes

page no: 149

" On January 2, 1930, The Working Committee of the Congress passed a resolution fixing January 26th as Independance Day when meetings would be held and the independance ~~pleg~~ pledge taken all over the country. Since the achievement of independance, January 26th is clebrated as Republic Day.

The first Independence Day
January 26, 1930, saw great
gatherings intoning the pledge
whose opening lines read: "

pledge . . . .

B. R. Nanda,
Director.

NEHRU MEMORIAL MUSEUM & LIBRARY
TEEN MURTI HOUSE, NEW DELHI-11

No. F.30-5/65/NMM&L. Dated 22nd January, 1966.

Dear Dr. Hardikar,

Since I am not sure that you received my letter of 30th October, 1965, I enclose a copy and shall be grateful if you could kindly let me hear further.

As I mentioned in my earlier letter, this Museum will not simply keep the papers, but try to put them to excellent use for consultation by scholars of repute who are working on various aspects of the Indian freedom movement. I have every hope that if these papers were deposited here, there would be a revival of interest in the history of the Hindustani Sewa Dal and articles or books on this subject are likely to be published.

Yours sincerely,

(B. R. Nanda)

Dr. N. S. Hardikar,
Karnatak Health Institute,
Ghatprabha, Dist. Belgaum,
Mysore State.

B.R. Nanda,
Director.

No. F. 19(1)/65-NMML
NEHRU MEMORIAL MUSEUM & LIBRARY
TEEN MURTI HOUSE, NEW DELHI-11

November 10, 1965.

Dear Shri Hardikar,

I hope you received my letter dated the 30th October, 1965.

I thought I will write and reiterate that the Nehru Memorial Museum is collecting papers not only on the life and work of Pandit Jawaharlal Nehru, but on other great figures, events and institutions which contributed to the attainment of Indian Independence. The Hindustani Seva Dal, therefore, would be a subject of great importance in the study of the period; it may be possible to interest an able scholar in writing on the history of the institution.

I may add that the papers donated by you to the Nehru Memorial Museum will be (in accordance with the archival practice in important libraries abroad) filed and kept separately. They will be known as "Dr. Hardikar's Papers" and will not be mixed up with other papers. Needless to say that we propose to preserve them carefully under conditions of controlled temperature and humidity so as to prolong their life.

I shall, therefore, be grateful if you would at an early date present to the Nehru Memorial Museum & Library all papers, which have been collected by you in the course of your long and distinguished political career.

Yours sincerely,

(B.R. Nanda)

Dr. N.S. Hardikar,
Karnatak Health Institute,
Ghatprabha, District Belgaum,
MYSORE STATE.

B.R. Nanda,
Director.

No. F. 19(1)/65 NMML
NEHRU MEMORIAL MUSEUM & LIBRARY
TEEN MURTI HOUSE, NEW DELHI-11

November 10, 1965.

Dear Shri Hardikar,

I hope you received my letter dated the 30th October, 1965.

I thought I will write and reiterate that the Nehru Memorial Museum is collecting papers not only on the life and work of Pandit Jawaharlal Nehru, but on other great figures, events and institutions which contributed to the attainment of Indian Independence. The Hindustani Seva Dal, therefore, would be a subject of great importance in the study of the period; it may be possible to interest an able scholar in writing on the history of the institution.

I may add that the papers donated by you to the Nehru Memorial Museum will be (in accordance with the archival practice in important libraries abroad) filed and kept separately. They will be known as "Dr. Hardikar's Papers" and will not be mixed up with other papers. Needless to say that we propose to preserve them carefully under conditions of controlled temperature and humidity so as to prolong their life.

I shall, therefore, be grateful if you would at an early date present to the Nehru Memorial Museum & Library all papers, which have been collected by you in the course of your long and distinguished political career.

Yours sincerely,

(B.R. Nanda)

Dr. N.S. Hardikar,
Karnatak Health Institute,
Ghatprabha, District Belgaum,
MYSORE STATE.

No.F.19-1/65-NMML-2
NEHRU MEMORIAL MUSEUM & LIBRARY
TEEN MURTI HOUSE, NEW DELHI-11

B.R. NANDA
DIRECTOR.

October 30, 1965.

Dear Dr. Hardikar,

I was glad to receive your letter of 27th October, 1965, and to learn that you propose to hand over letters of Shri Jawaharlal Nehru and papers of the Seva Dal through Mrs. Indira Gandhi. She is taking great interest in this institution and I am sure that she will be glad to know about your papers coming to us.

I quite appreciate your wish that these important papers should not "lie in Museum without seeing the light of the day". This institution is being built up for research on the life and work of Pt. Jawaharlal Nehru as well as on different aspects of the freedom movement. We hope that the materials we are trying to collect in this institution will be used by scholars from within the country and from abroad. I trust, therefore, that your letters will be used by scholars conducting research on an important period of our history.

Yours sincerely,

(B.R. NANDA)

Dr.N.S. Hardikar,
Karnatak Health Institute,
Ghatprabha, Distt.Belgaum,
<u>MYSORE STATE.</u>

B.R. NANDA
DIRECTOR.

No.F.19-1/65-NMM&L.
NEHRU MEMORIAL MUSEUM & LIBRARY
TEEN MURTI HOUSE, NEW DELHI-11

October 14, 1965.

Dear Dr. Hardikar,

As you are perhaps aware, the Teen Murti House has been dedicated to the memory of Jawaharlal Nehru and now houses the Nehru Memorial Museum & Library. A systematic effort is being made to collect all letters, press clippings, photographs, films and other documentary materials relating to his life and work. It is proposed to carefully preserve and classify all this material, and in due course, to make it available for research to scholars.

Everyone who has read the Autobiography of Pt. Jawaharlal Nehru*, knows the affectionate terms in which he has referred to you "as my old comrade". The distinguished role played by you in the organisation of the Hindustani Sewa Dal forms a bright chapter in the history of struggle. Both because of your role in the Freedom Movement and you association with Pt. Nehru, we are anxious to acquire such letters, files, records, books, which you may have with you. All this material would be carefully preserved in the Nehru Memorial Museum & Library. Not only it will be saved from the ravages of time, but also assist in building up the archives of the National Freedom struggle in this historic building which has been dedicated to the Memory of Jawaharlal Nehru.

I shall be grateful if you would kindly agree to donate this material. If any assistance is required in packing or despatching it will be gladly rendered.

With regards,

Yours sincerely,

(B.R. NANDA)

Dr. N.S. Hardikar,
Karnatak Health Institute,
Ghataprabha,
Distt. Belgaum,
MYSORE STATE.

P.T.O
See Reply

Reply

27.10.65

My dear Nanda

Your esteemed letter of 14.10.65 regarding letters etc. that I possess from our departed leader Pandit Jawaharlal Nehru. Yes! I have a number of them with me and I want to hand them over to you through his daughter Mrs. Indira Gandhi who knows what Seva Dal is. All letters that I have in my possession deal with an organisation which as I think has been of immense help to the parent organisation — The Indian National Congress from 1923 — from Dals inception itself. It is my desire to see how best this correspondance of the greatest maker of modern India can be used at the present moment for the cause of the country. I do not desire these letters to lie in the museum without seeing the light of the day. So, I will wait for some time until I speak to Indiraji personally.

Yours brotherly

N.S. Hardiker

Telephone : 45651 (5 Lines)

ALL INDIA CONGRESS COMMITTEE

7 JANTAR MANTAR ROAD NEW DELHI-1

१३-१-६६

पू. डॉक्टर,

मी काल रात्री येथे आलो. आपण घर प्रमाणे परत आला असालच. लालाजींची मूळ पत्रे तेथे ठेवून टाईप कॉपीज बरोबर आणल्या. २-३ दिवसांत श्री रंगकुराम यांना भेटून या पत्राबद्दल कळवीन. शास्त्रीजींच्या अवसाना-मुळे येथे थोडे ~~[illegible]~~ अस्थीर वातावरण उत्पन्न झाले आहे. तेव्हा पंडितजींचे पत्रा बद्दल श्री नंदाजींना थोड्या दिवसांनंतर भेटेन म्हणजे शांतपणे बोलता येईल. मी आपणास सांगितल्या प्रमाणे श्री वेंकटराम अय्यर यांना पत्र पाठवून आपल्या पारनेरात काही फरक करावयाचा नसेल तर ते आम्ही लोकांचे छापण्यास सुरवात करतो असे कळवत आहे. त्यांच्या उत्तराची काही दिवस वाट पाहून श्री भाऊ शेवडे यांना ते छापण्यास ~~काम कळवत आहे~~ कळवीन. कारण हे काम आता वेगाने होणे जरूर आहे. श्री हुक्कीरी आपणाकडे अंक काही पाठवले होते. त्यात लिहिल्या प्रमाणे ज्युबिली ट्रस्टच्या पारितोषिकांत बदल करण्या बद्दल श्री भाऊ शेवडे यांचेशी बोलणार आहे. ते काम पण पूर्ण होणे जरूर आहे. आपल्या नावावर एक समाचार मध्ये [illegible] सोबत पाठवत आहे. श्री नंदकुमार देव परवा येथे आले

आज परत गेले. माझे कडून उत्तर दिले होते. त्यांची प्रकृती
बरी आहे. श्री राजजींच्या मृत्यूमुळे सेवा दलाला
मोठा आधार गेल्यासारखे झाले आहे. त्यांच्या
पुनरागमनाने सेवादलाला तर्फे शोक संदेश पाठवला आहे.
आपण धर्मप्रवेश कोणताच - सेवादल अवस्था
संबंधी बोलून दाखवला. सेवादलाशी आपला
spiritually व constitutionally संबंध रहावा
म्हणून तो बदलणे योग्य वाटत नाही. पण आपल्या
प्रकृतीमुळे लवकर बाहेर पडणे जरूर आहे. सेवादलात
बराच काही गोंधळ चालू आहे. सेवादलात त्यात
विकृत स्वरूप येत आहे. या बाबतीत परिस्थिती विकृत
होत आहे. मला वाटते हि विकृती - indiscipline व
in subordination इतर कार्यकर्त्यात येऊन ते
संघटनेला स्वास्थ्य सोबत रहाणार नाही. असी
भीती वाटते. वाटेल माझ्याजवळच्यांना हा प्रश्न मार-
ग्याचे होता. जे संकेत या बाबतीत आहे. slams
बोलतील असे वाटत नाही. तोडगा मला असे वाटतो की
मार्ग आपण, आपल्या अनुपस्थितीत आपले संपादक
-मंडळ काम करण्याचे अधिकार पण दिले होते. ते पण
आता बरेच दिवस झाल्यामुळे विसरल्यासारखे
झाले आहे. आपण दिल्ली पासून [illegible] सध्या दूर
असल्यामुळे आपल्या दिल्ली येथील अनुपस्थितीत
आपले काम करण्याचे अधिकार पण दिले त्यांनी
औपचारिक ते. संकेताच्या पारखीतल या गोष्टीत

Telephone : 45651 (5 Lines)

ALL INDIA CONGRESS COMMITTEE

JANTAR MANTAR ROAD NEW DELHI

आता घाईघाईत अप्रत्यक्ष फक्त हाहूंचा. आपणास जर हे योग्य वाटले तर तसे पत्र राज्य शासनाला लौकर पाठवावे. अर्थात त्यांना प्रत्यक्ष उपयोग तसा आरंभ करावा लागणार नाही व ज्या वेळी लागेल तेव्हा आपणास पत्राने ~~कळवीन~~ कळवता येईल. तरी आपण यांचा विचार करावा.

[illegible]

र. के. खाडिलकर

२६ जानेवारीपर्यंत श्री. गोवर्धन जोगे निर्णय आंध्र सरकार करून केव्हा घोषणा झाली त्यांना reference मिळाल्यावर कळवीन.

राजेन्द्र कुमार निगम

अध्यापक, स्काउट मास्टर

नगर महापालिका, लखनऊ

संस्थापक

श्री गान्धी रात्रि पाठशाला

संस्थापक

श्री गान्धी महिला जूनियर हाई स्कूल

सेवादल एवं शिविर मन्त्री

नगर महापालिका सेवादल, लखनऊ

संगठक

कांग्रेस सेवादल

गणेशगंज मण्डल कांग्रेस कमेटी, लखनऊ

मन्त्री

मुहल्ला समिति, गणेशगंज

सदस्य

नागरिक सुरक्षा समिति

सदस्य

जवाहर लाल उच्चतर माध्यमिक स्कूल

(बाँदा)

श्री गान्धी महिला जूनियर हाई स्कूल

११० सुनेर वाली गली, पुराना गणेशगंज

लखनऊ, दिनांक फरवरी ११, १९६[illegible]

प्रिय महोदय,

श्री गान्धी जूनियर हाई स्कूल (महिला) की वार्षिक पत्रिका (जवाहर ज्योति) का प्रथम प्रकाशन शीघ्र ही प्रकाशित होने जा रहा है।

कृपया अपना एक फोटो तथा शुभ कामना संदेश देकर अनुगृहित करने की कृपा करें।

भवदीय

रा० कु० निगम

(राजेन्द्र कुमार निगम)

संस्थापक एवं प्रधान मन्त्री

श्री गान्धी महिला जूनियर हाई स्कूल

गणेशगंज, लखनऊ

सेवा में

श्रीमान डा० हार्डीकर,

संस्थापक कांग्रेस सेवादल,

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी,

७ जंतर मंतर रोड,

नई दिल्ली।

राजेन्द्र कुमार निगम

अध्यापक, स्काउट मास्टर

नगर महापालिका, लखनऊ

संस्थापक

श्री गान्धी रात्रि पाठशाला

संस्थापक

श्री गान्धी महिला जूनियर हाई स्कूल

सेवादल एवं शिविर मन्त्री

नगर महापालिका सेवादल, लखनऊ

संगठक

कांग्रेस सेवादल

गणेशगंज मण्डल कांग्रेस कमेटी, लखनऊ

मन्त्री

मुहल्ला समिति, गणेशगंज

सदस्य

नागरिक सुरक्षा समिति

सदस्य

जवाहर लाल उच्चतर माध्यमिक स्कूल

(बाँदा)

श्री गान्धी महिला जूनियर हाई स्कूल

११० सुनार वाली गली, पुरानो गणेशगंज

लखनऊ, दिनांक ६ फरवरी १९६६

प्रिय महोदय !

श्री गान्धी जूनियर हाई स्कूल (महिला) की वार्षिक पत्रिका (जवाहर ज्योति) का प्रथम प्रकाशन शीघ्र ही प्रकाशित होने जा रहा है।

कृपया अपना एक फोटो तथा शुभ कामना संदेश देकर अनुगृहित करने की कृपा करें।

भवदीय

(हस्ताक्षर)

(राजेन्द्र कुमार निगम)

संस्थापक एवं प्रधान मंत्री

श्री गान्धी महिला जूनियर हाई स्कूल

गणेश गंज, लखनऊ

सेवा मे

श्रीमान डा० हार्डीकर,

संस्थापक कांग्रेस सेवादल,

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी,

७ जंतर मंतर रोड,

नई दिल्ली।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी

कांग्रेस सेवा दल

७, जन्तर मन्तर रोड, नयी दिल्ली-१

कार्य-विवरण-जनवरी, १९६६

परिपत्र तथा गश्ती चिट्ठियां:

दिनांक १५ जनवरी, ६६ को छमाही बैठक तथा सीमान्त जिलों के कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण शिविर की जानकारी भेजी गयी।

प्रवास तथा निरीक्षण

श्री स०वा० इनामदार, अखिल भारतीय संगठक, कांग्रेस सेवादल मनमाड़ में आयोजित सेवादल के वर्तमान व पुराने कार्यकर्ताओं के सम्मेलन में उपस्थित रहे। राष्ट्रीय अनुशासन पर आयोजित सेमिनार की उन्होंने अध्यक्षता की। सम्मेलन की समाप्ति के बाद लासलगांव, नासिक रोड, जालना और औरंगाबाद के दल कार्य का निरीक्षण किया। औरंगाबाद से घटप्रभा पहुंचे जहां पर डाक्टर हर्डीकर साहब से विचार-विमर्श हुआ। तारीख १२ जनवरी, ६५ को दिल्ली पहुंचे।

श्री नवीन भाई शाह, सहायक अखिल भारतीय संगठक कोटा, सवाई माधोपुर, जयपुर, बाड़मेर, जोधपुर आदि का दौरा करके २३ जनवरी को दिल्ली पहुंचे तथा छमाही बैठक के बाद २८ जनवरी को जयपुर पहुंचे।

श्री मदनभाई - पूर्णिया, जोगवनी, ठाकुरगंज, जयनगर आदि का दौरा पूर्ण करके दिल्ली पहुंचे। छमाही बैठक में भाग लिया।

श्री राम खुरसाले घटप्रभा डाक्टर हर्डीकर साहब से व श्री इनामदारजी से मिलने गये। बाद में छमाही बैठक में २७ जनवरी, ६५ तक भाग लिया। २८ जनवरी से २ फरवरी, ६६ तक आपातकालीन प्रशिक्षण शिविर का संचालन किया। इसके बाद कांग्रेस अधिवेशन जयपुर के लिए प्रस्ताव किया।

कार्य-विवरण - दिसम्बर, १९६५

उत्कल - कार्य-विवरण मिला।

पंजाब - रोहतक में एमर्जेन्सी ट्रेनिंग कैम्प ता० २६ दिसम्बर, ६५ से २ जनवरी, ६६ तक चलाया गया। शिविर में ५६ व्यक्तियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

जम्मू-कश्मीर :

नागरिक सुरक्षा के कार्य में हिस्सा लिया। सेवादल का पुनर्गठन करने के लिए सेवादल बोर्ड नियुक्त किया गया।

गुजरात :

अमरेली, [illegible], चूड़ा, मीठा, वढवाली, बोडेली आदि स्थानों पर सैनिक वर्ग चलाये गये, जिसमें १८२ भाई व ५३ बहनों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। राष्ट्रगान के २६ वर्ग चलाये गये जिसमें २७ पुरुष व १७१ महिलाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। ईडर, सूरत, आणंद, और अमरेली में जिला सम्मेलन किये गये।

आन्ध्र :

प्रदेश संगठक ने हैदराबाद के विभिन्न हिस्सों की मुलाकात ली।

उत्तरप्रदेश:

इलाहाबाद और हमीरपुर में सैनिक प्रशिक्षण शिविर चलाये गये, जिसमें ७० व्यक्तियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। पालिटेक्निक भवन जौनपुर में ब्लाक अधिकारी प्रशिक्षण शिविर चलाया गया, जिसमें ३५ व्यक्तियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। कांग्रेस अध्यक्ष, श्री कामराज जी के उत्तर प्रदेश आगमन पर मेरठ, आगरा, कानपुर, इलाहाबाद, और वाराणसी में सैनिक सम्मान दिया गया और सभा व जुलूसों की व्यवस्था सम्पन्न की गयी।

त्रिपुरा :

सेवादल दिवस मनाया गया।

मणिपुर :

सुन्डाकुम्भ और कम में जिला रैली २६ दिसम्बर को सम्पन्न की गयी।

आसाम :

बिलासपुर में सैनिक प्रशिक्षण शिविर चलाया गया, जिसमें ५४ पुरुष व ३३ महिलाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। जी०ओ०सी० ने "जोरहाट" में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के शिविर का संचालन किया। आसामी भाषा में सेवादल क्या है, पुस्तिका प्रकाशित की गयी।

दिल्ली :

लोदी इस्टेट, मण्डी चौक शाहदरा तथा गांधी नगर में सैनिक प्रशिक्षण चलाया गया जिसमें ५० व्यक्तियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

साहित्य प्राप्ति तथा प्रकाशन :

सबल सिपाही का दल दिन विशेषांक मिला ।

राष्ट्रसेवादल पत्रिका का दलदिन विशेषांक मिला।

सेवादल पत्रिका बम्बई का दिसम्बर, ६५ का अंक तथा जनवरी ६६ का अंक मिला।

पत्र मित्र का दिसम्बर, ६५ का अंक मिला ।

यूथ रिव्यू का जनवरी, ६६ का अंक मिला ।

कांग्रेस पत्रिका का जनवरी ६६ का अंक मिला।

कांग्रेस पत्रिका गुजरात का अंक मिला ।

राष्ट्रसेवा पत्रिका का जनवरी, ६६ का अंक मिला।

भारत स्काउट एण्ड गाइड का जनवरी ६६ का अंक मिला।

नेशनल यूथ आर्गनाइजेशन द्वारा आयोजित नेशनल सेमिनार की रिपोर्ट प्राप्त हुई ।

सेवादल सोविनियर जिला नागपुर का मिला।

दल सैनिक (महाराष्ट्र) का दिसम्बर, ६५ का अंक मिला।

- स० वा० इनामदार
अखिल भारतीय संगठक

फरवरी, १९६६

दिल्ली।

टेलीफोन { ४०३२० / ४५८७०

तार : कांग्रेस

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी

ALL INDIA CONGRESS COMMITTEE · NEW DELHI

७, जन्तर मन्तर रोड,
नई दिल्ली-१.

29.9.૬૬

પૂ ડૉક્ટર

આપનો તા ૧૯ નો પત્ર મળ્યો.

~~[illegible]~~ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
~~[illegible]~~ [illegible]
[illegible]
[illegible]: Indiscipline ને insubordination ની tendency [illegible]
[illegible]
[illegible] "પ્રોત્સાહન" [illegible]
[illegible].

[illegible]
[illegible]

निवासी अर्जदार. ते कांग्रेस [illegible]
रहाता असत [illegible] देऊ [illegible] करावे.
[illegible] सह्याद्री [illegible]
"Alexandria in monthly meeting
रहा आहे व त्यानंतर Emergency
Camp. ला [illegible] आहोत
आहेत. आपला काही message (विचार)
पाठवावे [illegible] पाठवावे
[illegible] आपल्या नावावर
लिहिता [illegible] आहे का?
[illegible]
[illegible] आहे.
कळावे [illegible] राहावे.
[illegible] २२ ~~[illegible]~~ [illegible]
[illegible] आहे. [illegible]
[illegible]
राहावे.

आ.

[illegible]

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी

कांग्रेस सेवा दल

७, जन्तर मन्तर रोड, नयी दिल्ली

कार्य विवरण -- फरवरी, १९६६

नियुक्ति

श्री गुलजार सिंह को कांग्रेस सेवादल पंजाब का दलपति नियुक्त किया गया।

परिपत्र तथा गश्ती चिट्ठियां

तारीख ७ फरवरी, ६६ [illegible] भेजा गया, जिसमें अखिल भारतीय प्रशिक्षण शिविर, ६६ [illegible] पारित बजट सन् ६५ का विवरण यदि नहीं भेजा हो, बैज, प्रदेश के लिए अखिल भारतीय संगठक का दौरा आदि विषयों के बारे में लिखा गया।

तारीख १ फरवरी ६६ को सन् १९६६ का [illegible] कार्यक्रम भेजा गया।

तारीख ४ फरवरी ६६ को जनरल सेक्रे[illegible],०सी०सी० इंचार्ज सेवादल के नाम पर गश्ती चिट्ठी भेजते हु[illegible] कमान्डर बैठक में लिए गये निर्णयों की जानकारी दी गयी तथा सन् ६६ के लिए अच्छा सा बजट मंजूर करवाने का निवेदन किया गया।

प्रवास तथा निरीक्षण

श्री एन०वा० इनामदार अखिल भारतीय संगठक, कांग्रेस सेवादल, कांग्रेस अधिवेशन के सेवादल कार्य में मार्ग दर्शन देने तथा निरीक्षण करने के लिए ८ फरवरी ६६ को जयपुर पहुंचे। कांग्रेस अधिवेशन की समाप्ति के बाद ता० १३ फरवरी ६६ को प्रात: दिल्ली लौटे।

श्री नवीन भाई शाह, सहायक अखिल भारतीय संगठक, कांग्रेस सेवादल कांग्रेस अधिवेशन जयपुर में सेवादल कार्य का संचालन करने के बाद तारीख १७ फरवरी ६६ को बड़ौदा पहुंचे।

श्री मदनभाई कमान्डेन्ट अखिल भारतीय टुकड़ी कांग्रेस सेवादल कांग्रेस अधिवेशन के लिए जयपुर पहुंचे। अधिवेशन समाप्ति के बाद भोपाल होते हुए बान्दा पहुंचे।

---- २.

श्री एस० एस० सुरसाले जौनल संगठक कांग्रेस सेवादल जयपुर में कांग्रेस अधिवेशन की समाप्ति के बाद दिल्ली लौटे। ता० २३ फरवरी ६६ को हैदराबाद के लिए रवाना हुए।

कार्य-विवरण

तारीख २८ जनवरी से २ फरवरी ६६ तक भारत स्काउट कैम्पिंग ग्राउन्ड पर अखिल भारतीय [illegible] प्रशिक्षण शिविर चलाया गया। जिसमें ३८ व्यक्तियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

पदमाकर हायर सैकेण्डरी स्कूल [illegible] में [illegible] से ४ फरवरी ६६ तक सैनिक पाठ्यक्रम चलाया गया। जिसमें [illegible] व्यक्तियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

सेवादल अकादमी मेहमदाबाद में तारीख २५ फरवरी से [illegible] ६६ तक वार्षिक व प्रदेश कार्य का पुनरावर्तन शिविर चलाया गया, जिसमें २४ पुरुष व ४ महिला अधिकारियों ने भाग लिया। गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मंत्री श्री चिमनभाई पटेल ने उद्घाटन किया।

एच वार्ड बम्बई में तारीख २० जनवरी से २६ जनवरी १९६६ [illegible] राष्ट्रगीत - ध्वजवन्दन का वर्ग चलाया गया, जिसमें [illegible] बहनों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। ३० जनवरी ६६ से प्रभादेवी [illegible] प्रथमोपचार का वर्ग शुरू किया गया है। जिसमें एक सौ भाई बहनों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

रामाकोना जिला छिंदवाड़ा में जिला अधिकारी तथा अन्य कार्यकर्ताओं की २१ फरवरी ६६ को बैठक हुई, जिसमें सन् १९६६ के वार्षिक कार्यक्रम पर विचार किया गया।

प्रदेशीय कार्य विवरण जनवरी १९६६

आन्ध्र : निम्बोलिडा तथा मल्लेपल्ली में दल सप्ताह का आखरी दिन १ जनवरी ६६ को समारोह के साथ समापन किया गया। गांधी भवन तथा शहर कांग्रेस कमेटी के प्रांगण में २६ जनवरी समारोह मनायी गयी।

आसाम : सभी जिलों में २६ जनवरी का कार्यक्रम समारोहपूर्वक मनाया गया।

बम्बई : तारीख ३१-१२-६५ से १६-१-६६ तक डाक्टर सेसिल डाकिस्टा ने प्रथमोपचार वर्ग चलाया। जिसमें ७० पुरुषों व २५ महिलाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

गुजरात :

१६ स्थानों पर राष्ट्रगान वर्ग चलाये गये जिनमें १६७ व्यक्तियों ने भाग लिया। कुकुवला और ओलपाड़ में शारीरिक क्षमता का प्रशिक्षण किया गया जिसमें ७७ व्यक्तियों ने हिस्सा लिया। नर्मदा नदी में २,००० मीटर्स की तैराकी स्पर्धा २६ जनवरी को सम्पन्न हुई। ६१ भाइयों ने हिस्सा लिया।

मनिपुर :

प्रत्येक रविवार को वर्ग लगाये गये।

जम्मू-कश्मीर :

जम्मू तहसील में १२ स्थानों पर वर्ग लगाये गये।

तमिलनाड :

तारीख १३ जनवरी ६६ को श्री के०पी०वी० गिरि ने स्टॉल का उद्घाटन किया। श्री वी कृष्णास्वामी की अध्यक्षता में माह शाला के प्राथमिक पाठ्यक्रम के वर्ग की पूर्णाहुति हुई। सर्वोदय दिवस ३० जनवरी को राजाजी हाल में हुए अखण्ड भजन तथा बीच हुई सार्वजनिक सभा की व्यवस्था का कार्य सम्पन्न

त्रिपुरा :

नेताजी जयन्ती, गणतंत्र दिवस, सर्वोदय दिवस आदि की सभाओं की व्यवस्था की गयी।

उत्कल : रिपोर्ट मिली ।

उत्तर प्रदेश: मैनपुरी ब्लाक अधिकारी प्रशिक्षण शिविर सम्पन्न हुआ । जिसमें ३३ व्यक्तियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। सफर इटावा तथा सुचितागंज - फैजाबाद में सैनिक प्रशिक्षण वर्ग चलाये गये, जिनमें क्रमश: २० व ५० व्यक्तियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

महाराष्ट्र :

१ और २ जनवरी ६६ को आजी व भावी कार्यकर्ताओं का सम्मेलन मनमाड में सम्पन्न किया गया।

दिल्ली: एकता दिवस मनाया गया। माघी स्नान के मेले में व्यवस्था रखी गयी। ताशकन्द समझौते के लिए की गयी सभा की व्यवस्था सम्पन्न की गयी।

साहित्य प्राप्ति तथा प्रकाशन

१- भारत स्काउट एण्ड गाइड का जनवरी,१५,१९६६ का अंक मिला।

२- सेवादल पत्रिका गुजरात का जनवरी, ६६ का अंक मिला।

३- स्थान फरवरी ६६ का अंक मिला।

४- यूथ हास्टेलर का जनवरी ६६ का अंक मिला।

५- यूथ एण्ड फ्रीडम का वाल्यूम ४-५ का अंक मिला।

६- इज़राइल यूथ होराइजन का वाल्यूम ७ का ४ अंक मिला।

७- विनोबापथ का जनवरी ६६ का अंक मिला।

८- वर्क का स्पेशल इशू १९६५ का अंक मिला।

९- वर्क कैम्पस् अक्रास दि वर्ल्ड आइटम ६५ का अंक मिला।

१०-राष्ट्रसेवादल पत्रिका का फरवरी ६६ का अंक मिला।

११-डाइरेक्टरी - आफ आरगनाइज़ेशन्स कन्सर्न्ड वुथ इन्टरनेशनल वालिन्टरी सर्विस मिली।

१२-दल सैनिक महाराष्ट्र का जनवरी-फरवरी ६६ का अंक मिला।

१३-स्टूडेन्ट टाइम्स का फरवरी ६६ का अंक मिला।

१४-कांग्रेस पत्रिका गुजरात साप्ताहिक मिला।

१५-अमरिकन रिपोर्टर की प्रतियां मिलीं।

विशेष

कांग्रेस अधिवेशन सम्बन्धी स्वतंत्र अलग रिपोर्ट दी गयी है।

अधिवेशन के बारे में एक बात की ओर जनरल सेक्रेटरी का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। वह है बड़ी तादाद में पुलिस की उपस्थिति। इससे जनता यह महसूस करने लगी है कि अधिवेशन का प्रबन्ध सरकारी पुलिस के द्वारा ही होता है। सिक्यूरिटी के नाम पुलिस हर तरह से अपना अधिकार चलाने की कोशिश करती है। और इस बारे में कांग्रेस पदाधिकारी तथा मंत्रीगण सख्त और स्पष्ट नहीं रहते है। जयपुर में तो पुलिस का यह आग्रह था कि सेवादल का प्रत्येक सैनिक पुलिस से आयडेन्टटी कार्ड प्राप्त करने पर ही अधिवेशन के स्थान में प्रवेश तथा काम करे। जो कि सेवादल द्वारा स्वीकार नहीं किया गया। लेकिन इस तरह से मालूम होता है कि

अधिवेशन में प्रभुत्व किसका होता है ?

योजना के अनुसार गुजरात के संगठक श्री परमानन्द देसाई उत्कल में सेवादल संगठन की सहायता करने के लिये गये हैं और उन्होंने अपना काम शुरु किया है।

बिहार का सेवादल संगठन व्यवस्थित रूप में नहीं। यह स्थिति लम्बे अर्से से चली आयी है। जयपुर अधिवेशन के समय उपस्थित प्रदेश सेवा दल बोर्ड के चेयरमैन तथा प्रदेश के प्रधान मंत्री के साथ चर्चा करने पर एक अस्थायी व्यवस्था स्वीकार की गयी। उसके अनुसार वहां अब सेवादल कार्य चलेगा। वहां के कार्य का संचालन श्री शामाबाबू, चेयरमैन सेवादल बोर्ड स्वयं करेंगे।

१९६६ के लिए अखिल भारतीय कार्यालय के कार्यकर्ताओं में कार्य का बंटवारा किया गया है।

(स० वा० इनामदार)
अखिल भारतीय संगठक

TOWARDS EFFECTIVE NUTRITION EDUCATION

Dr V. Ramakrishna*

Introduction

With the control of many of the communicable diseases, steady improvement in the health services after independence and the emergence of sulpha drugs and antibiotics, there has been a significant increase in the expectation of life in India from 32 in 1940 to 47 today. It is safe for an infant of today to hope to see its 47th birth-day. But there is also the sad picture of people, who due to several factors, particularly those of mal-nutrition and under-nutrition cannot enjoy a fuller life of vigour and vitality. There is a general inertia and a lowering of physical and mental out-put. With little or no power of resistance to diseases like tuberculosis, what can one expect but sub-normal efficiency in whatever activities they undertake ? It is no wonder, therefore, that there has been a large number of refusals in the recruitment to the army during the present National Emergency. But it is heartening to know the instances where a slight modification of the daily in-take of certain foods raised the nutritional level of the people resulting in the reduction of sickness and improvement of the working capacity of men.

Nutrition Education is the key

Many people could have balanced and health-giving diet within their financial resources and cultural pattern by better selection and preparation of those foods which are already available to them. This could be achieved through well-organised nutrition education which is the key to the solution of many problems related to health and disease. Lack of knowledge of the most simple facts of nutrition is the root cause of a high proportion of cases of mal-nutrition. The inability to select the right kinds of locally available foods and to cook them in such a way that will retain all the nutrients, and inability to develop taste for inexpensive foods which provide nourishment in ample measure, are the main causes for the widespread low standard of nutrition among different sections of the population.

Sporadic Publicity Efforts

Some efforts are being made towards education for better nutrition. Most of it is sporadic dissemination of information. A few lectures are given, press and radio are used now and then, pamphlets and popular literature are distributed and posters are stuck. Health visitors, home science workers and others give talks and conduct cooking demonstrations. Field publicity units and mobile health propaganda vans show films on food and nutrition.

Effectiveness of these activities has not been ass[essed] scientifically. It may not be wrong to assume that the peo[ple] by and large have not yet gained much knowledge or develope[d] favourable attitude or improved their food practices. The[re] may be several reasons for these not having influenced the common man to improve his diet by his own efforts.

---

* Director, Central Health Education Bureau, D. G. H.S., Kotla Road, New Delhi-1

Understand why people eat what they eat

It may be important to have the data about calories and nutrient requirements for different categories of people and to know the correct information about the composition of different kinds of food articles. It may be also important to possess the skills to conduct diet or nutrition surveys and pin-point the prevailing pattern of nutritional deficiency. But for planning effective nutrition education programme, it is vital to find and fully understand the answers to the questions such as - why do people eat what they eat? What influences them in selecting only certain kinds of food? Who makes the decision and in what areas? What values (nutritive and others) are attached to different food-stuffs and why? What makes them to prepare a dish in a particular way at a particular time or season? Why should they eat only in a certain manner and sequence? Who takes meals first and last, and why?

Most people are not free to eat what they like to eat and at the time, place and in the company of their choice. They may also not be in a position to have foods combined, prepared and served in the form and the way they want. They are born into the 'food culture' of the community to which they belong and conform to it as it is safe for them to follow the prevailing pattern.

The illiterate masses, who form 75 percent of the population, have some notion (which the literate might consider as primitive) about the body, its organs, and their composition and functions, food and its functions, composition and qualities of different foods, the process of digestion and metabolism and the elimination of waste products from the body. Whatever may be his concepts of these, they are real to him and have become a part of his personal and community life. The new ideas that are thrust on him, however scientific they may be today, will be rejected if they do not fit into his pattern of concepts or he sees no relationship between them. Chances of success of nutrition education programme are remote when its content is contrary to the current views and feelings of the community dubbing them as superstitious.

The basis of people's concepts

What could be the basis of the people's concepts, attitudes, beliefs, values, habits and customs? India has the impact of thousands of years of rich cultural and spiritual heritage. The vitality of Indian culture has continued through ages despite many historical vicissitudes because it has its roots deep in the sons of the soil. Without understanding these roots one will never be able to understand what our people are and what they want, and much less one would be able to judge what they would assimilate and why? Our culture has the characteristics of continuity and common outlook among people. It comes from the past, adjusts itself to the present and moves forward to shape the future. It has been a flowing stream in which attitudes and beliefs about food and diet have got submerged as tributaries. An able nutrition educator should understand this.

Common traditions and norms of conduct have prescribed diet and regimen of life, which if followed by a normal healthy man, could result in improved health, happiness and longevity. The system has woven the social, cultural, economic, religious and spiritual components of life into it and made health as the foundation on which the others had to be built. The villagers and perhaps the majority of the urban people are still influenced by these factors, though at times of emergency they may be attracted towards modern medical care. It is no wonder that patients still continue to ask the doctor, what they should eat and when, whether they should sleep after taking medicine, whether they should drink hot or cold water, etc.

Food and diet in ancient India

The ancient Indian medicine considers food as the very life of all living creatures, and the body is stated to be the product of the food taken. Its chief function is to nourish the various dhatus which uphold the integrity of the body. It is interesting to know that it advocated the use of diverse kinds of food for maintaining the growth, strength, complexion, happiness and prolongation of existence of a healthy body. If a normal healthy man wishes to keep up his health, he has to take food in various forms possessing vari tastes and attributes so that no one dhatu may come to be in excess or deficit. Food is stated to be converted into ras and this in turn into blood, flesh, fat, bone, marrow and semen. Food is also stated to act as the fuel to the diges fire, replenishing it and making it function properly. Thus food serves many vital functions of the body and so Charaka and Susruta gave a very high place for the knowledge of the composition and qualities of various kinds of food and direct that one should never take any food from motives of desire only or in ignorance. The use of beneficial food, to them, was the only cause of growth of a person while the use of injurious food was the cause of disease. This concept of food and diet seem to prevail widely among our rural people. An effective nutrition education should take note and utilis these concepts profitably.

Further, Charaka and Sushruta have done critical study of various kinds of things available as food and discussed in great detail their merits and demerits. They felt that foods were compounds of five elements (Bhutas) possessing various qualities (Gunas) which play an importan role in the physiology of digestion and metabolism, the most important quality being taste or Rasa. The nutritive power of food is stated to depend on six different 'Rasas', The six 'Rasas', seperately or in admixture, taken or administered properly and in due measure, nourish the body. Besides these six primary qualities of food, Charaka mentio ten pairs of other 'gunas' of food — heavy and light; cold and hot; oily and dry; soft and hard; etc. Great stress is laid on the properties of 'heavy and light'. People attach rightly or wrongly, great importance to these qualities whil selecting and using different articles of local foods. Nutrition education workers who dismiss this type of classi fication as superstitious, will have a hard time in initiati new dietary practices. No amount of dissemination of infor tion about vitamins, minerals and proteins will be able to convince the person and his family to take to a new articl of food which they believe will have adverse effect on them.

Daily and Seasonal regimen of life

People in different parts of the country have also certain ideas about daily regimen of life - Dinacharya - to be followed. One of the important items of Dinacharya is meals and diet. It gives specific directions regarding the time for meals, articles of diet, sequence of dishes, how to sit at meals, drinking of water at meals, amount of important food to be eaten, hygiene of the mouth after meals, etc. The dietetic regulations also varied with the season and climatic conditions. These regulations - Ritucharya - were divided to be fitted into six seasons. Food articles which possess the qualities of Vayu are minimised or prohibited during cold and rainy season. Similarly salt, sour, pungent, and hot things which produce pitta are avoided during summer and autumn. In winter and spring kapah is stated to be aggravated and one is advised to eat fats, milk preparations and heavy and rich food. Charaka and Sushruta give in great detail the regulations to be followed with regard to food, the deportment and practices.

Use ancient regulations for nutrition education

The above regulations, though in a modified way, still seem to be followed by many communities. For effective nutrition education, a thorough study of these is quite essential to find out the most acceptable articles of food during different seasons. A doctor or nutritionist advising people to take a diet contrary to Dinacharya or Ritucharya will be administering a cultural shock which will lead to the rejection of the advice.

Nutrition education in a traditionally-bound society is both complex and difficult especially when ideas and practices of modern nutrition developed in a different culture is to be implanted in a totally different socio-cultural environment. This makes it very interesting as well as challenging. The challenge can be met by strictly adhering to the philosophy and principles of extension education and the worker having implicit faith in them.

Extension principles

The basic philosophy and principles of extension education are well-known to the workers engaged in community development work and hence just a recapitulation of them may suffice :

(i) Have faith in people and in their inherent capacity to change.

Respect human dignity and believe in democratic process;

(ii) Help people to recognise nutrition problems, in finding solution with their own resources in planning a programme and in assessing progress;

(iii) Know your community: - Nutrition needs to be satisfied; where are the people in their knowledge, attitudes, and practices with regard to food and diet; local leadership

(lay and indigenous medical practitioners) in nutrition; local resources in terms of availability of food articles, means of production, storage and distribution.

(iv) Plan with people - Interpret modern concepts of nutrition for acceptance; help in seeing the goal clearly; plan step-wise for implementation by the people; co-ordination of different agencies, engaged directly or indirectly with food and nutrition; sustain interest by continuous evaluation and follow-up;

(v) Know your communication process: - local background of the existing process; developing effective local methods and media, to provide information, develop understanding and belief with a view to gain acceptance of new nutrition practices, to provide opportunity for action which result in the desired action and satisfaction.

Opportunities for Nutrition Education

As food is an integral part of the life process, there will be innumerable opportunities for nutrition education. One should be only alive to these situations see, feel and seize them. Sensitiveness to these opportunities could be developed in workers by proper training. The worker has also to perceive the various opportunities as an integrated whole beginning from the production to the utilisation of food in the most beneficial way. This means a co-ordinated and joint effort of all agencies concerned with food and nutrition.

All the stages of human life present situations and motivations to carry out nutrition education. The young mother, who is pregnant is in the susceptible mood for initiating new dietary practices. The mother-in-law and the husband who will be looking forward to the coming baby, perhaps will be ready to accept the use of articles of food which were not used by the family before. The entire family will be in receptive mood and well-motivated for an advocated change. Even during the lactation period such an atmosphere may continue wherein the child and mother would get a preferential treatment.

Successful nutrition education could be built in around the growth and development of the infant. The period when the infant is taken to the Balwady or M.C.H. Clinic gives another opportunity for either reinforcing or for introducing dietary changes by group acceptance and pressure. The period when a child goes to the school and partakes a school meal, provides another opportunity for nutrition education. Well-organised school lunch programme have shown to influence not only child's attitudes and practices towards food but also affect the home. School meal programme which includes school gardening and sanitation have proved as potent tools in developing a child into a healthy youth.

Nutrition education can also be woven into urges and aspirations of the youth. Sports and games, physical culture competitions, National Cadet Corps, National Discipline Scheme and Youth Leagues - all these provide a number of opportunities of integrating nutrition education.

The adult going to a factory or an office has special nutritional needs. He uses canteens, cafeteria and restaurants which could influence his taste, likes and dislikes. Carefully thought-out nutrition education could be carried out through these catering organisations.

Hospitals, clinics, sanatoria, dispensaries etc. will have patients and their families who could be made receptive to advocated dietary practices provided the medical and health personnel employed in them are trained to undertake this useful work.

The community itself could be a centre of nutrition education. The Village Panchayat, Co-operatives, Mahila Mandals and Community Leaders can play a vital role in improving the nutrition of the community if they are adequately prepared and supported to undertake this work.

All the extension methods and media could be used in nutrition education. No single method alone will achieve the result. Varying methods and media combined and used in different ways and repeatedly will help the programme to move towards the desired goal. The key to all methods and media is the adequately trained educator who identifies himself with the people, who practises what he preaches, who has immense faith in the methods he uses, who talks in the language of the people and who believes that people can improve their nutritional status with their own efforts. A worker who has developed such an attitude will be an examplar and a guide to the people towards values and goals set by purposeful nutrition education.

Pall/23-11-64

तार : कांग्रेस

टेलीफोन : २२७१६

उत्तर प्रदेशीय कांग्रेस कमेटी

कांग्रेस सेवादल

१८, कैसरबाग, लखनऊ

पत्र संख्या 3/A/300

दिनांक १२-१-६६

श्रद्धेय डाक्टर साहब,

आपका ५-१-६६ का पत्र हमें १०-१-६६ को प्राप्त हुआ।

१- सरदार भगत सिंह की जीवनी की किताबें यहां अंग्रेज़ी में नहीं मिलती हैं। हिन्दी में हैं यदि आप हिन्दी की चाहें तो भेजूं।

२- श्री वशिष्टजी अलीगढ़ में हैं स्वस्थ हैं।

३- यहां का संगठन ठीक चल रहा है, प्रदेश कांग्रेस कमेटी का पूरा सहयोग मिल रहा है।

४- दलपत्र का प्रकाशन तो बन्द ही है।

आपके आशीर्वाद की प्रतीक्षा में।

आपका विश्वासपात्र,

उ० प्र० तिवारी

(उमाप्रसाद तिवारी)

जी०ओ०सी०

माननीय डा० एन०एस० हर्डीकर साहब,
संचालक
कांग्रेस सेवादल
शिविर- घटप्रभा
मैसूर

Telegrams : CONGRESS

Telephone : [illegible]

ALL INDIA CONGRESS COMMITTEE
7, JANTAR MANTAR ROAD,
NEW DELHI

Ref.

Date

स्वातंत्र्याचे रक्षण

एकाची फारशी सांड न करतां भारताने अत्यल्प कष्टाने मिळविलेल्या स्वातंत्र्यावर चिन्यांनी घातुक घाला घातला आहे, व त्यांनी भारताचे लचके तोडावयास प्रारंभ केला आहे: प्रथमच मिळालेल्या यशाने फुगून जाऊन चिनी राष्ट्राने आम्हांस दरडाविण्यासही कमी केले नाहीं. त्याला भिऊन आम्ही आमचे शीर झुकविणार काय? आमचे स्वातंत्र्य घालविणार काय?

मनगटाच्या जोरावर जरी आम्हीं आमचे स्वातंत्र्य मिळविले नसले, तरी आज त्याचे संरक्षण करण्याकरता आम्हांस आमचे मनगट बळकट करावे लागत आहे. महात्मा गांधींच्या नेतृत्वाखाली आम्हीं आत्मशक्ती (Soul force)च्या जोरावर स्वातंत्र्य मिळविले, हें खरे; पण दुर्दैवाची गोष्ट ही की तें स्वातंत्र्य आज आम्हांस पाशवी शक्तीचा उपयोग करून टिकवावे लागत आहे. होय! मग काय करणार? जगायचे आहेना आम्हांस?

दुष्टांचा संहार, कपट्यांचा नाश, असत्याचा नायनाट, आणि स्वार्थाचे निर्मूलन केल्याशिवाय सुष्टांना या जगात सुखाने, व शांततेने राहता येणे शक्य नाहीं हें निर्विवाद होय. म्हणूनच खडबडून जागा झालेला भारत, आपली सर्व शक्ती एकवटून "चिन्यांना हाकलून लावल्याशिवाय मागें हटणार नाहीं" या निश्चयाने पुढे धाव घेत आहे.

अशावेळीं सेवादलास आपली शक्ती संघटित करावयाची आहे. स्वातंत्र्य मिळविण्याकरितां ज्याप्रमाणें आम्ही संघटित होऊन कार्यतत्पर झालो त्याचप्रमाणे किंबहुना त्याचे पेक्षाही ज्यास्त हिरीरीने स्वतःचा

टेलीफोन ४५८५१ (५ लाईन) तार : कांग्रेस

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी

७, जन्तर मन्तर रोड,
नई दिल्ली-१

५ · २ · ८८

प्रा. डॉ. कर,

आपले ता २८ चे कार्ड मिळाले. त्यावरून आपल्या विचाराची स्पष्ट कल्पना आली नाही. आपण बरोबर प्रत्यक्ष बोलल्या प्रमाणे संस्थेच्या दृष्टीने जे योग्य वाटले त्या प्रमाणे वागत आहे. अर्थात माझी जबाबदारी व अधिकार यांच्या मर्यादेत च ते होवू शकतील. व त्यात let the development take its own time असे होण्याचा संभव आहे.

५-६ दिवसा पूर्वी रघुनाथराव यांनी मला [illegible] प्रायवेट दिले. मागील अनुभवावरून स्वाभाविकच असे वाटले की त्यात पुन्हा पूर्वीच्या सर्व तक्रारी विस्तृत पणे लिहिलेल्या असणार. आणि आता त्या सर्व गोष्टी पुन्हा पुन्हा ऐकण्याची माझी तयारी ~~नव्हती~~ नव्हती मग वाचल्या बगैर त्या पत्रावर लिहून ते त्यांना प. इथल्या पत्त्यावर केले. "If it a reply to my letter of 15th Jan 88 cannot be so big. I am concerned with the reply only. ~~my friendly advice~~ As a friendly advice I suggest stop taking advice of U. and be a ~~simple~~ young man as before. Let us forget the past." मी त्यांना १५ जानेवारीला पत्र लिहिल्या पत्राची प्रत आपणाकडे पाठवली होतीच. १५ दिवस त्यांचे उत्तर न आल्या पूर्वी मी नवीन वर्षा करता कामाची वाटणी केली व नवीन माह्, मधनजी, रघुनाथराव ~~[illegible]~~ ~~[illegible]~~ ना Sin monthly meeting करता असेच असताना ~~१~~ त्यांना मागितली. कामाची वाटणी झाल्या वर्षाचीच ~~[illegible]~~ झाली आहे. रघुनाथरावांनी काहीच ~~[illegible]~~ न कळवल्या पूर्वी त्यांना काही निवेदन नाही. यांनी स्पष्टता त्यांना १५ जानेवारीला पाठवलेल्या पत्रात मी केली आहेच. मला न कळवता दूर वर जाणे त्यांनी पाहिजे आहे. तेव्हा मी [illegible] कराडीला यांनी स्वतः नाही म्हणून ते इतर मागितला अगर विचार केला तर त्यांच्या कामाचे स्थान मी ठरवले आहे.

सह्याद्री व [illegible] - [illegible] शिबिर [illegible] आहे. पण त्यात
हरकत नाही. [illegible] [illegible] व [illegible] राजस्थान
चे [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
पंजाबचे बोलावले.

आतापर्यंत संख्या कमी [illegible] शिबिरे होती. त्यांची
ना. डिसेंबरपर्यंत हा प्रचार केला. जेथे की [illegible] तुरळक [illegible]
आहे. पण [illegible] शिबिरात उपस्थित त्यांचा [illegible] आहे. १५ पुण्यातील
२०-२५ व शेवटी आठवडे धरून ८१ होते. या शिबिरात स्वयंसेवकांचे
आले नव्हते. मी त्यांना बोलावले होते. [illegible] पुढील अध्यक्षांबरोबर
[illegible] आहे।

मी आता नागपूरला अधिवेशनाला करता जात आहे. ९२-९३
तारखेला परत येईन.

आपली प्रकृती कशी आहे? येथे थंडी आता कमी होत आहे.
[illegible] [illegible] आपल्याकडे [illegible] [illegible] नाही. [illegible]

INLAND LETTER

अन्तर्देशीय पत्र

NO ENCLOSURES ALLOWED

Dr. K. S. Hardikar

[illegible] Ghataprabha

Dist Belgaum

(Mysore State)

Sender's name and Address

Third fold here

Second fold here

Dr. Hardikar

CONGRESS SEVA DAL

Visit to Jaipur for the Congress Session
(7th to 13th February, 1966)

After completing the work in the office particularly of Dal Samachar I left on 7th by the night train for Jaipur. On 8th I visited the Volunteers Camp, met the officers and the office bearers of the R.C.

There were eight hundred and fifty Volunteers in the Session including girls. As no trained officers were available locally some workers from other Pradeshes were deputed to help the R.C. in the volunteers work. Shri Navinbhai Shah Asstt. All India Organiser was personally looking after the volunteer organisation of the Session. At the beginning the R.C. wanted to carry on the work with the help of Seva Dal organisation the police the N.C.C. etc. But they were persuaded to utilise the occasion for the development of Seva Dal organisation in the Pradesh. As the Session was to be an austere and compact one , the number of volunteers was reduced to minimum. The major part of the volunteers was from Jaipur proper. The volunteers took up all duties including service in the dinning hall. The police force out numbered heavily the volunteers. As usual there was a constant pressure and attempts on the part of the police to inter- fere in the duties of volunteers in the name of security measures. Inspite of inconvenience and a number of difficulties the volunteers did their work admirably well. There was some discontent amongst volunteers in the kitchen when attempts were made by the management of the kitchen to bring their own kith and kin to serve the leaders on 12th noon. This is a usual phenomena and care shall have to be taken in future to avoid its repetition. Though a small thing, it creates a great dissatisfaction in the minds

of volunteers and it has a bad effect on the morale and future of the organisation.

As I had to attend some work of Dal Samachar, I left Jaipur immediately on 12th night and returned to Delhi on 13th morning.

Sd/-

(S.V. Inamdar)

14/2/66.

LM/

ಕಾಂಗ್ರೆಸ ಸೇವಾದಲ, ಮೈಸೂರು ಪ್ರದೇಶ
ಕಾಂಗ್ರೆಸ ಭವನ, ಬೆಂಗಳೂರು-9.

Camp:- ದೆಹಲಿ
ದಿನಾಂಕ:- ~~28-1-66~~
14-2-66

ಸಹೋದರ/ಸಹೋದರಿಯರೇ,

ಅಖಿಲ ಭಾರತ ಕಾಂಗ್ರೆಸ ಸೇವಾದಲದ ಆದೇಶದ ಪ್ರಕಾರ 1966ನೇ ಇಸವಿಯ ಮೊದಲನೇ ತ್ರೈಮಾಸಿಕ ಜಿಲ್ಲಾ ಸ್ವಯಂಸೇವಕರ ಸಭೆಯನ್ನು ದಿನಾಂಕ 24-2-66ರಿಂದ 27-2-66ರವರೆಗೆ ಬೆಳಗಾಂವಿ ಪ್ರಾಂತ ಕಛೇರಿಯಲ್ಲಿ ಕರೆಯಲಾಗಿದೆ. ಈ ಸಭೆಯು ಅತಿ ಮಹತ್ವಪೂರ್ಣವಾಗಿರುವುದರಿಂದ, ಎಲ್ಲಾ ಜಿಲ್ಲಾ ಸಂಘಟಕರೂ, ತಾಲೂಕ ಸಂಘಟಕರೂ, ಬ್ಲಾಕ ಅಧಿಕಾರಿಗಳು ಸಹೋದರಿಯರೂ, ಶಾಖಾನಾಯಕರೂ, ಹಳೇ ಸ್ವಯಂಸೇವಕರೂ, ತಪ್ಪದೆ ಈ ಸಭೆಗೆ ಬರಬೇಕಾಗಿ ವಿನಂತಿ.

ಅಜೆಂಡ

1) 1965ರ ವಾರ್ಷಿಕ ವರದಿ-(ಜಿಲ್ಲಾ ಅಧಿಕಾರಿಗಳಿಂದ)
2) 1966ರ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮ.
3) ಚುನಾವಣೆ ತಯಾರಿ ಮತ್ತು ತರಬೇತಿ
4) ಇತರೇ ವಿಷಯಗಳು

ವಿ.ಸೂ:- 1) ಈ ಸಭೆಯು ಜೊತೆ ಅಭ್ಯಾಸ ಶಿಬಿರ ನಡೆಯುವದರಿಂದ ಎಲ್ಲರೂ, ಪೂರ್ತಿ ಸಮವಸ್ತ್ರ, ಕಿಟ್‌ನೊಂದಿಗೆ ಬರಬೇಕು.
2) 1966ರ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮದ ಬಗ್ಗೆ ಜಿಲ್ಲಾ ಅಧಿಕಾರಿಗಳು ಕೆಳಕಂಡ ವಿಷಯದ ಬಗ್ಗೆ ತಮ್ಮ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮ ಪಟ್ಟಿ ತಯಾರಿಸಿ ತರಬೇಕು.
(1) ಸೈನಿಕ ತರಬೇತಿ, (2) ಬ್ಲಾಕ ಅಧಿಕಾರಿ ಶಿಬಿರ (3) ಜಿಲ್ಲಾ ಅಧಿಕಾರಿ ಶಿಬಿರ
(4) ಚುನಾವಣಾ ತರಬೇತಿ
3) ಜಿಲ್ಲಾ ಅಧಿಕಾರಿಗಳು ಪ್ರತಿ ತಾಲೂಕ ಎಲ್ಲಾ ಸ್ವಯಂಸೇವಕರನ್ನು ತಮ್ಮ ಜಿಲ್ಲೆಯಿಂದ ಸಭೆಗೆ ತಪ್ಪದೆ ಕರೆತರಬೇಕು. ಈ ಸಭೆಯಲ್ಲಿ ಭಾಗವಹಿಸುವವರ ಹೆಸರುಗಳನ್ನು ಶ್ರೀಮತಿ. B. S. ಸಾವಳಗಿ, H. No. 4656. ಬಡಕಲಗಲ್ಲಿ. ಬೆಳಗಾಂವಿ ಈ ವಿಳಾಸಕ್ಕೆ ತಾ/15-2-66ರ ವಳಗೆ ಕಳುಹಿಸಬೇಕು.
(4) ಸಭೆ ನಡೆಯುವ ಸ್ಥಳ ಮಾರ್ಗ:- ಬೆಳಗಾಂವಿಯಲ್ಲಿ ಇಳಿದು. ಬೆಳಗಾಂವಿ-ಗೋವಾ ರೋಡ. ಮಾರ್ಗದ ಮಧ್ಯದಲ್ಲಿ ಕೆಂಪು ಲಾರಿಗೆ ಇಳಿಯಬೇಕು.
(5) ಎಲ್ಲಾ ಸ್ವಯಂಸೇವಕರೂ (ಮೊದಲನೇ ಸಲ) ತಾ. 23-2-66ರ ಸಂಜೆಗೆ ಸಭೆಯ ಸ್ಥಳ ತಲುಪಬೇಕು.
(6) ಜಿಲ್ಲಾ ಅಧಿಕಾರಿಗಳು ಸಂಬಂಧಪಟ್ಟ ದಾಖಲೆ ಪತ್ರಗಳನ್ನು ಸಭೆಗೆ ತರಬೇಕು. ಮತ್ತು ಹಿರಿಯ ಸ್ವಯಂಸೇವಕರನ್ನು ಸಭೆಗೆ ಕರೆತರಬೇಕು.

ನಿಮ್ಮ ಸಹೋದರ
B ?Kke Gowda
For (M. K. Krishnan)
Pradesh organiser.

ನಂ. 28-1-66
ನವದೆಹಲಿ.

BLG/150/66

48

No. 1500/66

MINISTER
EDUCATION AND FORESTS
MAHARASHTRA
Sachivalaya, Bombay-32

15 FEB 1966

Respected Dr. Hardikar

Thank you very much for your letter. I also could not write to you for a couple of months. Hope you are now free.

As desired in your letter the necessary literature about 'Poultry' and 'vegetables' are enclosed.

With respects.

Yours

(M. D. Chaudhari)

Dr.N.S.Hardikar

* माझा नाही. पण जबाबदारी जी कुणी ठेवून वागणे हे मोठे कर्तव्य व आग्रहाने हे पाळण्याचा मी प्रयत्न करतो. संघटनेचे हित करणारे आहे याचे शेवटचे निर्णय आपल्या व काँग्रेसच्या हातीच राहील. माझी तरी [illegible]

टेलीफोन ४५८५१ (५ लाईन) तार: कांग्रेस

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी [illegible]

७, जन्तर मन्तर रोड,
नई दिल्ली-१

१५-२-६६

पू. डॉक्टर,

आपले ता. ११ चे कार्ड मिळाले. आपण आपले विचार पत्र द्वारे लिहिण्यास सुरुवात केली या बद्दल आनंद वाटला. मी परवा जयपूर हून परत आलो. अधिवेशन आटोपशीर व साधे होते. पण पोलिस फार. सरकारी यंत्रणेकडून काम करून घेण्याची प्रवृत्ती काँग्रेस पुढाऱ्यात - मंत्र्यात वाढत आहे. काँग्रेस कार्यकर्त्यांपेक्षा पगारी माणसे त्यांना जवळची वाटतात. त्यांचे म्हणणे, त्यांच्या कार्यक्षम हुकमी व बिनखर्चाची असतात. स्वयंसेवकांप्रमाणे गणवेश, भोजन, काही निवास वगैरे वर पोलिसांकरता खर्च करावा लागत नाही. सरकारला - म्हणजे Tax payer ला कितीतरी पटीने खर्च करावा लागतो ही गोष्ट मात्र ते दृष्टी आड करतात. जयपूरला स्वयंसेवकांची संख्या ८०० होती तर पोलिसांची ३-३॥ हजार होती!! संख्या कमी असल्यामुळे स्वयंसेवक अव्यवस्थित व कार्यहीन होते असे वाटले. बरे असो.

आपल्या इकडे येण्याबद्दलची व्यवस्था व माहिती नंतर कळवीन. प्रवासाच्या खर्चाचा प्रश्न नाही. बरोबर पण कोणी तरी राहील.

"थंडी का सहन होत नाही" हा प्रश्न आपल्या मनात येतो व त्याकरता देहाला दंड द्यावा असे आपणास वाटते. पण मनाला मर्यादा नसल्या तरी देहाला मर्यादा आहेतच. व त्याच्या निर्माण होण्याबरोबर त्या त्याच्या विकासाची व नाशाची बीजे सामावलेली असतात. ही गोष्ट मना संबंधी नाही. शरीर कुरकुर करत असेल तर दंड देऊन त्याला कामास लावण्याचा प्रयत्न करता येईल पण त्याची शक्तीच कमी झाली असेल तर विचार दंड देण्याला नाही काय करणार! दमलेल्या बैलाला कितीही मारले तरी तो पळणे कठीण आहे. मला वाटते याच दृष्टीने गांधी आपल्या शरीराची विशेष काळजी घेत असत. त्याला मालीश करत असत, विश्रांती देत असत पोषक असे खाद्य पण देत असत. गांधींनी शरीराची जितकी काळजी घेतली तितकी क्वचितच दुसऱ्या कोणी घेतली असेल. त्याचा फायदा पण त्यांना मिळाला.

आपल्या आतापर्यंतच्या (प्रत्यक्ष काम करतानाच्या) जीवनात इतके वर्षे दौड केल्यानंतर आपले शरीर अजून काम करते आहे हे आपल्या मनाच्या खंबीरते प्रमाणे शरीराच्या सुदृढ शक्तीचे पण द्योतक आहे

असे मला वाटते.
आपल्याकडून स्थिती संबंधी आलेले पत्र. [illegible] ऐकत राहिलो व
वरील प्रमाणे अनेक [illegible] पाहून मार्ग काढण्याचे आहे आपल्याकडील पत्र. ते स्वतः
आहे. पण त्यातील कुठे प्रश्न "न ऐकण्याचा" नाही आगर पाऊल मागे
घेण्याचा नाही. फक्त मार्ग दोघांच्या दृष्टीने शक्य तितके जवळ आणण्याचा
व ज्या कायद्याला जो योग्य वाटला (अर्थात माझ्या विचारा प्रमाणे)
त्याला तेथे ठेवून तेथून पाऊल मागे घेण्याचा प्रयत्न मी करत आलो
आहे असे मला तरी वाटते. पण अडचण ही उत्पन्न झाली की त्या पैकी
थोड्यांनी सार्वजनिक - संघटन जीवन - याच्यापेक्षा short lived
ठरले व काही थोड्यांनी तोंड फिरवली. तरीपण पुष्कळसे असे आहेत
की जे आपली जबाबदारी पार पाडत आहेत व त्यांच्या वरच संघटन आहे
आहे. दुःख एवढेच वाटते की ही स्थिती advanced stage मध्ये उद्भवली
झाली. ज्यांनी तोंड फिरवली – त्यांचे attitude
revengeful व अडवणुकीचे आहे. आपला हेतू साध्य करण्या करिता
संघटनेच्या एक गोष्टी discipline & subordination याना बाजूस
सारून आणी मोड करण्यात, आपण अनुधर्म दूर ठेवत आहोत अशी त्यांची
कल्पना आहे असे मला वाटते. अशा स्थानावर आपण होऊन जबाबदारी
टाकण्याचा हे टाळत योग्य व्यक्तीवर ती पडावी असे वाटते
अर्थात जो योग्य वाटेल तो करण्याचा अधिकार आपला आगर काँग्रेसचा आहे*

INLAND LETTER
अन्तर्देशीय पत्र
NO ENCLOSURES ALLOWED

Sri V. S. Hardikar
P.O. Ghataprabha
Dist Belgaum
(Mysore State)

Third fold here

Sender's Name and Address

Phone : 2400 Telegram : Congress

DHARWAR DISTRICT CONGRESS COMMITTEE

ಧಾರವಾಡ ಜಿಲ್ಲಾ ಕಾಂಗ್ರೆಸ ಸಮಿತಿ ಹುಬ್ಬಳ್ಳಿ (ಕರ್ನಾಟಕ)

President : A. V. Kundargi
Gen. Secretary : H. B. Jangali

ಅಧ್ಯಕ್ಷ : ಅಂದಾನಪ್ಪ ವ್ಹಿ. ಕುಂದರಗಿ
ಪ್ರ. ಕಾರ್ಯದರ್ಶಿ : ಹನಮಂತ ಭಿ. ಜಂಗಳಿ

Ref. No. 135/66
Date 18-2-1966.

To
Shri N.S.Hardikarji,
The Karnatak Health Institute,
Ghataprabha.

My dear Shri Haradikarji,

I am very glad to receive your letter dated 16-2-1966 and to note the contents therein.

I just returned from Jaipur after particip ting the A.I.C.C.Seassion. In my opinion, the Seassion is a pecular one so to say "CLOSE DOO SEASSION

In my opinion, the proceedings of the Seassion are not so encouraging in that Present Minister Smt. Gandji has not acted properly. If Shri Murajibhai is the Prime Minister there will be some more improvements. But who is to hear my views and opinion.

I am eager to see you in connection with Congress organisation and Sevadal. I will see you at the earliest however, I will inform you well in advance about my comming after confirmation by your self.

More in person.

With respectful pranams,

Yours sincerely,

(signature)

(A.V.KUNDARGI)
PRESIDENT, D.C.C.Hubli.

Pai.18.2.

आनकार्शिक लिए:

महाराष्ट्र प्रदेश कॉंग्रेस कमिटी
टिळक भवन, गोखले रोड, खेड गल्ली,
दादर, मुंबई, २८.
(सेवादल विभाग)

ता. २२-२-६६

पत्रक नं. २

प्रिय बंधुनो

स. न. वि. वि.

१८ जानेवारी १९६६ चे पत्रक आपल्याकडे पाठवून एक महिना झाला. त्या पत्रकांत १९६६ अखेर आपणांस पार पाडावयाची कामगिरी सोपविली होती. पण त्या संबंधी आपल्याकडुन कांहींच कळले नाहीं. आपण जिल्हाधिकारी कीं ज्यांचेवर संघटनेची सारी भिस्त आहे तेच जर या पध्दतीनें व इतक्या मंद गतीनें जावयास लागलेत तर आपले संघटन मला वाटते याहुनही सुस्त व निष्क्रीय होईल. आपण आतां पर्यंत मोठी उद्दिष्टे डोळ्या समोर ठेऊन या संघटनेची जोपासना केली. विचलीत परिस्थितीत आपण आपली मने श्रध्देनें व निष्ठेनें ढळु दिली नाहीत. पण मित्रानो नुसती श्रध्दा व निष्ठा यानें आपले संघटन वाढणार नाहीं. त्या साठीं आपण सर्वानीं आपली सारी शक्ती एकवटुन काम केले पाहिजे. प्रयत्नांची शिकस्त केली पाहीजे. व कर्तव्याची जोड दिली पाहिजे. मला खात्री आहे. आपण आपली सारी शक्ती एकत्रीत करुन प्रयत्नांस लागाल. खालील कामें पार पाडावीत व तदसंबंधी प्रांतीक कार्यालयांस त्वरीत कळवावे.

१) दलसैनिक मनमाड संमेलन विशेषांक वर्गणीदारासाठीं किती पाठवू.
(वार्षिक वर्गणी फक्त तीन रुपये)

२) जानेवारी १९६६ महिण्यांत गणवेषधारी निदान ५० सैनिक जिल्ह्याच्या मुख्य ठिकाणी तयार करावयाचे होते. ते झाले कीं नाहीं? कां होऊ शकले नाहींत? त्यासाठी आपण प्रयत्न काय केलेत ?

३) जानेवारी १९६६ चा आपला मासिक अहवाल आपण कां पाठवू शकला नाहींत ?

४) २५ एप्रिल ते २५ मे १९६६ पर्यंत २००० कार्यकर्त्यांसाठीं श्रमदान शिबीर व ट्रेनिंग कॅंप घेण्याचे आम्हीं ठरवित आहेत. त्यासाठीं रेल्वे व बस कन्सेशन एक कडील दिले जाईल. एक हजार(१०००) कार्यकर्ते पहिल्या तुकडीत १५ दिवस काम करतील व १००० कार्यकर्ते दुस-या तुकडींत काम करतील. पहिल्या तुकडीचा समारोप व दुस-या तुकडीचे उदघाटन म्हणजेच २००० कार्यकर्त्यांची एकत्रीत २ दिवसाची रॅली असा दुहेरी कार्यक्रम हातात घेण्यांचे आम्हीं ठरवित आहोत. यासाठीं पहिल्या व दुस-या तुकडींत किती कार्यकर्ते आपण आपल्या जिल्ह्यांतुन पाठवूं शकाल. ?

कळावे,

विनीत

(आनंदीराम कुमट)
दलपति
कॉंग्रेस सेवादल महाराष्ट्र प्रदेश.

Grams : CONGRESS Phone : 45851 (five lines)

ALL INDIA CONGRESS COMMITTEE

7, Jantar Mantar Road, New Delhi-1. २३-९-५८

पू. डॉक्टर,

आपले पत्र मिळाले. त्या प्रमाणे आज डेलीगेटसना भेटून आलो. आपल्या आदेशाप्रमाणे त्यांनी आपल्या मतांचे सेवादलाबद्दल बोलले. पण [illegible] मला स्वतंत्रपणे शांतपणे विचार करण्यास सवड नाही. पुढे भेटल्यावर निश्चित बोलेन.

आपल्या [illegible] सेवादलाबद्दल [illegible] कार्यकर्त्यांत विचारांवर [illegible] काही विचार [illegible] बद्दल उपकृत आहे

…ams : CONGRESS Phone : 45851 (five lines)

ALL INDIA CONGRESS COMMITTEE

7, Jantar Mantar Road, New Delhi-1.

प्रि. डा. कर

सेवादलाची राष्ट्रीय बैठक जी ता. २८ ला सुरु- झाली काल पूर्ण झाली. उद्घाटन श्री मदन जी [illegible] यांनी केले. व समाप्ति श्री यशवंतराव यांचे हस्ते झाली. शिबिरांत या वेळी सर्व शिबिरांपेक्षा जास्त लोक आले होते. १७ प्रांतांचे ८१ जण बैठकीला हजर होते. आज पासून इमर्जन्सी शिबिर चालू आहे. जी चर्चा झाली ती पुढील पत्रात सविस्तर कळवीन. आता शिबिराला सुरुवात झाली

नन्दकुमार देव वाशिष्ठ
सदस्य विधान सभा
उत्तर प्रदेश
हाथरस अलीगढ़

57 डब्लू० बी० दारुलशफा
लखनऊ।
दिनांक 26।2।66

मैं जैपुर कांग्रेस अधिवेशन गया था वहाँ से भगतसिंह के जीवन की एक पुस्तक. ले आया हूँ। यह पुस्तक श्री मन्मथनाथ गुप्त और हमारे श्री बनारसीदास चतुर्वेदी की भगतसिंह पर और लिखी है। वे भी मैंने मंगवाई है। एक प्रति तो मैं कल ही आपकी सेवा में भेज रहा

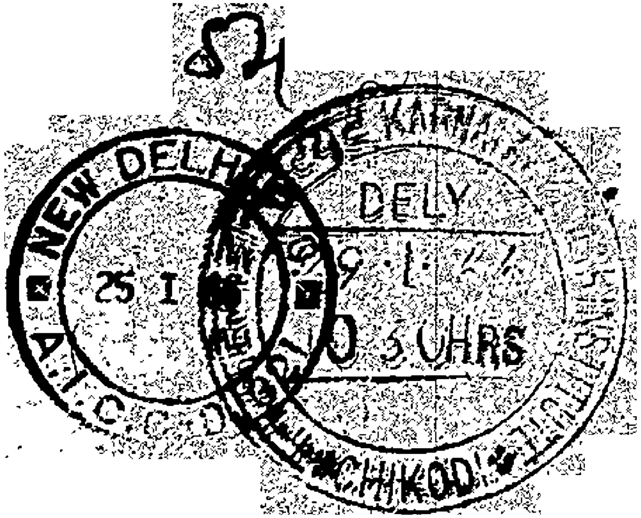

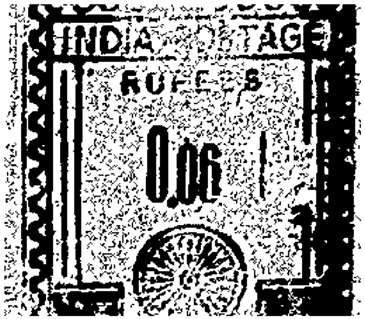

Sri N. S. Hardiker
K. H. I. Ghataprabha
Dist Belgaum (Mysore State)

NEW DELHI P.O. A.I.C.C. 321
28 I 66

KARNATAK CHIKODI
DELY 31 1 66 0 ?0 HRS

INDIA POSTAGE RUPEES 0.06

Dr H. S. Hardikar
K.H.I. Ghalaprabha
Dist Belgaum
Mysore State

[illegible] पत्रे व आपले लेख
[illegible] . [illegible]
[illegible] आहे.
सर्व आनंदात आहेत
[illegible]

रहा हूँ। अन्य फुरसत में जो मे-
ही वह प्राप्त होगी और
आपकी सेवा में भेज दूंगा
आशा है आप प्रसन्न और
स्वस्थ होंगे मैं। इधर आप
पत्रोत्तर नहीं देते अतः
कोई पता नहीं चल पाता
कि आपको मेरा पत्र मिला
या नहीं। पत्रोत्तर शीघ्र
देने की कृपा करें
आपका सेवक
०० [illegible]

58

2-3-
HRS
CHIKODI

Shri Dr. N. S. Hardiker
Director and Founder of
Congress Seva Dal,
Ghataprabha
Sanitarium
Dist. Belgaum
South India

इकडे सर्व आनंदात आहेत. मी [illegible] व [illegible] करतो [illegible] [illegible] एकदे
येण्याबद्दल [illegible] आपणासही आनंद वाटला. राहाण्याचा व खर्चाचा प्रश्न
नाही. मार्च अखेर पर्यंत राज्यसभेचे काम करून काहीतरी [illegible] काँग्रेस

टेलीफोन ४५८५३ (४ लाइन)

तेव्हा मार्चच्या शेवटच्या आठवड्यात येथे आल्यास सवलीने (?) गाठ पडेल.

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी

परत जाताना आफ्रिकेमध्ये हापार [illegible] [illegible] आपण ज्या इतर राहाताच्या
त्याची तारीख व स्थान अद्याप

७, जन्तर मन्तर रोड,
नई दिल्ली-१

23-2-66

final. झालेले नाही. [illegible] आर. के. चा इरादा.

प्रि. डांगरे,

आपले ता. १५ चे कार्ड व २० चे कार्ड मिळाले. लोकांनीच्या
पत्रातील शब्दा बद्दल (न समजल्याच्या) जे (पत्र पाठवले होते ते पूर्वीच
मिळाले होते.

१) [illegible] श्री शंकरराव यांना फोन केला होता. लवकरच पुस्तक
तयार होईल असे ते म्हणाले होते. आता त्यांना प्रत्यक्ष भेटून
येईन व आपल्याविषयीची माहिती काढून घेऊन व कळविणार आहे.
२) शास्त्रीचा फोटो मिळवायच्या खटपटीत आहे. आता गांधीजींचा
पण मिळवण्याचा प्रयत्न करतो. I & B Ministry कडून १२ x १५
चा फोटो मिळतो. तेथून आणायचा आहे. दोन आठवड्यात सायकलवर
तेथून घेतो.
३) रवींद्रनाथ टागोरांनी फारसे प्रवास केले नाही. डी. गुप्त हे जे सांग
आपल्याकडे होते ते फक्त एक लहान इतरांचा [illegible] रशियाबद्दलचा [illegible]
साहित्य नाही. त्यांनाही पण कोणाला येईल असे वाटत नाही.
[illegible] नवीन आगर मिळून काढून पाठवता येईल.
५). प्रश्न येथे आला आहे. तो मी डांगरेकर यांना पंडितजींना बरोबर
पण कोणत्या स्वरूपात छापावीत याबद्दलच्या चर्चा करता
आल्या होत्या. डांगरेकर यांनी स्पष्ट तीनच प्रश्न म्हणून [illegible]
त्यांनी Mary Stern Pearl वाचून छापावीत व त्या करता आपण
पंडितांच्या लेखकांच्या मधले [illegible] पाठवावे. Sundaylandari ने श्री.
[illegible] आहेत त्यांची त्यांनी खूप केले आहे. पुस्तकांचा
[illegible] आहेत तेव्हा ते [illegible] मदत करील. तर पत्रांच्या
index करून प्रत्येक पत्राच्या [illegible] गोष्टीवार तयार
करून ठेवायचे ठरवले आहे म्हणजे कोणतीही [illegible] लेखकांना
[illegible] सांगितले आहे.
६) [illegible] हस्ते करता आपले डॉक्टर पत्रकाराकडे मी अंक एक
वाचून २-३ दिवसात आपणाकडे पाठवत आहे.

६) आजच्या स्थिती संबंधीं आपले विचार मननीय आहेत. पोस्टकार्ड पेक्षा मोठ्या कागदावर - inland letter - लिहिले तर पत्र वाटते ते त्यापेक्षा विस्तृत व स्पष्ट स्वरूपात माझ्या हातात पडतील. आजच्या परिस्थितीत आपणास लोकमान्य आठवतील ह्याची खात्री आहे. आपला विचार - त्यास आत्मनिर्भर होऊ द्यावे आहेत व तरीखाकावे आहे. त्यातल्या योग्य अर्थ आम्ही काढत बागवतल्यानंतर सांगितले आहे.

मागील पत्रात "न ऐकण्या संबंधी" मी लिहिले होते. त्यानंतर इतरांच्या हातात का योग्य न वागण्या संबंधी काही विचार जबाबदार कार्यकर्त्यांनी, कारण त्यांची जबाबदारी कार्यकर्त्यांना त्यांना बरोबर परिणाम पण होतो. आपण मान अपमानाबद्दल या पत्रात लिहिले आहे त्यावरून मान अपमानाची व्याख्या पूर्ण [illegible] बदलावी लागेल आहे. कारण मनात अपमान व अपमानात मान पुष्कळवेळा मानावा लागतो. यात आपण लिहिलेल्या त्या प्रकारचे कॉंग्रेसमधील [illegible] न त्यापूर्वी घेतो संघटनेतील फक्त विचार आहे घरावयास पाहिजे. परंतु सर्व गोष्टी आहेत, त्यांच्या व त्यांच्या जबाबदारीने ठरवावयास पाहिजेत कारण प्रत्येकाला हे जाणवत नाही की प्रत्येक करतांना तेच बरोबर न स्वतः पुन्हा पुन्हा आहे.

मी डा. वैद्यांना पत्र लिहून आहे.

First fold here

Sender's name and Address

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी
७, जंतर मंतर रोड,
नई दिल्ली-१

INLAND LETTER
अन्तर्देशीय पत्र
NO ENCLOSURES ALLOWED

POSTAGE 10 NP

15-2-65

Dr. N. G. Hardikar
C. A. Ghataprabha
Dist. Belgaum
(Mysore State)

Second fold here

Third fold here

MAHARASHTRA PRADESH CONGRESS COMMITTEE

President
Vinayakrao Patil
Vice President
Vasantrao Patil
Treasurer
Hari Govindrao Vartak
Gen Secretaries
Mohan Dharia
Eknathrao Nimbalkar
Shankarrao Gedam
A R Antulay
Shiwajirao Patil

Tilak Bhavan,
Khedgalli, Gokhale Road (South),
Dadar, BOMBAY-28

Telegraphic Address
'EMPICICI' Dadar, Bombay
Telephone: 451269

Ref. .

Date : १ मार्च १९६६.

माननीय श्री. विनायकरावजी पाटील,
अध्यक्ष, महाराष्ट्र प्रदेश काँग्रेस कमिटी,
टिळक भवन, दादर, मुंबई १८.

सादर प्रणाम.

मनमाड शिबीराच्या फलश्रुतीचें निरिक्षण करण्यासाठीं व ठरविलेला कार्यक्रम अंमलांत येतो आहे कीं, नाही हे पाहण्यासाठीं फेब्रुवारी महिन्यांत पुणें शहर पुणें जिल्हा, अहमदनगर, चंद्रपूर, नागपूर जिल्हा, नागपूर शहर, वर्धा या ७ जिल्ह्यांत मी दौरा केला. पुणें शहर व पुणें जिल्हा येथील काम वाढीस लागत आहे. तेथील कार्यकर्ते श्री. मुळे, व श्री. निगडे व श्री. शिवाजीराव ढमढेरे प्रयत्नशील आहेत. नगर जिल्ह्यांत एक दिवसाचें शिबीर कोपरगांवीं पार पडले. शिबीरास १५० ते १७५ कार्यकर्ते हजर होते. त्याचप्रमाणें चंद्रपूर व नागपूर जिल्हा येथीलहि एका दिवसाचें शिबीर अनुक्रमें चंद्रपूर व रामटेक येथें पार पडले. या शिबीरांत चंद्रपूर येथें २५० ते ३०० कार्यकर्ते व रामटेक येथें १०० ते १५० कार्यकर्ते उपस्थित होते. या शिबीरांत मनमाड शिबीरांत ठरवून दिलेल्या कार्यक्रमाची अंमलबजावणी होत आहे हें निदर्शनास आले. तेथील कार्यकर्ते अनुक्रमें श्री. ज. दा. ढंगळे, श्री. महाजन, श्री. साळवे वकील, श्री. प्रा. वंड, श्री. देवराव दुधलकर तसेंच डॉ. भुसारी, श्री. टालाटुले, श्री. कलावकर गुरुजी हे उत्साहाने काम करीत असल्याचें दिसून आले. वर्धा व नागपूर नगर येथील कामांत अजून गती आलेली दिसली नाहीं. त्याबद्दलची जाणीव तेथील कार्यकर्त्यांना दिली आहे.

फेब्रुवारी महिन्यांत 'दल-सैनिक' विशेषांक प्रकाशित केले गेले. श्री. गायकवाड, श्री. देवराव दुधलकर, श्री. डॉ. भुसारी व श्री. अंमलवारजी यांना प्रांतीक सेवादलाचे प्रतिनिधी म्हणून अ. भा. सहामाही बैठकींत भाग घेण्यासाठीं दिल्लीस पाठविले होते. या सर्वांनीं या बैठकींत एकजुटीनें उत्तम प्रतिनिधीत्व केले. हे सर्व कार्यकर्ते पुज्य यशवंतरावजी चव्हाण व इंदिराजी यांनाहि भेटले. अ. भा. बैठकींत अ.भा.कॉं. कमिटीचे जनरल सेक्रेटरी श्री. मनीयम व अ.भा.संघटक श्री. इनामदारजी आपल्या प्रांतांत सेवादल संघटनेचे काम प्रदेश कॉंग्रेस कमिटीच्या सहकार्यानें उत्तम पध्दतीने चालले आहे हें जाहीर करुन प्रशंसोद्गार काढलेत. या अहवालांत हें नमूद करतांना संतोष होत आहे. या प्रमाणें सेवादलाचे सर्व पदाधिकारी एकजुटीनें, जिद्दीनें, व उत्साहानें कामास लागले आहेत. कॉलेजचे पदवीधरहि मोठ्या संख्येने सेवादलाकडे आकर्षित

MAHARASHTRA PRADESH CONGRESS COMMITTEE

President
Vinayakrao Patil

Vice President
Vasantrao Patil

Treasurer
Hari Govindrao Vartak

Gen Secretaries
Mohan Dharia
Eknathrao Nimbalkar
Shankarrao Gedam
A R Antulay
Shiwajirao Patil

Tilak Bhavan,
Khedgalli, Gokhale Road (South),
Dadar, BOMBAY-28

Telegraphic Address
'EMPICICI" Dadar, Bombay.
Telephone: 451269

Ref. :

Date :

पान नं. १ वरुन.....

प्रांतिक सेवादल कार्यालयामार्फत सर्क्युलर व पत्रव्यवहाराने मार्गदर्शन केलें जातें.

मार्च महिन्यांत आपण सोपविलेली कामगिरी यशस्वीरित्या पार पाडूं शकूं असा विश्वास आहे. हें पत्र अहवालस्पीं लिहिलें आहे.

कळावें,

आपला विनीत,

(आनंदीराम कुमार),
दलपति,
काँग्रेस सेवादल महाराष्ट्र प्रदेश.

प्रत माहितीसाठीं :-
मा. श्री. इनामदारजी,
पूज्य डॉ. श्री. हर्डिकरजी,
मा. श्री. चौधरीजी,
मा. श्री. शंकररावजी गेडाम

यांचेकडे.....

All India Congress Committee,
(CONGRESS SEVA DAL)

7, Jantar Mantar Road,
New Delhi.

March 10, 1966.

Dear brother,

Here are some questions, as a study of workers, working in Seva Dal. The questions are the outcome of a casual discussions with one of our workers, who finally put them on paper in this form. You will carefully study them and give pointed but exhaustive replies in the light of your own experience. I hope you will appreciate this attempt.

Yours sincerely,

(S.V. Inamdar)
All India Organiser.

To,

All Pradesh and District Officers.

QUESTIONNAIRE.

1. What is the identity of the general worker of Seva Dal?
2. To whom we can call an ideal worker of Seva Dal? What particular qualities he/she should possess?
3. What should be the minimum and maximum critaria of the intellectual stardard of a Seva Dal worker at Local and higher levels?
4. What drawbacks are found in general, in our workers? How can these be removed?
5. Who can be regarded as an impressive worker and what should be his/her activities and relations in spheres and organisations other than the Seva Dal?
6. What should be the code of conduct for the General Worker of Seva Dal?
7. On what grounds a worker can be judged as failure or successful?
8. On what grounds and who should judge the ability and inability of a worker?
9. To what extent, despite defects, qualities and abilities in a worker can be utilised?
10. How best the responsibilities can be entrusted to new workers to encourage them? Mention the process you recommend?

पद दिये गये तो हम व हमारे साथी इस कांग्रेस सेवा दल से अपना त्याग पत्र दे देंगे, साथ ही साथ आपसे यह भी प्रार्थना है कि होने वाली कार्यवाहियों ~~की कार्यवाहियां~~ का विवरण व मीटिंग व शिविर सूचना सब सैनिकों को साथी मिलनी चाहिये ताकि अच्छे व योग्य आदमी कांग्रेस सेवा दल में अखिल भारतीय कांग्रेस सेवा दल से प्रशिक्षण प्राप्त कर सकें और एक आदर्श सेवा दल बन सके।

अतः श्रीमान् जी से नम्र निवेदन है कि अखिल भारतीय कांग्रेस सेवा दल के शिविर व मीटिंग व प्रशिक्षण की सूचना हर सैनिक को भेजा जाने का कष्ट किया जावे ताकि लोग उसमें अच्छे व योग्य प्रशिक्षण प्राप्त करके आदर्श कायम कर सकें।

इसकी एक प्रतिलिपि श्री इनामदार जी
कांग्रेस सेवा दल अखिल भारतीय संगठक
नई देहली।

दिनांक १०-३-६६ ई० ।

प्रार्थी
(हस्ताक्षर)
वीरेन्द्र सिंह भूत पूर्व नायक कांग्रेस सेवा दल मैनपुरी। मकान नं० २४३३ कोर्ट रोड मैनपुरी।

Information Department
of the USSR Embassy in India
25, Barakhambe Road,
Post Box No. 241,
NEW DELHI-I
GRAMS : SOVINFORM PHONE : 46240

भारत में सोवियत समाजवादी जनतंत्र
संघ के दूतावास का सूचना विभाग
२५, बाराखम्बा रोड,
नई दिल्ली-१
तार। सोविनफार्म टेलीफोन। 46240

15 MAR 1966

Ref. CAMP/Z/4

Dear Sir,

We thank you for your letter.

Kindly note that your subscription has been entered in our records under No. SJE-297-2167 and the supply of Magazine ~~will be commenced~~/ has been commenced with effect from Issue No. 2 v.i.c. 3rd week of Feb 66

Please quote this subscription Number in all your correspondence with us to ensure prompt attention.

Assuring you of our best attention always.

Received on 14-3-66
No. 324
Ref.
Outward No.
Mail
Cross file No.

Yours faithfully,
For INFORMATION DEPARTMENT OF THE USSR EMBASSY IN INDIA.

P.DHARMAGNANI, M.A.,B.L.,
ASSISTANT STATION DIRECTOR.
आकाशवाणी
हुलियाल रोड
धारवाड
तार. आकाशवाणी धारवाड

66

ALL INDIA RADIO,
Haliyal Road,
DHARWAR
Telegram : Akashvani
Dharwar

क्रमांक / No.Dha.15(4-1)/66-P1

दिनांक/Date
3rd, March,1966.
12th, Phalguna,1887.

Dear Dr. Hardikarji,

To mark the birth anniversary of late Pandit Motilal Nehru, which falls on 6th May,'66(Friday) I have planned a talk in English "MOTILAL-SOME MEMORIES". I shall be grateful if you will kindly agree to broadcast this talk. Our Bangalore Station is also relaying this broadcast.

May I have your kind acceptance by return of post? I have tentatively fixed the date of recording on 25th April,'66 so that a copy could be sent to Bangalore well in advance.

With kind regards,

Yours sincerely,

(P.Dharmagnani.)

Dr. N. S. Hardikar,
Arogyadhama,
GHATAPRABHA
Dist: Belgaum.

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी
कांग्रेस सेवा दल
७, जन्तर मन्तर रोड, नयी दिल्ली

परिपत्र संख्या: ३ तारीख १० मार्च, १९६६

प्रिय साथी,

यह साल तैयारी तथा संगठन का माना गया है। तैयारी तथा संगठन में प्रशिक्षण एक महत्व का भाग है। इस ख्याल से इस साल के कार्यक्रम में ज्यादा से ज्यादा संख्या के सैनिक शिविर, ब्लाक अधिकारियों के लिए ब्लाक अधिकारी शिविर, महिला शिविर, पुनरावर्तन शिविर आदि आइटम वार्षिक कार्यक्रम में तय किये गये थे। आप इस कार्यक्रम को कार्यान्वित करने के बारे में जरूर सोचते होंगे।

आमतौर पर प्रशिक्षण शिविर अप्रैल से जून तक चलाना सुविधाजनक होते हैं जिसकी तैयारी आज से करना जरूरी है। शिविरों के लिए स्थान तथा तारीख आदि अभी से तय की जाय तो अच्छा रहेगा। इस काम में आपको कुछ शिक्षकों की आवश्यकता होगी, तो वे भी हम अन्य जगह से प्राप्त करने की कोशिश करेंगे तथा महत्व के शिविर का निरीक्षण और मार्गदर्शन करने के लिए भी कोई आ सकता है। एक प्रदेश के शिविर में पड़ोस के प्रदेश के शिक्षार्थी जो जाना चाहते हैं उनको भी भेजा जा सकता है। इसलिए आप अपने शिविरों की तारीख तथा स्थान हो सके उतनी जल्दी तय करके हमें लिखें। लम्बे अर्से के तथा पूरे पाठ्यक्रम के शिविर चलाना जहां संभव नहीं है, वहां कम समय के पुनरावर्तन शिविर चलाने की कोशिश की जाय। और उसमें ज्यादा से ज्यादा संख्या लाने की कोशिश की जाय, जिससे वे प्रभावी हों। शिविरों का यह समय चले जाने पर आपको फिर चार-पांच महीने तक राह देखनी पड़ेगी। इसलिए आप इसमें ढिलाई न करके तुरन्त निर्णय लें। छ:मासिक बैठक में तय किये गये अनुसार "आम चुनाव" एक विषय के तौर पर प्रत्येक शिविर में लिया जाय।

आपसे परिपत्र संख्या २ का जवाब नहीं आया है, वह तुरन्त भेजदें।

आपका

(स०वा० जमादार)
अखिल भारतीय संगठक

प्रदेशीय प्रमुख अधिकारियों के नाम

प्रतिलिपि जानकारी के लिए,
जिला कार्यालयों के नाम।

कोहली:

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी

कांग्रेस सेवा दल

७, जन्तर मन्तर रोड, नयी दिल्ली

परिपत्र संख्या: ३ तारीख १० मार्च, १९६६

प्रिय साथी,

यह साल तैयारी तथा संगठन का माना गया है। तैयारी तथा संगठन में प्रशिक्षण एक महत्व का भाग है। इस ख्याल से इस साल के कार्यक्रम में ज्यादा से ज्यादा संख्या के सैनिक शिविर, ब्लाक अधिकारियों के लिए ब्लाक अधिकारी शिविर, महिला शिविर, पुनरावर्तन शिविर आदि आइटम वार्षिक कार्यक्रम में तय किये गये थे। आप इस कार्यक्रम को कार्यान्वित करने के बारे में ज़रूर सोचते होंगे।

आमतौर पर प्रशिक्षण शिविर अप्रैल से जून तक चलाना सुविधाजनक होते है जिसकी तैयारी आज से करना ज़रूरी है। शिविरों के लिए स्थान तथा तारीख आदि अभी से तय की जाय तो अच्छा रहेगा। इस काम में आपको कुछ शिक्षकों की आवश्यकता होगी, तो वे भी हम अन्य जगह से प्राप्त करने की कोशिश करेंगे तथा महत्व के शिविर का निरीक्षण और मार्गदर्शन करने के लिए भी कोई आ सकता है। एक प्रदेश के शिविर में पड़ोस के प्रदेश के शिक्षार्थी जो जाना चाहते हैं उनको भी भेजा जा सकता है। इसलिए आप अपने शिविरों की तारीख तथा स्थान हो सके उतनी जल्दी तय करके हमें लिखें। लम्बे अर्से के तथा पूरे पाठ्यक्रम के शिविर चलाना जहां संभव नहीं है, वहां कम समय के पुनरावर्तन शिविर चलाने की कोशिश की जाय। और उसमें ज़्यादा से ज्यादा संख्या लाने की कोशिश की जाय, जिससे वे प्रभावी हों। शिविरों का यह समय चले जाने पर आपको फिर चार-पांच महीने तक राह देखनी पड़ेगी। इसलिए आप इसमें ढिलाई न करके तुरन्त निर्णय लें। छ:मासिक बैठक में तय किये गये अनुसार 'आम चुनाव' एक विषय के तौर पर प्रत्येक शिविर में लिया जाय।

आपसे परिपत्र संख्या २ का जवाब नहीं आया है, वह तुरन्त भेजदें।

आपका

(हस्ताक्षर)

(स०वा० जमादार)
अखिल भारतीय संगठक

प्रदेशीय प्रमुख अधिकारियों के नाम

प्रतिलिपि जानकारी के लिए,
जिला कार्यालयों के नाम।

कोहली:

Mohan G. Kokatnur
1415 W. Kirby Ave.
Champaign, Illinois.
U. S. A.
March 8 1966.

Dear Dr. Hardiker,

I acknowledge your loving enquiry about me and my family. Thank you very much for the same.

It is gratifying to note that K H I proposes to write life-work and story of my father. I sure will do all the needful in the matter. About the latest photograph of my father, I must say it could be as late as spring of 1963 and not later. For you might recall that I left India during September of that year. Dr. G.R.Kulkarni Dr. V. S. Gupte, or Mr. G. V. Saraf are likely to have a later picture. Although I might find one of his earlier photograph I do not know if it would be useful in compilation of his story. I shall look in my family album and see what best I could do.

In this regard you might like to write directly to the persons I have listed at the end. They happen to be collegues and friends of my father either in his student days at Minnesota or during his later visit in 1949-50. I have already written to most of them and they might be willing to write about some memories and anecdotes. They in turn may know others who knew my father well.

As for my father's professional associates, collegues, and friends in India I do not know anyone who would have better knowledge than yourself. My mother, shri Appakaka, Dr. Vasantkaka and shri Pandumama will be able to shed more light upon his day to day life and friends in his later life at Miraj. Due to academic pursuits I have been in and out since 1948 so that I will be of little help in remembering finer details of his everyday life. Should you kindly write me what form this proposed life story would take and wherein exactly I can contribute I shall certainly be glad to do everything.

Doubtless you have contacted my great uncles shri. Tammana and shri. Shinuanna at Athni to tell you about my father's boyhood and life-period prior to leaving for U.S.A.

Urmila and her husband Mr. Devgon are settled in Washington, D.C. he working for Pan American Airlines and she in the State Department. Arvind Kokatnur is a highway engineer in New Jersy, is married and has 3 children. Aunt Helen is still quite active though retired and lives in New York.

My wife Saroj stays home and looks after our young one child Sharmila. She used to attend evening classes but now there is very little she can do with 8 months baby at home.

We all are fine.

With our greetings and best regards.

Yours affectionately

Mohan Kokatnur.

1. Dr. J. A. Myers
   1316 Mayo Memorial Bldg.
   University of Minnesota
   Minneapolis, Minn.

2. Dr. Larry Richdorf
   1409 Willow street
   Minneapolis, Minn.

3. Gen. & Mrs. Leif J. Sverdrup
   1155 Hillside Drive
   Richmond Heights
   St. Louis, 17. Mo.

4. Mrs. Helen g. Kokatnur
   30 W. 71 street
   New York, N.Y.

5. Mrs Urmila Devgon
   6307 Bannockburn Drive
   Bethesda, 34. Maryland.

टेलीफोन ४५८५१ (५ लाइन) तार: कांग्रेस

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी

७, जन्तर मन्तर रोड,
नई दिल्ली-१

१८-३-६६

पु. डॉकर,

आपले ता. १६ चे कार्ड मिळाले. पटवर्धनांच्या पत्त्यावर पाठव[illegible]
तेही पण मिळाली असतीलच.

१) श्री प्रफुल्लांना भेटता येत नाही. ते ~~[illegible]~~ हल्ली स्वतःहून [illegible] जायचे होते. तेथे पंडितजींच्या पत्रासंबंधी कार्यवाहीला बोलणार होते. त्यांचे पण आल्यावर काय ते पुढे कळवीन.

(२) पंडितजींच्या पत्रांची सूची करण्याचे व प्रत्येक पत्राचे list तयार करण्यास सुरुवात केली पण मध्यंतरी ते काम पडून राहिले. ते पूर्ण करून मग फोटो प्रती पाठवण्याचे ठरवले आहे.

(३) ~~श्री~~ डॉ. केसकर यांची शिवाय इतरांच्या पत्रासंबंधी बोलणे नाही.

४) श्री. नंदा यांना भेटलो नाही. कारण पं. [illegible] मधून त्यांना भेटणे खूप [illegible] नोकर व [illegible] असे [illegible] विचार आहे. ~~क~~ डॉ. [illegible] ना ओळखतो. भेटून आलो तरच त्यांना [illegible] आहे. पत्रांची जबाबदारी तयारी पूर्ण नसल्याने पुढे पत्रासंबंधी बोललो नाही.

आपण स्वतः आल्यावर नंदांना भेटून येतो. पण त्यांनी पण मागितले तर काय उत्तर द्यावे या विचाराने भेटायला गेलो नाही.

५) लालाजींच्या पत्रासंबंधी श्री सेवकराम यांनी आपल्याला पत्र लिहिले असेलच. पण त्यांनी आपल्याकडे पाठवलेल्या पत्रांची कॉपी पाठवली आहे.

बे. इकडील वातावरण बरे नाही व काही दिवस अस्थिरताही असे वाटते. ११ तारखेस [illegible] ऑफीस मध्ये आली व त्यांनी मोठ्या [illegible] [illegible] दिल्या व फोडल्या. थोडा वेळ [illegible] परंतु पोलिसांनी परिस्थिती काबूत आणली. काळजी करण्या सारखे नाही कारण इतक्या गोष्टी होणे अपरिहार्य आहे.
घरातील सर्व आनंदात आहेत.

आ.

[illegible]

First fold here

Sender's name and Address

INLAND LETTER
अन्तर्देशीय पत्र
NO ENCLOSURES ALLOWED

Dr. H. S. Hardekar
K.H. 1 Ghataprabha
Dist. Belgaum
(Mysore State)

Third fold here

Second fold here

महाराष्ट्र प्रदेश कॉंग्रेस कमिटी

श्री. विनायकराव पाटील
अध्यक्ष

श्री. वसंतराव पाटील
उपाध्यक्ष

श्री. हरि गोविंदराव वर्तक
कोषाध्यक्ष

सरचिटणीस
श्री. मोहन धारिया
श्री. एकनाथराव निंबाळकर
श्री. शंकरराव गेडाम
श्री. ए. आर. अंतुले
श्री. शिवाजीराव पाटील

'टिळक भवन', गोखले रोड (दक्षिण),
खेडगल्ली, दादर, मुंबई २८.

तार– "EMPICICI"
DADAR, BOMBAY.

दूरध्वनि– ४५१२६९.

संदर्भ :

दिनांक : १५-२-६६

मा. श्री.

यांना

सादर प्रणाम.

ता. १२-२-६६ रोजी प्रांतीय सेवादल अधिकाऱ्यांची सभा मुंबईस झाली.. या सभेत कॉंग्रेस सेवादल व सार्वत्रिक निवडणूक यावर विचार विनीमय करण्यात आला. या बैठकीत कार्यक्रमाचा आराखडा तयार करून तो आराखडा विचारार्थ व निर्णयार्थ प्रांताध्यक्ष मा. विनायकरावजी पाटील यांचेकडे पाठविण्यात आला आहे. तो आपल्या माहितीसाठी या पत्रासोबत मुद्दाम पाठवित आहे.

कळावे ही विनंति.

आपला नम्र,

(आनंदीराम कुमट)
दलपति.

काँग्रेस - सेवादल व १९६७ ची सार्वत्रिक निवडणूक

काँग्रेस - जेथे अस्तित्वात आहे व असेल तेथे काँग्रेस - सेवादल आहे व असेल. सेवादलाने जन्म घेतला तो मुळांत काँग्रेसच्या सेवेसाठीच, म्हणून काँग्रेससाठी नेहमी सर्वस्वाचा त्याग करण्यास सेवादल सदैव तयार असते व आहे.

भारतीय भाग्योदयाची भागीरथी काँग्रेसने १९४७ मध्ये स्वातंत्र्याचा अमृत कलश जनता जनार्दनास दिल्यामुळे तिने १९५२ साली च्या निवडणुका जिंकल्या. १९५७ साली समाजवादी समाजरचनेच्या वाटेवर वाटचाल करून काँग्रेस निवडून आली. १९६२ साली सहकाराच्या मंत्रघोषाने काँग्रेसने यश संपादन केले. आता १९६७ च्या निवडणूक उंबरठ्यावर आपण उभे आहोत. निवडणुकीचे काम म्हणजे एक प्रकारे युद्धाची तयारीच होय. ज्या प्रमाणे युद्धाची तयारी त्याप्रमाणेच निवडणुकीची [illegible] शिस्तबद्ध रितीने आखणी करून केली पाहिजे. त्यादृष्टिने १९६७ च्या निवडणूकीकडे पाहता अनेक प्रश्नांवर जनतेला स्पष्टीकरणात्मक व प्रगतीचा आढावा व भावी दिशेने चाललेली वाटचाल समजावून सांगावी लागणार आहे. याच वेळी राष्ट्रीय [illegible] प्रश्नासाठी महाराष्ट्राने हिमालयाच्या रक्षणाकरिता [illegible] आहे. [illegible] महाराष्ट्रात काँग्रेसला भरघोस विजय संपादन करावयाचा आहे.

[illegible] प्रश्न, शास्त्री, [illegible] ताश्कंद करार, हे प्रश्न सामान्य मनुष्य [illegible] हा सामान्य जनाचा बुद्धीभ्रम, करण्याचा [illegible] प्रचारात्मक भूमिका आम्हांस स्वीकारावी लागेल.

महाराष्ट्र काँग्रेसची [illegible] परंपरा आहे. आजवर देशासाठी जे जे लढे दिले गेले त्या त्या ठिकाणी महाराष्ट्र काँग्रेस आघाडीवर राहिली आहे. हिमालयाच्या हाकेसाठी सह्याद्रिने धाव घेतलेली आहे. अशा या महाराष्ट्रातील 'काँग्रेस' ला विजयाचा 'यशवंत मुकुट' चढविण्यासाठी महाराष्ट्रातील २० हजार सेवादल स्वयंसेवक आपल्या कर्तृत्वाची पराकाष्ठा करतील.

या दृष्टीने महाराष्ट्र काँग्रेस सेवादल पूर्ण तयारीनिशी व आपल्या सर्व शक्तिनीशी या निवडणूकीत काम करील. यासाठी योजनाबद्ध कार्यक्रम आखणी हीच यशाची निम्मी बाजू असते हे लक्षांत घेऊन पुढे दिलेल्या कार्यक्रमानुसार सेवादल निवडणूकीत सक्रिय काम करील.

मार्च, एप्रील ६६ मधील कार्य.

आवाहन - प्रांतीक काँग्रेस कमिटी कडून चालविल्या जाणाऱ्या आवाहन साप्ताहीकासाठी २००० वर्गणीदारांची अपेक्षा मा. विनायकरावजींनी प्रांतीक कॉ. सेवादलाकडून केली आहे. त्याप्रमाणेच ह्या कार्यासाठी सेवादल स्फूर्तीने लागले आहे तसेच महाराष्ट्रांतील काँग्रेस विचार सरणीची दैनिके - महाराष्ट्र, शिवशक्ति, विशाल सह्याद्रि, गांवकरी, अजींठा आदींचे ग्राहक व वाचक वाढविण्याचाही प्रयत्न करित आहे.

मे १९६६ मधील कार्य

मेळावे - प्रांतातील सेवादलाची ट्रेन्ड सैनिकांची शक्ति एकत्रित आणून एक उत्साहाचे वातावरण तयार करण्याचे दृष्टीने २००० कार्यकर्त्यांचे ७ दिवसाचे राष्ट्रीय श्रमदान मे मध्ये घेतले जाईल.

जून, जुलै ६६ मधील कार्य

विद्यार्थी संमेलने - शाळा, कॉलेज सुरू झाल्यानंतर विद्यार्थ्यांना एकत्रित आणण्याच्या दृष्टीने ठिकठिकाणी विद्यार्थी संमेलने आयोजीत केली जातील. हायस्कूल व कॉलेज विद्यार्थ्यांच्या ह्या संमेलनांतून आमचे प्रमुख नेते मार्गदर्शन करतील.

ऑगस्ट-सप्टेंबर, आक्टोबर ६६ मधील कार्य

निवडणूक शिबिरे - एकूण तीन शिबिरे घेतली जातील.

(अ) ही शिबिरे ७ दिवसांची असतील.

(ब) प्रत्येक जिल्ह्यातून किमान १५ कार्यकर्ते भाग घेतील. (प्रत्येक मतदार संघातून कार्यकर्ते निवडले जातील)

(क) एका शिबिरात किमान १५० कार्यकर्ते असतील.

(टीप - या शिबिरासाठी सोबत जोडलेल्या शिक्षण क्रमाचा अवलंब केला जाईल)

नोव्हेंबर व डिसेंबर १९६६

व पुढे निवडणूकीपर्यन्त मार्च ६७ पर्यन्त

निवडणूक प्रचार तुकडी

महाराष्ट्रांतील खेड्याखेड्यातून सामान्य जनतेपर्यन्त कॉंग्रेसचा संदेश पोहोचविण्याच्या दृष्टीने एक सायकल प्रचार फेरी महाराष्ट्रभर काढण्यांत येईल.

१) सायकल तुकडीचे दोन भाग करण्यांत येतील.

२) प्रत्येक तुकडीत २८ कार्यकर्ते राहतील (प्रत्येक जिल्ह्याचा एक प्रतिनीधी असेल)

३) सोबत जीपमध्ये ३ ते ४ लोकांची सांस्कृतिक तुकडी राहील.

४) एका प्रमुख प्रदेशाच्या अधिकाऱ्याचे नेतृत्वाखाली ही तुकडी प्रचार कार्य करील.

५) सोबत लाऊड स्पीकर राहील.

६) प्रत्येक दिवशी फेरी बरोबरच दोन जाहिर सभेचे कार्यक्रम होतील.

७) याचवेळी प्रदेश कॉंग्रेस कडून प्रकाशित होणारे वाङ्मय जनतेपर्यन्त पोहोचविले जाईल.

८) याबरोबरच तेथील परिस्थितीचे सत्यचित्र प्रदेश कॉंग्रेसला अहवालाद्वारे तातडीने पोहोचविले जाईल.

कलापथकाद्वारे प्रचार कार्य

आजच्या काळांत कलापथक हे एक अतिशय प्रभावी असे समाजातील प्रचाराचे साधन आहे. कलापथकाद्वारे कॉंग्रेसचे विचार, ध्येय धोरण व कार्यक्रम समजावून सांगता येणे सहज सुलभ आहे यासाठी -

१) प्रदेश पातळीवर दोन

२) व जिल्हा पातळीवर १२ (बारा) अशी एकूण १४ कलापथके कार्यरत रहातील.

••••••••••••••••••••

सन १९६७ निवडणूक खर्चाचे बजेट

नान् रिकरिंग

	संख्या
सायकली	५६
जीपस्	३
सेवादल गणवेश	१५०
लाऊड स्पीकर सेटस्	३
हँड स्पीकर्स	६

रिकरिंग

५६०० - कलापथकांच्या साहित्य खरेदीसाठी
२००० प्रदेश पातळीवरील २ कलापतकांच्या साहित्य खरेदीसाठीं
३६०० जिल्हा पातळीवरील कलापथकांच्या साहित्य खरेदीसाठीं.

५६००

९१२० - कार्यकर्त्यांचे मानधनाबद्दल खर्च
७२०० ४ पूर्णवेळ कार्यकर्ते प्रत्येकी १५० रु.
१२०० १ महिला कार्यकर्ती प्रांतिक पातळीवर
७२० १ अर्धवेळ कार्यकर्ता रु. ६० प्रमाणें.

९१२०

६००० - प्रवास खर्च

१००० - पोस्टेज खर्च.

२५०० - श्रमदान शिबीर पित्यर्थ.

१००० - निवास खर्च

३७०० - प्रशिक्षण, शिबीरे या पित्यर्थ.

१०८० - किरकोळ खर्च

३०,०००

अ।०६।७६ [signature]

ALL INDIA CONGRESS COMMITTEE
7, Jantar Mantar Road
NEW DELHI-1

CONGRESS SEVA DAL

Circular No.4/2890.   16th March, 1966

Sub: Badges and Whistles.

Dear brother,

You can now place your orders for Chak... ...ges directly with the manufacturer, to the address and on conditions given below:

(1) Price of each Sainik Chakra Badge will be at a flat rate of 50 paise and of Sahayak Badge 45 paise with an addition of 10% sales tax. There will be no extra commission or reduction;

(2) Postage will be charged but nothing for packing and forwarding;

(3) Large payments will be made through a bank only;

(4) For small orders below ~~hundred~~ badges, payments can be made by V.P.P.

(5) For still smaller orders - ten and less, full payment calculated as above with postage, shall be sent in advance;

(6) The manufacturer will normally take 15 to 20 days to supply an order placed with them. If you need earlier have an understanding in writing from the manufacturer before you place the order;

(7) Always ask for acceptance of the order and send your confirmation or cancellation in clear words;

(8) You have to solve your disputes with the manufacturer directly. If you need any help or have any complaint, write to Shri Harihar Raval, Congress Sevadal, Congress House, V.J. Patel Road, Bombay. Complaint, if any, should immediately be made to the manufacturer and a copy sent to this office;

(9) We have informed the manufacturer to mount the Chakra badges on a saree pin which can be conveniently used by women volunteers having saree in their uniform. The price will be informed later;

(10) You are warned to be clear in language when placing an order, acceptance and payment for the articles ordered;

(11) All orders should as far as possible go through the Pradesh Head whose list is with the manufacturer. No one below the district head should place an order directly with the manufacturer. Instructions to this effect should be issued to districts and shakhas by the Pradesh Head. This is to avoid unauthorised use and misuse of the Seva Dal Badges;

(12) Seva Dal Whistles are also available from this manufacturer.

Address:

Express Metal Label Co.,
Jinah Hall Building,
Congress House,
BOMBAY-4

Yours sincerely,

S V Inamdar

(S.V. Inamdar)
ALL INDIA ORGANISER

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी

कांग्रेस सेवा दल

७, जन्तर मन्तर रोड, नयी दिल्ली

परिपत्र संख्या: ५

तारीख: १७ मार्च, १९६६

विषय: महिलाओं में सेवादल कार्य

प्रिय साथी,

अखिल भारतीय छमाही बैठक में जो निर्णय लिए गए थे उनमें एक यह भी था कि सेवादल के महिला विभाग को शक्तिशाली बनाया जाय। इस दिशा में आपने सोचना शुरू [illegible] होगा और इस निर्णय को कार्यान्वित करने की दिशा में कुछ कदम उठाने की शुरूआत की होगी। खाद्य-समस्या तथा आगामी आम चुनावों को मद्देनज़र रखते हुए इस कार्य का महत्व विशेष है।

महिला विभाग के बढ़ाने में मूल दिक्कत यह है कि महिलाओं की सामाजिक स्थिति पुरुषों से भिन्न रहती है। इसलिए उनका फ्री-टाइम (अवकाश का समय), काम का स्वरूप, आवश्यकतायें, भिन्न रखना ज़रूरी पड़ता है। इसका मतलब यह नहीं कि सेवादल का वर्तमान कार्यक्रम, प्रशिक्षण, कार्य का तरीका महिलाओं के लिए सुविधाजनक नहीं है। सेवादल का कार्यक्रम, प्रशिक्षण और तरीका तो स्थायी बात है। सिर्फ महिलाओं की दृष्टि से यह कैसे ढाला जाय - यह सोचना ज़रूरी है। आप सोचकर अपने सुझाव तथा विचार लिखें।

इस काम को कैसे किया जाय इस बारे में कुछ बातें निम्न दी जा रही हैं। आप इनको अपनी स्थानीय परिस्थिति के अनुसार अमल में लायें

१. वर्तमान सेवादल की महिलाओं की टुकड़ी तथा कार्यकर्ताओं को व्यवस्थित किया जाय। जिससे वे किसी काम के लिए तैयार मिल सकेंगी। अखिल भारतीय तथा प्रदेश द्वारा जो प्रशिक्षण शिविर लगाये जायं उनमें इनमें से चुनी हुई महिला कार्यकर्त्री भेजी जा सकती है।

२. कुछ जगह यह भी ज़रूर होगा कि महिला संगठन के सूत्र प्रदेश प्रमुख अधिकारी ही अपने हाथ में रखें या किसी महिला अधिकारी की प्रदेश या ज़िला स्तर पर नियुक्ति करके उसको सौंपदें। जिससे महिलाओं के कार्य में बीच के छोटे बड़े कार्यकर्ता हस्तक्षेप न करसकें तथा महिला कार्यकर्त्रियों को अपनी स्वतंत्रता तथा ज़िम्मेदारी महसूस हो।

३. जहां जहां महिला कार्यकर्त्री मौजूद है तथा सक्रिय है उनके विचार के अनुसार अपने स्तर पर महिला संगठन चलाने या बढ़ाने की स्वतंत्रता दी जाय। इसमें सेवादल का कार्यक्रम तथा भावना का ख़्याल रखा जाय।

४. जहाँ महिला कार्यकर्त्री है लेकिन सेविका नहीं है, वहाँ के कार्यकर्ताओं को अपने विस्तार की महिला संस्थाओं से संपर्क स्थापित करके सेवादल का सहायक विभाग तथा सम्बन्ध बढ़ाने की कोशिश करने के लिए कहा जाय। इस कोशिश में ऐसी संस्थाओं में महिलायें बार-बार जाकर मैत्री बढ़ाना तथा उनके कार्यक्रमों में शामिल होना आदि बातें आ सकती है। महिला कार्यकर्त्रियां वहाँ पर सेवादल का साहित्य देकर उस पर बातचीत कर सकती है।

५. इसी तरह सेवादल की कार्यकर्त्रियां इन संस्थाओं में जाकर सेवादल के प्रशिक्षण वर्ग या अन्य प्रवृत्ति जहाँ चलना संभव हो चलाने की कोशिश कर सकती है।

६. महिलाओं के लिए आवश्यक : जो शायद सेवादल के कार्यक्रम में न भी हों : और जिसमें महिलाओं की दिलचस्पी है, ऐसे कार्य या कार्यक्रम हाथ में लिए जा सकते है।

७. अस्थाई तथा प्रासंगिक ऐसे विविध कार्यक्रम सेवादल द्वारा आयोजित किए जा सकते है जिसमें सब प्रकार की महिलायें शामिल हो सकेंगी। इस सबका उद्देश्य होगा कि सेवादल अपने अपने विस्तार में बड़ी तादाद में महिलाओं को एकत्रित कर सकें, संगठित कर सकें तथा उनसे काम ले सकेंगे।

८. महिलाओं के कार्य के लिए आप महिला कार्यकर्त्री चाहते होंगे तो किस काम के लिये कितने समय के लिए आपको चाहिये यह लिखने पर अन्य जगह पर प्राप्य महिला कार्यकर्त्री को भेजने की कोशिश की जा सकती है। इस बारे में खर्च का बोझा भी कितना उठा सकते है यह भी लिखें। इसप्रकार बाहिर जा सकें :- ऐसी महिला कार्यकर्त्री आपके यहाँ होंगी तो उनके बारे में भी पूरी जानकारी यहाँ पर भेजी जाय।

९. आपको यह जानकर खुशी होगी कि मई में हमीरपुर : झांसी-बांदा लाइन पर: में अखिल भारतीय महिला शिविर चलाने का तय किया है। जिसमें आपके प्रदेश से ऐसी सुयोग्य महिला कार्यकर्त्री भेजें, जिसने अखिल भारतीय प्रशिक्षण शिविर में प्रशिक्षण प्राप्त नहीं किया हो - भेजने की कोशिश में रहिए। आप कितनी महिलायें भेज सकेंगे। शिविर दस दिन का होगा।

पत्रोत्तर की प्रतीक्षा में।

आपका,

(स० वा० इनामदार)
अखिल भारतीय संगठक

प्रदेश कार्यालयों के नाम :

प्रतिलिपि: जिला कार्यालयों के नाम :

~~कोइली~~:

GIST IN ENGLISH

One of the decision taken in the All India Six Monthly meeting held at Delhi was the development of the Women Section of Seva Dal. This was is to be taken up in view of the General Elections and present food situation alongwith the spreading of Dal activities in Women.

The social conditions, free time, suitability etc. are some of the considerations that need our attention.

Here are few suggestions that can be taken up according to the local conditions and convenience.

(1) Re-organise the existing structure and keep the section ready for any work. Attempts to send able workers to training camps.

(2) Where necessary the Pradesh head should directly guide the women section or appoint Pradesh & District women officers to do this work so that there would be no dependence on male workers.

(3) Give free hand to women workers where they were active.

(4) Contact with local womens organisations.

(5) Conduct Seva Dal activities in institutions where they were welcomed.

(6) Start activities which could be attended by women in large numbers.

(7) Organise occasional functions for all women.

(8) We can send women workers to Pradeshes if details of the project are sent to us. This will be for a limited period. We also would like to have names of women workers from your pradesh who were prepared to go elsewhere.

(9) An All India Womens Training camp is going to be held in Hamirpur (U.P. near Jhansi) in the month of May. How many women workers you can send to this camp.

80

S. V. KRISHNAMOORTHY RAO,
DEPUTY SPEAKER, LOK SABHA

TELEPHONES
RESIDENCE 33518
OFFICE 31455
10, AKBAR ROAD,
NEW DELHI. 19th Mar 1966

My dear Doctor,

Thank you for your letter dated 15.3.1966. I am very sorry to learn that Shyama Rao Kulkarni passed away on the 12th instant. I remember him very well. Please convey my sincere condolences to his wife and sister.

I note that you will be coming in the first week of April. Shridhar arrives here on the 28th March and will leave for Baroda on the 29th with Sundru and his children. I wish you had arrived before he arrives. If it cannot be done, Sundru invites you for a visit to Baroda on your way back. They will come and meet you in the station. Mother's health is very indifferent these days. She cannot take any solid food. She is living only on milk and orange juice. Rest all O.K.

Nowadays, every day in the Parliament we have some disturbance or other. We are passing through very critical times. Rest in person.

With kind regards,

Yours sincerely

S V Krishnamurthy

p.t.o.

Dr.N.S. Hardikar,
Ghataprabha (Belgaum Dist)

टेलीफोन ४५८५१ (५ लाईन) तार : कांग्रेस

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी

७, जन्तर मन्तर रोड,
नई दिल्ली-१

हैदराबाद
२५. ३. ५८.

पूज्य डॉ. आंबेडकर, स. न.

धूमकेतू आज रात्री उगवला आहे. मागच्या वेळेस दुर्बिणीतून आपण निरीक्षण करीत असताना आपण [illegible] पुन्हा धूमकेतू पाहावयास येऊ नका, दिसेल मला! असे सांगितले होते. पण धूमकेतू जो पावलाला तो आज उगवलेला दिसत आहे. असो. आपणास नियमित पत्रे पाठवू शकलो नाही त्या बद्दल क्षमेची आशा बाळगतो. श्री रेणुकानंद दाराश्च्या पत्रांवरून समजले की आपण दिल्लीला या महिन्यात जाणार आहात. Seva Dal Brother Hood च्या Constitution ची प्रत, प्रत श्री रेणुकानंदांना पाठवली आहे. या वर गेल्या हिवाळी बैठक झाली व नंतर आणखी झाली पण चर्चा लांबली. ब्रदरहुड ची कल्पना सर्वांनाच पसंत पडली आहे. या पूर्वी संघटनेत काही नवीन [illegible] योजनांचा वाटा लागला आहे परंतु कधी कधी संस्थांचे जे नियमित संगठन व कार्य कांग्रेस पक्षावर आलायचे अवलंबून व परीक्षा कांग्रेस मधे व देशात होणाऱ्या राजकीय घडामोडींना पाहता [illegible] अस्थिर होते. [illegible] नाही. कांग्रेस पाहिजे तेवढ्या आरामात [illegible] या [illegible]

प्रकृती बरीच बरी आहे. प्रकृतीला सांभाळावे. केंद्रीय: पत्रे वगैरे पाठवावे बाहेर पडता न आले. [illegible]

टेलीफोन ४५८५१ (५ लाईन)

तार : कांग्रेस

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी

५, जन्तर मन्तर रोड,
नई दिल्ली-१

हैद्राबाद
२५. ३. ५८.

पुज्य डॉ. आठवले, स. न.

धुळ्याहून आज पुन्हा इथे आलो आहे. मागच्या वेळेस दिल्लीहून आपला निरोप घेत असताना आपण स्वतः उठून पुन्हा धुळ्याहून जास्त उशीर करू नका, लिहा म्हणाला! आणि ओळखले होते. पण धुळ्याहून जो मावळलो तो आज उगवलो दिसत आहे. असो. आपणास नियमित पत्रे पाठवू शकलो नाही. त्या बद्दल क्षमेची आशा बाळगतो. श्री रत्नदासांच्या पत्रांवरून समजले कि आपण दिल्लीला या महिन्यांत जाणार आहात. Seva Dal Brother hood च्या Constitution ची एक प्रत श्री रत्नदासांनी पाठवली आहे. या वर गेल्या ६ महिने [illegible] व नंतर [illegible] पण चर्चा झाली होती [illegible] ची कल्पना [illegible] पडली आहे. या पुढे संघटनेत काही नवीन [illegible] वाट [illegible] आहे. परंतु कधी-कधी [illegible] जे नियमित संगठन व [illegible] काँग्रेस पक्षावर आपणाकडे अवलंबून व [illegible] काँग्रेस [illegible] व देशांत होणाऱ्या राजकिय घडामोडींना पाहता [illegible] अस्थिर होते. [illegible] नाही. काँग्रेस पाहिजे तेवढ्या आदर्शाने किंवा आपुलकीने या संगठने

[illegible] नाही. डॉ. [illegible] वगैरे व काही [illegible]

[illegible]

[illegible] Responce [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] contest. Seva Dal has no [illegible], we should have that [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] आहे. [illegible]

[illegible] म्हणून आपल्याला [illegible] स्पष्ट लिहून पाठवीत आहे.

First fold here

INLAND LETTER

अन्तर्देशीय पत्र

NO ENCLOSURES ALLOWED

Dr. N. S. Hardikar
Sanchalak Congress Seva Dal
C/o Karnatak Health Institute
P.O. Ghataprabha
Dist. Belgaum (Mysore)

Third Fold Here

Sender's name and Address

[illegible]

Second fold here

८३ २६।३।६६

पू. माननीय श्री खडीकरजी,

सप्रेम वन्दे.

पत्र लिहिण्यास कारण कि प्रदेश अधिकारी म्हणून श्री मुकुंद भाईंनी मुक्त केल्यानंतर माझ्या सद्यपरिस्थितीचे निवेदन मा. प्रांताध्यक्षांना पाठविले आहे. त्याची प्रत आपणास पण पाठविली आहे.

त्यावरून आपणास सर्व कल्पना येईलच. लहानपणापासून संघटनेत काम केल्याने स्वस्थ बसवत नाही. अशा वेळी मी काय करावे? आता सार्वत्रिक निवडणुका देखील येत आहे. मी त्यासंबंधी मा. श्री दिवाकरजींना ही लिहिले आहे.

आपल्या पत्राची व मार्गदर्शनाची वाट पहात आहे.

सोबत दिलेल्या पत्त्यावर पत्रव्यवहार करावा.

कळावे,

आपला स्नेही सेवक,

(९) 84

~~सुरेश सी. प्रधान~~
~~C/o श्री शेट्टी~~
~~पांडेचिंग [illegible] आगरवाडी~~
~~प्लॉट नं. १८ [illegible] रोड~~
~~जेरबाग (पूर्व) मुंबई ६२~~
२६।३।९९

माननीय श्री विनायकरावजी पाटील,

सप्रेम वंदे.

पत्र लिहिण्यास कारण कि मला ११।३।९९ पासून प्रांतिक सेवादलातील मंत्री (कार्यालय मंत्री) पदावरून कमी केल्याचे पत्र आले आहे. मला आपणाशी त्यातील बाबींबद्दल लक्ष वेधून काही पदच्युति कितपत योग्य आहे हे सांगावयाचे आहे. असा आपणांस नम्र विनंति आहे.

अ. भा. कार्यालयातर्फे महाराष्ट्र प्रांतातील फक्त केवळ ६ जिल्हेच सक्रिय आहेत ही सत्यपरिस्थिती आहे. आपण वारंवार लोकांना म्हटले कि मला दैवयोगाने सेवादल संघटन दिसत नाही. परंतु ती सत्य परिस्थिति आहे. आपण लोकांना म्हटले कि का त्यांनी पत्र बाकी लागे करून [illegible] घालवून कार्यो. (असा वेळी इतकेच रुपये खर्च व त्यांच्या खर्चाचा पावती घ्यावा)

श्री प्रधान गुरुजींच्या पुण्याईवर हे संघटन आहे त्यात काडीमात्र फरक नाही. वर्षानुवर्षे पुणे जिल्हा प्रमुख मुक्तांगण इत्यादि ठाणे जिल्हे सक्रिय आहेत असे आढळून आले. आपणांस नाही का अनुभव आलेलाच आहे.

त्यांच्या पत्रात त्यांनी मला व्यवस्थित वागणूक काम केले नाही असे म्हटले आहे. त्यानंतर माझ्याकडे घरची जबाबदारी वाढली हे कबूल. तरी रजेच्या वेळेत वेळ काढून लहानपणापासून आजही काम करणाऱ्या संघटनेत ३ तास वेळ देत आहे

अवलंबित व नियमित काम नसेल्याने?

श्री गुरुनाथ दुबे गेली मुलाखातीत सांगताना सर्व जिल्हा प्रमुखांशी फोनवरून लोकांना घरच्या पत्त्यावर कळवले आहे. त्यामुळे नवीन काम घडले ते कळवावे काम नाही. (१० ते १२ दिवसांनी कार्यालयात आल्यावर ते कळविण्यात येत होते) उदाहरणार्थ त्यावेळी गोष्टींसंबंधी एक वेळ देत होतो.

(१) श्री गुरव यांना कोणत्या कारणामुळे म्हणून नियुक्त केले गेले.

(२) सोलापूर जिल्हा अधिकारी मुक्त केले गेले.

(३) श्री गायकवाड यांनी सर्व जिल्ह्यांचे स्वरूप सांगितले फोनवर त्यांच्याकडे व श्री जगताप यांच्या घरच्या पत्त्यावर जिल्हा प्रमुखांशी पत्रव्यवहार करावा.

वरील सर्व बाबतीत मी अनुभवी असल्याने मला कायम अंधारात ठेवले गेले. अशी अनेक उदाहरणे आहेत कि मला वारंवार वाटे कि माझी येथे काम पाहणी करून देण्यासाठीच नियुक्ति केली गेली का?

अ. भा. कार्यालयातून पत्रक आल्यावर त्यावर प्रांताकडे परिपत्रक काढून जिल्ह्यापर्यंत ते पाठवणी केली पाहिजे. पण तसे झाले नाही. उलट Radio ते पत्रक लोकांना दुबे फोनवर मला वाचावे लागले. तुम्ही

करण्याचे काम नाही काय त्यावर काम विषय घेतला गेला त्याबाबतीत अशाच. मी त्यांना विचारणा केली असता अ. भा. कार्यालयाचे पुढील काम घेऊन करावेत? त्यांनी पैसा नाही. असे प्रकार त्यांनी अनेक वेळा काढलेले आहेत असावेळी मी काय करावे?

डॉ प्रांतातील पाच सहा जिल्हेच सक्रिय आहेत, या अशी वेळी नियमित चालवणे कसे शक्य होणार? आणि इतर जिल्ह्यांचे अशी कामे अवलंबित कशी होणार?

(3) 86

28

राई पीएचबाबत - त्यांच्या म्हणण्याप्रमाणे राई पी.एच. च्या वर्गात नांव घालण्या पैशात जावयाचे व मी [illegible] आदिवासींना काय करावयाचे ते कसे काय?

उलट सैनिक ने केलेल्या दारांच्या हिशोबाबाबत त्यांनी मला अंधारात ठेवले गेले (श्री [illegible] देखील) कार्यालयांत कोठलेच हिशोब नाहीत. असे का?

तरी आपणांस नम्र विनंती कि आदिवासींकरीता तो अनाठायी खर्च होत आहे तो वाचवावा.

त्यांच्या प्रत्येक गोष्टीला हो ला हो केले म्हणजे तो व काम करणारा देखील त्यांना प्रिय असतो. दुसरे विशेष म्हणजे त्यांनी आत्तापर्यंत श्री गुप्ता यांना कार्यालयांत रहावयास दिल्यापासून मला धाकविण्याच्या ते मार्ग लागले होते.

तरी वरील सत्य परिस्थिति वरुन आपण विचार करुन योग्य तो न्याय द्यावा. सेवादलाच्या प्रतिज्ञेप्रमाणे मरेपर्यंत सेवा करण्याचे व्रत घेतले आहे. तेव्हा मला स्वस्थ बसवत शक्य नाही. पुढे सविस्तर निवेदन देखील येत आहेत.

आपल्या पत्राची वाट पहात आहे. वरील पत्त्यावर पत्रव्यवहार व्हावा.

कळावे,

प्रत रवाना
(१) श्री [illegible] साहेब
(२) श्री डॉ. [illegible]
(३) श्री [illegible]

आपला नम्र सेवक
(हरि श्री [illegible])

[illegible]

– अनुशासन व सेवा 87

सोलापूर जिल्हा काँग्रेस सेवादल

कार्यालय, पंढरपूर.

जा. क्र. मा. पूज्य श्री. डॉ. ना. सु. हर्डीकरजी, दिनांक 30 / २६।३।६६

सोपान गणपत नागटिळक
सेवेत सादर प्रणाम दाळेगल्ली, पंढरपूर.

त्याच दिवसानंतर आपणास हे पत्र लिहित असलेमुळे अत्यंत आनंद होत आहे. पंढरपूर सेवादळाच्या वतीने नियमितपणे श्री. स. वा. इनामदारजी यांचेकडे अहवाल पाठविले जातात. तशी श्री इनामदार यांची पत्रे पण येतात. आपण पंढरपूर शिबिर चे वेळी आला होता. अ त्या आज्ञेप्रमाणे पंढरपुरात सेवादळाचे शेकडो सिपाही आम्ही

सर्वजण मिळून करीत आहोत.
या कार्यास आपला आशीर्वाद हवा.
वरचेवर मार्गदर्शन करीत चला.

पंढरपुरात डाक वाचनालय पण
सेवादलाच्या वतीने चालविले जाते.
या वाचनालयास दलसमाचार, युथ
काँग्रेस, महिला प्रगतिके पथपर,
सबल सिपाही, दल सैनिक आदि
अंक विनामूल्य नियमितपणें मिळतात.
सर्व सैनिक वाचनालयाचा फायदा घेतात.

सेवादल केंद्र नियमितपणे चालू आहे
वरचेवर मार्गदर्शन करीत चला आपला आज्ञाधारक
दिनांक २६।३।६६. सो.ग. नागटेकर

प्रति,
पद्मभूषण डॉ. ना. सु. हर्डीकर
संचालक, अ. भा. काँग्रेस सेवादल
कर्नाटक हेल्थ सेंटर
घटप्रभा - बेळगाव

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी
कांग्रेस सेवादल
७, जन्तर मन्तर रोड, नई दिल्ली

२५ मार्च, १९६६

व्यक्तिगत पत्र

प्रिय साथी,

इस महीने में आपके पास थोड़े ज्यादा परिपत्र आदि मिले होंगे। परिपत्र का जवाब नियमित देते रहेंगे। पत्र तथा परिपत्रों के जवाब तथा रिपोर्ट से मालूम पड़ता है कि आपका कार्यालय कितना सतर्क तथा कार्यक्षम है। कार्यालय की क्षमता के साथ दूसरा उतना ही महत्व का काम रहता है स्थानीय कार्यक्रम सेवादल के कार्यकर्ता अपने अपने गांवों में सक्रिय रहना चाहिए। कुछ न कुछ काम करते रहना चाहिए। स्थानीय कार्य सेवादल संगठन की बुनियादी बात है। स्थानीय कार्य तथा कार्यकर्ता को प्रोत्साहन मिले तो यह हो सकेगा। लेकिन यह प्रदेश या जिला कार्यकर्ता कर सकता है, करना चाहिए। इस कार्य के लिए किसी जगह स्वयं नहीं पहुंच सकते होंगे तो पत्र-व्यवहार से किया जाय। जिसमें खर्च का इतना सवाल नहीं रहता है।

सेवादल की प्रसिद्धि के बारे में अखिल भारतीय त्रैमासिक बैठक में चर्चा हुई थी। इस विषय पर चर्चा चलते हुये यह सुझाव दिये गये थे कि सेवादल द्वारा किए गए कार्य को पूरी प्रसिद्धि मिलनी चाहिए। इसलिए अखबार से संबंधित लोगों से संपर्क रखना जरूरी है तथा कोई कार्यक्रम होने के पूर्व और बाद में उसकी पूरी जानकारी आकर्षक रूप में न्यूज आइटेम के तौरपर और स्वरूप में तथा ठीक समय पर भेजा जाना चाहिए। यह प्रसिद्धि स्थानीय छोटे पेपर में बड़े पेपर के बजाय विशेष संभवनीय है। क्योंकि स्थानीय कार्य स्थानीय महत्व का रहता है और स्थानीय लोग ही उसमें दिलचस्पी रखते हैं। दूसरा यह भी सूचित किया था कि प्रत्येक प्रदेश और हो सके तो जिला भी अपनी पत्रिका प्रकाशित करें। छपी हुई पत्रिका न निकाल सकते हों तो साइक्लोस्टाइल में निकालने की कोशिश की जाय। दल समाचार में सेवादल संबंधी स्थानीय समाचार देना कठिन ही है लेकिन प्रदेश या जिला पत्रिका में वह आसानी से दिया जा सकता है। इस बारे में आपकी क्या दिक्कत है, वह लिखने का कष्ट करें।

प्रसिद्धि का और तरीका है साइन बोर्ड लगाने का। जहां जहां सेवादल का कार्य चलता है उस प्रत्येक स्थान पर आकर्षक तथा बड़े बोर्ड लगाये जाने पर उस काम की तरफ लोगों का ध्यान जाता है और सेवादल का अच्छा प्रचार हो सकता है।

सूचना केन्द्रों को बढ़ाना तथा उस योजना में सूचित कार्यक्रम करते रहने से भी सेवादलका अच्छा प्रचार हो सकता है। सूचना केन्द्र के नाम बहुत सा काम हाथ में लिया जा सकता है।

इन सब कामों में केन्द्रीकरण के बजाय विकेन्द्रीकरण की नीति अपनाने से काम आसानी से फैल जायेगा और कार्यकर्ता की कार्यशक्ति भी बढ़ेगी।

चुनाव सम्बन्धी कार्य के बारे में अपनी कांग्रेस कमेटी के साथ बात करके उस कार्य की तैयारी कीजिए। आज दो बातें जरूर की जा सकती हैं। सहायकों की भर्ती तथा चुनाव प्रशिक्षण शिविर।

मई में उत्तर प्रदेश के हमीरपुर में अखिल भारतीय महिला प्रशिक्षण शिविर चलाये जाने की सूचना आपको भेजी जा चुकी है। इसमें आप कितनी महिला भेजेंगे? अखिल भारतीय जिला अधिकारी प्रशिक्षण शिविर तारीख ५ से १६ जून तक झांसी के नजदीक चलाये जाने वाला है। आपके जिला अधिकारियों में से जिनको यह शिविर सुविधाजनक हो उन्हें इस शिविर में भेजा जाय। आप कितने भेज सकेंगे?

शिविर स्थान [illegible] है

आपका,

(स०पा० इनामदार)
अखिल भारतीय संगठक

कोहली:

G I S T

You must have received a good number of circulars. You have to study them and do the needful. The promptness in dealing with them would indicate the alertness and efficiency of your office. As written earlier, you have to see that Local Seva Dal units were active. And this work can be done b the District and Pradesh office only. Do this through correspondence if travelling was not possible.

In the six monthly meeting we discussed about publicity to Seva Dal activities. A pradesh patrika, articles in papers, news in local papers, big and conspicuous sign boards where work is going on are some of the ways suggested in the discussion. You will select the ones which suit you most.

Information centres will also be helpful in this direction.

Discuss with Congress Committee about General Election. You can start recruiting sahayaks and organize election training camps immediately. The All India Womens Training Camp is taking place in U.P. in May. How many ladies will you send?

An All India Camp for D.O. is also taking place near Jhansi from 5th to 19th June. You can send your officers to this camp.

March 24, 1966

90

Radha Raman,
11, Talkatora Road.

MINISTRY OF HEALTH
INDIA
NEW DELHI.
स्वास्थ्य मंत्रालय
भारत
नई दिल्ली।

29th March, 1966.

My dear Doctor Sahib,

I am in receipt of your letter dated the 22nd instant. Many thanks for your kind rememberances. I heard from Dr. Vaidya twice. You might have learnt that your wishes in the matter of Karnatak Health Institute have been respected and I am also happy that the Cooperative Hospital Hubli has also got its due share. I do not think you should give me any credit for this. I am simply helping in the distribution of money to deserving institutions. Both these institutions received grants because they fully deserved it. Shri Inamdar has written to me that you will be in Delhi for about a fortnight in the month of April. It will give us pleasure in meeting for and also inspiration of which you are an embodiment. I am sure K.H.I. is functioning better and better under your able stewardship. You have nice staff and colleagues who have missionary zeal and wish to discharge their obligation towards the institute. They are so devoted and dedicated that I always feel the institute has a great future.

With best regards,

Yours sincerely,
Radha Raman

Dr. N.S. Hardikar,
The K.H.I. Hospitals,
Ghatprabha (Mysore)

टेलीफोन { ४०१२० / ४५८७०

तार : कांग्रेस

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी

७, जन्तर मन्तर रोड,
नई दिल्ली-१.

30.3.६६

पू. डॉक्टर,

यां सोबत संपादन ब्युरोचे नियम पाठवत आहे. ३ प्रती पाठवल्या आहेत. त्यावर सही करून त्वरित परत पाठवा म्हणजे त्या रेकार्डला येतील.

कामास सुरवात करण्यासाठी Executive Council ची जरूर आहे. नियमांप्रमाणे पाहिजे. कमेटी आपण nominate करावयाची आहे. त्याचा रफ ड्राफ्ट पाठवला आहे तो टाईप करून त्यावर सही करून 2-3 कापीज पाठवून द्याव्यात. सेक्रेटरी म्हणून जी नावे सुचवली आहेत ते दोघे बाहेर कोठेही व केव्हाही जाऊ शकतील असे आहेत. ~~एक दोघांनी~~ दोघांची संमती घेतलेली आहे. दोघे ही काम करण्यास तयार आहेत.

दोघेही आज संवादकात active नाहीत पण ex workers आहेत.

~~कु.~~ पुष्पाबेन पटेल ना तुम्ही ओळखता. त्या गुजराथच्या संवादका त्या प्रदेश महिला अधिनायक होत्या. कोणतेही काम आपल्या स्वतःने करण्यास सुद्धा तयार असलेल्या ~~काम~~ सारख्या आहेत. सेठी र. पु. वर्ध सेवा दलात नाहीत पण आता तेही काम करण्यास तयार आहेत. दुसरे नाव आहे श्री रावदत्त. हे दिल्लीचे आहेत १९५४ साली त्यांनी संवादकांचे अमेरिकेत ट्रेनिंग पूर्ण घेतले. संवादकात बरेच वर्षे काम केले. नंतर भारत सेवक समाज भारत कृषी समाजात worker म्हणून काम करत होते. २ वर्षांपूर्वी युवक विभाग कडून विद्यालयाला लागून आलेले आहेत. काम करण्याचा उत्साह आहे व आता तेही ते संवादकास मदत करण्यास तयार आहेत. आता ते Social Welfare Dept. मध्ये पगारी काम करतात. पण संवादकाच्या कामा करता वेळ काढण्यास तयार आहेत.

टेलीफोन { ४०३२० / ३५८७०

तार : कांग्रेस

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी

१४.३.६६

७, जन्तर मन्तर रोड,
नई दिल्ली-१.

३

Brotherhood चे office work पहाण्या
करता आपल्याला एक कार्यकर्ता मिळाला
आहे. तसेच स्वयंसेवक म्हणून कार्यकर्ते
आहेत. ते सरकारी नोकरीत आहेत व
त्यांच्या social activities पण आहेत.
Brotherhood च्या office work करता
वेळ देण्याचे त्यांनी कबूल केले आहे. त्यांनी
प्रत्यक्ष सुरवात पण केली आहे. त्यांचे
नाव श्री. यादव आहे. आपण त्यांना
पाहिलेच आहे. बाकी ~~...~~ दोन ~~...~~
मेंबर म्हणून मी २ नावे सुचवली
आहेत. ती आपल्या माहितीची आहेत.
ही कामे ६ महिन्या करता आहे
त्या दृष्टीने ~~...~~ व कामाची सुरवात
म्हणून वेळो वेळी करण्याच्या दृष्टीने

दिल्लीचे आगरवाळचे लोक अमलाचेच बरे.

शक्य तितक्या लौकर ६ परत पाठवावे.

आता डॉ. करंदकर व नरहर प्रकाश आपल्या येण्याची चौकशी करत होते केव्हा येणार?

आ.

र. वा. डांगे

I hereby approve the rules and regulations of the Seva Dal Brotherhood and ~~appoin~~ nominate ~~appoint~~ the following adhoc Executive Council to begin the work, as provided in the article 12 of the rules.

1 Sanchalak or in his absence the All India Organiser

2 Shri. Ram Datta Delhi } ~~Secretary~~ Jt Secretary.

3 Shri Pushpaben Patel Broach }

4 " } Shri Vishwanath Shah, Suleman khan

5 " } Pathan, Vadibhai Patel, Amarnath Chawla, | members

Date 30-8-66.

N. S. Hardiker

Sanchalak.

Congress Seva Dal

PL. 77/66

94

7, Jantar Mantar Road
New Delhi- 1

March 30, 1966

My dear Doctor,

Had it not been for the intervention of Setter, who took the initiative to go to you and talk of Seva Dal and referred to me in the process, I should have contimued my morotorium of not writing to you; however, I assure you that this is not a series and this could as well be the last.

As I got report of your angry conversation with Settar, what immediately came to my mind was a Vachana of Lord Basaveswara: ತಾಯ ಮೊಲೆಹಾಲು ನಂಜಾಗಿ ಕೊಲುವಡೆ ಇನ್ನಾರಿಗೆ ದೂರುವೆನಯ್ಯಾ, ಕೂಡಲಸಂಗಮದೇವಾ!

The situation should be no better if it was ತಂದೆಯ [illegible] instead of ತಾಯ ಮೊಲೆಹಾಲು, ನಂಜಾಗಿ ಕೊಲುವಡೆ ? For, what less than a father's relation was yours to me and what less importance did I give you ? Just for the scribbling of a line from you in 1951, I displeased my father and mother and many other relations and dashed to Delhi to join the dreamland of Seva Dal- seat of all justice! If I had the least idea that a great man like you could support the small minded man of yours to massacre his colleagues to uphold his [illegible] would I ever commit that blunder of my life ? But, you had a name for righteousness and justice. At that time, If V.M. Hardiker had narrated to me what had happened to him at your hands, I would just call him bluff and reply, " No, Dr. N.S. Hardiker can never allow injustice under his nose. " How thoroughly mistaken I was.

Not tnat Settar was my emissary. Far from that. In fact, I had discouraged him when he asked me if he might see you and I told him it would yield no results. Xxxxx You will not be convinced of Mr. Inamdar's dealings even if Brahma came in person and told you what is happening. Well, whatever Settar is worth, one thing has come out- and it is a revealation afetr 15 years' experience. You still hold that the man whom you selected once is the only one who could be right and the whole of Seva Dal workers, Congressmen, ministers and others are all wrong if they hold a view other than your man's. You are convinced that (1) I am too busy with Shri Kamaraj that I can not work for Seva Dal and (2) because of my association with Shri Kamaraj, I am mad with pride. Well, the first view has been widely publicised and being exploited to the full to keep me away from Seva Dal (though without much success) because it is more easily acceptable. The real fact

is that I hardly go with Shri Kamaraj for 3-4 days in the month on an average. That is only used as a pretext to keep me out. Why he is keen on keeping me at a distant is obvious- a matter of commonsense. Even if you refuse to know, people generally know it.

Now, denied place in the Dal, much of my time I devote helping other organisations who feel I am not all useless. And if you want to decide that they all are useless, well you may deside so: Shri Jaya Prakash Narayan also is included in them. Seva Dal camps slam their doors against me; well, I join camps of the Bharat Yuvak Samaj, Shanti Sena, Lajpatrai Centenary Etc.

Inside my own organisation all my colleagues feel that I am a useful friend. Did I ask you for money ? Did I ask you for position ? Did I ask you for privilages ? No, no. But How can I keep quiet when you deny me work ? I shall work. I have broken the monopoly. The PCCs, the Ministries and Seva Dal workers feel I can do my bit to strengthen the organisatio n. But, because against all this mass of people one man weighs more heavily with you, you do not agree. And to please this one man, you were not sorry to neck out V.M., Narayan, Thakor Shah, Pathak, Sushil Mukherjee and now, me- what to talk of those at lower levels. How do you justify all this ?

Who am I ? However insignificant, I have my share in building this organisation. In my own front I am seeing humbug at every stage. You talk of character? Loyalties ? The only quality of workers nearest Mr Inamdar today are those who know how to make money through Seva Dal. The man whom he relies for all advice is one who can use any word to condemn Nehru-Shasrti or Mrs Gandhi. And mind it: all punishment to me ONLY because I have been loyal not only to you, but to the ungrateful Mr Inamdar. If I write all this, it is because I still love Seva Dal.

But, I am going ahead with a determination that this monopoly of one Man's autocracy shall break. He blocked the door for me into the AICC- but I got to read the President's address at Jaipur. He blocked my going into pradeshes- but I have been going everywhere with the President. He blocked my chance, just now, of going abroad- that lost an opportunity for Seva Dal and another organsation got it. Who loses ? He can not liquidate me; but the organisation suffers.

Yours sincerely,

[signature]

DR. N.S.Hardiker

BHARAT SEVA DAL,

DISTRICT ORGANISATION, BELGAUM. & BIJPUR.

A. S. Ingale,
Disrict Organiser

Ref No. 27-65-66

Date 31-3-66

ಭಾರತ ಸೇವಾದಲ ಸಹಾಯಕ
ಶಿಕ್ಷಣ ಶಿಬಿರ ಬಿಜಾಪೂರ.

To.

Dr. N. S. Hardikar.
Sevadal founder,
Ghataprabha Belgaum.

Respected sir

It is desided to give Bharath Sevadal physical education sahayak Training to Kannada Boys School Teachers of Bijapur dist. 30 Teachers will attended the course and the course will be closed on 12-4-1966, you are requested to preside overe the closing function I hope you will not dissappoint me in this matter. Thanking you

yours faithfully.
Y.M. Venkataramanappa
[illegible]

Camp place
[illegible]
ಬಿಜಾಪುರ.

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी
७ जन्तर मन्तर रोड
नयी दिल्ली-१

(कांग्रेस सेवा दल)

संख्या २३ — १ अप्रैल, १९६६

अध्ययन पत्रिका

हमें खुशी होगी यदि पाठकगण कुछ सुझावात्मक विचार भी हमें भविष्य में लिख भेजें। हम समालोचना का हार्दिक स्वागत करेंगे। शिष्ट-वाणी द्वारा अभिव्यक्ति लोकतंत्र की वह तूलिका है जिसके माध्यम से विवेक जन्मेगा, भविष्य मुखरित होगा। अगर अज्ञान विकृतता का मूल है तो स्वस्थ प्रदर्शन सुसंस्कृति का प्रतीक। इस परम्परा में हर योग अपने आप में एक शानदार कदम स्वीकार किया जाना चाहिए।

पंजाबी सूबा

इसी वर्ष की १० मार्च का सवेरा। शासक दल की कार्यसमिति का केवल पाँच पंक्तियों में बद्ध निम्नांकित प्रस्ताव समाचारपत्रों में क्या प्रकाशित हुआ कि जैसे दुनिया-जहान में आग लग गयी हो:

'मौजूदा पंजाब में से एक और राज्य बनाया जाय, जिसकी भाषा पंजाबी हो। सरकार से अनुरोध है कि वह इसके लिए आवश्यक कदम उठाये।'

शब्दों के रूप में प्रतिक्रिया तो समझ में आती थी, लेकिन रोष में विरोध-स्वरूप तीन व्यक्तियों को ज़िंदा जला दिया जाना मानवता का अंत था। इधर कुछ वर्षों के दौरान विशेषकर यह दुर्भाग्य रहा है कि शासक दल की सिफारिशों की या तो आलोचना की गयी या फिर निन्दनीय सीमा के उग्र प्रदर्शन किये गये। महज़ विरोध के नाम पर ज़िंदा विरोधी दलों ने उनका साथ न देने वालों को भी इस हद मजबूर कर देना कि वे अपने बचाव-हेतु हिंसा पर उतर आयें अपनी हरकतों की पुनरावृत्ति ही थी। दोष किसी अन्य पर मढ़ा जाना भी स्वाभाविक था। उससे भी बढ़कर विडम्बना थी कि जिस दल ने अपनी जर्जरता पर परदा डालने के

उद्देश्य से मौजूदा मांग को एक चुनाव स्टन्ट के रूप में प्रस्तुत किया उसी ने अगले दिन अपील की कि कल सभी दुकानें खुलेंगी।

इसी दौरान भारतीय संसद के विभिन्न दलीय आठ प्रतिनिधियों द्वारा गठित पंजाबी सूबा संबंधी समिति की रिपोर्ट भी १८ मार्च को प्रकाश में आ गयी। समिति ने मौजूदा पंजाब राज्य का विभाजन भाषा के आधार पर करते हुए सिफारिश की कि पंजाबी सूबा, बृहत्तर हिमाचल प्रदेश व हरियाणा प्रांत की रचना हो। इसप्रकार, इनका क्रमशः क्षेत्रफल व जनसंख्या होगी २०२५४ वर्गमील तथा ११५.८४ लाख, १६,८३५ वर्गमील एवं ७५.२७ लाख तथा १०,२१५ वर्गमील और ११.६६ लाख। एकता, शान्ति तथा आर्थिक-सांस्कृतिक विकास की दृष्टि से ये प्रस्ताव रखे गये हैं। एक लम्बे अर्से से बनी रही इस समस्या का कोई सहयोगपूर्ण हल संभव नहीं था, इसलिए अधिकाधिक लोगों को स्वीकार समाधान सोचा गया। सीमा-निर्धारण हेतु एक विशेषज्ञ समिति की सिफारिश की गयी है।

समिति की नियुक्ति, प्रक्रिया-ढंग अथवा क्षेत्रीय फार्मूले की इसके ही सदस्यों द्वारा आलोचना हुई है। कुछ सुझावों पर समिति ने या तो अपनी कोई राय व्यक्त नहीं की या फिर न उन पर विचार किया अथवा अपनी असमर्थता जाहिर की।

इसी बीच कि जैसे विरोधी वर्ग के लिए जीवन-मरण का प्रश्न पैदा हो गया हो एक साथ कई आमरण अनशनों के एलान हो गये और घोषणा हुई २९ मार्च को केन्द्रीय गृह मंत्री द्वारा सरकारी निर्णय की जिसमें सरकार ने, सिद्धान्ततः, पंजाब प्रान्त के पुर्नगठन की स्वीकारोक्ति की बात कही थी।

लगभग दो करोड़ की आबादी वाले मौजूदा पंजाब के भावी विभाजन की प्रधान वजह, जिसे सही ही बहुभाषी राज्य माना गया था, मास्टर तारासिंह जी हैं। उन्होंने सिक्खिस्तान की मांग भारत-विभाजन के तुरन्त बाद आरम्भ की थी, जो असामयिक होने के कारण समय के साथ निष्प्राण भी बन गयी। सन्त फतह सिंह के मैदान में आने पर मास्टरजी की वह मांग, कि पंजाबी सूबे में केवल सिक्ख ही रहेंगे, अस्वीकार रही। इसकी सबसे बड़ी वजह थी अपरोक्ष स्वीकारोक्ति कि पंजाब में सिक्खों का प्रतिशत केवल १.५ है। वर्तमान पंजाबी क्षेत्र की जनसंख्या इस समय १.१५ करोड़ बतायी जाती है, जबकि हिन्दी भाषी क्षेत्र की ८७ लाख। पर्वतीय इलाकों की आबादी १२.५ लाख है। भाषा की दृष्टि से वर्तमान पंजाब में १९६१ की जनगणना के आधार पर हिन्दी तथा पंजाबी की जिलावार प्रतिशत क्रमशः इसप्रकार है: गुरदासपुर- ४६:४६.७, कांगड़ा- ७१.६ : १.४, अमृतसर - २२.६ : ७६.५, कपूरथला -

बातचीत के लिए नुकते

१७ - 'सेवादल' की दिलचस्पी किसमें नहीं है ?

(क) पक्ष या गुटबन्दी

(ख) अधिकार या पद

(ग) सम्मान या सम्पत्ति

लेकिन 'सेवादल' आज से ऊंचा और आगे जाने की आकांक्षा तो ज़रूर रखता है ।

१८ - 'सेवादल' संगठन में व्यक्ति का कर्तव्य क्या होता है ?

(अ) अपने व्यक्तित्व को संगठन में मिला देना।

(आ) संगठन के नियम तथा तरीकों का पालन करना ।

(इ) अपने अधिकारी के प्रति निष्ठा तथा अधीनता ।

१९ - 'सेवादल' में प्रशिक्षण का उद्देश्य क्या है ?

(क) सदस्यों की क्षमता बढ़ाना तथा उन्हें अपने मिशन कार्य की स्पष्ट कल्पना देना ।

(ख) सदस्यों को अपने संगठन-कांग्रेस व सेवादल - तथा उसके कार्य का पूरा विचार समझाना ।

(ग) नेतृत्व तथा सुन्दर गुणों का विकास करना ।

- स०वा० इनामदार

२३.३:७६.१, जलंधर-३८.२:६१.३, होशियारपुर - ५२.६३ : ४७.०४, शिमला-५१.६ : ४०.६, फिरोजपुर - ३२.६ : ६७.०, लुधियाना : २३.१ : ७६.६, भटिण्डा - १६.६ : ८३.०, संगरूर - ४४.६:५२.३, पटियाला- ३०.५:६६.७, अम्बाला - ६६.७ : ३०.५, हिसार - ८८.२ : ११.६१ : ११.६१, रोहतक - ९८.९ : १.०, करनाल - ८६.३ : १३.३, मोहिन्द्रगढ़ - ९९.५ : ०.५, गुड़गांव - ८२.८ : १.६ । हां, कुलु व लाहौल स्पीति की भाषा पहाड़ी है ।

सरकारी निर्णय का सभी दलों ने न सिर्फ स्वागत किया है बल्कि समस्त प्रकार के प्रदर्शन ऐसे रुक गये हैं जैसे कोई बात ही न हुई हो । हवा का रुख यह बताता है कि प्रस्तावित पंजाबी सूबे का निर्माण फरवरी १९६७

में सम्पन्न होंगे पहले काम चुनावों के बाद ही होगा और उसका प्रशासन पूर्णतया अलग होगा । निश्चय ही, जहाँ भाषी पंजाबी सूबा में अल्पसंख्यकों का ख्याल रखना पड़ेगा वहाँ उसे अपनी अर्थ-व्यवस्था को-विशेषकर कृषि की दृष्टि से-काफी सुदृढ़ बनाने की भरसक कोशिश करनी पड़ेगी । हिन्दी भाषी हरियाणा प्रदेश को अपने क्षेत्र की ओर ज्यादा तथा स्वयं विकास की चेष्टा करनी पड़ेगी तथा वर्तमान हिमाचल को एक विशाल क्षेत्र की देखरेख करनी पड़ेगी ।

सैनिक शासन

धीरे-धीरे, जबकि एशिया-अफ्रीका के कई मुल्क आजादी की सांस नहीं ले पाये हैं, इस क्षेत्र में सैन्य अधिकारियों द्वारा शासित देशों की तादाद १८ पहुंच चुकी है, जैसे :

ईराक, दक्षिण कोरिया, दक्षिण वियतनाम, पाकिस्तान, थाई देश, इण्डोनेशिया, बर्मा, कांगो, तुर्की, अपर वोल्टा, सीरिया, मध्य अफरीकी गणराज्य, घाना, अलजीरिया, दहोमे, यमन व संयुक्त अरब गणराज्य ।

पूर्व शासन की दमन नीति अथवा नादिरशाही उसकी धृष्टता की पराकाष्ठा के संरक्षण हेतु जन-हित, राष्ट्र रक्षा, देशोत्थान, सैन्य हित, व्यक्तिगत हित तथा क्षेत्रीय हित, आदि के आधार पर हुई सैनिक क्रान्तियों में प्रतिक्रान्तियों की सबल शक्तियाँ कम नहीं हुआ करती हैं । वे सैनिक भी हो सकती हैं ।

यह सर्व विदित होने के कारण कि नागरिक शासन से सैन्य प्रशासन अधिक चुस्त होता है, सैनिकों की बहादुरी की वजह से वे भी लोकप्रिय व सम्मान्नीय होते हैं और उनके अधिकार में सारे शस्त्र हुआ करते हैं, सैनिक शासन वर्तमान हो जायगा ।

मगर दुर्भाग्य से, सैनिक क्रान्ति जहाँ केवल राजनीतिक दृष्टि से अलग व अविकसित अर्थ-व्यवस्था वाले समाज में ही अपना प्रभुत्व जमा पाती है, वहीं उसे कानूनी मान्यता नहीं मिल पाती ।

विकेन्द्रित सैन्य व्यवस्था वाले देश में सैनिक क्रान्ति की गुंजाइश

नहीं होनी चाहिए । एक जनतंत्र में किसी एक को दूसरे से बड़ा समझने का सवाल ही नहीं उठता है । इतने उग्र प्रदर्शन हों कि सेना बुलानी पड़े, मानसिक ह्रास का बायस ज़रूर है। मगर यह भी ज़रूरी है कि सैनिक क्रान्ति जैसी दुर्घटना से आगाह रखा जाय । सेना यह न समझने लग जाय कि जनतंत्र व्यावहारिक नहीं । युद्धरत नेताओं के प्रशासन में चालित कम्युनिस्ट चीन अपरोक्ष रूप से पूर्णतया सैन्य प्रशासित देश का एक बीभत्स सिस्म है जिसके प्रतिनिधियों से, संयुक्त राज्य अमेरिका सन् १९५५ से अब तक १२९ बार राजनयिक स्तर पर बातें कर चुका है । लेकिन राष्ट्रपति जानसन अभी तक तैयार नहीं हो पाये हैं कि चीन को संयुक्त राष्ट्र संघ का सदस्य बनाया जाय । हां, उसके निर्माणार्थ अमेरिका वहां एक इस्पात प्लान्ट में मदद पहुंचाने के लिए ज़रूर सक्रिय है ।

प्रान्तीयता व धार्मिक भावनाओं से रूसी साम्यवादी दल चिन्तित

हाल ही में सोवियत रूस की कम्युनिस्ट पार्टी की क्षेत्रीय बैठकें हुईं । उनमें युवा समस्याओं, प्रान्तीयता की भावना और धर्म पर चिन्ता व्यक्त की गयी । वहां की कम्युनिस्ट पार्टी चिन्तित है कि ५० वर्षों तक लगातार धर्म के विरुद्ध प्रचार करने के बावजूद उसके नये अनुयायियों की संख्या घटने के बजाय बढ़ती जा रही है । यूक्रेन, आर्मेनिया तथा अन्य क्षेत्र में व्याप्त क्षेत्रीयतावाद कई-कई साल तक यह उपदेश देने के बाद भी कि सभी सोवियत जनता समान है, पृथकतावादी भावनाओं को जन्म देती ही जा रही है ।

बैठकों में दिये गये भाषणों के दौरान यह शिकायत की गयी कि सोवियत नवजवान साम्यवाद के अन्तर्गत राष्ट्र-निर्माण में अपने जनकों की आहुतियां स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं । यह दृश्य सोवियत लेखक तुर्गनेव के मशहूर उपन्यास 'पिता और पुत्र' की याद दिलाता है । प्रथम सचिव श्री पीटर वी० शेलेस्ट का यह भी कहना था कि तरुण-तरुणियों में पार्टी की शिक्षा पत्र-पत्रिकाएं-विशेषकर रचनात्मक-पर्याप्त रूप से स्वसक्रिय नहीं थीं । वे राजनीतिक तथा सामाजिक कार्य की तरफ आकर्षित नहीं हो पाते हैं । श्री अलेक्जेन्डर कार्नेचुक नामक यूक्रेनी उपन्यासकार ने कहा है कि हमारे नवजवान लोगों के कान रेडियो पर होने वाले सोवियत-विरोधी प्रचार से बुरी तरह भर गये हैं ।

बेरोज़गार स्नातक

गत १७ जनवरी को शिक्षा आयोग के सामने एक ज्ञापन पेश किया गया था, जिसके अनुसार अगले २० वर्षों के दौरान शिक्षा के सभी स्तरों में जबर्दस्त विस्तार की ज़रूरत को देखते हुए इंजीनियरी, कृषि, चिकित्सा व शिक्षण विशेषज्ञों को पर्याप्त संख्या में तैयार करने के लिए बहुत प्रयास करने होंगे। और वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान परिषद की नेशनल रजिस्टर यूनिट की सूचनानुसार अमरीका (२ लाख ७५ हजार) को छोड़कर अन्य किसी भी विकसित देश की तुलना में हमारे यहाँ वैज्ञानिक विषयों के स्नातकों की संख्या दुगनी (२ लाख) होने के बावजूद देश की तकनीकी प्रगति कम है। इटली, ब्रिटेन, फ्रांस, यूगोस्लाविया व कनाडा में क्रमशः ७५, ७५, ३०, २० व १५ हजार स्नातक विज्ञान संबंधी हैं।

पिछली जनगणना के समय लगभग १२ प्रतिशत वैज्ञानिक स्नातक बेरोज़गार थे, किन्तु रोज़गार प्राप्त स्नातकों में ३० प्रतिशत मशीनी कार्य करते थे, ३५ प्रतिशत शिक्षण एवं ३५ प्रतिशत गैर तकनीकी।

यूनिट के विचार में, इस देश में विज्ञान तथा इंजीनियरी की उच्च शिक्षाओं को अभी तक बढ़ती हुई औद्योगिक आवश्यकताओं के अनुकूल नहीं ढाला जा सका है।

कांग्रेस, प्रतिद्वन्द्वता और आर्थिक स्थिति

कांग्रेस संगठन में व्याप्त व्यक्तिगत तथा दलीय प्रतिद्वन्द्वता खत्म करने और भुवनेश्वर अधिवेशन में स्वीकृत 'लोकतंत्र तथा समाजवाद' तथा एक अन्य प्रस्ताव की क्रिया-वयन-हेतु कांग्रेस अध्यक्ष श्री कामराज ने २७ मार्च, १९६६ को दो समितियाँ नियुक्त की हैं।

प्रतिद्वन्द्वता संबंधी समिति मौजूदा तथा भविष्य में पैदा होने वाली संगठनात्मक समस्याओं का समाधान करेगी। इसके कुछ सदस्य कांग्रेस कार्य समिति में भी हैं, जैसे सर्वश्री मोरारजी देसाई, स०का० पाटिल, यशवन्तराव ब० चव्हाण, एन० संजीव रेड्डी, फखरुद्दीन अली अहमद तथा अतुल्य घोष।

भुवनेश्वर में एक और प्रस्ताव, स्वरूप संकलित आर्थिक प्रगति की मांग में वाधक असन्तुलनों तथा अड़चनों के अध्ययनार्थ जयपुर अधिवेशन के दौरान एक समिति की नियुक्ति का प्रस्ताव पास हुआ। तदनुसार उसमें होंगे :

सर्वश्री जगजीवन राम, वी० के० कृष्ण मेनन, सी सुब्रमणियम, एल० एन० मिश्र, वी०वी० द्राविण, डा० अनूप सिंह तथा सादिक अली (संयोजक)।

- गोपालजी मेहरोत्रा

Telephone : 4851 (5 Lines) Telegrams : CONGRESS

ALL INDIA CONGRESS COMMITTEE

7, JANTAR MANTAR ROAD,
NEW DELHI-1.

G-23/3646 April 7, 1966

NOTICE

A meeting of the All India Congress Committee will be held on Friday, May 21, 1966 at Bombay. The meeting will also continue its deliberations on 22nd and 23rd May, 1966. The agenda of the meeting will follow.

In case you intend to move any resolution for the consideration of the A.I.C.C. you will please see that it reaches the A.I.C.C. Office at the latest by 5 p.m. on Saturday, May 7, 1966.

The Bombay Pradesh Congress Committee is making necessary arrangements for holding the meeting. The meeting is likely to be held at Samukhananda Hall at Matunga, Bombay. Any information that you may wish to send to the Bombay Pradesh Congress Committee about your arrival and stay at Bombay may be sent to the following address with a copy to us:

The General Secretary,
Bombay Pradesh Congress Committee,
Congress House,
BOMBAY-4.

You will please note that the first sitting of the A.I.C.C. will commence at 3.30 p.m. on Friday, May 21, 1966.

(T. Manaen)
GENERAL SECRETARY

To

ALL A.I.C.C. MEMBERS

103

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी
७, जन्तर मन्तर रोड
नई दिल्ली-१

जी-२३। ३६४६

७ अप्रैल, १९६६

सूचना

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की एक बैठक शुक्रवार, दिनांक २१ मई, १९६६ को बम्बई में होगी। बैठक की कार्यवाही २२ तथा २३ मई, १९६६ को भी जारी रहेगी। बैठक का कार्यक्रम बाद में भेजा जाएगा।

यदि आप अ० भा० कां० क० के विचारार्थ कोई प्रस्ताव पेश करना चाहते हैं तो ध्यान रखें कि वह अधिक से अधिक शनिवार, दिनांक ७ मई, १९६६ को साय ५ बजे तक अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के कार्यालय में पहुंच जाना चाहिए।

बम्बई प्रदेश कांग्रेस कमेटी इस बैठक के आयोजन के लिए आवश्यक प्रबन्ध कर रही है। माटुंगा (बंबई) स्थित षणमुखानन्द हाल में बैठक होने की सम्भावना है। बम्बई में अपने आगमन और आवास के संबंध में यदि आप बम्बई प्रदेश कांग्रेस कमेटी को कोई सूचना देना चाहते हैं तो कृपया नीचे लिखे पते पर लिखें और अपने पत्र की एक प्रति हमें भेजने का कष्ट करें :

महामंत्री जी,
बम्बई प्रदेश कांग्रेस कमेटी,
कांग्रेस भवन,
बम्बई - ४ ।

कृपया ध्यान रखें कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की पहली बैठक शुक्रवार, दिनांक २१ मई, १९६६ को ३।। बजे आरंभ होगी।

(टी० मनन)
महामंत्री

को:

 डा० साहब

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी
कांग्रेस सेवा दल
७ जन्तर मन्तर रोड - नई दिल्ली.

कार्य विवरण- अप्रैल १९६६

परिपत्र तथा गश्ती चिट्ठियां

११ अप्रैल '६६ को परिपत्र संख्या ६ भेजा गया । उसमें अखिल भारतीय महिला शिविर हमीरपुर में २५ मई से ३ जून '६६ तक, अखिल भारतीय जिला अधिकारी शिविर तालबेहट में ४ जून से १४ जून '६६ तक, अखिल भारतीय जिला अधिकारी प्रशिक्षण शिविर सीकर में ता० ६ जून से १६ जून '६६ तक होने के सम्बन्ध में जानकारी दी गई थी ।

१४-४-६६ को खेल कूद प्रतियोगिताओं के संबंध में श्री सुरसाले द्वारा प्रस्तुत ११-४-६६ की टिप्पणी के साथ एक गश्ती चिट्ठी भेजी गई ।

निरीक्षण तथा प्रवास

श्री ए० बा० इनामदार, अखिल भारतीय संगठक, कांग्रेस सेवा दल, २३ अप्रैल की रात्रि प्रदेश कार्यकर्ताओं के पुनरावर्तन शिविर के निरीक्षण हेतु कपूरथला को रवाना हुए । अगले दिन कार्यकर्ताओं की उक्त सभा में दो बार बातचीत की तथा दल कार्य में मार्ग-दर्शन किया । इस शिविर में करीब साठ व्यक्ति सम्मिलित हुए थे । २५ अप्रैल '६६ को प्रातः इनामदार जी दिल्ली पहुंचे ।

श्री नवीनभाई शाह, सहायक अखिलभारतीय संगठक, कांग्रेस सेवादल,४ अप्रैल '६६ को बम्बई से बड़ौदा पहुंचे । गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमेटी की कार्यकारिणी की बैठक के लिए अहमदाबाद २२ को गये, सेवादल कार्यकर्ताओं से मुलाकात के बाद २३ को रात बड़ौदा वापस गये । बम्बई होने वाली अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की व्यवस्था सम्बन्धी कार्य के लिये २८ अप्रैल '६६ को बम्बई पहुंचे ।

श्री रामबुरसाले, संभागीय संगठक, कांग्रेस सेवादल, महीने भर हैदराबाद में ही रहे तथा दल कार्य में मार्ग दर्शन करते रहे ।

श्री मदन, कमान्डेन्ट, बाल इन्डियायूनिट, कांग्रेस सेवा-दल ७ अप्रैल की शाम पूर्णिया पहुंचे । जिले के काफी गांवों का, जो कि सीमाक्षेत्र में हैं, दौरा किया । ठाकुरगंज व आसपास के गांवों के भी दौरे पर गये ।

कार्यविवरण : मार्च ६६

तमिलनाड : २६ मार्च को त्यागराजनगर में प्राथमिक (सैनिक) प्रशिक्षण का समापन समारोह किया गया। हिन्दी प्रचार सभा के महामंत्री श्री वी सुब्रमनियम ने सभापतित्व किया।

उत्तर प्रदेश : रमपुर (मैनपुरी) में १ मार्च तक सैनिक प्रशिक्षण वर्ग चलाया गया। हरिपुरा (जालोन) में १० से ३० मार्च तक, सराउधान (मैनपुरी) में १७ से ३१ मार्च तक, सैनुवाचमन (इलाहाबाद) में १ से ३१ मार्च तक और कदली बाजार (वाराणसी) में १ से २६ मार्च तक सैनिक प्रशिक्षण वर्ग चलाये गये। छुरकुठिया (मिर्जापुर) व दलहीपुर (वाराणसी) में १ से ३० मार्च तक सैनिक प्रशिक्षण शिविर चलाया गया। इन सभी वर्गों में १२० व्यक्तियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

राजस्थान : कोटा में चेचक के टीके लगवाने का प्रचार किया गया। साथ ही, टीके लगवाये गये।

महाराष्ट्र : बाढ़-पीड़ितों की सहायता का काम किया गया। फाइनल के विद्यार्थियों के लिए सहायता वर्ग चलायेगये।

गुजरात : बाणस्मा में सैनिक वर्ग चलाये गये, जिनमें ४५ व्यक्तियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। खेड़ा, सूरत, अहमदाबाद तथा मैहसाना में राष्ट्रगीत तथा ध्वज-वन्दन वर्ग चलाये गये। उनमें ५४७ व्यक्तियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया था।

आन्ध्र प्रदेश, जम्मू कश्मीर, बिहार, उत्कल, पंजाब, आसाम, मणिपुर, और मध्य-प्रदेश से कार्य विवरण प्राप्त हुए।

नागपुर शहर : १७ फरवरी से २६ फरवरी तक जिला अधिकारियों का पुनरावर्तन वर्ग लिया गया। शहर में पानी की कमी होने के कारण पुराने कुएं साफ करके लोगों को जल प्राप्त करने की सुविधा उपलब्ध की गई

ग्वालियर शहर : श्रमदान द्वारा कोलीपुरा में माता के मेले को जाने का लगभग १२० वर्ग फुट का रास्ता नाले के ऊपर बनाया।

सुरेन्द्रनगर : २८ मार्च से १२ अप्रैल '६६ तक सुरेन्द्रनगर में सैनिक वर्ग चलाया गया, जिसमें १५ व्यक्तियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। स्कूली छात्रों के लिए जो कोचिंग कक्षाएं चलाई गई थीं उनका समाप्ति समारोह सेवादल के पुराने साथी श्री लीलुभाई सोलंकी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ।

'के वार्ड बम्बई': ६, १३, २० और २७ मार्च को १० सेविकाओं तथा १० पुरुषों ने केसरी पाड़ा, शिवाजी बालमंदिर, म्हातार पाड़ा और वागेश्वरी में सफाई का काम किया।

'एल वार्ड बम्बई': घाटकोपुर के श्री एस.पी. चटर्जी ने अन्य स्वयंसेवकों के साथ मिलकर ६ व्यक्तियों को जिंदा व ३ व्यक्तियों को मुर्दा निकाला। किसी दुर्घटनावश ये लोग गटर में गिर गये थे। स्वयंसेवकों ने फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों की सहायता में यह कार्य सम्पन्न किया।

सूरत जिला : वाघछिया (तालुका पारडी) में १६ मार्च से २३ मार्च तक सैनिक व तालीम वर्ग चलाया गया, जिसमें १५ व्यक्तियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। नवसारी डी.डी. गर्ल्स हाई स्कूल में प्राथमिक शालांतवर्ग की पूर्णाहुती जिला सेवादल के व्यवस्थापक श्री नारायण-भाई राठौड की अध्यक्षता में हुई।

अमरेली : शहर में १० मार्च ६६ से २० मार्च तक भागवत सप्ताह के धार्मिक एवं सामाजिक कार्य संबंधी व्यवस्था के बारे में और ट्रैफिक कन्ट्रोल में सेवादल द्वारा सामाजिक सेवायें दी गयीं। प्रथमोपचार की सेवायें भी अर्पित की गयीं।

मेरठ शहर : मेरठ शहर में २० मार्च से ५ अप्रैल तक सैनिक प्रशिक्षण का वर्ग चलाया गया, जिसमें २० पुरुषों और ६ महिलाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया था।

आजमगढ़ : बांकीपुर (असापुर) में २२ मार्च से ५ अप्रैल तक सैनिक शिविर चला। उसमें १८ व्यक्तियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

कानपुर शहर : नवजीवन पार्क, फजलगंज (कानपुर) में २० मार्च से ३ अप्रैल तक सैनिक प्रशिक्षण वर्ग चलाया गया, जिसमें २५ व्यक्तियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

मिरजापुर शहर : विंध्याचल में २३ मार्च से ३ अप्रैल तक सेवा शिविर चलाया गया उसमें १५ सेवक सेवार्थ उपस्थित रहे।

फर्रुखाबाद : अष्टमी मेला देवीजी (बढ़पुर) की व्यवस्था, मेला चमनदेव की व्यवस्था, तथा कालीदेवी मदार दरवाजा की व्यवस्था की गयी।

जौनपुर : २० मार्च से २६ मार्च तक सैनिक प्रशिक्षण चलाया गया, जिसमें ३० व्यक्तियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

नागपुर जिला : रामटेक की यात्रा के समय प्रबन्ध एवं व्यवस्था का काम किया गया।

बाराबंकी : अवबन्धन विधि का पांच दिन का वर्ग सम्पन्न किया गया, जिसमें २५ व्यक्तियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया । प्रथमोपचार के वर्ग में २३ व्यक्तियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया ।

रतलाम : होली सप्ताह मनाया गया, जिसके अन्तर्गत मद्यनिषेध के बारे में प्रचार किया गया । ५ मार्च को कविसम्मेलन का भी आयोजन किया गया था, जिसमें स्थानीय कवियों ने भाग लिया । सम्मेलन की अध्यक्षता कांग्रेस सेवादल के जिला कार्यालय मन्त्री ने की ।

चक धार्ड बम्बई : कालेवाडी में ६ से २७ मार्च तक सैनिक प्रशिक्षण वर्ग चलाया गया था, जिसमें २० व्यक्तियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया ।

सूरत शहर : सन् १९६५ का कार्यविवरण `कार्यदर्शन` इस शीर्षक से प्रकाशित किया गया ।

कटक जिला : जाजपुर में १८ से २० मार्च तक सैनिक शिविर चलाया गया था, जिसमें ४७ व्यक्तियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया ।

मदनपुर : जिला मैनपुरी में ३१ मार्च से ६ अप्रैल'६६ तक सैनिक प्रशिक्षण शिविर चलाया गया था, जिसमें २३ व्यक्तियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया ।

मेरठ : नौचन्दी मेला के अवसर पर २०-३-६६ से २०-३-६६ तक सेवा शिविर चलाया गया । उसमें ३४ युवक सेवकों ने हिस्सा लिया ।

सुल्तानपुर : पंथ व्यायाम मंदिर, सुल्तानपुर में, १ से १० अप्रैल तक ब्लाक अधिकारी पाठ्यक्रम चलाया गया, जिसमें २८ पुरुष व ६ महिलाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया ।

पंचक : गोरेवाडी (नासिक) में २७ अप्रैल से १ मई तक सैनिक प्रशिक्षण शिविर चलाया गया ।

चिल्हाटी : जिला बेतूल में १६ अप्रैल से २३ अप्रैल तक सैनिक प्रशिक्षण शिविर चलाया गया था । उसमें २८ व्यक्तियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया ।

कपूरथला : शालामार गार्डन, कपूरथला, में २३ अप्रैल से २५ अप्रैल तक पुनरावर्तन प्रशिक्षण शिविर चलाया गया, जिसमें ५४ पुरुष व ६ महिला अधिकारियों ने हिस्सा लिया था ।

बलिया : सेवा संघ इन्टर कालेज, सोहांव में ब्लाक अधिकारी प्रशिक्षण शिविर २१ अप्रैल'६६ से प्रारम्भ हुआ । २० शिक्षार्थी शिविर में शामिल हुए । २० अप्रैल ६६ को शिविर समाप्त हुआ।

निम्नलिखित जिला कार्यालयों द्वारा भेजी गई मार्च '६६ की रिपोर्ट प्राप्त हुई :

१. हैदराबाद नगर, २. 'डी' वार्ड बम्बई, ३. दिल्ली देहात, ४. महासु, ५. बनासकांठा, ६. पंचमहाल, ७. छिंदवाड़ा, ८. बेतुल, ९. जबलपुर, १० उज्जैन जिला, ११. औरंगाबाद, १२. अहमदनगर, १३. बीजापुर, १४. करनाल, १५. जलंधर, १६. अमृतसर शहर, १७. गंजाम, १८. मैनपुरी, १९. फतेहपुर, २०. मथुरा शहर, २१. मथुरा जिला, २२. बरेली शहर, २३. इलाहाबाद, २४. देवरिया, २५. आगरा, २६. झांसी, २७. बांदा, २८. मिरजापुर जिला, २९. बलिया, ३०. लखीमपुर खीरी, ३१. गोरखपुर, ३२. सिहोर, ३३. 'एच' वार्ड-बम्बई, ३४. एरनाकुलम, ३५. मेहसाना, ३६. अहमदाबाद शहर, ३७. बड़ाबाजार-कलकत्ता, ३८. सतना, ३९. पुरी जिला, ४०. जयपुर शहर, ४१. पूना जिला, ४२. अम्बाला, ४३. कोकराझार, ४४. कुंडा-प्रतापगढ़, ४५. धुले, ४६. देहरादून, ४७. अहमदाबाद जिला, ४८. अलीगढ़, ४९. रामपुर, ५०. गुलबर्गा, ५१. हुबली, ५२. पीलीभीत, ५३. फैजाबाद, ५४. 'लाई' वार्ड-बम्बई ।

<u>साहित्य प्राप्ति तथा प्रकाशन</u>

'कांग्रेस पत्रिका' गुजरात प्रदेश कांग्रेस का साप्ताहिक मिला ।

'चन्द्रपुर दर्शन' साप्ताहिक प्राप्त हुआ ।

'केरल यूथ' का मार्च-अप्रैल '६६ अंक मिला ।

'कांग्रेस सेवा दल गुजरात' का मार्च '६६ अंक मिला ।

'सूरतशहर जिला कार्य दर्शन-१९६५' प्राप्त हुआ ।

'एकल सिपाही' साप्ताहिक प्राप्त हुआ ।

'राष्ट्र सेवादल पत्रिका' का अप्रैल '६६ अंक मिला ।

'भारत स्काउट ऐण्ड गाइड' का फरवरी '६६ अंक मिला ।

'अणुव्रत' का मार्च-अप्रैल '६६ अंक मिला ।

'अवार्ड' का जनवरी-फरवरी '६६ अंक मिला ।

'यूथ रिव्यू' का अप्रैल '६६ अंक प्राप्त हुआ ।

'दल सैनिक' का मार्च '६६ अंक मिला ।

'पत्र मित्र' का अप्रैल '६६ का अंक प्राप्त हुआ ।

'दि फोरम' का फरवरी '६६ अंक मिला ।

'इंटरनेशनल यूथ होराइजन' का नं० ४ वाल्यूम ७ मिला ।

(स० वा० इनामदार)
अखिल भारतीय संगठक

५ मई, १९६६

Telegrams : CONGRESS

Telephone : 45851 (5 Lines)

ALL INDIA CONGRESS COMMITTEE

7, JANTAR MANTAR ROAD, NEW DELHI-1

१२-५-६६

पू. डॉक्टर,

काका श्री नंदा - नेहरू स्मारकाध्यक्ष. यांना भेटलो. त्यांना श्रीउदेशजींचे पत्र आल्यावरून त्यांनी मला भेटण्यास बोलाविले होते. मी त्यांना प्रथमतः हे स्पष्ट केले की पत्रे सुरक्षित राहावीत व आपल्या कडून योग्यत्या प्रकारे राहू शकतील. फक्त आमचा विचार ~~[illegible]~~ एक पुस्तक प्रकाशित करण्याचा आहे व त्याला योग्य लेखकाच्या शोधात आम्ही आहोत.

तोंडी चर्चेत (१) ~~[illegible]~~ पत्रांच्या सुरक्षिततेच्या दृष्टीने ती ~~[illegible]~~ [illegible] येथे ठेवणे योग्य व जरूर तेव्हा पहावयास पाहिजे असतील तेव्हा ~~[illegible]~~ केव्हाही येथे मिळू शकतील. काही पत्रांचे फोटो पुस्तकात घ्यावयाचे असतील तर त्यासही आमची हरकत राहणार नाही.

(२) या पत्रांपैकी काही ~~[illegible]~~ पत्रे कोणास दाखवू नयेत.

असे आपणास वाटत असेल तर तशी अट घालावी. आम्ही ती पण ~~सव~~ Confidential ठेवून.

३) पं. डिताजींचा सर्व पत्र व्यवहार शक्य तितक्या लौकर आपला व्हावा हे फार त्यांना त्यांना अभ्यास करावयाला आवडला त्यांना सोडून पडला. त्या करता आपणास पण शक्य तितक्या लौकर द्यावी.

मी त्यांना सांगितले, "लागेल पण हे प्रयास हरकत नाही. पुस्तकांच्या कामा करता लागेल कागद पडला तेव्हा येथे येऊन refer करता येऊ. पण final डा. इदाकर यांना विचारून कळवतो.

तेव्हा हे पण आपण यांचेशी कां? या वर कळवावे. दुसरे हे पण देताना Conditions ठेवून काय घ्याव्यात. त्या आपण तयार करून पत्रांच्या स्वरूपात पाठवल्यास हे पण मी त्या पत्र, त्यांना पत्रांच्या आधारी बरोबर देईन. म्हणजे वारंवार Conditions स्वाक्षरी सह पत्राच्या आहोतच्या.

Telegrams : CONGRESS

Telephone : 45851 (5 Lines)

ALL INDIA CONGRESS COMMITTEE

7, JANTAR MANTAR ROAD, NEW DELHI-1

2

(1) The letters should be made available to me or to my representative for the book which we intend to bring out on this correspondence of Seva Dal between me & Panditji.

2) ~~There~~ No objection shall be raised in future as regards the publication of the letters as desired by me.

3) I should be allowed to take & publish photos of any letter which I may think ~~un~~necessary for the book.

आपणास आणखी योग्य वाटतील अशा अटी घालाव्यात।

मी माझी [illegible] प्रमाणे डॉ. [illegible] यांना सरते प्रमाणे ठेवलेले [illegible] यांच्या पत्रांस

धरून आणि Story कसार करण्या बद्दल आग्रह होते पण त्यांना इतक्या काही कामाबद्दल तरी इतका वेळ काढणे कठीण आहे असे कळवले.

तेव्हा माझ्या डोळ्या पुढे भवानी वानखडेंचे नाव आले हे A.I.C.C. चे ex P. Secretary आहेत, आपल्या माहितीचे आहेत, संवादकात interest आहेत व Congress back ground असलेले आहेत. ते ~~[illegible]~~ लोकांना भावना ओतरू शकतील. त्यांनी पण हे काम कबूल केले पण त्यांचे म्हणणे महात्मा पत्रव्यवहारासंबंध A.I.C.C च्या रेकार्ड मध्ये या संबंधी जो पत्र व्यवहार आहे तो वाचावयास पाहिजे. पण तो पत्र व्यवहार मिळणे कठीण आहे तसेच मी एकदा प्रयत्न करून पहात आहे तेव्हा हे काम येथे पर्यंत आले आहे.

बदरहुलने काही पेपर्स सही करून पाठवले होते.

दुसरे डोईवर आता जो पैसे वाढत आहेत ते Deposit Fund मध्ये टाकून ठेवणार आहे त्याचे बाबती काय करावे ते कळवावे.
प्रकृती बरी आहे ?

आ.
रा. वा. [illegible]

महाराष्ट्र प्रदेश कॉंग्रेस कमिटी

टिळक भवन, गोखले रोड,
खेडगल्ली, दादर मुंबई १

सेवादल विभाग.

दि. १२-४-६६

पत्रक क्र. ३

सर्व जिल्हा प्रमुखांकरिता

प्रिय बन्धु -

स. न. वि. वि.

ता १२-४-६६ रोजी मुंबईस नियंत्रण मंडळाची सभा झाली. ही सभा परत लवकरच मुंबईस भरणार असून १९६६ च्या अंदाज पत्रकावर व प्रांतिक सेवादल मेळाव्यासंबंधी विचार विनीमय होणार आहे. त्यासंबंधी बैठक झाल्यावर सविस्तर आपणांस कळविण्यांत येईल. कालच्या नियंत्रण मंडळाच्या बैठकीत मे १९६६ मध्ये कॉंग्रेस - सेवादल संघटने मार्फत जिल्हा पातळीवर जिल्हा सेवादल कार्यकर्त्यांचे सेवादलाचे ५ ते ७ दिवस मुदतीचे ७५ ते १०० कार्यकर्त्यांचे प्राथमीक शिक्षण शिबिर घ्यावे असे ठरले. अर्थात नियंत्रण मंडळाची सूचना बरोबर स्वागतार्थच मानली पाहिजे. या शिबिरांनंतर जुलै मध्ये प्रांतिक पातळीवर एक निवडणूक शिबिर घेतले जाईल. व नंतर सप्टेंबर आक्टोबर मध्ये तीन दिवसाचा प्रांतिक पातळीवर मेळावा घेतला जावा असेही ठरविण्यांत आले आहे.

आपण आपल्या जिल्ह्यांतील प्राथमिक शिबिर किती तारखेपासून घेणार ते कृपया त्वरित कळवावे. या शिबिराचे उद्घाटन अगर समारोप नियंत्रण मंडळाचे सेक्रेटरी, सरचिटणीस मा.श्री.गेडामसाहेब यांनी करण्याचे मान्य केले आहे. या शिबिरांत आपल्या जिल्ह्यातील प्रत्येक तालुक्यांतून कार्यकर्ते येतील असा प्रयत्न आपण करावा. या शिबीराच्या तयारीसाठी अल्पशी मदत या कार्यालयाकडून शिबिर पार पडल्यानंतर आपणांस दिली जाईल. हे शिबिर आपण आपल्या जिल्हा कॉंग्रेस कमिटीच्या साहयाने पार पाडावे.

या शिबिरात मी, डॉ.भुसारी, श्री.यादवराव भोयर, श्री.गायकवाड, श्री.इंगळे, मा.श्री.शिवाजीराव पाटील सरचिटणीस ही मंडळी उपस्थित राहून मार्गदर्शन करतील. तरी कृपया आपल्या येथील शिबिराच्या तारखा त्वरित या कार्यालयास कळविण्यांत. कळवावे.

आपला नम्र,

आनंदीराम कुमट

(आनंदीराम कुमट)

दलपति.

प्रत माहितीसाठी :-

अध्यक्ष जिल्हा कॉंग्रेस कमिटी यांचेकडे रवाना.

महाराष्ट्र प्रदेश कॉंग्रेस कमिटी

टिळक भवन, गोखले रोड,
वेडगल्ली, दादर मुंबई २८

सेवादल विभाग

ता. १२-४-६६

पत्रक क्र. ३

सर्व जिल्हा प्रमुखांकरिता

प्रिय बन्धु -

स. न. वि. वि.

ता.१२-४-६६ रोजीं मुंबईस नियंत्रण मंडळाची सभा झाली. ही सभा परत लवकरच मुंबईस भरणार असून १९६६ च्या अंदाज पत्रकावर व प्रांतिक सेवादल मेळाव्यासंबंधी विचार विनिमय होणार आहे. त्यासंबंधी बैठक झाल्यावर सविस्तर आपणांस कळविण्यांत येईल. कालच्या नियंत्रण मंडळाच्या बैठकीत `मे` १९६६ मध्यें कॉंग्रेस - सेवादल संघटने मार्फत जिल्हा पातळीवर जिल्हा सेवादल कार्यकर्त्यांचे सेवादलाचे ५ ते ७ दिवस मुदतीचे ७५ ते १०० कार्यकर्त्यांचे प्राथमीक शिक्षण शिबिर घ्यावे असे ठरले. अर्थात नियंत्रण मंडळाची सूचना खरोखर स्वागतार्थच मानली पाहिजे. या शिबिरानंतर जुलै मध्यें प्रांतिक पातळीवर एक निवडणूक शिबिर घेतले जाईल. व नंतर सप्टेंबर आक्टोबर मध्यें तीन दिवसाचा प्रांतिक पातळीवर मेळावा घेतला जावा असेही ठरविण्यांत आले आहे.

आपण आपल्या जिल्ह्यांतील प्राथमिक शिबिर किती तारखेपासून घेणार ते कृपया त्वरित कळवावे. या शिबिराचे उद्घाटन अगर समारोप नियंत्रण मंडळाचे सेक्रेटरी, सरचिटणीस मा.श्री.गेडामसाहेब यांनी करण्याचे मान्य केले आहे. या शिबिरांत आपल्या जिल्ह्यातील प्रत्येक तालुक्यातून कार्यकर्ते येतील असा प्रयत्न आपण करावा. या शिबीराच्या तयारीसाठी अल्पशी मदत या कार्यालयाकडून शिबिर पार पडल्यानंतर आपणांस दिली जाईल. हे शिबिर आपण आपल्या जिल्हा कॉंग्रेस कमिटीच्या साहयाने पार पाडावे.

या शिबिरास मी, डॉ.भुसारी, श्री.यादवराव भोयर, श्री.गायकवाड, श्री.इंगळे, मा.श्री.शिवाजीराव पाटील सरचिटणीस ही मंडळी उपस्थित राहून मार्गदर्शन करतील. तरी कृपया आपल्या येथील शिबिराच्या तारखा त्वरित या कार्यालयास कळविण्यांत. कळावे.

आपला नम्र,

आनंदीराम कुमट

(आनंदीराम कुमट)

प्रत माहितीसाठी :-
अध्यक्ष जिल्हा कॉंग्रेस कमिटी यांचेकडे रवाना.

113

VEERENDRA PATIL,
Minister for Public Works

BANGALORE-1,

Dated: 13th April 1966

No. MPW 955/66

Dear Dr. Hardikar,

Thanks for your letter of 7th instant. I will be going over that side some time during the first week of next month. I shall make it a point to visit your place and call on you at that time.

With kind regards,
Yours sincerely,

Veerendra Patil

(Veerendra Patil) 13/4

Dr.N.S.Hardikar,
The Karnatak Health Institute,
Ghataprabha (S.R.)

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी
७, जन्तर मन्तर रोड,
नई दिल्ली-१

१४-४-६६

प्रिय साथी,

श्री सुरसाले तथा कुछ अन्य साथियों की यह इच्छा है कि सेवादल द्वारा खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाये, जिसके द्वारा युवकों को एकत्र करना, उनकी सुप्त शक्ति का विकास करना, विशेषत: उनके उत्साह, चरित्र, आदि का एक आजाद राष्ट्र के युवक के लायक करना, देश में इस काम के लिये काफी अवसर है और यह एक राष्ट्रीय आवश्यक कामों में से एक काम है। इस कार्य को चालना देकर उसको सेवादल के माध्यम से करने का श्री सुरसालेजी ने तय किया है, इस संबन्ध में उनके विचार नोट के रूप में साथ भेजे जा रहे हैं। इस काम में जो सफलता मिले वह सेवादल के ही लिए नहीं बल्कि पूरे देश के लिए फायदेमन्द साबित होगा। इस बारे में जो पत्र व्यवहार करना हो वह निम्न पते पर किया जाय।

श्री राम सुरसाले
जोनल आर्गेनाइजर, कांग्रेस सेवा दल,
गांधी भवन, हैदराबाद : आन्ध्र :

आपका

(स. का. इनामदार)
अखिल भारतीय संगठक

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी
७, जन्तर मन्तर रोड,
नई दिल्ली-१

१२-४-६६

कांग्रेस सेवादल
खेल कूद प्रतियोगिता

परिवर्तन ही जीवन है और नवीनता उसकी विशेषता है मनुष्य के जीवन में हर कदम पर कुछ न कुछ परिवर्तन की बड़ी आवश्यकता पड़ती है। उसके दैनिक जीवन में परिवर्तन हो जाने के कारण उसमें नया जोश, उत्साह उमंग पैदा होती है और वह अधिक तेजी से अपने रास्ते पर बढ़ता ही जाता है। यही हाल किसी संस्था या संगठन का रहता है। खास कर सेवादल जैसी संस्थाओं के लिये रद्दोबदल बहुत ही आवश्यक है। यदि संगठन में रद्दोबदल नहीं होगा तो उसमें नवीनता, नया जोश, उत्साह नहीं रहेगा। धीरे धीरे उसमें जड़ता आती जायेगी और एक दिन संगठन बैठ जायेगा। परिवर्तन से संगठन के नये, एवं-पुराने कार्यकर्ताओं में नये आचार विचार का आदान प्रदान होता है जो संगठन में जीवन भरने में बड़ी मदद करता है।

सेवादल संगठन के जीवन में समयानुसार हर समय परिवर्तन आता रहा है और यही कारण है कि इस ४५ वर्ष पुराने संगठन में आज भी नया जीवन, उत्साह नजर आता है। परिवर्तन के साथ साथ नये नये कार्यक्रम और वह भी सर्वसाधारण युवकों को आकर्षित करने वाले, होना अत्यन्त आवश्यक है। युवक बड़ा ही चंचल होता है। वह बदलते हुए जमाने के साथ अपने आपको ढाल कर उसकी लहरों में बहते रहना हरदम पसंद करता है। वह जड़ता से घृणा करता है। अत: ऐसे युवकों को आकर्षित करने योग्य कार्य-क्रम संगठन में होना चाहिये। आम तौर पर युवक, सांस्कृतिक कार्यक्रम, लाभप्रद कार्यक्रम, खेलकूद आदि किसी प्रवृत्तियों की ओर आकर्षित रहता है।

वार्षिक शिविरोंमें जब भी वार्षिक कार्यक्रम बनाने की बात चलती है तब मेरे मन में यह बात बड़ी तीव्रता से चलती रही है कि इस बार बड़ा ही आकर्षक कार्यक्रम बन जाना चाहिये, पिछले दो वर्षों में बड़ा ही आकर्षक कार्यक्रम खास तौर से अखिल भारतीय आइटम बने थे --ज्योतीसमि श्रम शिविर --किन्तु उपरोक्त दोनों कार्यक्रम जितने कांग्रेस जन या सेवादल सैनिकों को अपीलिंग रहे उतने सर्वसामान्य युवक वर्ग को नहीं रहे। यह हो सकता है कि हम ज्यादा से ज्यादा जनता व युवकों के संपर्क में इन कार्यक्रमों के दौरान आये किन्तु उससे युवकों के मन पर सेवादल संगठन का जो प्रभाव बैठना चाहिये वह नहीं बैठ सका, ऐसा मैं अनुभव करता हूं। मेरी ऐसी मान्यता है कि हमारे कार्यक्रम ऐसे होने चाहिये कि जो स्वयं ही सेवादल

के प्रचार का बड़ा से बड़ा माध्यम बने, केवल इतना ही नहीं अपितु उससे हमें बड़ी संख्या में रिक्रूटमेंट भी मिले। मेरे यह सब बातें लिखने का यह कदापि मतलब नहीं है कि सेवादल में ऐसा कार्यक्रम नहीं आता या जो भी कार्यक्रम तय किया गया है वह गलत है।

प्रत्येक अ० भा० कार्यकर्ता को अपने पसंद की कोई न कोई प्रवृत्ति चुनकर उसका विकास करना पड़ता है। अतः मैंने इस वर्ष के लिए खेल कूद प्रतियोगिता की प्रवृत्ति चुन ली है। खेल कूद सेवादल के आम कार्यक्र में से ही एक कार्यक्रम है। इस कार्यक्रम का संबंध सेवादल सैनिकों के अलावा आम जनता के साथ भी रहता है। सेवादल के सदस्यों में खेलकूद की प्रवृत्ति बढ़े तथा उनका शरीर सुदृढ़ बने इसका प्रयास किया जाना चाहिये। साथ ही यह एक ऐसी प्रवृत्ति है जिसमें देश के नवयुवक काफी बड़ी मात्रा में दिलचस्पी रखते हैं। यह व्यक्ति का मनोरंजन करने के साथ साथ उसका विकास भी करती है। इस दृष्टि से साथ साथ अगर सेवादल के चरित्र निर्माण के पहलू को ध्यान में रखकर देखें तो आज जनसंपर्क का एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम नजर आयेगा और वह है खेल। यूनीवर्सिटी से लेकर किंडर गार्डन शिक्षा में खेलों को बड़ा ही महत्व दिया जाता है। यह देश के नवयुवकों का आज स्वास्थ्य, रुचि, आदि आदि नापने का मापदंड है। हमने हमेशा अनुभव किया है कि ओलम्पिक खेलों में जब खिलाड़ी अपने अथक प्रयत्न, स्किल तथा लगन से कोई बड़ा सम्माननीय पुरस्कार जीतते हैं तो सारे देश वासी उनकी विजय पर गर्व करते हैं। उनकी विजय देश को सम्मान प्राप्त कराती है। शाला की , अपेक्षा मैदान में स्वच्छन्द वातावरण में शिक्षण देने की कामना को आजकल महत्व दिया जा रहा है। जिसके कारण खेल आज के शिक्षा क्रम के अंग बन रहे हैं।

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के प्रचलन ने तो खेल को एक नया स्वरूप दिया है। युवकों का एक आकर्षण इसके प्रति और भी अधिक बढ़ गया है। और प्रत्येक देश की राष्ट्रीय सरकार खेलों को लोकप्रिय बनाने और उनका ऊंचा स्तर कराने के लिये काफी धन राशि व्यय कर रही है। इस प्रकार खेल का कार्यक्रम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक आन्दोलन की भान्ति आज चलाया जा रहा है।

सेवादल में खेलकूद की दृष्टि शरीर स्वस्थ रखकर अनुशासन की कामना बढ़ाने का है। साथ ही समूह में टीम के रूप में काम करने की आदत डालना है। कवायद के बजाय खेल कूद से यह काम आसानी से हो जाता है। इसमें जबरदस्ती की बात नहीं होती। सेवादल के द्वारा कबड्डी वाली -बाल, खो, डांडाबांस व गिल्ली डंडा, खेल तय किये गये हैं। इन सभी खेलों के पीछे उपरोक्त भावना है। खेल में दिलचस्पी करें और खेल के

के कौशल्य में प्रगति हो। इसके लिये इन खेलों की टुकड़ियां बनाकर प्रतियोगिता कराने के लिये प्रोत्साहन दिया जाना बहुत आवश्यक है। खेलों में हार जीत को महत्व नहीं दिया जाता, खेल में भाग लेकर अपनी कुशलता दिखाने व दूसरों की कुशलता की प्रशंसा करने की भावना को बढ़ावा दिया जाता है। स्थानीय जिला, राज्य प्रदेश आदि स्तरों पर ऐसी टुकड़ियों का निर्माण किया जाय और उनमें प्रतियोगिता का आयोजन किया जाय तो पूरे देश में यह काम आसानी से फैल जायेगा। सेवादल टुकड़ियों के इलावा अन्य युवकों के लिए स्पोर्ट्स क्लब या टीमें बनाई जायें तो वह भी इस कार्यक्रम का हिस्सा होगा।

सेवादल कार्यकर्ता तथा आम लोगों में दिलचस्पी बढ़ाने के लिए इन कार्यक्रमों का उद्देश्य और इसके बारे में बातचीत चर्चा और आश्वासन सेवादल के प्रत्येक स्थान, सभा, तथा शिविरों में किया जाय। जहां दिलचस्पी लेनेवाला तथा जानकारी व्यक्ति मिले वहां तक छोटी सी कमेटी बनाकर यह कार्य उन पर छोड़ दिया जाय। एक बात का ध्यान रखा जाय कि इस कार्य का उद्देश्य व्यक्ति का विकास करना न होकर समूह का विकास करना है। ध्यान रहे कि खेल कूद हमारा व्यवसाय न बन जाय।

कार्यक्रम कैसा हो ?

प्रतियोगिताओं का आयोजन अधिकतर वर्ष में एक बार किया जाता है। कोई भी अवसर, चल पुरस्कार रखकर खेल की टुकड़ियों को आमंत्रित कर उनमें प्रतियोगिता करवाना और सर्वश्रेष्ठ टुकड़ी को पुरस्कार दे देना, संक्षेप में यही इनका कार्यक्रम होता है। इस अवसर पर विभिन्न स्थानों से खिलाड़ी एकत्रित होते हैं। तब उनसे संगठन का सामूहिक परिचय होता है और इस प्रकार बहुत सारे लोग [illegible] की ओर आकर्षित होकर भर्ती होते हैं।

खेलों के कार्यक्रम की उपरोक्त दोनों प्रवृत्तियां काफी प्रचलित हैं। फिर भी उनमें काम करने की गुंजाइश है। लेकिन इसके इलावा एक और प्रवृत्ति है जिस पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। वह है खेलों में प्रशिक्षण। आज के खिलाड़ी अधिकतर बाकायदा प्रशिक्षण प्राप्त नहीं होते। खेल के अन्य कार्यक्रमों के साथ सेवादल इस कार्य को हाथ में लेगा तो जनसंपर्क से मिलने वाला लाभ उसे मिल सकता है। सेवादल संगठन के कार्यक्रम को दृष्टि करते हुए खेल का कार्यक्रम जनसंपर्क की दिशा में एक महत्वपूर्ण माध्यम है। सेवा दल कार्यकर्ताओं को इन कार्यक्रमों का आयोजन इतना सुव्यवस्थित करना चाहिए कि उसकी जनता पर छाप पड़े साथ ही हमारे कार्यकर्ताओं का स्तर ऊंचा रहे। हमें अपने साधन और कार्यशक्ति के मुताबिक खेल के किसी कार्यक्रम को हाथ में लेना चाहिये।

खेल का महत्व

सेवादल में आते ही हम शरीर सबल, बुद्धि सचेत और मन पवित्र रखने की शपथ पर हस्ताक्षर करते है। तत्पश्चात सेवादल के शिक्षण द्वारा हम उक्त तथ्यों को जीवन में उतारने का पूर्ण प्रयत्न करते है। खेलों द्वारा हम 'टीम वर्क' तथा सहयोग की भावना का पाठ ग्रहण करते है। खेलों द्वारा बालक-बालिकायें, कुमार-कुमारियां, तथा सेवक सेविकाएं अपना मनोरंजन करते है, अपने स्वास्थ्य को संवारते है और अपने साथियों तथा मित्रों से प्रतिस्पर्धाओं का आयोजन कर अपनी शक्ति तथा होशियारी का प्रदर्शन करते हैं। अत: सेवादल में खेलों का महत्व पूर्णस्थान है। खेलों का चयन ऐसा ही होना चाहिये। जिससे (१) मित्रता एवं भाईचारा बढ़े (२) सहयोग एवं एक साथ काम करने की कामना बढ़े (३) मानसिक चैतन्यता बढ़े (४) अपने अधिकारियों के प्रति श्रद्धा भाव बढ़े (५) तथा आत्मानुशासन बढ़े।

खेल कितने ही सुंदर क्यों न हो, यदि उनको नियमानुसार अच्छी तरह से सीखा या खेला नहीं जायेगा तो उनसे हम इच्छित लाभ नहीं उठा सकेंगे। किन्तु वे हानिकारक ही सिद्ध होंगे।

ग्रुप के अनुसार खेलों का विभाजन होना चाहिये। खिलाड़ियों के उम्र शक्ति तथा पसन्दगी को ध्यान में रखना चाहिए, ताकि वे उन खेलों को दिलचस्पी के साथ खेलकर अपना मनोरंजन कर सकें। सेवक-सेविकाएं को विशेष कर प्रतिस्पर्धायुक्त खेल (ऊंचे प्रतियोगात्मक खेल) अच्छे लगते है।

यह रही खेल व प्रतियोगिताओं के बारे में सामान्य जानकारी। उपरोक्त बात स्पष्ट करने का पुरना उद्देश्य प्रवृत्ति के बारे में जान जानकारी या स्पष्टता देना था। अब मैं चाहूंगा कि आप लोग इस स्पष्टता टिप्पणी को पढ़ने पर आपके प्रदेश में खेल कूद प्रवृत्ति को कितना बढ़ावा देना पसंद करेंगे वह पत्र द्वारा मुझे मालूम करायें। मेरी यह इच्छा है कि इस वर्ष से ही हम प्रदेशीय स्तर पर खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन करना शुरू कर दें। खास कर इस वर्ष अनुभव के रूप में मैं १९२ प्रदेशों में प्रयोग करना पसंद करूंगा। और यदि वह प्रयोग सफल रहा तो अगले वर्ष उसे और अन्य प्रदेशों में चालू किया जा सकेगा। अंत में अ० भा० स्तर पर जैसा कि 'नेशनल गेम्स' का आयोजन किया जाय। ऐसा करने से सेवादल में प्रतियोगिता का एक सुंदर वातावरण पैदा होगा। प्रत्येक शाखा, केन्द्र, जिला एवं प्रदेश को एक सुन्दर प्रगति मिलेगी। साथ हि साथ कार्यकर्ता एवं स्वयं सेवकों में अधिक दिलचस्पी बढ़ सकती है। नये नये लोग संगठन में भरती किये जा सकेंगे। दल का प्रचार होगा। जितने दिन तक गांव या जिले में और ऊंचे स्तर पर प्रतियोगितायें चलती रहेंगी एक वातावरण सा खड़ा होगा। हर नवयुवक के मुंह पर प्रतियोगिताओं की चर्चा

रहेगी । और यदि हमारा एक आइटम दिन व दिन प्रगति करता रहा तो हम देश भर में युवकों के लिए, उनके व्यक्तिगत कौशल्य के विकास के लिये उनके एक आन्दोलन छेड़ने में [illegible] होंगे । जिससे सेवादल संगठन के साथ सर्वसाधारण नवयुवक, स्कूल, कालेज, यूनीवर्सिटी तथा अन्य शैक्षणिक और अशैक्षणिक संस्थाओं से सम्पर्क बढ़ेगा । हमें समाज में एक विशेष प्रतिष्ठा का दर्जा प्राप्त होगा । और यदि हमारे में से कुछ ऐसे युवक आगे आयेंगे तो उन्हें 'नेशनल गेम्स' से खेलने का अवसर भी प्राप्त हो सकता है । इतना ही नहीं वे अन्तर्राष्ट्रीय गेम्स जिसे ओलंपिक गेम्स कहते हैं उसमें भी हमारा प्रतिनिधित्व कर सकेंगे ।

मैं चाहूंगा कि आप अपने विचार, सुझाव आदि मेरे पास भेजें ।

११-४-६६ (श्री राम खुरसाले)

ENGLISH

This is about sports and other competitions which Shri Khursale suggests to be organised on behalf of Seva Dal. His proposals are:

(1) Such competitions will be an attractive programme and bring new life in the activities.

(2) If this is tried at district and pradesh levels, we can have All India competitions in Seva Dal as well as we can join Olympic competitions on all India and International levels.

(3) He is willing to help and guide this activity if any pradesh decides to take it up.

For further details correspondence can be carried on with him at Congress Seva Dal Gandhi Bhavan Hyderabad.

....

120

Bombay Pradesh Congress Committee

CONGRESS HOUSE
Vithalbhai Patel Road,
Bombay-4.

Telegram : "CONGRESS"
Telephones : 353527 (Office)
358556 (President)

DISPATCHED 15 APR 1966

April 1966.

Dear friend,

You are aware that the first A.I.C.C. Session after the Plenary Congress Session at Jaipur is being held in Bombay on the 21st, 22nd and 23rd May 1966. On behalf of the Reception Committee appointed by the B.P.C.C., I take the pleasure in inviting you to attend the forthcoming Session. The Session will be held at Shree Shanmukhanand Hall (Sion, near Maheshwari Udyan, Bombay) which is the biggest and most spacious Hall in the country. The Reception Committee will naturally play the host and make all arrangements for boarding, lodging and other conveniences of the delegates.

Incidentally, I may add that due to difficult position regarding accommodation and restrictions of various kinds, the Reception Committee would be able to make arrangements for the A.I.C.C. Members and special invitees only.

A line in reply accepting our invitation will be greatly appreciated as it would enable us to make arrangements in advance.

With kind regards,

Yours sincerely,

P. G. Kher

(P. G. Kher)
CHAIRMAN,
RECEPTION COMMITTEE
B.P.C.C.

P. DHARMAGNANI, M.A., B.L., 121
ASST. STATION DIRECTOR.
आकाशवाणी
हलियाल रोड
धारवाड
तार. आकाशवाणी धारवाड

ALL INDIA RADIO,
Haliyal Road,
DHARWAR
Telegram : Akashvani
Dharwar

क्रमांक / NoDha.15(4-1)/66-PI

दिनांक / Date
21st April, 1966.
1st, Vaishakha, 1888

Dear Dr. Hardikar,

This is just a line to remind you that the recording of your talk, "Motilal-Some Memories" is fixed on 25th April at 4-00 p.m.

I shall be grateful if you will confirm this arrangement and record on 25th, as a copy of the recording has to be sent to Bangalore the next day.

With kind regards,

Yours sincerely,

(P. Dharmagnani.)

Dr. N.S.Hardikar,
Arogya Dhama,
GHATAPRABHA
Dist: Belgaum.

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी
७ जन्तर मन्तर रोड
नयी दिल्ली-१
(कांग्रेस सेवा दल)

संख्या: २४ ... १ मई, १९६६

अध्ययन पत्रिका

गलतियां हुई हैं। ----- लेकिन निराशाजनक दृष्टिकोण अपनाने का कोई कारण नहीं। वह आत्म-विश्वास, निजी सूझ-बूझ तथा उद्यम की भावना खत्म कर देगा। मैं पूरी तरह संतुष्ट नहीं हूं, फिर भी मुझे इस बात का संतोष है कि हमने आर्थिक प्रगति के लिए एक बड़ी बुनियाद कायम की है।

--- इन्दिरा गांधी

(आकाशवाणी पर २४ अप्रैल, १९६६ को प्रसारित संदेश से)

जनसंख्या और खाद्यान्न

एक अर्थ में जनता किसी मुल्क की शक्ति, उसका बाहुबल होती है। यद्यपि मनुष्य के लिये आहार है, आहार के वास्ते मनुष्य नहीं। इसकी सक्रियता भी उसके अधिक अभाव- स्वरूप खतरे में पड़ जायेगी, तब अकाल के पैशाचिक नख मानवी रक्त से लथ पथ होने की कोरी कल्पना नहीं की जा सकती। यह असम्भव है। मगर फिर भी इनसान कितना अमितव्ययी, अविवेकशील है अभिव्यक्ति की दृष्टि से। अन्यथा, खाद्यान्न की कमी का इतना विकराल चित्र न बनाया जाता।

यह सही है कि जहां महात्मा बुद्ध के वक्त यानी २५००० ... पूर्व देश की आबादी केवल २ करोड़ थी, जब देश में विदेशी शासन की स्थापना हुई तब जनसंख्या लगभग ११ करोड़ थी लेकिन उसकी इति के समय- विभाजन - उपरान्त - ३३ करोड़ आंकी गयी और मध्य -६४ तक उसे ४७.५ करोड़, इसमें भी शक नहीं कि पहली योजना में ६१६ लाख टन खाद्यान्न का लक्ष्य रखा गया जबकि उत्पादन ६८१ लाख टन हुआ। दूसरी योजनावधि के दौरान ८०५ लाख टन का लक्ष्य था जबकि उत्पादन २ लाख टन अधिक ही रहा और तीसरी योजना का लक्ष्य १००० टन रखा गया जबकि उत्पादन पहले चार वर्षों में ७८०-८०० लाख टन तक पहुंचने की संभावना थी। यह भी सत्य है कि जहां सन् १९५०-५१ में अन्न उत्पादन ५ करोड़ २० लाख टन था, १९६४-६५ में वह ७ करोड़ ७० लाख

२०- प्रत्येक स्तर पर दल टुकड़ी की क्या विशेषता होती है ?

(क) स्थानीय स्तर पर सेवा कार्य।

(ख) जिला स्तर पर संगठन का ढंग।

(ग) प्रदेश स्तर पर प्रशिक्षण।

२१- अधिकारियों का चुनाव कैसे किया जाता है ?

(क) प्रत्येक अधिकारी को उस पद का प्रशिक्षण होना जरूरी है।

(ख) प्रशिक्षण शिविर में व्यक्ति का रूझान देखकर उसी काम के लिए सिफारिश की जाती है।

(ग) अधिकारी न ही जरूरत से ज्यादा हों, न कम।

२२- विभिन्न स्तर पर अधिकारियों की जिम्मेदारियां किस प्रकार बंटी रहती हैं ?

(क) अधिनायक तथा दलपति जनरल अधिकारी हैं।

(ख) शिक्षक प्रशिक्षण का, संगठक संगठन का तथा मंत्री कार्यालय का ख्याल रखते हैं।

(ग) ये सभी अधिकारी सम्भकता माने जाते हैं।

- ए० आर० इनामदार

टन होने की आशा की जाती है। इसमें दो राय नहीं कि भारत में अन्नोत्पादन - वृद्धि का वार्षिक प्रतिशत ३.५ है जबकि जनसंख्या में वृद्धि २.५ के हिसाब से होती है लेकिन मृत्यु दर १.५ प्रतिशत है। इससे भी इन्कार नहीं किया जा सकता कि परिवार नियोजन व आहार - आदत बदलने पर जोर दिया जाता रहा है।

फिर खाद्यान्न - उत्पादन के अभाव का कारण ? एक ही नहीं कई हैं। प्रथम यह कि विदेशी शासक कृषि को जिस दयनीय, जर्जर दशा में छोड़ गये थे उसे पिछले २५ वर्षों के प्रयत्नों से उत्पादन ७५ प्रतिशत बढ़ाने के बावजूद पूर्णतया सुधार नहीं किया जा सका है यद्यपि इस बीच सिंचाई की उत्तरोत्तर अधिक सुविधा, बाढ़-नियंत्रण, रासायनिक खाद, उत्तम बीज, कीटाणु नाशक औषधियों द्वारा पैदावार की क्षमता बढ़ती गयी।

जिस देश में दूधों नहाओ, पूतों फलो के आशीर्वाद दिये जाते, वहां खाद्यान्न की मौजूदा कमी किसी वर्तमान कारण के परिणाम स्वरूप वर्तमान नहीं हुई। हर वर्ष अनाज खाने वालों की वृद्धि अनुपात उत्पादन से अपेक्षाकृत बढ़ता रहा। इसके अलावा, आहार की मात्रा भी बढ़ती गयी

और खाद्यान्न के लिए मांगें पशुओं के वास्ते भी रहीं तथा अनाज की बर्बादी से प्रशंसनीय सीमा तक नहीं बचा जा सका। फलतः, प्रतिवर्ष १ करोड़ टन अनाज नष्ट होता रहा है, जो कि नगण्य मात्रा कतई नहीं।

यद्यपि खाद्य देश के लिए एक समस्या है, पर उसे तूल देना भी उतना ही अनावश्यक और नुकसान देह होगा। अतः, चाहिये तो यही है कि देशवासी अधिकाधिक परिवार नियोजन पर अमल करें; जिनके लिये संभव होगी जब भी, जहां भी, यथासंभव जमीन को, मकान बनाने का माध्यम समझें या न बिकने तक खाली न रखें; जिनके लिये जब भी, जहां भी, संभव हो यथासंभव अपने खाने का अनाज पैदा करें। अपनी खाने की आदतें बदलें और सोमवार के दिन रात का भोजन न खायें। न प्रकृति पर हमारा जोर है और न अपने दो पड़ोसियों - चीन व पाकिस्तान - पर। इसलिये, मानव को अपनी मदद आप ही, और अपने ही देशवासियों द्वारा करनी है।

चीन के प्रति अमरीकी सफाई

इधर कुछ समय से पश्चिमी देश-विशेषकर वे जो गैर-कम्युनिस्ट हैं- चीन के साथ दोस्ती घनिष्ट बनाने की अनेक चेष्टाएं करते नजर आये। क्या हुआ जो चीन साम्यवादी विश्व का मुखिया और एक बड़ी विश्व शक्ति बनना चाहता है तथा जब तक नीति में बुनियादी रद्दोबदल नहीं होते अमेरिका संयुक्त राष्ट्र संघ की सदस्यता के लिये चीन का विरोध करता रहेगा। मगर इसके कई ज्वलंत प्रमाण मौजूद हैं कि चीन के नजदीकतर आने की कोशिशें अमेरिका निरन्तर खासतौर से करता रहा है। इसके निमित्त उसने न कि केवल चीन भ्रमण करने वाले अमरीकी नागरिकों के वर्ग उत्तरोत्तर बढ़ाये, अमेरिकी पुस्तकालयों को चीनी साहित्य खरीदने की छूट दी और अमरीकी नागरिकों को लाल चीन से पत्र-व्यवहार करने की अनुमति दी, वरन् यह भी इशारा किया कि यदि चीन अनाज खरीदना चाहे तो अमरीका विक्रय पर विचार कर सकता है।

इस सौहार्द्रपूर्ण दृष्टिकोण की चर्चा करते हुए - यद्यपि चीन इस समय अमेरिका से सम्पर्क कायम करने व आदान-प्रदान करने का इच्छुक नहीं - हाल ही में श्री डीन रस्क, राज्य सचिव, संयुक्त राज्य अमेरिका, ने यहां तक कहा कि उनका देश अमरीकी विश्वविद्यालयों को चीनी वैज्ञानिक निमंत्रित करने की अनुमति दे सकता है। अपने मुल्क के हित में इन रास्तों को खुला रखने पर न सिर्फ उन्होंने जोर दिया, बल्कि चीन सम्बन्धी अमरीका नीति के लिए निमित्त १० सूत्रीय योजना भी जाहिर की :

उन साथी देशों की मदद करने पर दृढ़ रहना जो चीनी अतिक्रमण के विरुद्ध सहायता चाहें।

२. एशिया के विकासशील देशों की प्रगतिशील सामाजिक तथा आर्थिक नीतियां अपनाने में मदद करना ।

३. सुरक्षा हेतु ताइवान संबंधी आश्वासनों का पालन करना ।

४. जब तक चीन अपना मौजूदा रवैया न बदलें, संयुक्त राष्ट्र संघ में उसे सदस्य स्वीकार किये जाने का वह विरोध करता रहे । और उससे जनतंत्र के न हटायें जाने के लिए निरन्तर प्रयत्न करें ।

५. पीकिंग को अमेरिका पुनः आश्वासन दे कि वह चीन पर हमला करना नहीं चाहता है ।

६. यह धारणा पैदा करने से बचे कि अमेरिका और चीन के बीच विरोध असमाप्य और अनिवार्य है ।

७. चीन और अमेरिका के बीच अनौपचारिक सम्पर्कों की सम्भावनाएं बढ़ाई जायं, जिसमें अमेरिकी विश्वविद्यालयों द्वारा चीनी वैज्ञानिक आमंत्रित करना भी शामिल हो ।

८. वारसा में चीन के साथ सीधे राजनयिक सम्पर्क जारी रखे जायं ।

९. स्पष्ट करें कि अमेरिका, निरस्त्रीकरण तथा अणुशस्त्रों का विस्तार रोकने पर, चीन तथा अन्य देशों के साथ मिलकर विचार विमर्श करना चाहता है ।

१०. चीन सम्बंधी सभी उपलब्ध सूचना पाना तथा उसका विश्लेषण करना तथा अपनी नीतियां समयानुकूल बनाना जारी रखना ।

चीन व अमेरिका के बीच निकट भविष्य में युद्ध छिड़ जाने की सम्भावना न होने के बावजूद सन् १९५५ तथा १९५८ की फारमोसा दुर्घटनाओं, भारत पर आक्रमण, वियतनाम संघर्ष में उसकी भूमिका तथा इण्डोनेशियाई संकट को किसी कीमत पर नजर अन्दाज करना निश्चय ही सख्त गलती होगी ।

विरोधी आन्दोलन :

एक सरकारी सर्वेक्षण के अनुसार, जनवरी १९६४ से अगस्त १९६५ के बीच जितने भी किस्म के विरोधी प्रदर्शन हुए उनकी संख्या प्रति सप्ताह ३६ बताई गई है ।

इस दौरान राजनैतिक, श्रम, रोजगार व छात्र-सम्बंधी विरोधी आंदोलन कुल मिलाकर १९०६ हुए । इनकी क्रमशः संख्या थी ८५८, ६६३, १९५ और १९० । एक सौ तेरह विरोधी आंदोलन आर्थिक प्रश्नों को लेकर किये गये थे ।

इनमें से ५६२ हिंसा प्रधान थे और उनमें हिस्सा लेने वालों ने जान-माल

को एक या दूसरे रूप में नुकसान पहुंचाये। इनमें (६६) ... को लाठियां चलानी पड़ीं तथा अश्रुगैस का इस्तेमाल करना पड़ा और ६८ में गोली चलानी पड़ी।

मणिपुर में ६८ हिंसक प्रदर्शन हुए जबकि बिहार, महाराष्ट्र, गुजरात तथा उड़ीसा में क्रमश: ६२, ७५, ६४, और ४२।

औद्योगिक प्रगति

आवश्यकता, आविष्कार की जननी कही जाती है। मगर इस खोज का श्रेय नेहरू जी को ही था जिन्होंने दुनिया पर यह जाहिर करने की कोशिश की कि योजना सिर्फ एक अधिनायकवादी राजनैतिक व्यवस्था में ही कामयाब नहीं हो सकती है हालांकि उन्हें प्रेरणा रूसी अनुभव से मिली। वस्तुत:, भारत में योजनाबद्ध विकास का सूत्रपात सन् ३८ के लगभग हो गया था। भारत को छोड़कर, विश्व के कुछ ही मुल्कों ने इसे संवैधानिक स्वरूप दिया है। वैसे, उनमें से अधिकतर के लिए यह पहला प्रयास है।

यहां जैसा कि स्वाभाविक भी था, पहली योजना (१९५१) का प्रधान मकसद भारत के अर्थ-व्यवस्था का पुनर्विस्थापन रहा। इसमें अधिक जोर यहां के कृषि क्षेत्र पर दिया गया। दूसरी (१९५६) ... का मूल लक्ष्य था तेज रफ्तार से औद्योगीकरण, जिससे रोजगार के अधिक अवसर भेंट किये जा सकें। और, तीसरी (१९६१) ... की रचना उद्योग की आवश्यकता पूर्ति-हेतु कृषि-उत्पादन में वृद्धि, ... सामानों व औजारों तथा कच्चे माल की उपज बढ़ाने के लिए क्षमता में वृद्धि, बुनियादी उद्योगों के विस्तार तथा मशीन-निर्माण कायम रखने और स्वदेशी साधनों से प्रमुखत: अधिक औद्योगीकरण की आवश्यकता-पूर्ति जैसे उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए की गयी। चौथी योजना का शुभारम्भ इस वर्ष १ अप्रैल को हुआ। इस बीच सन् ४८ में उद्योग नीति, १९४९ के आर्थिक आयाम, १९५१ के उद्योग (विकास एवं नियंत्रण) अधिनियम और १९५६ के दौरान नयी उद्योग नीति प्रकाश में आये। अत:, औद्योगिक प्रगति-हेतु औद्योगिक विकास निगम (१९५४), औद्योगिक वित्त निगम (१९४८), न्यूनतम वेतन अधिनियम (१९४८) राज्यों में उद्योग निदेशालय, औद्योगिक साख तथा नियोजन निगम (१९५५), पुनर्वित्त निगम, किराया क्रय परियोजना (१९५६), केन्द्रीय लघु उद्योग संगठन तथा राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम, राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद, भारतीय राष्ट्रीय शोध विकास निगम (१९५३), वैज्ञानिक तथा औद्योगिक शोध परिषद राज्य व्यापार निगम, निर्यात जोखिम बीमा निगम, आयात - निर्यात सलाहकार परिषद, भारतीय श्रम सम्मेलन, अनुशासन संहिता, केन्द्रीय औद्योगिक कर्मचारी

--६

रक्षा मण्डल, ट्रिपार्टी श्रम बोर्ड, श्रमिक राज्य बीमा अधिनियम १९४८, सहायक औद्योगिक आवास परियोजना के भी योग कम उल्लेखनीय नहीं हैं।

परिणाम स्वरूप, तीन योजना में औद्योगिक उत्पादन लगभग तिगुना बढ़ा है। मात्रा में वृद्धि से ज्यादा महत्व इसका है कि बुनियादी उद्योगों का विकास तथा विस्तार हुआ, जिसके कारण आने वाले समय में मुख्यतः स्वदेशी साधनों से उद्योगीकरण किया जा सकेगा। और वस्तु-वैविध्य भी साकार हुआ। फलस्वरूप, हमने निर्यात के क्षेत्रों में अधिक प्राप्ति की।

इस दौरान राष्ट्रीय आय में कृषि का योग १९५०-५१ में ५१.३ प्रतिशत से घटकर १९६३-६४ में अनुमानतः ४७.१ प्रतिशत तक पहुंच गया था। जबकि इस दौरान खान, निर्माण तथा लघु उद्योगों का योग १६.१ प्रतिशत से १९.७ प्रतिशत तक बढ़ा। उद्योग मंत्रालय की अनुमान समिति के एक प्रतिवेदन अनुसार, १९६१ में बड़े उद्योगों के योग, अर्थात ९९० करोड़ रुपये, की तुलना में लघु उद्योगों का योग १४५० करोड़ रुपये था। एक दूसरे सूत्र का कहना है कि १९५७ के दौरान औद्योगिक क्षेत्र में कुल नियोजन ८९९ करोड़ रुपये का था जबकि तीसरी योजना के अन्त तक उसे ५५०० करोड़ रुपये पहुंच जाना चाहिए।

हमारी योजना निजी तथा सार्वजनिक क्षेत्रों में विभक्त है। सार्वजनिक क्षेत्र में पहली, दूसरी तथा तीसरी योजना के दौरान क्रमशः ६०, ८२० तथा १५५० करोड़ रुपये की लागत आयी जबकि पहले क्षेत्र में ३००, ८५० तथा १२०० करोड़। गरज कि यह धारणा भ्रम मात्र है कि यहां निजी क्षेत्र को नुकसान पहुंचाकर सार्वजनिक क्षेत्र पनप रहा है। धीरे धीरे सार्वजनिक क्षेत्र का दायरा बढ़ता जा रहा है से भी इन्कार नहीं किया जा सकता।

दुनिया का औद्योगिक उत्पादन दूसरे विश्वयुद्ध को देखते हुए आज तीनगुना है और १९३२ के ह्रास काल से पांच गुना। वैसे, १९५० की अपेक्षा आज ६४ प्रतिशत अधिक उत्पादन होता है और सन् १९६० में एक सर्वेक्षणानुसार भारत का योग विश्व औद्योगिक उत्पादन में १.१ प्रतिशत था।

कारखाने में कार्य करने वाले प्रति व्यक्ति के पीछे ३.२ व्यक्ति गैर औद्योगिक संस्थानों में कार्य करते हैं। विकसित देशों के मुख्य लक्ष्यों और प्राप्तियों को दृष्टिगत रखते हुए हमारे यहां लक्ष्य बड़े विनम्र और प्राप्तियां प्रशंसनीय रही हैं। भारत में प्रथमतः, ३० वर्ष तक संघर्षशील योजना की कल्पना की गयी थी, जिसकी समाप्ती तक ही हमारी अर्थव्यवस्था स्वचलित हो सकेगी। और इसमें औद्योगिक क्षेत्र का योग सदैव, सर्वत्र महत्वपूर्ण रहना चाहिए।

गोपालजी मेहरोत्रा

126

Bombay Pradesh Congress Committee

CONGRESS HOUSE
Vithalbhai Patel Road,
Bombay-4.

Telegram: "CONGRESS"
Telephones: 353527 (Office) / 358556 (President)

A. I. C. C. Session - 1966

27th April 1966.

Rev. Dr. Hardikarji,

I am in receipt of your letter dated 25th April 1966. I shall go and inquire about Shri Bhaskarrao Lokur's health and let you know. Shri Kumath is out of Bombay and like to return on 28th inst. I shall convey your message.

We desire that you should favour us by remaining present at the time of ensuing Session of the AICC to be held in Bombay on 21st May and subsequent days. You are, I hope now, better and would be able to bear the strain and climate which would not be so hot.

With kind regards and respects,

Yours sincerely,

Vadilal A. Patel

(VADILAL A. PATEL)
G.O.C.,
CONGRESS SEVA DAL, BOMBAY.

Shri N. S. Hardikar,
Ghatprabha,
Dist: HUBLI.

127

Gram : CONGRESS Phone : 45851 (five lines)

ALL INDIA CONGRESS COMMITTEE

7, Jantar Mantar Road, New Delhi-1

२९.८.६६

धुळेकर

बरेच दिवस झाले आपले काहीच पत्र नाही. मला वाटते मागील पत्रांत निर्धारित केल्या असतील. सर्व घटप्रभेच्या पत्त्यावर पाठवली होती. आपली प्रकृती बरी आहे.

डिसेंबरच्या A.I.C.C. च्या बैठकीला येणार का? आपल्याकडे एकंदर सर्व राजकारण कसे आहे? मी किंवा येईन असे गेल्या पत्रात लिहिले होते

[illegible] मी केल्या
[illegible]
[illegible] आपण [illegible]
[illegible] बाहेर
[illegible] दिल्लीहून [illegible]
[illegible] स्टेशन [illegible]
[illegible] यांची [illegible]
[illegible] श्री
प्रेमनाथ [illegible]
र. वा. इनामदार

Dr N. S. Hardikar
K.H.I. Ghataprabha
Dist Belgaum
(Mysore State)

KARNATAK HEALTH INSTITUTE
DELY
25 .66
10.05 HRS

ALL INDIA CONGRESS COMMITTEE
7, Jantar Mantar Road,
NEW DELHI.

SD/4666.   29th April, 1966

Dear Brother/Sister,

Here is a message from the Prime Minister, Smt. Indira Gandhi to the Congress Seva Dal. Since she missed the opportunity to meet and address the workers who had assembled in the All India Annual Camp held in Delhi, she felt like sending a message as soon as she could find out some time from her heavily busy programme since she assumed the charge of Prime Ministership. I am sure the message will be widely circulated amongst the members of SevaDal and implemented accordingly.

I have also to make the following announcements:

1. A few copies of circulars sent from here during last ten years or so are available. Pradesh offices who need any of the circulars may please write in details. Preference will be given to those who want to preserve them for future reference as historical documents.
2. A few copies of old (After 1947) Seva Dal publications including Dal Samachar are also available on the above conditions.
3. The "Pravas" activity is now being handled and certificates are issued at the pradesh level. We have a few copies of blank printed certificates and pravas badges which can be sent to Pradeshes for use where this activity is being conducted. The pradeshes can imprint their names on these as no mention of the All India Office is made on the Certificates.

Yours sincerely,
S V Inamdar
(S.V. Inamdar)
ALL INDIA ORGANISER

Encl: As above.
To the Pradeshes.

Prime Minister's House
New Delhi .

M E S S A G E

We have a difficult year ahead of us. Members of the Congress organisation and the Seva Dal should exert themselves to the full and tighten the organisation and their discipline. In particular there are two fields of activity in which the Seva Dal could take an interest. The first is to assist in the orderly distribution of food supplies. The Seva Dal could work for the success of food procurement at the block level, and in urban areas could take up a programme of organising committees and groups in every ward and mohalla to help the food administration in the proper distribution of foodgrains. Much work needs to be done in persuading the people to change their food habits.

The second activity I would commend to the Seva Dal is the active propagation of Congress ideals and policies. I regret to say that we have been hesitant in putting forth our point of view before the people. Solid field work in redressing the people's local grievances and a concern with ideas and ideals will attract youth as well as women to our cause. This is specially important since in the next few months we have to prepare to face the fourth General Election.

Sd./-

(INDIRA GANDHI)

NEW DELHI

April 27, 1966.

टेलीफोन : २३६४४
२३०१६

तार : कांग्रेस

उत्तर प्रदेशीय कांग्रेस कमेटी

१६, कैसरबाग, लखनऊ

विभाग ....

पत्र संख्या 3C/1408

दिनांक 29th April '66

Pujya Doctor Saheb,

Your postscript dated 22.4.66 was received in this office and the contents have been read with pleasure.

I was under the impression that Sri Iman -darµwas keeping you in touch with all the activities of Sewa Dal in U.P. and as such I have not been writing to you personally in this connection since my report appearing every now and then in the Dal Samachar must be passing through your notice .

DALPATRA: The Monthly Bulletin : - I am sorry I have not been able to bring out the same for which I apologise you I have at present 54 District Sewa Dal Units with its Branches 524 and Centres all over the Province.

Children	-	~~XXX~~ 4381
Boys	-	4731
Girls	-	656
Sainiks	-	6629
Women	-	670 and
Assodate Members	-	650
Totalling	-	17717

This number is exorbitant in comparison to other Province of the country. Even then in view of the huge population of this Province, I am not satisfied wit this figure.

I have decided to hold Seminars in this Province with a huge gathering as per detail given below:-

Seminar 100 Sewa Dal Sainik Camps or 10 Bloc Officer's Camps and two All India Training Camps, one of Women and the other of District Officers' Training Camps and 5 Election Seminars. I have already sponsored 4 Bloc Officers Training Camps and 24 Sainik Training Camps.

I am also of the view to hold a Camp of All India Training Camp of Women at Hamirpur from 25th May to 3rd June. In this camp 60 women will participate

from U.P. It is also expected that 30 or 35 women would join from other States.

I am also keen to hold a A.I.Camp at Talbehat (Jhansi) of District Sewa Dal Officers from 5th June to 19th June. In this Camp 45 trainees of U.P. will take part whereas from other States 15.

The food situation in the country awfully painful and pinching to every individual. In the rural areas B.D.Os will be contacted to carry on a campaign of propaganda for growing more food and also preventive measures against the misuse of the food-stuff. The excavation work has already begun by our Sainik of Sewa Dal on their own farms for preparing manures and construction of wells and tanks for purposes of irrigation. Our rural Sainiks and Officers of Sewa Dal are making frantic efforts in that direction.

I am confident that by your blessings the number of our units will exceed to an extent of 25,000, by the end of this year.

I have already made subscribers for the paper - the Dal Samachar to an extent of 700. This is undoubtedly a good figure. The work in this connection has not come to an hault. Thus we are all busy with the organisational work.

The border area of the hilly stations in U.P. which touches the China & Tibbet border have drawn my attention and I am feeling inclined to intensify my activities to that side also. I am recruiting volunteers that side for this.

The months of May and June are the hottest months in U.P. and so I don't think it would be advisable to request you to ~~attend~~ inspect these Camps but even then, contrary to this, if you take the trouble to visit these Camps I shall be greatly delighted, and welcome you cordially. Awaiting your instructions.

Yours faithfully,

(signature)

(UMA PRASAD TIWARI)

Dr.N.S.Hardikar, Sanchalak,
Congress Sewa Dal.Camp-at Ghatprabha,
(MYSORE)

जानकारी के लिए

ALL INDIA CONGRESS COMMITTEE
7, Jantar Mantar Road,
NEW DELHI

SD/4700 30th April, 1966

Dear friend,

I am informed by our Seva Dal Department that the budget for Seva Dal for the current year has not been prepared and approved by your P.C.C. so far. Kindly look into the matter and see that a sizable amount for Seva Dal work is sanctioned and made available to the Pradesh Head to implement the programme that was drafted in the All India Six Monthly meeting of Congress Seva Dal held at New Delhi in last January 1966. In this connection I would like to draw your kind attention to the Congress President's letter of the September 18, 1965.

The Congress Seva Dal has an important roll to play in the coming General Elections as a volunteer force. If the Seva Dal is brought on a sound footing from now by increasing the number of volunteers, training the workers and adding as many wholetime workers as possible it can prove an effective instrument in the hands of the Congress Committees in the Pradesh.

Thanking you,

Yours sincerely,

(T. Manaen)
GENERAL SECRETARY

The Presidents of All PCCs.

kns:

Krishnan
I have your budget. Is it approved one?
Also inform the P.C.C. president that we
have got the budget. 5.69.

महाराष्ट्र प्रदेश कॉंग्रेस कमिटी,

टिळक भवन, गोखले रोड (द),
खेड गल्ली, दादर, मुंबई २८.

सेवादल - विभाग.

दि. २० एप्रिल १९६६.

संबंधित जिल्हाधिनायक व संघटक यांचेसाठीं :-

प्रिय बंधु,

स. न. वि. वि.

दि. १३ मे ६६ ते दि. १९ मे ६६ पर्यन्त अखिल भारतीय कॉंग्रेस सेवादल संघटक मा. श्री. स. वा. इनामदारजी महाराष्ट्राचा दौरा करून सेवादलाच्या कामाची पहाणी करणार आहेत. मा. इनामदारजींचा कार्यक्रम खालीलप्रमाणें निश्चित केला आहे. या कार्यक्रमांत बदल होणार नाहीं. आपण त्या दृष्टीनें जिल्ह्याचा कार्यक्रम आखावा. कार्यक्रम भरगच्च असूं नये. जास्तीत जास्त वेळ अधिकाऱ्यांशी बोलण्यांत व चर्चा करण्यास मोकळा ठेवावा. कार्यक्रमास स्थानिक-ब्लॉक- मंडळ- जिल्हा अधिकाऱ्यांना निमंत्रित करावे. मा. इनामदारजी यांचेबरोबर मी पण असेन. आमची येण्याची वेळ व गाडी नंतर कळविण्यांत येईल.

-: कार्यक्रम :-

दि. १३ मे ६६ .... नागपूर एक्सप्रेसनें मुंबईहून प्रयाण.
१४ मे ६६ .... वर्धा.
१५ मे ६६ .... चंद्रपूर.
१६ मे ६६ .... नागपूर शहर व जिल्हा .
१७ मे ६६ .... गोंदिया (भंडारा).
१८ मे ६६ .... स्टेशन धामणगांव (अमरावती) सकाळीं.
१८ मे ६६ .... यवतमाळ (दुपारी ४ वाजतां पोचणें).
१९ मे ६६ .... खामगांव (बुलडाणा).

कळावे,

विनीत,

आनंदीराम कुमठ

(आनंदीराम कुमठ)

दलपति.

प्रत माहिती साठीं:-
संबंधित अध्यक्ष, जिल्हा कॉंग्रेस कमिटी.

टीप :- आपल्या येथील कार्यक्रमाची आंखणी करून कृपया - आनंद भवन, मील रोड, धुळें येथें त्वरित कळवावे.

।ॐ।

Gram : CONGRESS

Phone : 45851 (five lines)

ALL INDIA CONGRESS COMMITTEE

7, Jantar Mantar Road, New Delhi-1

२.५.६६

पू. डॉक्टर

आपले दोन्ही पत्र मिळाले.

आपण पुण्याला किती दिवस राहणार आहात?

त्याप्रमाणे इकडे येणे शक्य आहे का. ते

कळवावे. श्री नागेश येथून निघू शकत नाहीत

श्री नवीनभाई, भाऊकुमार, मोरे मास्तीकाम.

श्री पुरुष ता पुणे मुक्कामी येत आहेत. त्यांचा

पत्ता c/o Hume Pipe 268091 नंबर

135

Redirected

Dr N. S. Hardikar

K. H. Institute Ghotprabha

~~C/o Sh. D. S. Lokhure~~

~~B 10 Ambekar Nagar~~

~~Gullanji Villa~~

~~Parel Bombay 12~~

Ghataprabha

KARNATAK HEALTH INSTITUTE

MAR 12-PM 1958 BOMBAY

INDIA 6NP

Telephones : 45851 (5 Lines)

Telegrams : CONGRESS

ALL INDIA CONGRESS COMMITTEE
7, JANTAR MANTAR ROAD,
NEW DELHI-1

[illegible]
२-५-[illegible]

प. पूज्य डॉ० [illegible]
अ. भा. वि. [illegible]

आपले दि. २८-४-६६ चे [illegible] लिहिलेले पत्र
मिळाले. मी आपल्या पत्राची वाट पहात होतो. पत्र
वाचून आनंद वाटला. पण [illegible] आपले [illegible]
[illegible] ची [illegible] वाचून [illegible] २२१-
[illegible] वाटली. परमेश्वर त्यांना लवकर बरे करो व
आपण सर्व [illegible] [illegible] [illegible] यश यावो.
ही परमेश्वराजवळ प्रार्थना करीत आहे.

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
मिळाले. [illegible] [illegible] १० मे ६६ ला [illegible] पत्र
८-१५ A.M. ला [illegible] आहे. [illegible] [illegible]
आहे. आपणास ही बातमी [illegible] [illegible] [illegible]
नाही. आपण [illegible] वाचून आनंद होईल [illegible]
ही नम्र विनंती. व. आपले आशीर्वाद [illegible]
काही विशेष नाही. मी [illegible] ता. २० मे ६६ पर्यंत [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
वाटले. [illegible] [illegible] [illegible]

To T. V. Chavsale
Advocate 137
Ambajogai
Dist. Bhir (MH)

ALL INDIA CONGRESS COMMITTEE
7, JANTAR MANTAR ROAD

[illegible] D. O. T. camp
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

First fold here

INLAND LETTER
अन्तर्देशीय पत्र
NO ENCLOSURES ALLOWED

MOVE WITH THE TIMES
USE AIR MAIL

Dr. N. S. Hardikar
~~Sunshine Cottage, Bangalore~~
~~Karnatak Health Institute~~
~~C/o Dr. D. S. [illegible]~~
Post: Ghataprabha B/o [illegible]
Cottage [illegible]
(Belgaum Dt.) [illegible]

Third fold here

Sender's name and Address
All India Congress Committee
7, Jantar Mantar Road
New Delhi

MOVE WITH THE TIMES
USE AIR MAIL

Second fold here

138

अनुशासन व सेवा

★ सोलापूर जिल्हा काँग्रेस सेवादल ★

कार्यालय:- पंढरपूर.

जावक क्रमांक ६८ — दिनांक ६।५।१९६५

मानणीय पूज्य श्री० ना० सु० हर्डीकर साहेब
यांना सादर प्रणाम

विषय:- अभिष्टचिंतन.

महोदय,

आपल्या ७६ व्या वाढदिवसानिमीत्त सोलापूर जिल्हा काँग्रेस सेवादलाचे वतीने मी हार्दिक शुभेच्छा व्यक्त करीत आहे. आपण सेवादलाचे भाग्य विधाते असेच स्फुर्तिस्थान आहांत. आपण स्वातंत्र्य संग्रामात बहुमोल मार्गदर्शन केलेत. आजही सेवादलाचे संचालकत्व मोठ्या जिद्दीने व हुषेने पार पाडीत आहांत. आपणांस दिर्घायुष्य लाभावे असेच आयुरारोग्य लाभावे ही श्री पांडुरंग चरणी प्रार्थना. तसदीची माफी असावी.

भौ. बा. देशमाने

जिल्हा संघटक,
सोलापूर जिल्हा काँग्रेस सेवादल.

टेलीफोन : २२६३४ / २३७१६

तार : कांग्रेस

उत्तर प्रदेशीय कांग्रेस कमेटी

१६, कैसरबाग, लखनऊ

(कां० सेवादल)

विभाग.....................

पत्र संख्या ३/१५८५

दिनांक ६ मई, १९६६

श्रद्धेय डाक्टर साहब,

कल आपका जन्म दिवस समस्त देश का संगठन हार्दिक उत्साह व उल्लास के साथ मनाएगा ।

उत्तर प्रदेश में भी सभी शाखाएं आपके इस पवित्र दिन पर ईश्वर से प्रार्थना करेंगी कि आप हम सबके मार्गदर्शक के रूप में सदैव बने रहें ।

इस शुभ अवसर पर आप हमारी निजी तथा प्रदेश के समस्त अधिकारियों और सैनिकों की हार्दिक शुभकामनाओं को स्वीकार कीजिए ।

ईश्वर आपको दीर्घायु करें ।

आपका विश्वासपात्र,

(उमाप्रसाद तिवारी)
जी०ओ०सी०

माननीय डा० एन०एस० हर्डीकर,
संचालक
कां० सेवादल
द्वारा- कर्नाटक हेल्थ इन्स्टीच्यूट
घटप्रभा (मैसूर)

150

वंदे मातरम्

जा० क्र० ७०

दिनांक ६।५।१९६६

मानणीय पूज्य श्री ना० सु० हार्डीकरजी
यांना सादर प्रणाम

विषय :- अभिष्टचिंतन

महोदय,

आपल्या ७६ व्या वाढदिवसानिमीत्त पंढरपूर शहर कॉंग्रेस सेवादलाचे वतीने मी हार्दीक शुभेच्छा व्यक्त करीत आहे आपण सेवादलाचे आद्यविधाते सर्वांस स्फुर्तीदायक आहात आपण स्वातंत्र्य संग्रामात बहुमोल मार्गदर्शन केलेत आजहि सेवादलाचे संचालक म्हणून काम पहात आहात. आपणांस दिर्घायुष्य लाभावे अशी पंढरपुरच्या पांडुरंग चरणी प्रार्थना.
तसदीची माफी असावी.

महाराष्ट्र प्रदेश कॉंग्रेस सेवादल
केंद्र – पंढरपूर.

वि० रा० देवकर
शिक्षक,
कॉंग्रेस सेवादल; पंढरपूर.

-: अनुशासन व सेवा :-

★ सोलापूर जिल्हा कॉंग्रेस सेवादल ★

कार्यालय:- पंढरपूर.

जावक क्रमांक ६९ ★ वंदेमातरम ★ दिनांक ६।५।६६

मा. श्री. डॉ. ना. सु. हर्डीकरजी,

सादर प्रणाम।

विषय - बरसगॉंठकी अवसरपर शुभकामनाये --

महोदय,

आपके ७६ बरसगॉंठकी शुभअवसरपर शोलापुर जिला कॉंग्रेस सेवादलकी ओरसे और मेरी ओरसे हार्दिक शुभकामना प्रगट करता हूँ। आप एक स्वातंत्र्य संग्राम वीर थे और आजभी संचालकके तौरपर काम कर रहे हैं। सचमुच आप सेवादलके भाग्यविधाते हैं, आप प्रेरणादायक तथा सेवादलके स्फूर्तिके स्थान है।

आप चिरायू हो तथा शतायुषी हो। यही मेरी प्रभुके चरण प्रार्थना है।

सो. ग. नागटिळक

मंत्री,

कॉंग्रेस सेवादल, पंढरपूर/सोलापूर.

पता - सोपान गणपत नागटिळक

४३१२, दालेगली पंढरपूर.

142

Bombay Pradesh Congress Committee

CONGRESS HOUSE
Vithalbhai Patel Road,
Bombay-4.

Telegram : "CONGRESS"
Telephones : 353527 (Office) / 358556 (President)

A. I. C. C. Session - 1966

6th May 1966.

Revered Dr. Hardikar,

I have received your note on the letter we had sent to you. We are glad to note that you would be attending next Session of the A.I.C.C. to be held in Bombay and we shall make necessary arrangements for your confortable stay and look after other facilities. We shall call a meeting of the old Seva Dal workers to meet you. It would be a good opportunity to our Sevikas and Volunteers to have your Darshan for which they are anxious from last several years.

With kind regards,

Yours sincerely,

[signature]

GENERAL SECRETARY.

Dr. N.S.Hardikar,
Health Institute,
Ghatprabha,
Dist. Hubli,
MYSORE STATE.

143

PHONE : 33957

सीमेन्ट कारपोरेशन ऑफ इन्डिया लि०
3, कुशक रोड, नई दिल्ली-11

CEMENT CORPORATION OF INDIA LTD.
3, KUSHAK ROAD,
NEW DELHI-11

डा० बी० वी० केसकर
अध्यक्ष
DR. B. V KESKAR
CHAIRMAN

May 6, 1966.

My dear Dr. Hardikar,

I was very glad to get your card from Bombay dated the 4th of May. Mr. Karmarkar, with whom I had talked only this morning, was also mentioning something similar to me. I am sorry to hear about the disease of your nephew.

I am hastening to write to you for letting you know that I propose to come to Ghatprabha in June. I have to go to Bangalore about the 11th and 12th of June for a meeting of the Taxation Enquiry Committee of which I am Chairman. The Committee will then go to Madras. From Madras I propose to come back to Bangalore and I will take this opportunity of visiting Gokak where some excavation work is going on behalf of the Cement Corporation as you know. I will be, therefore, coming for a day or two. It is more than possible that Meera also might be able to come as she is going to Poona and might come there at the same time.

According to the time table prepared, most probably I might come to Ghatprabha on the 21st or 22nd of June.

I am writing this just to find out from you whether you will be in Ghatprabha round about these dates because if you are not there, I am not likely to stay or get down there. So I would definitely like to know from you about your programme.

Meera and Sindhu are going on well.

Yours affectionately
B. V. Keskar

Dr. N.S. Hardikar,
GHATPRABHA.

॥ जय-हिन्द ॥ १५५ फोन नं. ४४ वर्धा.
फोन नं. ३३ (वर्धा)

वर्धा जिल्हा कॉंग्रेस सेवादल

सह संघटक,

पुरुषोत्तम [पंडीत] दिगांबरराव देशमुख

(नेहरु चौक,) मु. पो.
सालोड-हिरापूर
ता. जि. वर्धा. (महाराष्ट्र)

पत्र क्रमांक

दिनांक ६ - ५ - ६६

श्रीमान् आदरणीय, नाना साहेब हर्डीकरजी,

संस्थापक, अखील भारतीय, कॉंग्रेस सेवा दल

यांचे सेवेशी.

उद्याला आपला वाढदिवस आहे. म्हणजे ७ मे हा दिवस अत्यंत आनंदाचा आहे. मी दयाघन परमेश्वराला प्रार्थना करतो की, दिर्घायुरी लवकरच आपले मार्गदर्शन आम्हा बालकांना सतत लाभत राहो. आजच्या शुभ दिनी मी आपले सहर्ष स्वागत व अभिनंदन करीतो.

दिनांक
६।५।६६
सालोड हिरापूर

कळावे
आपला -
विनम्र बालक सेवक
(पुरुषोत्तम देशमुख)
कॉंग्रेस सेवादल कार्यकर्ता

Grams CONGRESS ता. ८ रोजी उत्तर लिहिलें. [illegible] Phone : 45851 (3 lines)

ALL INDIA CONGRESS COMMITTEE

7, Jantar Mantar Road, New Delhi.

६. ५. ६६

प्रि. डॉक्टर

आपलें ता. १ चें पत्र मिळालें. पुढाऱ्यांबरोबर लिहितों.
आपण मुंबईहून परत जाणार आहात. श्री भाऊ-
कुमार यांचे कडे कांहीं कागद पाठवले होते —
आपल्या बरोबर चर्चा करण्या करतां ते
भेटले का?
आपण A.I.C.C. च्या मीटिंगला मुंबईला
येणार का? येणार नसल्यास मी [illegible]

येईन. आपला दिवस आईचा
हाईकोर्टात उद्या २८ रोजी कळवावे
ता १३ ते २८ पर्यंत ओझर्डे
राहीन मध्य महाराष्ट्रात - नागपूर
रस्ता बदलून - पारोळेकरांना आहे
त्यापूर्वी ~~[illegible]~~
सर्व मंडळीस नमस्कार सांगणे. कारण
P.C. नंतर see India Conf.
करता नमस्कार यांच्या [illegible]

Dr H. S. Hardikar
K.H.1 Ghataprabha
Dist Belgaum
(Mysore State)

ALL INDIA CONGRESS COMMITTEE
7, Jantar Mantar Road
NEW DELHI

CONGRESS SEVA DAL

SD/4600.   10th May 1966.

Sub: All India Training Camps-reminder.

Dear Brother,

Kindly correct the dates and place of the camps, note the routes and inform to all concerned. Send the names of trainees for each camp as you get them. But you will send the approximate number of trainees immediately for each camp.

1. All India Womens Camp - 28th May to 6th June. HARIDWAR (U.P) Dist. Dehradun

   Bring sufficient warm clothing.

2. All India Distt. Officers Camp - 5th June to 19th June. Mardansing Inter College, Talbeht Distt. Jhansi, Talbeht is near Jhansi on Jhansi - Bombay line.

3. All India Distt. Officers Camp Sikar (Rajasthan) 6th June to 20th June. Sikar is on Jaipur - Loharu line. Address c/o District Congress Committee, Sikar (Rajasthan).

Note: (1) Last two camps are meant for men and women district officers.

(2) Workers from womens section of the Congress will also be admitted in the All India Womens Camp.

(3) You need not wait for the approval of names provided they fulfil the conditions. The trainees will be informed to be present a day earlier with the uniform and necessary kit.

Yours sincerely,

(S.V. Inamdar)
ALL INDIA ORGANISER

To:

The Pradeshes.

copy to districts.

KGN/

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी
कांग्रेस सेवादल
७ जन्तर मन्तर रोड, नई दिल्ली

एस डी ४६०० — १० मई, १९६६

विषय: अखिल भारतीय प्रशिक्षण शिविर स्मरणपत्र

प्रिय भाई,

कृपया शिविरों के स्थान या तारीखों में किये गये परिवर्तनों का सुधार कर लिया जाय, साथ ही सम्बन्धित व्यक्तियों को इस सम्बन्धी जानकारी दी जाये। प्रत्येक शिविर के लिए शिक्षार्थियों के नाम जैसे ही आपको प्राप्त हों आप उसकी जानकारी भेजते रहिए, लेकिन सम्भावित संख्या की प्रत्येक शिविर के लिए, जानकारी तत्काल भेज दी जाय।

१. अखिल भारतीय महिला प्रशिक्षण शिविर : २८ मई से ६ जून १९६६ तक।
स्थान: हरद्वार : जिला देहरादून : उत्तर प्रदेश
गरम कपड़े आवश्यक हैं।

२. अखिल भारतीय जिला अधिकारी प्रशिक्षण शिविर: ५ जून से १९ जून '६६ तक
स्थान मरदानसिंह इन्टर कालेज तालबेहट

झांसी से बम्बई की ओर जाने वाली रेल लाइन पर झांसी नजदीक तालबेहट है।

३. अखिल भारतीय जिला अधिकारी प्रशिक्षण शिविर : ६ जून से २० जून ६६ तक
सीकर : राजस्थान :

पता: जिला कांग्रेस कमेटी, सीकर : राजस्थान :
जयपुर से लोहारु को जाने वाली रेल लाइन पर सीकर है।

टिप्पणि : १. आखिरी दोनों शिविर पुरुष और महिला जिला अधिकारी के लिये हैं।

२. महिला विभाग की कांग्रेस कार्यकर्त्रियों को भी महिला शिविर में सम्मिलित किया जा सकेगा।

३. नियमों के अनुसार जो प्रशिक्षार्थि हो उनके लिए स्वीकृति प्राप्त करने का इन्तजार न करें। प्रशिक्षार्थियों को सूचना दे दीजिये कि वे शिविर की शुरुआत की तारीख से एक दिन पूर्व शिविर स्थान पर आवश्यक किट तथा वर्दी के साथ पहुंच जावें।

आपका,
(स. वा. इनामदार)
अखिल भारतीय संगठक

प्रदेशीय प्रमुख अधिकारियों के नाम :

प्रतिलिपि: जिला प्रमुख अधिकारियों के नाम:

147

Radha Raman,
Chairman, Board of Inspection for
Voluntary Medical Institutions,
11, Talkatora Road.

MINISTRY OF HEALTH
INDIA
NEW DELHI.
स्वास्थ्य मंत्रालय
भारत
नई दिल्ली
11th May, 1966.

Dear Dr. Hardikar,

I received your letter dated the 1st instant, Info ming me that you had gone to Bombay to see your ailing nephew Mr. Bhaskerrao Lakare. Your idea to add treatment of cancer in your hospital is laudable indeed. It is, however, a very costly affair and I wonder if your present resources would enable you to set up an effective centre for cancer treatment. I would suggest that you see some of the cancer hospitals running in India and take into account the approximate total cost. If you feel confident that the resources would be available, recurring and non-recurring both, then you can go ahead. You will cert inly get financial assistance from the Central Government as well. Are you not staying on in Bombay for the All India Congress Committee Session? If you do, we shall have an opportunity of m eting and discussin the prospects in more detail. I fully endorse your views of having a separate cancer hospital for the Karnatak. There is still much room for adding to their present number which is quite in-sufficient. I wish you all success and assure you of my ful-fledged sympathy and cooperation.

With best regards,

Yours sincerely,

Radha Raman

Mr. N.S. Hardikar,
The Karnatak Health Institute
Hospital and Sanatorium,
Ghatprabha (Belgaum)

રહેઠાણ :
'પ્રગતિ', મહારાષ્ટ્ર સોસાયટી
એલિસબ્રિજ, અમદાવાદ-૬
ફોન : ૭૨૪૬

અભ્યાસ

સંપાદક : પુરુષોત્તમ ગણેશ માવળંકર

કાર્યાલય :
માવળંકર હવેલી, ભદ્ર
અમદાવાદ-૧
ફોન : ૨૪૬૩૦

No. A/SND/6408 —/65-66. 13th May 1966.

My Dear Dr. Hardikar,

I am still hoping to receive your article on Dadasaheb for the ABHYAS Special Number now in press. Please send it immediately and oblige.

With affectionate regards,

Yours Sincerely,

P.G. Mavalankar

અભ્યાસ

વિચાર અને વિવેચનનું સામયિક

Dr. N.S. Hardika[r]

Ghatprabha

(Dist. Belgaum)

લવાજમ : વાર્ષિક રૂ. દસ · છ માસિક રૂ. છ

કાર્યાલય પર મની ઑર્ડરથી યા રૂબરૂ મોકલવું.

[કાર્યાલયનો સમય : સોમવાર સિવાય રોજ સાંજે ૪ થી ૭]

150

Grams : MYCONGRESS

Phone : 23952

CONGRESS SEVA DAL

(MYSORE PRADESH CONGRESS COMMITTEE)

CONGRESS HOUSE
RACE COURSE ROAD
BANGALORE-9

Date 15. 5. 66.

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] (1947 ನೇ ಇಸವಿ

[illegible]) [illegible] A [illegible]

[illegible]

[illegible] A 6 66 [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] 1947 [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

P. Bhoja Raja Hegde
[illegible] 15/5/66

P.T.O

अन्तर्देशी पत्र

INLAND LETTER

तीसरा मोड़ Third fold here

भेजने वाले का नाम और पता :— Sender's name and address :

इस पत्र के अन्दर कुछ न रखिये NO ENCLOSURES ALLOWED

ಪರಿಚಯ.

P. ಭೋಜರಾಜ ಹೆಗ್ಡೆ
ಕಾಂಗ್ರೆಸ್ ಸೇವಾದಲ
ಜಿಲ್ಲಾ ನಾಯಕ
ದ. ಕನ್ನಡ ಜಿಲ್ಲೆ
ಅವರು ಕಾರ್ಯದರ್ಶಿಯ
[illegible] ಕಾಂಗ್ರೆಸ್ ಸೇ
ವಾದಳ ಕಾರ್ಯಕರ್ತರ
[illegible] [illegible].

Address

P. Bhoja Raja Hegde
Congress Seva Dall
P.O = PADANGADY.
Belthangady (S.K)

162

Radha Raman,
Chairman, Board of Inspection for
Voluntary Medical Institutions,
11, Talkatora Road.

सत्यमेव जयते

MINISTRY OF HEALTH
INDIA
NEW DELHI.
स्वास्थ्य मंत्रालय
भारत
नई दिल्ली।

17th May, 196[illegible]

Dear Dr. Hardikar,

I thank you for your letter dated the 12th instant forwarding therewith a copy of the communication from the Cooperative Hospital Society, Hubli. In the last meeting of the Committee I was told that such grant which could not be drawn by the institution for shortage of time was being revalidated and would be released early. I was rather disappointed that the hospital people did not take good care to rush some one to Delhi and have the T.I. form counter signed so that the money could be withdrawn. There was no doubt a very short gap between the issue of the sanction and the withdrawal of the amount. Many other institutions had the same difficulty but they managed to withdraw the money by their quick action. In your case it was not done and I am disappointed. All the same now one has to put up with the situation. I am sure you will appreciate this.

With regards,

Yours sincerely,

Radha Raman

Dr. N.S. Hardikar,
The Karnatak Health Institute,
<u>Ghataprabha</u> (Mysore)

P.DHARMAGNANI, M.A., B.L.,
ASSTT.STATION DIRECTOR.

आकाशवाणी
हुलियाल रोड
धारवाड
तार· आकाशवाणी धारवाड

ALL INDIA RADIO,
Haliyal Road,
DHARWAR
Telegram : Akashvani
Dharwar

क्रमांक / No. DHA.15(4)66-PI

दिनांक / Date 19.5.1966.

My dear Sir,

Kindly refer to your acceptance to record a talk in Kannada for a duration of 5 minutes on "Late Shri Jawaharlal Nehru; Nehru Shanti Sadhaka". This is to be included in a symposium entitled "Moovaru Shanti Dootaru" scheduled for broadcast on 27th May, 1966 at 8.15 p.m.

I shall be grateful if you could kindly let me know when it would be convenient for you to come to our studios for the recording. We are anxious to complete the recording by the 23rd May,'66.

With kind regards,

Yours sincerely,

(P.DHARMAGNANI)

Dr. N.S.Hardikar,
"Arogyadham",
G H A T A P R A B H A.

GGK
19/7

P.Dharmagnani, M.A.B.L.,
Asstt.Station Director
आकाशवाणी
हलियाल रोड
धारवाड
तार· आकाशवाणी धारवाड

154

ALL INDIA RADIO,
Haliyal Road,
DHARWAR
Telegram : Akashvani
Dharwar

आकाशवाणी

क्रमांक / No. Dha-15(4-1)66-PI

दिनांक / Date May 19th, 1966

Dear Dr.Hardikarji,

I returned from Bangalore only yesterday, after a Programme Co-ordination Meeting and am hastening to acknowledge your wire as well as the letters.

I am extremely sorry to hear about your nephew's indisposition. I hope he is better now.

The talk on Motilal was cancelled, as I could not think of any other competent person to do the broadcast.

Wishing your nephew a speedy recovery and with kind regards,

Yours sincerely,

(P.Dharmagnani)

Dr.N.S.Hardikar,
Arogya Dhama,
GHATAPRABHA.

टेलीफोन : ४५८५१ (५ लाईन) तार : कांग्रेस

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी

७, जन्तर मन्तर रोड,
नई दिल्ली-१

SD/5822 30-५-६६

पू. डॉक्टर,

आपले ता. २५ चे मिळाले. माझे कार्ड मिळाले असेलच.

१) आपण लिहिल्या प्रमाणे A.I.C.C. चे रेकार्ड पहात आहे प्रमुख पत्र नाही. त्यांच्या पत्राची वाट पहात आहे. बाळासाहेब देसाईंना पाठविलेल्या पत्राची कॉपी मिळाली. त्यांचे काय उत्तर येते ते कळवावे. इथली पुढील व्यवस्था करता येईल. [illegible] करावा लागेल?

२) Women on the march व महिला प्रगतिचे पत्रक हे मासिक आपल्याकडे पाठविल्याचे महिला विभागाला सांगितले आहे.

३) आपण व पंडितजींच्या रिफरन्स यांचे संबंध गोमांतकाचे काही पाठविले आहे. [illegible] अवस्था - सुरवातीपासून अखेरपर्यंत [illegible] हाताळत होती. काही थोड्या स्वयंसेवकांना लागू होत नसेल तरी [illegible] त्यांच्यावर [illegible] येत आहे. हे खरे आहे की स्वयंसेवकांच्या मानाने मंत्रीमंडळ व इतर [illegible] व प्रत्येकाचा मोठा होता. [illegible] असेल.

४) आपण श्रीरंग नाईक (आठारे) यांचे कार्ड पाठवले आहे. त्यांचेकडे काही [illegible] आहे का? ते माझ्या मते [illegible] जास्त असेल. [illegible] यशवंतरावांना [illegible]

नंतर वरे. ठराव कसा होतो त्यांना त्याच्यावर देईन.

106

~~[illegible]~~ राजधानीतील

पुत्रांपैकी काही त्यांना [illegible] यांची कडक शंका

आहे. [illegible] परवा आधिवेशनाचे वेळी [illegible]

आहो काम दिले होते पण त्यांनी नाही करवले [illegible]

[illegible]. श्री. दिवाकर गांधीस्मारक निधीच्या

प्रदर्शनाचे काम घेतील तर ते करू शकतील. तेव्हा श्री.

दिवाकरांना ~~[illegible]~~ त्यांनी विचारी सांगण्यास हरकत नाही.

इकडे सर्व आनंदात आहेत.

आ.

परमश्री. भास्करराव तीर्थ [illegible]

[illegible] त्यांची प्रकृति कशी आहे?

[illegible]

१) मी 2 तारखेस हरद्वारला [illegible] करता [illegible]

[illegible] दिवशी परत येईन.

Sender's name and Address

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी

७, जन्तर मन्तर रोड,

नई दिल्ली-१

NEW DELHI ... 30 V 66 ... 321

Dr. H. S. Hardikar

[illegible]

Dist Belgaum

Mysore State

Second fold here

Telephones : 45851 (5 Lines) Telegrams : CONGRESS

ALL INDIA CONGRESS COMMITTEE

7, JANTAR MANTAR ROAD,
NEW DELHI-1

२.६.५६

पू. डॉ. कर[illegible]

मुंबई येथे झालेल्या चर्चेप्रमाणे जे बदल करावेसे वाटले ते करून दुसरा ड्राफ्ट सोबत पाठवत आहे. आपणास काही सुचवावयाचे असेल तर कळवावे.

येथे चर्चा करीत असताना [illegible] ड्राफ्टकरिता डॉ. करमरकर यांचे नाव सुचवले होते. [illegible] नाव पसंत पडले पण [illegible] [illegible] वरील व शेवटी आपण [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] आली.

आपण मंडळाच्या प्रश्नांचे Collection च्या बाबतीत एक statement तयार करीत आहे.

बाकी विशेष नाही.

आ.

स. का. पाटील

Changes made in the light of the talks in Bombay May 1966.

DR. HARDIKER TRUST-DEED OF TRUST.

Whereas I, Dr. N.S. Hardiker of Ghataprabha (Mysore State) am the Founder of this Trust. The voluntees and workers of Congress Seva Dal had collected a fund under the name of Dr. Hardiker Jubilee Collections for the purpose of starting a Central Seva Dal Academy. The amount thus collected Rs. [illegible]/- was presented to me on 13-[illegible]-1960 at Delhi, which was then deposited in the Punjab National Bank, Parliament Street, New Delhi, in the name of Dr. N.S. Hardiker and Shri S.V. Inamdar, the All India Organiser of the Congress Seva Dal, with understanding to keep the collections open for further additions.

Now this indenture witnesseth that it is hereby agreed and declared as follows:-

(1) The said trustees and survivors of the ________ and the executors or administrators of such survivors or other Trustees for the time being of these collections shall hold the sum of Rs. ________ standing in the Bank account upon Trust and subject to such powers and provisions hereinafter appearing:

(2) (a) The Trustees shall invest the said amount of Rs. ________ in the name of the Trust in any investments permitted by law for the investment of Trust Funds and may at any time and from time to time vary any such investments for others of a like nature;

(3) The Trustees shall collect further funds and utilize them and the investments from time to time representing the same upon Trust, to apply the income thereof in perpetuity, for the following purposes:

(a) for starting and conducting a Central Seva Dal Training Academy with a view to develop a cadre of workers for Youth activities in general and Seva Dal in particular;

(b) for developing camping and training grounds and centres for youths and Seva Dal units;

(c) for conducting experimental and research study-activities in connection with public voluntary service, training and organization of Seva Dal and National Youth Movement;

(d) for the development and welfare of workers of Seva Dal;

(e) For any other, akin to the above as well be

(4) The said Trust shall be called Dr. Hardiker Trust and is hereinafter referred to as the Turst and the amount as Trust Fund;

See Copy 12

(5) The following persons shall be the first Trustees under the Deed of Trust and shall hold office as such during their life time:

(i) ~~Smt. Indira Gandhi;~~

(ii) Dr. N.S. Bardikar; Founder Trustee

(iii)

(iv) ~~———— shall be the Managing Trustee.~~

(v) Shri S.V. Inamdar.

(vi)

(6) Any vacancy among the said Trustees by resignations or death of any other trustee shall be filled by the reamaining Trustees by appointment in that vacancy within three months from the date on which the vacancy occurs. In the event of there being no such appointment the provisions of the Indian Trust Act relating to the appointment of a new Trustee or Trustees shall apply to the Trust.

(7) The First Trustees shall have the power to coopt not ~~more~~ more than two others as ex-officio and two as patron trustees if found necessary in the interest of the Trust. The patron trustee will retire after three years.

(8) The Trustees shall have the right to receive cash donations which may be made to and in favour of the Trust and all such donations shall be added to the Trust Fund. The trustees shall have the power to invest the Trust Fund in any of the forms of investment allowed by law, and may from time vary such investments for others of a like nature so often as they shall deem expedient and in a manner most beneficial and advantageous to the objects of the Trust. The TRUSTEES shall have the power if it shall be advantageous to do so in the interest of the Trust Fund to sell such moveable and immoveable properties for the most advantageous price and to invest the proceeds of such sale in such manner as the Trustees shall deem expedient and shall also have the power to purchase any other moveable or immeable properties which the Trustees shall consider necessary for the promotion of the objects of the Trust and all such properties and realisations shall form part of the Trust Fund.

(9) The Trustees shall prepare a budget for the year and make provisions for the office expenses of the Trustees and for the objects of the Trust mentioned hereafter.

(10) The Trustees shall carry out the Trust in accordance with the *already under (3) of* ~~scheme and regulations appended to~~ this Deed of Trust. But the Trustees shall have the power to *frame* ~~vary~~ the ~~said~~ scheme and regulations from time to time as may be considered necessary ~~in the event of such variation being necessary~~ for the proper administration and furtherance of the objects of the Trust.

(11) In the event of the Trustees being satisfied at any time that for any reason whatsoever the objects of the Trust cannot be carried out or advanced by the Trust continuing to be a separate and independent Trust or that the objects of the Trust will be better served and promoted by an amalgamation or association of the Trust or institution founded for the promotion for development of disciplined character and organisational activity, the Trustees shall have the power, provided they pass a resolution unanimously to that effect to so amalgamate or make the Trust part of any other Trust or institution.

(12) The Trustees may ~~fxxm~~ form Committees of Trustees or others for the purpose of carrying out the objects of the Trust. *All decisions by the trustees will be by single majority of the existing trustees*

(~~S. V. Inamdar~~)

~~22-2-1966.~~
2. 6. 66

Kbn.

श्री १६ [illegible]
[illegible]

प्रिय [illegible]

आपले श्री. [illegible]

[illegible] पत्र मिळाले.

परंतु मी [illegible] गेलो होतो. तेथे

माझी [illegible] होती. [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

'ખરરકૂડમાં' ગુરુ આવ્યા અહીં [illegible]
નિષ્ણાતોની [illegible] વાટે કે જરૂર
લેવાના સાધનો હોઈએ. નહીંતર કુદરતી
મોઢું નવામાં કરતાં તો ગામ વિચાર કરવા
દેખાય મોઢું હોઈએ. મને આપવા [illegible].
[illegible] હવે ક્રમે. મારા વાલે વ્યવહાર
[illegible] [illegible] [illegible] કરવા બેઠું છે. [illegible] [illegible]
[illegible] લેવા નહીં. [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] આવી ક્રમે. [illegible] નો [illegible]
[illegible] [illegible] —

[illegible]

पोस्ट कार्ड
POST CARD
केवल पता
ADDRESS ONLY

INDIA
6 nP
भारत

Dr. N.S. Hardikar
'Ghataprabha'
Dist. Belgaum.

B. P. Shenoy,
Divisional Superintendent.

163

Southern Railway

No.H/T.5/Bl/7/66-67.

Divisional Office,
Hubli,
3rd June, 1966.

Dr.N.S.Hardikar,
Karnatak Health Institute Hospitals,
Ghatprabha.

Dear Sir,

Your DO letter dated 30/5/66.

The Doctors and Nurses deputed by you to render assistance at the accident spot between Khanapur and Desur on the morning of 26/5/66 have done an excellent job of work along with the Doctors and Nurses who had come from other places. On behalf of the Railway, I really thank all of them for the arduous work put in by them at the site of the accident. The Ambulance also came in very handy to remove the injured. As regards medical equipment, the Railway had sufficient equipment to cope with the situation.

Yours faithfully,

Divisional Superintendent.

164

Radha Raman,
Chairman, Board of Inspection for
Voluntary Medical Institutions,
11, Talkatora Road.

सत्यमेव जयते

MINISTRY OF HEALTH
INDIA
NEW DELHI.
स्वास्थ्य मंत्रालय
भारत
नई दिल्ली ।

10th June, 1966.

My dear Hardikarji,

During the past few days, I have received your two post-cards. Kindly accept my thanks for the same. Chandu is better. His face is normal. He attends office as usual. I understand he has also written separately to you. I showed him your post card. I had a very fruitful time at Bijapur. I visited nearly five institutions in my two days' stay. It is a nice and healthy town. There are many things to see there i.e. monumental, architectural and cultural. I, however, had very little time for sight seeing. This was left for my second visit. Ofcourse I met Dr. Balankhe at the Ayurvedic College. He was quite happy and he immediately recognised me, and mentioned you and your institution. I was disappointed in my visit to the Ayurvedic hospital and College because it did not have all that I expected from it. That is generally the fate of the indigeneous system of medicine in our country. I am quite healty and am carrying out my normal work. I did not meet Mr. Karmarkar after we exchanged greetings at the AICC. I would like to meet him soon again. I hope this finds you in the best of spirits and absorbed in the work of the institution and the many other allied activities. Kindly accept my regards and convey them to all those whom I know.

Yours sincerely,

Radharaman

Dr. N.S. Hardikar,
K.H.I. Institute,
Ghatprabha.

टेलीफोन [illegible] (२ लाईन)

तार : कांग्रेस

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी

७, जन्तर मन्तर रोड,
नई दिल्ली-१

श्री कल्याण बालमंदीर
पो० [illegible] ([illegible])
११-६-६६

परम पूज्य डॉ० साहेब
स. न.

आपले दि. ४-६-६६ चे लिहीलेले पत्र व पाठवलेले कार्ड मिळाले. पत्र वाचून आनंद झाला. पुढे कामाची फार घाई होती. कारण [illegible] सुट्या लवकर निघून गेल्या. स्वतः शिबिरे लावण्या नाही [illegible] महिने ताबडतोब चालावे लागले. म्हणून पुष्कळ [illegible] पत्र पाठवली नाही. [illegible] [illegible] [illegible] पुढे घर हैद्राबादला [illegible] ठरवले आहे. तेथे घर [illegible] घेतले आहे. [illegible] [illegible] आहे. [illegible] [illegible] [illegible] नौकरीवर Incharge Teacher आहे. [illegible] [illegible] [illegible] नौकरी [illegible] आहे. हैद्राबादला graduation करणार [illegible] [illegible] आहे. [illegible] पुढे [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] D. O. T. शिबिर चालवीत आहे. [illegible] शिबिरांना

[illegible] - गोवाहून एकूण २ ह [illegible] व [illegible] आहे [illegible]

उत्तर प्रदेश -	५	३	४	२	
म. प्र. -					कुलगुरु [illegible] श्री आनंदीलाल,
राजस्थान -	२	५			श्री हरदेव शर्मा, श्री नारायण -
गुजरात -	२	१	-	-	[illegible] राज. [illegible] श्री [illegible]
बिहार -	२	६	-	-	व श्री [illegible] [illegible]
महाराष्ट्र	२	१	-	-	आहेत.
पंजाब -	१	५	-	-	
प. बंगाल -	१	१	-	-	
केरळ	१	११	-	-	

[illegible] - [illegible] आहे. बाकी विशेष नाही. कळावे

[illegible]

First fold here

INLAND LETTER

NO ENCLOSURES ALLOWED

Sender's name and Address

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी

७, जन्तर मन्तर रोड,

नई दिल्ली

Dr. N. S. Hardikar

Hindustani Congress Seva Dal

(K. H.)

P.O. Ghataprabha

Dist. Belgaum (Mysore)

Second fold here

166

Telephones : 45851 (5 Lines)

Telegrams : CONGRESS

ALL INDIA CONGRESS COMMITTEE

7, JANTAR MANTAR ROAD,
NEW DELHI-1

ता ११-८-५६

पू. डॉक्टर,

सोबत श्री खुरसालेंची यांचे बाबतचा ऑर्डर टाईप करून पाठवली आहे. या संबंधी मी आपणास बोलणार होतोच.

श्री भवानी बाबूंनी पगाराने काम सुरू केले आहे. तीघेजण विनूच्या critically बघत आहेत. ~~रोज~~ रोज ऑफिसमध्ये सर्व मिळून ६ तास काम करत आहेत.

श्री भास्करराव यांची प्रकृती बरी आहे.

श्री कृष्णाजी प्रतापपंतांच्या योजना ~~माहित~~ माहित नव्हती. व यांचेवी तोंडचा कोही प्रयोजन नव्हते. मी त्याना या बद्दल लिहिले आहे.

इकडे सर्व आनंदात आहेत.

आ.

रं. का. ठाकार

12 · 6 · 66

187

Dear Kaka,

I received your letter the middle of May and I am just now answering it. Perhaps you are wondering "Will the Barbers ever settle in one place?" Three homes in three years! But we will be in this home for 4 years. We are now living in the province of Quebec (5 million people) It was here that the French settled in the early 1600's. Montreal, the capital city of Quebec and the largest in Canada was originally a North American Indian village of 'Hochelga' We are living in Pointe Claire - a suburb of Montreal. Quebec is where most of Canada's French-speaking people live. In the apartment below and the one beside us the families speak French. I try to speak French but my Canarese comes out instead. Do you know that Billy understands my Canarese? He talks right back too! Do you know that I remember nearly all my Canarese - but oh how I wish I had learned to write it!

We spent most of June with my parents and then went up to northern Ontario to Al's cottage and finally arrived back here in Pointe Claire last day of June. Billy likes his new home and is growing fast. He found his toes the other day and now he loves to bite them!

My Ga ati which sits on my dresser in the bedroom had his foot broken off - but I think I can fix it. The men who moved our belongings were careless with him. Kaka please tell me how he got his elephants head I don't remember who cut it off. Was it Shiva?

In two separate envelopes I have enclosed 5 pictures. Three copies of a picture of Aunti, Deshpande, Vimal, you and me. Please give Aunti and Deshpande each a copy and you and Vimal keep the third. And two more copies of your picture. Please give one of the copies to C.M.O. I mailed them separately in case one gets lost you should at least receive the other.

Now I will tell you why we moved to a new place. Al has decided to study four more years. He will specialize in anaesthesia. As you know he had always planned to go into general practise. But during this past year of internship

he realized that he lacked the physical strength for it and he also felt that he would need much more training before he felt capable to treat patients And so more studies

Kaka we all send our love to you (Billy too - I show him your picture!)

- I want to talk to Vimal now.

Dear Vimal - You'll never realize how much your letter sent to me after Billy was born, meant to me I was beginning to think that you would never write to me! So I was very happy to receive it!

I will send you samples of magazines that I think you might like. I have also written to my aunt and also to a teacher who tell me that our board of education sends magazines to teachers regarding teaching methods, problems, materials, etc. Anything that I think might interest you I'll send. In my next letter I'll tell you what I've sent & when so we can keep track of the magazines. After receiving them you can tell which ones you would like subscriptions of - whoops I'm out of space so I'll enclose a note in one of Kaka's photo envelopes

AIR MAIL

PAR AVION

CANADA 10¢

AEROGRAMME

Dr. N. S. Haroiker
Karnatak Health Institute
Ghataprabha, Dist. Belguam
Mysore
India

SECOND FOLD HERE — PLIER ENSUITE ICI

FIRST FOLD HERE — PLIER D'ABORD ICI

SENDER'S NAME AND ADDRESS — NOM ET ADRESSE DE L'ENVOYEUR

Mrs A.S. Barber
151 Eastview Ave,
Pointe Claire, Que.
Canada

NO ENCLOSURE PERMITTED — NE RIEN INSÉRER
POSTES CANADA POST

टेलीफोन ४५८५१ (५ लाइन)

तार : कांग्रेस

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी

७, जन्तर मन्तर रोड,
नई दिल्ली-१

१३. ६-६६

पू. डॉक्टर,

काल संवादक ग्रुपच्या Executive council ची सभा घेतली होती. डॉ. [illegible] कॉन्फरन्स [illegible] राहिल्याने त्यांना निमंत्रण केले होते. रघुनाथराव व [illegible] बोलावूनही येऊ शकले नाहीत. सध्या ग्रुपचे हिंदी नाव "संवादक [illegible]" असे नक्की करण्यात आले. कार्यक्रम विषयी पण चर्चा झाली.

श्री बाळासाहेब देसाई यांचे कडून काही उत्तर आले का? संवादकांतर्फे [illegible] व [illegible] A.I.C.C. कडे [illegible] करणार म्हणून श्री. [illegible] इंग्रजीमधून मागणी केली होती उत्तर आल्यावर कळवीन. तो "इलेक्शन झाल्यानंतर हे काम हातात घ्यावे." मी बाबाजी ~~[illegible]~~ श्री पटवर्धनांकडे केली होती व [illegible] विचारात हे उत्तर त्यांनी दिले. पण आपले काम चालूच राहील. विचारांचे स्पष्ट विचारात पाहिजे [illegible].

श्री भास्करराव यांना नमस्कार आहे.

[illegible]

[illegible signature]

269

PHONE: 23952

GRAMS: "MYCONGRESS"

CONGRESS SEVA DAL MYSORE PRADESH

RACE COURSE ROAD, POST BOX NO. 1932 BANGALORE-9

Ref. No. SD/461/66

Date 14-6-1966.

Respected Docterji,

Received your Card only yesterday. I Came to Bangalore on 12-6-66 Sorry for the delay..

The idea of having this function at Dharmasthala Came from old Workers at the Hulikatte meeting Their idea was to have a clear understanding with all old and new Workers for the betterment of the organisation Again keeping in mind of the Seva Dal "Brotherhood" also, so that a discuss of this may be made and start the Work of "Brotherhood" also By mere calling all elders will not be proper, So a certificate should be given them for their Services and take their blessings and guidence for building Seva Dal, hence this idea of the function Came to mind A committee of old Workers in the name of old Workers Sanman Samithi was made of which Sri V.V Wai is the chairman and Sri Boja Raj Hegde the Secretary They had requested me that we want to call all old Workers and have a close understanding Then as I was conducting a camp at Dharmasthala they selected that place being a holy & religious

place. We had already collected about 110 Workers who have worked with Seva Dal before and during 1947. A list of the same will be sent to you by separate post after two three days, because we have asked Sri Boja Ray Hegde to come to Bangalore and make a list of the old Workers and maintain a Register.

Again I wish to request that old Workers Committee to call a meeting of all old and new workers at a central place to have a better understanding with all. During the time of H P C C Seminar at Davangere I hope to meet some old workers and talk with them.

The function was well attended so Always came and presided Sri Shankar Alva, area M P was the chief guest Sri Subba Rao could not come as he was at Calcutta during that time. Sm Ratnavarma Heggde distributed the certificates only four old Workers came. Now we wish to see the balance of their respective districts by arranging a function with consultation of the D C C's. Sri Subba Rao is here, came in connection with a meeting of Gandhi centenary. I will tell him to see you as desired by you.

Yours sincerely
J. Hanuman

15 6 66 (70

My dear Dr

Now that I have finished the examination everything seems different. I feel much better & lot more relaxed. There is such a lot of work to be done but I am doing it very gradually. Immediately after the exam I sorted out the books and returned the ones that I had borrowed. My exam result is due very soon. It is supposed to be within 3-4 weeks after the exam..

I had to do 5 papers, plus viva. Three papers have gone of quite well. Other are reasonable I hope I get through.

Chi Narayan is quite well.

Ku. Sow. Kameshwari came in on last wednesday she is also well. They will be here for about a year.

What do you think would be the effect of devaluation of Indian Rupees?

What news with you? Please drop me a line.

More later

With Love

Devi

171

PHONE : 73111

CONGRESS SEVA DAL

~~ALL INDIA PUBLICITY COMMITTEE~~

CONGRESS HOUSE,
BOMBAY-4.

Date 16/5/66

Respected Dr. Saheb,

~~[illegible]~~

~~[illegible]~~ No news from your side.

I am sick with jaundice and resting at home. Now it is in the last face.

Hope you are keeping good health. I could not meet you during your departure from Bombay. I was suffering from internal heat

at the time of A.I.C.C. and after that was caught in jaundice.

One of the ~~post~~ pens you gave for repairing is still with me. Will send with somebody coming over there.

Yours truly
Bhaurao
Nayak

To
DR. N.S. Hardikar,
Karnatak Health
Institute,
GHATPRABHA
(Dist: Belgaum)
MYSORE STATE

BOMBAY-2
8 JUN 1960

172

– वन्दे मातरम् –

नागपूर जिल्हा काँग्रेस कमिटी

–– सेवादल विभाग ––

नागपूर जिल्हा काँग्रेस सेवादल

–: शिबीर :–

मोवाड (ता. काटोल)

तारीख १८, १९ व २० जून १९६६

स्थळ :– नगरपालिका विद्यालय, मोवाड.

175

ना. जि. कॉं. सेवादल कार्यकारिणी

१. श्री. वि. आ. टालाटुले – अधिनायक
बी. एस. सी.

२. श्री. या. कृ. भोयर – सह. अधिनायक
बी. ए.

३. श्री. डॉ. एम. टी. भुसारी – संघटक
डी. एम. पी. एम.बी. बी. एस. (फाय.)

४. श्री. पं. कठाळकर – सह. संघटक
बी. ए. बी. कॉम. बी. टी.

५. श्री. शेषराव भोयर – सह. सघटक

६. श्री. भय्याजी सगने – कार्यालय मंत्री

७. श्री. बाबु बेले – सहा. कार्यालय मंत्री

८. श्री. बलवंत कुमार थटेरे – शिक्षक
बी. ए.

९. श्री. मोतीराम साठोने – शिक्षक
बी. ए.

१०. श्री. अशोक बाबु आदई – प्रसिद्धी अधिकारी
सह. संपादक महाराष्ट्र दैनिक

११. श्री. नत्थुजी ले. बोकडे – सह. प्रसिद्धी अधिकारी.
बी. ए. बी. एड.

१२. श्री. अड. विजय कुमार ठाकरे – सूचना केंद्र अधिकारी
बी. एस, सी. एल. एल. बी.

नटराज प्रिंटर्स गावाले

दुपारी	२-३० वा.	**बौद्धिक**
		विषय-आर्थिक स्थिति आणि नव्या पिढीचे कर्तव्य
		व्याख्याते-श्री. मधुसूदन डांगरे एम. ए.
		सहसंपादक 'महाराष्ट्र दैनिक'
		अध्यक्ष-अॅड. एकनाथ साळवे अधिनायक
		कांग्रेस सेवादल बांदा.
,,	५-०० वा.	**चर्चा**
		अध्यक्ष-मा. हरीचंद्रजी जैन सेक्रेटरी
		स्टु. मु. कमेटी, नागपूर.
		व्याख्याते-मा. वामनराव गावंडे डी. एच. पी. ओ.
		विदर्भ रिजन
		"विषय-सेवा दलाशी हितगुज"
रात्रौ		चित्रपट दारूबंदी विभागा तर्फे

सोमवार ता. २०-६-६६

सकाळी	७-०० वा.	**ध्वजवंदन**
		हस्ते-सौ. मधुमालती कुळकर्णी सहसंयोजीका
		महिला विभाग म. कां. कमेटी
,,	९-०० वा.	**बौद्धिक**
		व्याख्याते-श्री. भाऊ साहेब पंडित
		संपादक-"महाराष्ट्र दैनिक"
		अध्यक्ष-मा. शंकरराव गेडाम
		विषय-कांग्रेस व इतर भारतीय पक्ष
,,	१०-३० वा.	**समारोप**
		हस्ते-श्री. जी. डी. पाटील
		उपमंत्री, उद्योग, वीज नियोजन
		अध्यक्ष-आमदार पंडितराव मोरे
		अध्यक्ष जि. कां. कमेटी. नागपूर.
दुपारी	१-०० .	**निरोप**

- जय किसान -

शनिवार ता. १८-६-६६

सकाळी १०-०० वा.	ध्वजवंदन
	हस्ते-श्री. अरविन्द बाबू देशमुख
सकाळी १०-०० वा.	उद्घाटन
	अध्यक्ष ना. नरेन्द्र तिडके श्रममंत्री महाराष्ट्र राज्य
	उद्घाटक ना. बं. शे. कृ. वानखेडे अर्थमंत्री म. राज्य
दुपारी २-३० वा.	बौद्धिक
	विषय-शेती आणि सहकार
	व्याख्याते - डॉ. मुन्शी प्राचार्य नबीरा महाविद्यालय काटोल.
	अध्यक्ष-श्री. आनंदराव धरत माजी अध्यक्ष नगरपालिका मोवाड.
दुपारी ४-३० वा.	चर्चा-अन्न धान्य मोहिम
रात्री ८-०० वा.	सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रमुख निवेदक डॉ. जाधव
	कुटुंब कल्याण विभागातर्फे चित्रपट आणि
	नकलाचार्य-नानारेटर यांच्या नकला

रविवार ता. १९-६-६६

सकाळी ७-०० वा.	ध्वजवंदन
	हस्ते-अॅड. दयानंद पोतदार अध्यक्ष नगरपालिका नरखेड.
८-३० वा.	बौद्धिक
	विषय-कॉंग्रेस आणि सेवादल
	व्याख्याते-आमदार शंकरराव गेडाम सरचिटणीस म. कॉं. कमेटी
	अध्यक्ष—
	अध्यक्ष नगरपालिका मोवाड.

173

– जय जवान –

श्री. पू. डॉ. ना. सु. हर्डीकरजी संचालक ~~संपादक~~

स. वन्दे !

नागपूर जिल्हा कॉंग्रेस सेवादल द्वारा संचालित जिल्हास्तरावरील मंडळ व इतर सेवादल कार्यकर्त्यांचे तीन दिवसांचे प्रशिक्षण शिबीर ता. १८, १९ व २० जूनला मोवाड (ता. काटोल) येथे नगरपालिका विद्यालयात आयोजित केले आहे.

या शिबिरात नामवंत कॉंग्रेस पुढाऱ्यांच्या मार्गदर्शनाचा लाभ होणार आहे. याच वेळी "नेहरू आणि शास्त्री" स्मृती चित्र प्रदर्शनी आयोजित केलेली आहे.

आपली उपस्थिती प्रार्थनीय आहे.

विनित,

विठ्ठलराव टालाटुले
अधिनायक
जि. कां. से. नागपूर

पंडितराव मोरे
अध्यक्ष
जि. कां. कमेटी, नागपूर

यादवराव भोयर
स. अधिनायक
जि. कां. से. नागपूर.

मोतीराम साठोने
कार्य प्रमुख

176

19.6.66
10 Akbar Rd

My dear Doctor,

I returned from Calcutta morning and again leaving for Bangalore tomorrow morning with Shanta who arrived here early morning from London. She will go to Mysore to her father-in-law.

In Calcutta I have asked Tata Fison Pharmaceutical Industries to send you some medicines, injections and Tablets. It will come by Rg. Parcel. It is a free gift to the K.H.I. Please make the best use of it. Even during this tour, I am sorry I can not come to K.H.I. I rang you up in Bombay but I could not get you. I had to leave Bombay on the 21st itself as next day I had to fly to Calcutta to go to NEFA. I am very anxious to see you. Between 17th July and 22nd July I have a few days free. I may try to drop in at Dharwar and

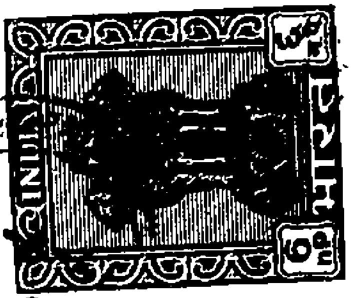

पोस्ट कार्ड
POST CARD

केवल पता
ADDRESS ONLY

KARNATAK HEALTH INSTITUTE CHIKODI
22
05 HRS

N. S. Hardikar.
Karnatak Health Institute
Ghataprabha
Belgaum Dt.
(via Bombay)

Ghataprabha for a day. How is your health? I am quite okay. I trust this finds you in the best of health. My regards to Dr. & Mrs. Vaidya and all K.H.I. friends.

Yours affly
Anna

टेलीफोन ४५८५१ (५ लाईन)

तार : कांग्रेस

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी

७, जन्तर मन्तर रोड,
नई दिल्ली-१

२०.६.५६

पू. डॉक्टर,

आपले ता. १८ चे कार्ड व श्री रघुरमाळा यांच्या नेमणुकीचे पत्र मिळाले.

मी नागपूर येथे चाललेल्या अ.भा. सेवादल शिबिर पहाण्यास गेलो होतो. शिबिरात ५१ लोक आहेत. श्री उमा-प्रसाद ते चालवत आहेत. शिबिर बरे चालले आहे. तेथून पचमढी येथे गेलो होतो. अकादमी करता जागा पहाण्या करता तेथे गेलो होतो. २-३ जागा पाहिल्या. मध्य प्रदेश सरकार कडून त्या फुकट अगर नाममात्र किंमतीत त्या मिळतील का याचा तपास चालू आहे. अकादमी करता पचमढी फार बरे आहे. पण Hill station आहे आणि देशाच्या मध्य भागी आहे. आपणाला काय वाटते?

सेवादल कदर हडसची मूळ कल्पना काँग्रेस सेवा दलातर्फे जुन्या कार्यकर्त्यांची त्यांच्या स्वतःप्रमाणे मदत मिळावी व ते वाढावे ही आहे. ही मदत मनुष्यशक्ती व पैशाच्या बाबत या दोन्ही दृष्टीने व्हावी. मुख्य आज यादीत जोडी जुने सेवादलाचे काम जुन्या ठिकाणी असल्या स्मरण झाले आहे ते मात्र मान होईल. सेवादलाच्या चालू व जुन्या कार्यकर्त्यात बंधुभाव उत्पन्न करणे हे काम लौकर साधेल. तोपर्यंत आज परत करता काँग्रेस कमेटी व वर व त्यांच्या लोकांवर जो अंकुश राहावे लागेल आणि त्या जुने कार्यकर्त्यांचा मान व किंमत राहणार नाही या गोष्टीस पण या कदर हडस द्वारा आळा बसावा अशी इच्छा आहे

सवता सुभा व भांडण सावल्या करता Brotherhood चीर.प
178
All India चं रवत आहे. त्याच्या शाखा प्रांतात आगर जिल्ह्या
त असणार नाहीत. सेवादला सारखी संस्था समांतर चालू नये
व जुने नवे हा भेद राहू नये असा नियम व धारणा बनवली आहे.
कारण जनरल बॉडीत नवे जुने व राष्ट्रवादी यांचे आयोजन अजून
आहेत. Executive च्या वतीने आमरकर की नवीन अजून
विचार विनिमया करता अंक संकलन ध्यावे. त्याप्रमाणे
सेवादलाच्या एकात्मता सहीतेच्या प्रचाराकरता साहित्य,
सेमिनार करावेत. (लोकमत तयार करण्याकरिता)

आपण R.S.S च्या activity वाढत चाललेल्या होतात. मला
असे वाटते की श्री डी. पी. मिश्रा मिनिस्टर म. प्रदेश
आपल्या या बाबतीत seriously विचार करत आहेत. तरी
आपण या संबंधी त्यांच्या बरोबर पत्र व्यवहार केल्यास व
होईल.

मला नीबाजूला आपले पत्र मिळाले होते. ते नेहमीच गावोगावी आहे
ह्या ठिकाणी ते तसे करतील. या बाबतीत आपा करता तयार ... खर्च आहे
सर्व आपण कळवले आहे ... रा. गो. डांगरकर

Sender's name & address

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी
७, जन्तर मन्तर रोड,
नई दिल्ली-१

Dr. N. S. Hardikar
K... 1
Ghataprabha
Dist Belgaum
(Mysore state)

179

Radha Raman,
Chairman, Board of Inspection for
Voluntary Medical Institutions,
11, Talkatora Road.

सत्यमेव जयते

MINISTRY OF HEALTH
INDIA
NEW DELHI
स्वास्थ्य मंत्रालय
भारत
नई दिल्ली ।

20th June, 1966.

My dear Hardikerji,

Many thanks for your letter dated the 15th instant. The devaluation of rupee has created many complicated problems. Although it is done in national interests, yet it could not check rise in price even of commodities manufactured in India without foreign exchange material. All efforts are being made by our leaders to check its prices, but I apprehend they will not go down, or stabilize at a margin which is commensurate with citizens' interest. I see your point in bringing devaluation in your letter. I have, however, not been able to say what the Government will do in regard to sanctioned grants for equipment when its price will have gone up by 25% to 50%. This matter can certainly be referred to the Ministry and I shall see what is their reaction to it.

I must once again express full satisfaction over my visit to Bijapur and voluntary medical institutions existing there. I will, however like to go there for a longer period, because there is so much to study and see around Bijapur.

I am glad your advice to Chandu is just of a father. I am sure he will take it to heart. I am showing your card to him with promising results. There is nothing fresh to write. Delhi will soon have a Metropolitan Council with four Executive Councilors, heading it. One does not know what might happen. It is often the case in politics that right type of man are not selected with disappointing results and to find new solution.

With best regards,

Yours sincerely,

Radha Raman

Dr. N.S. Hardiker,
K.H.I. Institute,
Ghatprabha.

180

S. V. KRISHNAMOORTHY RAO,
DEPUTY SPEAKER, LOK SABHA

TELEPHONES :
RESIDENCE 33515
OFFICE 31455

10, AKBAR ROAD,
NEW DELHI Jan. 21, 1966

My dear Doctor,

I am in receipt of your letter dated 18.1.66.

I heard the news of Shastriji's death at Hyderabad on the 11th morning. The same evening I rushed back to Delhi. Death has snatched him away at the height of his glory. He should have lived at least a few ~~years~~ more years to guide the nation. We have lost in him a man of peace, a man of sterling virtues. Country will remember him for a long time to come.

Yes, Indiraji has been elected as Leader of the Congress Party by an overwhelming majority. Morarjibhai got 169 votes. I am sure Indiraji will rise to the occasion and follow the path laid down by her father and Shastriji. It is a difficult task she has undertaken. The country is in the grips of famine. Foreign exchange is difficult. We have to implement the Tashkent Agreement and the elections are comig during the next few months. All these require a stamina unsurpassed to bring to bear a heeling touch. I hope she will rise to the occasion with the co-operation of all. Unpredictable are the ways of destiny. No one expected Shastriji would leave us so soon. Death has snatched him away from us at the height of his glory. He was glorious, both in war and in peace.

Mother is all right. Sundru and her children are here I am also feeling good health. I went to Shimoga just for one week and returned on the 11th. I do not know if I will be able to make another trip to the South. I shall try and let you know. Trust you are keeping good health.

With kind regards to you and the fraternity at K.H.I. Convey my regards to Shri Shankar Rao.

Yours sincerely,
S.V. Krishnamoorthy

Dr. N.S. Hardikar,
K.H.I. Ghataprabha.

फोन : २३८८ : ३८२५ : ४७२३ तार : "कांग्रेस"

VOTE CONGRESS

कांग्रेस को वोट दो

राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी

(कांग्रेस सेवा दल)

स्टेशन रोड,
जयपुर १९६

सं.द १८८६/६६ १४-९-

आदरणीय डॉक्टर साहब,

जयहिन्द । कांग्रेस सेवादल राजस्थान एक सांस्कृतिक कार्यक्रम रविन्द मंच जयपुर में दिनांक २७ सितम्बर को करने जा रहा है। इस अवसर पर एक स्मारिका भी प्रकाशित की जायगी।

उक्त दोनों कार्यक्रमों के लिए आपकी उपस्थिति व मार्ग दर्शन अनिवार्य है। हम चाहते हैं कि आप उक्त कार्यक्रम में पधार कर कृतार्थ करें। यदि आपके पधारने में किसी प्रकार की असमर्थता हो तो हमें आपका शुभ सन्देश जरूर भेजने का कष्ट करें।

ऐसी आशा ही नहीं, पूर्ण विश्वास है कि आप अवश्य पधारने का कष्ट करेंगे ।

आपका,

जवाहरलाल

(जवाहरलाल जैन)
प्रदेशीय संगठक

आदरणीय श्री डाक्टर साहब,
संचालक, कांग्रेस सेवादल घटप्रभा (महाराष्ट्र)

182

R. Vasudeva Pai, B.Sc.,(Engg.), B.L.,
Joint Controller of Patents & Designs.

Telephone 44 4401.
Telegrams "PATENTS"
GOVERNMENT OF INDIA
THE PATENT OFFICE
214, LOWER CIRCULAR ROAD
CALCUTTA-17

D.O. No. 89/2/66-Admn.

June 25, 1966.

My dear Dr. Hardikar,

I have forwarded today by Passenger Train two parcels containing 25 packets of medicines to your address as directed by Hon'ble Shri S.V. Krishnamurthy Rao, Deputy Speaker, Lok Sabha and Chairman of the Joint Committee of Parliament on Patents Bill, 1965. I understand that each of the packets donated by M/S Tata Fison Industries Ltd., Pharmaceutical Division, contains the following :-

1. 10 Amp. (2 ml.) Imferon
2. 2 X 5.40 Dextraven
3. 5 X 1.5 ml. Hyalase

I am enclosing herewith Parcel Way-Bill P.No.384012 dated the 25th June, 1966 issued by Park Street Booking Office of South Eastern Railway, Calcutta.

I shall be grateful if you can drop a line to me on receipt of the two parcels and acknowledge the receipt directly to Hon'ble Shri S.V. Krishnamurthy Rao.

Yours sincerely,

R. Vasudeva Pai

(R. VASUDEVA PAI)

Dr. N.S. Hardikar,
Karnatak Health Institute,
Ghataprabha Ry. Stn.,
Southern Railway,
Via - BOMBAY.

AIDE-DE-CAMP TO THE GOVERNOR · ANDHRA PRADESH

Capt H.F. FERNANDES
ADC to Governor

RAJ BHAVAN,
HYDERABAD.

14 Jan 66

My dear Uncle,

I have already sent you our new year greetings, however I would like to wish you ~~this~~ once again a very happy and a prosperous new year

How are you Uncle? I hope you are keeping good health. I wonder if you have met my father of late. My sister has returned from Africa. She is in ~~Afo~~ Goa at the moment but she should be coming to Belgaum shortly.

The Tragic news

of our Prime minister came as a blow to all of us. Recently I had the opportunity of meeting the daughter-in-law of ~~the~~ Mr. R.R. Diwakar your friend from Dharwar. She had asked me for an interview with the Governor.

How is Doctor Vaidya and Vimla Bhai, it is a long time that I met them now.

Please write sometimes and I shall only be happy to hear from you again.

With love to you

Dr Vaidya & Vimla Bhai

Yours affectionately
Anthony

SUBJECT TO SHOLAPUR JURISDICTION ONLY. 184.

Telegrams:— "Phone 169 Sholapur". Phone : 169

Tikekar Textiles Workers' Co-operative Weaving Mills Ltd.

Regd. No. SUR/PRD/I/154
dt/ 11-3-1965

TIKEKARWADI, (Sholapur)
(Maharashtra State)

Ref No. 1318/66

Date 25th June 1966

Dr.M.K.Vaidya,
Or
Dr.N.S.Hardikar.
Karnatak Health Institute,
GHATPRABHA.(Dist-Belgaum)

Dear sir,

At the request of Dr.Arvind G.Sardesai, Opthalimic Surgeon of Bombay, we are approaching you with a request to give your favourable consideration.

We are manufacturers of grey Bed Sheets, Towels and Do suti cloth, which would be useful for your Hospital. The price list and particulers are enclosed herewith.

We shall thank you to receive your valued order.

Please acknowledge receipt.

Yours faithfully.

MANAGER.

Encl:-Price list.

185

Telephones : 45851 (5 Lines) Telegrams : CONGRESS

ALL INDIA CONGRESS COMMITTEE

7, JANTAR MANTAR ROAD,
NEW DELHI

२७-९-६९

पू. डॉक्टर

Seva Dal Brotherhood संबंधीचे पत्र मिळाले आहे. गेल्या सभेत Brotherhood चे नाव हिंदीत "सेवादल बिरादरी" असे ठेवण्यात ठरले व ही संस्था रजिस्टर करण्याचे ठरले. त्याप्रमाणे नियम वगैरे रजिस्टर करण्यासाठीच्या फॉर्म मध्ये त्यांच्या नियमा प्रमाणे पुन्हा लिहून काढले. ते आता रजिस्टर करून पाठवावयाचे आहे.

त्याच प्रमाणे सेवादल बिरादरीचा अकाउंट बँकेत उघडावयाचा आहे.

आपल्या सह्या करता यावीत म्हणून फॉर्म पाठविले आहेत. तरी सह्या करून शक्य तितक्या लौकर परत पाठवावेत.

1) Memorandum of Association – 2 Copies दोन्ही प्रतीवर टाइप नावाखाली आपली सही करावी.

186

2) Rules & Regulations १ कॉपी पानावर माहितीमध्ये सही केली तरी चालेल. येथे बॅ. डायरेक्टरपैकी U.N. Shah यांच्या ऐवजी विश्वनाथ शाह हे आहेत.

3) Bank Card - Specimen signature साठी.

4) Specimen signature slip चार ठिकाणी सही.

5) ~~Ac~~ Account opening form.

Shri नाव ______ will sign as ______ × सही

× येथे सही करावी - पहिल्या रकान्यात प्रमुख शेवटी Chairman च्या नावावर.

पंजाब नॅशनल बँकची आणखी एक slip पाठवली आहे. त्यावर चार सह्या पाहिजेत. अकाउंटच्या अकाउंट करता ऑपरेट करण्याकरिता ज्यांचा अधिकार असतो त्यांनी सांगितले की S.T. इंडिकर यांच्या सह्या Specimen signature ची slip मिळत नाही. तो कृपाकरून पुन्हा भरून द्यावी. यापूर्वी पाठविलेला पाठवत आहे. ती सही करून पाठवावी

187

Telephones : 45851 (5 Lines) Telegrams : CONGRESS

ALL INDIA CONGRESS COMMITTEE

7, JANTAR MANTAR ROAD,
NEW DELHI-I

2

~~[illegible]~~ पंजाब व केरळच्या ~~[illegible]~~मेनन बरोबर बोललो. त्यांनी सांगितले. जर पैसे ठरवल्या मुदतीत परत आले तर I.P.C. खाली ~~[illegible]~~ काढले जाते. तरीपण आपल्याही सवलतीत आणण्यासाठी निर्णय. तरी काय करावे ते कळवावे. त्यांनी अर्ध रुपयाचे जी निरनिराळी रक्कम निराळ्या मुदतीवर ठेवावी. बाकी विशेष नाही.

आ.

[illegible signature]

188

Grams : CONGRESS Phone 45851 (five lines)

ALL INDIA CONGRESS COMMITTEE

7, Jantar Mantar Road, New Delhi-1.

30.6.66

Respected Doctor

I have your p.c. 28th

I came to know from your letter that Sh. Annasaheb met you at Ghataprabha but it seems nothing concrete has come out. I had a casual talk with Sh. Harinbhau & Khurasale who were here till yesterday. I think the only thing

left, is to allow the
events to take its natural
course. So far your
intentions & feelings are
concerned, personally I
will always try to follow
them to the best in the circ-
umstances.

Yours
S. G. Kandan(?)

DELHI
CHIKODI

Dr. N. S. Hardiker
A/1. Ghataprabha
Dist Belgaum
(Mysore State)

MYSORE PRADESH CONGRESS COMMITTEE

Congress House
Bangalore-9
June 27, 1966

No.GL/1112/66.

[redacted]

Dear Friend,

The situation in Mysore State arising out of the decision of the Congress Working Committee recommendation to the Government of India to appoint a one-man Commission to consider the border dispute between Mysore and Maharashtra and between Mysore and Kerala came up for consideration by an emergent meeting of the M.P.C.C Executive Committee held on Wednesday the 15th instant and by an emergent meeting of the General Body of the Mysore Pradesh Congress Committee held on Saturday the 25th instant. I am herein enclosing copies of the resolutions passed by the Executive Committee and the M.P.C.C. respectively for your information and guidance.

The receipt of this may please be acknowledged immediately.

Thanking you,

Yours sincerely,

(D.M. Siddiah)
General Secretary

THE PRESIDENTS OF DCCS,
MPCC MEMBERS, CONGRESS
MLAS, MLCS AND MPS.

/tsc/

Resolution passed at the Emergent meeting of the Executive Committee of the Mysore Pradesh Congress held on 15-6-1966, at the Congress House, Bangalore-9.

The Executive Committee of the Mysore Pradesh Congress Committee takes note of the disciplined and non-violent manner in which the people of Mysore State in general and more especially those in Belgaum, Dharwar and other districts have registered their strong protest against the proposal now before the Government of India for appointing a one-man Commission to deal with the issues relating to the inter-State boundaries between Mysore, Maharashtra and Kerala.

The re-opening of settled issues instead of examining minor adjustments which could be mutually beneficial is bound to arouse passions and release forces which will have to be reckoned with in the context of the General Elections due to be held in February, 1967 as could be seen from the strong reactions in all parts of the State against the proposal.

While disapproving of the tactics employed by the Maharashtra State to bring pressure to bear upon the Government of India to appoint this Commission, this Committee desires to make it clear beyond all doubt that the people of this State do not agree to the re-opening of these issues in the present context and will resolutely oppose all claims by whomsoever made upon the territories which rightly belong to Karnataka.

This Committee would request the Government of India in all seriousness to desist from taking any hasty step in the matter of setting up the one-man Commission without first settling the terms of reference to be agreed to by the States concerned and to postpone consideration of such controversial issues until after the General Elections are over.

A delegation of the Mysore Pradesh Congress Committee Executive composed of Shri Mohamed Ali, President, M.P.C.C., Shri G.V.Hallikeri, M.L.C., Shri Kolur Mallappa, Vice-President, M.P.C.C., Shri T.K.Veeranna Gowdh, M.P., Shri Ramakrishna Hegde, Minister for Finance and Smt.Yashodhara Dasappa, M.L.A. will meet the Congress President, members of the High Command, the Prime Minister and the Ministers of the Union Government to convey to them the feelings of the people of the State over this question.

Resolution passed at the Emergent Meeting of the General Body of the Mysore Pradesh Congress Committee held at the Congress House, Bangalore-9 on Saturday the 25th of June, 1966.

This meeting of the Mysore Pradesh Congress Committee fully endorses the view expressed in the resolution adopted by the Executive Committee of the M.P.C.C. on 15-6-1966 in regard to the proposal for appointing a Commission to deal with the issues relating to the inter-State boundaries between Mysore and the neighbouring States and appreciates and supports the non-violent and peaceful expression of popular sentiment against the proposal. The M.P.C.C. has given anxious thought to the situation prevailing in the country and is emphatically of opinion that it would be best to postpone consideration of the controversial questions such as inter-State Boundary Disputes at this crucial juncture. The re-opening of settled issues is bound to rouse passions and release forces which will definitely weaken the Congress organisation and injure the interests of the nation. The M.P.C.C. would welcome minor adjustments of the inter-State boundaries between Mysore and the neighbouring States of Andhra, Madras, Kerala and Maharashtra which may be mutually beneficial to all concerned; but all such adjustments should be taken up simultaneously for examination only after the General Elections and after the terms of reference for the proposed Commission have been settled with the concurrence of the States concerned. The M.P.C.C. would invite the attention of the Congress Working Committee scheduled to meet on 5th of July, 1966 to the strong protest unmistakably expressed by the people of Karnataka throughout the State consequent upon the announcement of the recommendation to the Government of India for setting up a one-man Commission. It would be an act of wisdom and statesmanship on the part of the Congress Working Committee to give due consideration to the intensity of popular feeling in Karnataka in this matter and to review the entire question in its proper perspective in the best interests of the nation which is now passing through a crisis.

तार : कांग्रेस

टेलीफोन ४५८५१ (५ लाईन)

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी

७, जन्तर मन्तर रोड,
नई दिल्ली-१

२-७-६८

पू. [illegible],

आपण सही करून पाठवलेले (रजिस्टर) कागद मिळाले. सही करता दुरुस्तीसह तीन पानांवर नवीन टाईप करून सही करता पाठवून देईन. अकाउंटवर बँक करता सहीची उतारी अेक slip पाठवली होती ती मिळाली का? तीही सही करून पाठवावी.

आपल्या ता. २८ च्या कार्डाचे त्याचप्रमाणे तारेचे उत्तर पाठवले. त्याबाबतीत काय करावे, काय धोरण ठेवावे हे समजत नाही. श्री नवीनभाई व सुब्रावराव यांचे पुढे पण मी हा प्रश्न ठेवला. त्यांनीही काही मार्ग सुचवला नाही. तेव्हा आपणास मी लिहिले की let the events take their own course. आज खरे म्हणजे प्रत्येक ठिकाणची व संस्थांची स्थिती पाहून असे वाटते की अेक National Solidarity शोधून काढावी लागेल अगर त्यांनी काही मार्ग प्रकार आखावी बदलावी लागेल. निदान संवादकांत तरी या गोष्टी विचारसरणीच्या नको होत्या. मला वाटते व आपणही आता पर्यंत तीच प्रवृत्ती केलीत की अेकाच विश्वासाची व विचाराची माणसे अेकत्र असल्याशिवाय त्यांच्यात team work व solidarity राहणे कठीण आहे. नुकतेच मला कळले की श्री सुब्रावराव हे संवादकांच्या प्रदेश प्रमुख अधिकाऱ्यांकडे पत्र पाठवताना त्यात माझ्या बद्दल प्रचार करत असतात. हे कितीसे खरे हा प्रश्न असले, पण यात काय करायचे मला काही नाही. तरी संशयाचे व अनादराचे वातावरण उत्पन्न होणे संभव आहे. त्याच बरोबर मला हेही कळले की त्यांच्या [illegible] प्रांतांचे प्रमुख अधिकारी उत्तर पाठवत नाहीत.

* मला भेटाव [illegible] आलेल्या प्रत्येक मधुच्याने [illegible] गावकऱ्यांना पाठवाव. व सुब्रावराव पत्र पाठवताना

देवजी त्यांना प्रोत्साहन देत नाहीत 194[?] कुर्वे ते त्यांना पण
नाराज आहेत। पण या बाबतीत आपल्या डोक्याला
आपल्याला त्रास देणे मला योग्य वाटत नाही. माझ्या [illegible]
कार्याला तो फार [illegible] आहेत. [illegible] मी त्याला [illegible]
काही फार चांगली [illegible] वाटते [illegible]
बाकी विशेष नाही. पण आपणास काही कळवावे वाटल्यास [illegible]
आपली प्रकृती कशी आहे? मा.
केव्हाही आपले काम करत आहेत. द. बा. ठाणेदार
लोकांशी त्यांच्या पत्र व्यवहाराबाबत अद्याप प्रगती झालेली
दिसत नाही.

First fold here

INLAND LETTER
अन्तर्देशीय पत्र
NO ENCLOSURES ALLOWED

Dr. N. S. Hardikar
P.O. Ghataprabha
Dist. Belgaum
(Mysore State)

Third fold here

Sender's name and Address
अखिल भारतीय काँग्रेस कमेटी
७, जंतर मंतर रोड,
नई दिल्ली-१

DELY 5-7-66

← Second fold here →

क्रं. 196 दि/2-7-66

प्रि. स्वा. ना. वि. के.

आपले ता. २८-६ चे कार्ड
मिळाले. श्री. भास्करराव यांचे बद्दल
वाचून आपल्या सूचनेप्रमाणे त्यांच्या
प्रकृतीला आराम पडावा म्हणून मी माझे
उपासनेत प्रार्थना जरूर करीन.
त्याचप्रमाणे यांच्या सेवा बाबत
त्यांना ही आपण दिवस तेथे
आरोग्य भवनात आठ दहा दिवस तेथे
मेडिकल होस्टेल ची सेवा
करीन

मी आपणास रो. ४४२६

आपण लिहिले होते त्याबद्दल आपण
आम्ही लिहिले नाही. तरी आपण
सवडीने लिहावे. जो मजकूर
आपल्या मताप्रमाणे आहे तो
बाबत आपली काही विचार
सर्वांचे सेवा
इच्छित व सेवा
संस्था व

[illegible]

पोस्ट कार्ड
POST CARD

केवल पता
ADDRESS ONLY

INDIA
6 nP
भारत

Dr. N. S. Hardikar
"Ghataprabha"

Dist. Belgaum.

198

J. Siddiah,
Divisional Commercial Supdt.,
Hubli.

No. H\T\14\R

Hubli,
4th July 1966.

Dear Dr. Hardikar,

I received your letter dated 30-6-66 today through the representative of the M.S.R.T.C., Hubli, in regard to supply of wagons for firewood at Londa and Tinaighat. Though I am not directly dealing with the supply of wagons, I have contacted the concerned Officer and he has assured me that the wagons would be supplied for the items mentioned in your letter within the next 2 or 3 days. Hope you will receive them within the next 3 or 4 days.

With respects

Yours sincerely,

[signature]

Dr. N. S. Hardikar,
Karnatak Health Institute,
Ghatprabha.

109

तार "कांग्रेस"

टेलीफोन २३७१६ / २३९३४

उत्तर प्रदेशीय कांग्रेस कमेटी

१९ कैसरबाग, लखनऊ ।

(का०सेवादल)

पत्र संख्या ..../१९८०३

दिनांक ४ जुलाई १९६६

श्रद्धेय डाक्ट र साहब,

पूर्ण विश्वास है कि आपका स्वास्थ ठीक होगा ।

एक अ०भा०महिला प्रशिक्षण शिविर हरिद्वार में और एक अ०भा०जिला अधिकारी प्रशिक्षण शिवि र झांसी में चलवा चुका हूं जिनमें क्रमशः ६६महिला और ५१ पुरुषों ने संगठन का प्रशिक्षण प्राप्त कर लिया है ।

उत्तर प्रदेश के ५२ जिलों।शहरों में अबतक अधिकारियों को नियुक्तियां कर चुका हूं , काम भी चल रहा है । ५२ में से २४ जिला।शहर में अधिनायक पदों पर अधिकारी कार्य कर रहे हैं ।

विश्वास है कि आपका अटूट स्नेह व आशीर्वाद सदैव ही प्राप्त होता रहेगा ।

आपकी कुशलता की प्रतीक्षा ।

आपका विश्वासपात्र,

[signature]

(उमाप्रसाद तिवारी
जी०ओ०सी०

माननीय डा० एन०एस०
हर्डीकर साहब,
संचालक,
कांग्रेस सेवादल ,
कैम्प-घटप्रभा (मैसूर)

200

Phore : 184 Extn.

Janata Shikshana Samiti's

INSTITUTE OF ECONOMIC RESEARCH

DEMOGRAPHIC RESEARCH CENTRE

D. P. KARMARKAR
Hon. Director
B. D. KALE
Deputy Director

VIDYAGIRI
DHARWAR-4
Mysore State
(INDIA)

Ref No. I.E.R.

July 4, 1966.

Respected Dr. Hardikar,

Shri. D.P. Karmarkarji desired me to inform you that he will be leaving Dharwar with his family tomorrow early in the morning (Tuesday 5-7-1966) by Hubli-Poona passenger. They will be passing through Ghataprabha. He regrets he can not stay with you this time. He was in a hurry and he went to Hubli to make the reservation. Hence, he told me to write to you.

With respectful regards,

Yours sincerely,

Akatti

(A.P. KATTI.)

Dr. N.S. Hardikar,
GHATAPRABHA.
(Belgaum District).

Gnj/-..

फोन नं. ९१

— सांगली जिल्हा काँग्रेस कमिटी —

काँग्रेस-भवन, सांगली.

ता. ५।५।६६

आदरणीय डॉक्टर शेठ,

सादर प्रणाम.

आज बरेच दिवसांनी व मोठ्या एका मनःस्थितीत पत्र लिहीत आहे मी ते मी शब्दांत व्यक्त करू शकत नाही. पण चार दिवसांत मी पत्रही आपणास लिहिले नाही. या पत्रावरून आपणास त्याची कल्पना येऊ शकेल.

बरेच दिवसापासून माझे वडील आजारी होते. व माझ्या जीवनातील सर्वात मोठा आधार होता. पण कालाला तेच हिरावून घ्यावयाचे होते, आणि म्हणूनच की काय प. पू. वडीलांचे ता. ७।५।६६ रोजी निधन झाले. दुर्दैव हे की त्यावेळी मी ता. १७, १८, १९ मोवाड (जि. नागपूर) येथील शिबिरासाठी प्रेक्षकांच्या वतीने गेलो होतो अंतिम दर्शनही मी त्यांचे घेऊ शकलो नाही या करता दैवाला खेद! यानंतरही मी बरेच दिवसांत पत्र लिहू शकलो नाही. क्षमा करावी. आपले काम लिहू

मनास्थेलीच हरकत नाही.
जुकोव ही विनंती.

Loíza 27
Canóvanas
Puerto Rico
USA. 00629
July 4, 1966

Dear Doctor Hardiker, Brother,

Your letter of May 20th reached me. As you may note my address is as the above since June.

Indeed, I remember you over the years as one of Vaman's good friends. And now you are keeping active at The Health Institute which Dr. Gundu started. That is so very fine. For many years you served in New Delhi, if I recall correctly.

I have no photographs with me here and seem to have no details to offer relative to your biographical account of Dr Gundu nor do I recall any one who could give such data.

On his last visit to the States Gundu visited us when his work as guest resident surgeon observer, when, at Tri Boro Hospital in Queens, New York City, where he studied and observed closely the latest methods and procedures in chest surgery, permitted.

He was always jovial. The two brothers spent time in discussing their interests and concerns with plans and hopes for India and an early reunion in India. However, death claimed Vaman within four months.

Unfortunately both Urmila and Arvind were unable to be present at the time of this last visit of Uncle Gundu as they were at their respective posts in D.C. and Chicago. There are three dear young Kokatnurs, grand children, Naren, age 11 Ranjit 8 and little Deen nearly 6. How they would please Vaman.

My kind and warm greetings. Sincerely Helen Kokatnur

Grams : CONGRESS

Phone : 45851 (five lines)

205

ALL INDIA CONGRESS COMMITTEE

7, Jantar Mantar Road, New Delhi-1. 5.7.66

पू. डॉक्टर,

आपले ता. १५ चे पत्र मिळाले.

बँकेच्या [illegible] पत्री [illegible] होती

कारण Collection [illegible]

[illegible]

पाठवली होती.

श्री. भास्करराव यांचे विषयी [illegible]

[illegible] आहे. त्यांच्या फोटो [illegible]

पाठवायचा. पुढे उपयोगी पडेल

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

CHIKODI

Dr N. S. Hardiker

At: Ghataprabha

Dist Belgaum

Mysore State

207

Telegrams CONGRESS

Telephone : 45851 (5 Lines)

ALL INDIA CONGRESS COMMITTEE

7, JANTAR MANTAR ROAD, NEW DELHI-1

६ . ७ . ६६

पू. डॉक्टर,

सोबत "किरायदारीचा" आपण दुरुस्त केलेला ड्राफ्ट पुन्हा टाईप करून आपल्या सहीकरता पाठवत आहे. त्याचप्रमाणे नवीन आलेल्या पुढील सात पत्र कांही जुनी आहेत पत्र त्या [illegible] आहेत.

~~[illegible]~~ खर्चावर पेन्शन व मंत्री साहेबांच्या सहीच्या आदेशाच्या बाबतीत आपण विचारले होते. त्याबाबतीत असे होते की त्यांना त्यांना खर्च [illegible] करून [illegible] payment करतील व मंत्र्याच्या खर्चाच्या बाबतीत पेन्शन मंजूर केले आहे त्यांनी [illegible] ची सही ~~[illegible]~~ बरोबर घेतली पाहिजे. त्याप्रमाणे सहीन खर्चावर नंतर सही घेतली जाईल [illegible] नियमाची [illegible] होणार नाही. नियम आहे ~~Th~~a Ble Expenses shall have

208

the sanctioned by the Chairman & The Secretary. [illegible]

[illegible]

[illegible] Memorandum व [illegible] तयार करावी. व Rules & Regulations व [illegible]

मी,

[illegible]

209

SUBJECT TO SHOLAPUR JURISDICTION ONLY.

Telegrams:— "Phone 169 Sholapur" Phone : 169

Tikekar Textiles Workers' Co-operative Weaving Mills Ltd.

Regd. No. SUR/PRD/I/154
dt/ 11-3-1965

TIKEKARWADI, (Sholapur)
(Maharashtra State)

Ref. No. 68-66-67

Date 12-7-66. ~~196~~

Dr.M.K.Vaidya.
or
Dr.N.S.Hardikar.
Karnatak Health Institute,
GHATAPRABHA.(Dist-Belgaum)

Dear sir,

We beg to draw your kind attention to our letter No.1318 dated 25th June 1966,wherein we have approached you~~rselves~~ with a request to give your favourable consideration but there is no communication from you since then,and hence this letter.

We are manufacturers of gray Bed sheets,Towels,and Dosuti cloth,which would be useful for your Hospital.The price list and particulars ~~are~~ have been already sent to you.

We shall thank you to receive your valued order.

Please,acknowledge receipt.

Yours faithfully.

MANAGER.

c.c.to-
Dr.Arvind G.Sardesai.
~~Ophthalmic Surgeon~~,
Bombay.

210

SUBJECT TO SHOLAPUR JURISDICTION ONLY.

Telegrams:— "Phone 169 Sholapur" Phone : 169

Tikekar Textiles Workers' Co-operative Weaving Mills Ltd.

Regd. No. SUR/PRD/I/154
dt/ 11-3-1965

TIKEKARWADI, (Sholapur)
(Maharashtra State)

Ref No. ....

Date 25th June, 1966

PRICE LIST.

GRAY BED SHEETS:-	48 x 90	Rs.7-25	per pair.	EX-MILL
" " "	50 x 90	Rs.7-50	" "	"
TOWELS. (Bleached)	30"x 60"	Rs.6-50	" "	"
DO SUTI. (Useful for Uniforms to Ward boys).	40"width.	Rs.2-00	per yard.	"
JACQUARD CHADDARS:	48 x 90	Rs.7-50	per piece.	"
" "	54 x 90	Rs.8-50	" "	"
" "	60 x 90	Rs.9-50	" "	"

FORWARDING CHARGES EXTRA.
TERMS OF PAYMENT-ONE WEEKS CREDIT.
TRANSPORT-BY PASSENGER TRAIN.

[signature]
MANAGER.

211

PHONE : 73111

CONGRESS SEVA DAL

~~ALL INDIA PUBLICITY COMMITTEE~~

CONGRESS HOUSE,

BOMBAY-4.

Date 20/7/66

Respected

My (Dear) Dr. Saheb,

I have your letter of 17th June before me. Our letter crossed.

Subba Rao did not come because Kamraj's tour was cancelled.

I have arranged for sending you 'Gujrat' weekly. It is published by Govt. of Gujarat. Do you get it regularly? How is your health?

I am O.K. now.

Seva Dal work is going on as usual. We have Smt. Jyotsna Sampat as new Mahila Adhinayak. New Women's Section is working well.

Wadibhai is also in good health & spirit.

Yours obediently

Dhanukumar Nayak

To.

Dr. N. S. Hardikar,

Karnatak Health Institute,

GHATPRABHA,

(Dist- Belgaum),

MYSORE STATE.

टेलीफोन : २३९३४ / २३७१६

213

तार : कांग्रेस

उत्तर प्रदेशीय कांग्रेस कमेटी

१९, कैसरबाग, लखनऊ

विभाग ....

पत्र संख्या 3 से/2083 (कां० सेवादल) दिनांक २५जुलाई,१९६ ६

श्रद्धेय डाक्टर साहब,

आपका १५-७-६६ का पत्र मिला। श्री नंदकुमार देव वाशिष्ट ठीक हैं उनका स्वास्थ्य भी ठीक है आजकल वह लखनऊ में ही हैं।

यहां का संगठन कार्य ठीक प्रकार चल रहा है।

विश्वास है आपका स्नेह व मार्गदर्शन सदैव ही प्राप्त होता रहेगा।

आपका विश्वासपात्र,

(हस्ताक्षर)

(रमाप्रसाद तिवारी)

जी०ओ०सी०

माननीय डा० एन०एस० हर्डीकर साहब,
संचालक
कां० सेवादल
कैम्प- कर्नाटक हैल्थ इन्स्टीच्यूट
घटप्रभा (मैसूर)

---:०:---

(सां१ हू)

२१५

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी
७, जन्तर मन्तर रोड
नयी दिल्ली-१

जयपुर (राजस्थान) में होने वाले भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के ७०वें अधिवेशन का कार्यक्रम

फरवरी, १९६६

बुधवार - ९

दिन के ११ बजे	कार्यसमिति की बैठक (नई दिल्ली में)

बृहस्पतिवार - १०

दिन के ९-३० बजे	झण्डा अभिवादन
दिन के १० बजे	अ०भा०कां०क० की बैठक - इसके बाद ही विषय समिति की बैठक।
दिन के ४-३० बजे	विषय समिति की बैठक

शुक्रवार - ११

दिन के ९-३० बजे	विषय समिति की बैठक
दिन के ४-३० बजे	खुला अधिवेशन

शनिवार - १२

दिन के ९-३० बजे से १२-३० बजे तक	खुला अधिवेशन
दिन के ४-३० बजे से सायं ७ बजे तक	खुला अधिवेशन

-०-

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी
७, जन्तर मन्तर रोड
नयी दिल्ली-१

जी-२६।१४६३४ २७ दिसम्बर, १९६५

प्रिय बन्धु,

यह पत्र हम आपको अपने १६ दिसम्बर, १९६५ के परिपत्र संख्या: जी-२६।१४१५१ के सिलसिले में आपको यह सूचित करने के लिए भेज रहे हैं कि जयपुर (राजस्थान) में होने वाले ७०वें कांग्रेस अधिवेशन की तारीखों में परिवर्तन कर दिया गया है। कार्यसमिति की एक अनौपचारिक बैठक में निर्णय किया गया है कि आगामी अधिवेशन १० से १२ फरवरी, १९६६ तक जयपुर में होगा। अधिवेशन का कार्यक्रम इस पत्र के पीछे दिया गया है। निर्णय किया गया है कि अब निजी प्रस्ताव शनिवार २२ जनवरी, १९६६ तक अ० भा० कां० क० कार्यालय ७ जंतर मंतर रोड, नयी दिल्ली को भेजे जा सकते हैं। जो सदस्य अपने निजी प्रस्ताव भेज चुके हैं, उन्हें फिर से अपने ये प्रस्ताव भेजने की जरूरत नहीं है।

भवदीय,

(टी० मेनन)
महामंत्री

अ० भा० का० क० के सभी सदस्यों को।

प्रतिलिपि : समस्त प्रदेश और क्षेत्रीय कांग्रेस कमेटियों को।

216

महाराष्ट्र प्रदेश कॉंग्रेस कमिटी

टिळक भवन, गोखलेरोड-दादर-मुंबई २८

☎ ६५७९४

आनंदीराम कुमट

दलपति

कॉंग्रेस सेवादल महाराष्ट्र प्रांत

निवास

आनंद भवन

मीलरोड, धुळे

फोन पी. पी. २६५ व ३७९

तारीख ७-१-६२

मा. श्री. अ. हार्डीकरजी,

सादर प्रणाम,

आज ~~केलेली~~ तार मिळालीच असेल. प्रांतीतील ~~कै~~ जुन्या कार्यकर्त्यांना खाजगी पत्रे पाठविली होती. त्यांत श्री. वि. मा. हर्डीकरजी, श्री. अ. गु. दंडवते, श्री. राजा मंत्री, श्री. अप्पाजी गांधी, श्री. अप्पाजी पुंजे, श्री. समदाणी श्री. राऊळ, आदी. आदी हे सर्व कार्यकर्ते सप्टेंबरमध्ये बैठकास यावयास तयार आहेत म्हणुन प्रांताध्यक्षांना भेटुन तारखेत व जागेत बदल केला आहे मा. श्री. प्रांताध्यक्षांनी दोन दिवस राहण्याचे मंजुर केले आहे. व त्यांनी प्रबंध रुपाने कांहीं विषयांवर टीपण करुन चर्चेसाठी छापुन घ्यावयांस सांगितले आहे. छापून प्रत्येक कार्यकर्त्यास बैठकीत फाईल्स देऊन चर्चा झाला पाहिजे, म्हणजे त्या बैठकास कांहीं महत्व येईल. ही त्यांची सुचना खरोखर उत्तम व प्रशंसनिय वाटली. त्या प्रमाणें खालील विषयांवर विचार करुन चर्चेसाठीं छापण्याच्या विचारांत आहे.

१) स्वातंत्र्यापूर्वीचे सेवादलाचे कार्य २) जनताभिमुख, कार्यक्रम (स्वातंत्र्यानंतर सेवादलाचे कार्य) ३) सेवादल संघटनेत मुलभूत बदल करण्याचा आवश्यकता आहे कां? कोणती? ४) सेवादलाच्या कामकाजात येणाऱ्या जातील अडीअडचणी, उपाय. ५) राष्ट्रीय विकास कार्यात सेवादलाची ~~कामगिरी~~ कामगीरी. (~~[illegible]~~)

२१७

महाराष्ट्र प्रदेश कॉंग्रेस कमिटी

टिळक भवन, गोखलेरोड-दादर-मुंबई २८

☎ ६५७९४

आनंदीराम कुमट

दलपति

ग्रेस सेवादल महाराष्ट्र प्रांत

निवास

आनंद भवन

मीलरोड, धुळे

फोन पी. पी. २६५ व १७९

तारीख

(२)

या शिवाय आपल्या मनांत कांहीं प्रश्न घोळत असतील तर कृपया मुद्देसहीत त्वरीत पाठवुन मदत करावी ही विनंती .

ही बैठक पुणे जिल्ह्यातील बारामती येथे तारिख १८ व ~~१८~~ १९ सप्टेंबर १९६५ रोजी होईल या बैठकीस श्री. डॉ. रवेडकरजी .श्री.ना. चौधरीजी .श्री.मा. राजारामबापू पाटील.ना. जी. डी. पाटील . ना. मारदे. आ. पागे. श्री. अप्पाजी पुंजे. श्री. अप्पाजी गांधी. श्री .दंडवतेजी . श्री. वि. मा. हर्डीकरजी .तसेच श्री. राऊळ, श्री. बबनरावजी श्री. बडवे. श्री. सितारामभाई ब्रिर्ला श्री. राजा मंत्री. श्री . पठाण गुरुजी . श्री. भटकर गुरुजी . आदी. आदी जुने व नवे जिल्हा पातळीपर्यंतचे सर्व अधिकारी हजर राहतील असा कसोशीचा प्रयत्न सुरू आहे. आपण ही हा बदल ~~कृपया~~ कृपया लक्षांत घ्यावा . व स्विकृती त्वरित पाठवावी ही विनंती.

आपला

आनंदीराम कुमट

(आनंदीराम कुमट)

टीप :- ता. बदल करणे दुसरे १८ ह्यांचे कारण म्हणजे प्रांताध्यक्षांना १५ ते २० दिवस दौरा न करण्याचा सल्ला डॉ. दिला आहे.

A. M. ANTANI,
STATION ENGINEER, 218

आकाशवाणी
हलियाल रोड
धारवाड
तार: आकाशवाणी धारवाड
क्रमांक/No.Dha. 15(4-1)/66-PI

आकाशवाणी

ALL INDIA RADIO
Haliyal Road,
DHARWAR
Telegram : Akashvani
Dharwar

दिनांक /Date
26th July,1966.
4th, Bhadra, 1888.

Respected Dr. Hardikarsaheb,

This has reference to your kind acceptance to broadcast a talk in English "Let us Keep up the Torch", on 15th August at 8-10 P.M.

As Self-Reliance is the need fof the hour, I shall be grateful if you will make a reference to the spirit and ideals enshrined in the Swadeshi movement, as also the need by everyone to regard Swadeshi in a larger context, in your broadcast.

I am confident that your views on this matter will register indelibly with our listeners and thus greatly help in reviving the spirit of Swadeshi.

With best regards,

Yours sincerely,
A M Antani
(A. M. ANTANI.)

Dr. N. S. Hardikar,
"Arogya Dhama",
GHATAPRABHA.
Belgaum District.

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी,
७ जन्तर मन्तर रोड, नयी दिल्ली ।
(कांग्रेस सेवा दल)

कार्य विवरण जुलाई १९६६.

परिपत्र एवं गश्ती चिट्ठियां

तारीख १६ जुलाई ६६ को वार्षिक शिविर के सम्बन्ध में परिपत्र भेजा गया जिसमें शिविर की तारीखें व कार्यक्रम की जानकारी दी गयी थी ।

तारीख २७ जुलाई, ६६ को वार्षिक शिविर के लिए नाम भेजने के बारे में स्मरणपत्र भेजा गया ।

निरीक्षण तथा प्रवास

श्री ई० भा० इनामदार अखिल भारतीय संगठक कांग्रेस सेवादल ने पहाड़गंज में आयोजित सभा में मार्गदर्शन किया । योजना आयोग द्वारा आयोजित वर्किंग ग्रुप आन यूथ प्रोग्राम की गोष्ठी में - चर्चा में भाग लिया ।

श्री नवीनभाई शाह सहायक अखिल भारतीय संगठक कांग्रेस सेवा दलने तारीख २१ जुलाई को पंचमहाल में दलकार्य का निरीक्षण किया। तारीख २२ को बम्बई के लिए रवाना हुए और २३-२४ को बम्बई में अखिल भारतीय स्टोर तथा दल अधिकारियों से बातचीत की और २५ को बड़ौदा पहुंचे और तत्काल अहमदाबाद के लिए रवाना हुए जहां उन्होंने प्रदेश स्टाफ की बैठक में मार्गदर्शन किया । उसी दिन रात को बड़ौदा वापिस पहुंच गये ।

श्री श्रीराम खुसाले सहायक अखिल भारतीय संगठक कांग्रेस सेवादल ने हैदराबाद में रहकर दल कार्य में मार्गदर्शन किया ।

श्री मदनजी ने धनबाद, के दल कार्य का निरीक्षण किया । पटना में बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रधान मंत्री से बातचीत की व प्रदेश सेवादल बोर्ड के चेयरमेन से मुलाकात के बाद वे दिल्ली पहुंचे ।

प्रशिक्षण वर्ग तथा शिविर - जून १९६६

शामलाजी जिला साबरकांठा में तारीख १७ जून, ६६ से २४ जून, ६६ तक श्री डाह्याभाई पटेल ने राष्ट्रगीत ध्वजवन्दन का प्रशिक्षण

---२

वर्ग चलाया । जिसमें ६० पुरुष व १० महिलाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया ।

बिराजपुर ब्लाक सरधना जिला मेरठ में तारीख १२ जून से २३ जून ६६ तक सैनिक प्रशिक्षण वर्ग चलाया गया जिसमें २८ व्यक्तियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया ।

उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मनिहारी में तारीख १६ जून से २७ जून ६६ तक श्री मदनभाई ने सैनिक पाठ्यक्रम का शिविर चलाया जिसमें ६६ व्यक्तियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया ।

आर्कगंज (जिला फर्रुखाबाद) में ७ जून से १० जून तक सैनिक प्रशिक्षण शिविर चलाया गया जिसमें २६ व्यक्तियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया ।

तारीख ४ से १४ जुलाई ६६ तक सादरा जिला अहमदाबाद में सैनिक तालीम वर्ग चलाया गया जिसमें २६ व्यक्तियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया ।

तारीख ४ से १३ जुलाई ६६ तक सादरा हाईस्कूल जिला अहमदाबाद में राष्ट्रगीत एवं ध्वजवन्दन विधि का प्रशिक्षण वर्ग चलाया गया जिसमें १२६ व्यक्तियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया ।

सागटाला जिला पंचमहाल में ३०-६-६६ से ४-७-६६ तक राष्ट्रगीत एवं ध्वजवन्दन वर्ग चलाया गया जिसमें ३१ भाइयों ने तथा ७ बहिनों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया ।

ठक्कर बापा छात्रालय तथा कन्या पटेल विद्यार्थी आश्रम में १५ से २६ जून ६६ तक सैनिक वर्ग चलाया गया जिसमें क्रमशः १४ व ३१ व्यक्तियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया ।

रामगढ़ (जिला जम्मू) में २८ जून से ६ जुलाई ६६ तक सैनिक प्रशिक्षण वर्ग चलाया गया जिसमें ४२ व्यक्तियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया ।

सूरत जिला - गणदेवी कुमारशाला व कन्याशाला में १३ जून से २० जून, ६६ तक राष्ट्रगीत व ध्वजवन्दन के वर्ग चलाये गये जिसमें क्रमशः ४० व ३२ महिलाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया ।

जौनपुर - अहमदखां मण्डी जौनपुर में २० से २६ जून ६६ तक सैनिक पाठ्यक्रम के वर्ग चलाये गये जिसमें २० व्यक्तियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया ।

----२

अ०भा०स०-

आजमगढ़ - सहनुपुर ब्लाक तहबरपुर में ३० जून से १४ जुलाई ६६ तक सैनिक पाठ्यक्रम चलाया गया जिसमें २० व्यक्तियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया ।

बोरावंकी - चकौला में तारीख २२ जून से २५ जून तक राष्ट्रगीत व ध्वजवन्दन का वर्ग चलाया गया जिसमें १५ पुरुष और २ महिलाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया ।

सूरत शहर - बेगमपुरा नवाबवाड़ी सूरत में ५ जून से २० जून ६६ तक सैनिक वर्ग चलाया गया जिसमें २० व्यक्तियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया । स्टडी सर्कल शुरू की गयी ।

मुरारपुरा तारीख १ जुलाई ६६ से १५ जुलाई ६६ तक सैनिक प्रशिक्षण वर्ग मुरारपुरा (ग्वालियर सिटी) में श्री रामचरन शर्मा ने चलाया । जिसमें २६ व्यक्तियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया ।

देसाई नगर - देसाई नगर (उज्जैन) में तारीख ४-७-६६ से १७-७-६६ तक सैनिक प्रशिक्षण वर्ग चलाया गया जिसमें २१ व्यक्तियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया ।

ललितभवन उज्जैन में २-७-६६ से १७-७-६६ तक सैनिक प्रशिक्षण का वर्ग चलाया गया जिसमें १२ व्यक्तियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया ।

सुरेन्द्रनगर - रात्री छात्रालय शुरू की गई । बाहर गांव से आये छात्रों को दाखिला स्कूल कालेजों में दिलाया गया ।

के वार्ड अंधेरी दहीसर बम्बई - कोल डोंगरी में ५०० फीट लम्बी व ४ फुट चौड़ी, जोगेश्वरी में ३०० फीट लम्बी व ४ फुट चौड़ी सड़कों का निर्माण किया गया । १३ जून को माटुंगा स्टेशन पर हुई दुर्घटना में जिन व्यक्तियों को चोट आई थी उनके अस्पतालों में मिलकर १०० स्थानों पर उनके पत्र भेजे व २४ जगह तार भेजे में १० सेवक व ५ सेविकाओं ने सहायता दी ।

उत्कल - कालाहांडी में सहायता कार्य किया गया । भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा के समय व्यवस्था सम्बन्धी कार्य सम्पन्न किया गया ।

दिल्ली - रोशनारा बाग में मंगल मिलन के रूप में १०० साथी एकत्र हुए तारीख २६-६-६६ को ।

राजस्थान - कोटा में फैले हैजे के समय स्वयं सेवकों ने टीके लगवाने में जनता की मदद की । सीकर में नगर परिषद के चुनावों में कांग्रेसी उम्मीदवारों की मदद की ।

पंजाब, त्रिपुरा, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, आदि से कार्य विवरण प्राप्त हुआ ।

निम्नलिखित जिला कार्यालयों से जून १९६६ का कार्य विवरण प्राप्त हुआ :-

१. जोधपुर २. लुधियाना ३. नासिक ४. कोटा ५. करनाल ६. जंधर ७. भुज (कच्छ), ८. सागर, ९. फैजाबाद, १०. वाराणसी, ११. बेतुल १२. मैनपुरी १३. सुल्तानपुर १४. उन्नाव १५. देवरिया १६. मथुरा जिला १७. पानपुर १८. इलाहाबाद १९. बीजापुर २०. नागपुर जिला २१. बमकाकुलम २२. गवालियर नगर २३. गाजीपुर २४. मथुरा शहर २५. सहारनपुर २६. आगरा २७. प्रतापगढ़ २८. गोंडा २९. वाराणसी ३०. बांदा ३१. कानपुर ३२. इटावा ३३. फतेहपुर ३४. रतलाम ३५. उज्जैन जिला ३६. सतना ३७. औरंगाबाद ३८. दिल्ली नगर ३९. कोकराफार ४०. हिनार ४१. गोरखपुर ४२. रायकोना ४३. पुरी जिला ४४. इन्वार्ड वाली जिला बम्बई ४५. होर्ट ब बम्बई ४६. बालानीर ४७. बरेली शहर ४८. जोरहाट ४९. अहमदनगर ५०. बलिया ५१. गोलाघाट ५२. जिला देहात दिल्ली ५३. पंचमहल ५४. पूना शहर ५५. झांसी शहर ५६. एल वार्ड बम्बई ५७. नागपुर शहर ५८. बहराइच ५९. हुगली ६०. गुलबर्गा ६१. सुल्तानपुर ६२. मंगलौर ६३. रामपुर ६४. [illegible] एफ वार्ड बम्बई ६५. अहमदाबाद जिला ।

साहित्य प्राप्ति तथा प्रकाशन

"पत्र मित्र" का जुलाई ६६ का अंक मिला
"कांग्रेस सेवादल पत्रिका" बम्बई का जुलाई ६६ का अंक मिला ।
"अल अहराम" का मई जून ६६ का अंक मिला ।
"अमाई" का जून ६६ का अंक मिला ।
"फ्री यूथ" का १९६५ का अन्दूबल अंक मिला

ता० -१ अगस्त, ६६

- ह० वा० इनामदार
अखिल भारतीय संगठक

225

Telegrams : "LOKSEVAK" Telephone . 74142

SERVANTS OF THE PEOPLE SOCIETY

लोक सेवक मण्डल

(Founded by Lala Lajpat Rai in 1921)

LAJPAT BHAWAN, LAJPAT NAGAR,
NEW DELHI-14.

PRESIDENT :
SHRI BISWANATH DAS
VICE PRESIDENT :
SHRI MOHAN LAL
SECRETARY :
SHRI SEVAKRAM

Ref. No. L S M/442/66

Date 27-7-66.

Dear Shri Hardikar,

Your book on Lala Lajpat Rai is now ready. We would like to have a "foreword" from you, which will be a valuable addition to the book. The delay in printing the book has been due to the fact that Presses in Delhi are over work, and inspite of promises they never keep their word. The book is now ready and we only await your 'foreword'.

I hope you are keeping good health.

Yours sincerely,

Sevak

(Sevakram)
Secretary.

Shri N. S. Hardikar,
Karnatak Health Institute,
Ghataprabha, Distt.Belgaum,
Mysore State.

जानकारी के लिए

ALL INDIA CONGRESS COMMITTEE
7, JANTAR MANTAR ROAD,
NEW DELHI - 1.

(CONGRESS SEVA DAL)

July 21, 1966.

Dear Brother,

This is to remind you of the names of trained district and pradesh officers who would attend the Annual Camp to be held at Kokarnag from 20th to 26th August 1966. The names should be sent at once if not sent so far. You will particularly see that the intimation of the camp reaches every concerned officer in the pradesh and all those whose names are approved definitely attend the camp. Circular sent by the General Secretary, A.I.C.C. to P.C.C. Presidents is enclosed herewith. I think this will help your workers to get financial aid from the P.C.C.

You will bring with you a brief report of work done during the last six months and the membership forms duly filled in and subscription of those who have become members of the Seva Dal Biradari.

Yours sincerely,

(S.V. INAMDAR)
All India Organiser.

The Pradeshes.

ता २० ऑगस्ट पासून श्रीनगरजवळ होणाऱ्या अ. भा. वार्षिक शिबिरा करता संदेश पाठवावा. 1

टेलीफोन ४५८५१ (५ लाईन) तार: कांग्रेस

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी

७, जन्तर मन्तर रोड,
नई दिल्ली-१

१-६-६८

पू. [illegible]

आपले ता २० चे कार्ड मिळाले.

१) आपल्या पत्रा प्रमाणे ठरावाच्या ड्राफ्ट करीता दुरुस्ती पाठवत आहे.

२) आता पर्यंत [illegible] मदत [illegible] प्रमाणे आहे —

(१) सरदार [illegible] रु ३००/- १९५८
(२) स्वा. मीरा [illegible] रु २५०/- १९६१
(३) श्री [illegible] रु २००/- १९६३
(४) श्री ना. कु. देव [illegible] रु १००/- १९६४

आता श्री गोविंद [illegible] मुंबई यांचे पण आले आहे. त्यात [illegible] ~~[illegible]~~ संघटनात वरील [illegible] काम करणारे श्री रघुनाथ [illegible] हे [illegible] गेले वर्ष [illegible] आहेत. त्यांना [illegible] होऊन त्यांचे पाय [illegible] गेल्या आहेत. [illegible] त्यांना मदत करण्या करता [illegible] आहे. [illegible] आपणाकडे पण पत्र आले असेल [illegible] पण. त्यांच्या परिस्थितीचा विचार करता [illegible] पाठवलेले आहेत. [illegible] आपणास [illegible] वाटते?

३) ~~[illegible]~~ [illegible] श्री [illegible] यांचे आपल्या पुस्तकाचे foreward

९२६

पाठवल्या बद्दल पत्र मिळाले आभार. पुस्तक लवकर
लवकर छापून तयार आहे असे त्यांनी महाराष्ट्रात सांगितले.
त्या पुस्तकात कांही विशेष गोष्टी कळू द्यावयाच्या आहेत कां?
म्हणून मी तेथे जाऊन ते पाहीन.

२) भवानी बंगल्याचे उद्यापासून [illegible] दरवाजा
करणार आहेत. [illegible] त्यांच्यानंतर प्रोफेसर
जोशी डाक्टरांना पाठवली ती डाक्टरांची पत्रे या
पत्र व्यवहारात दिसत नाहीत. तीं कोठे शक्य आहे
~~[illegible]~~
(३) प्रकाशनी द्रव्याचे काम अजून अपूर्ण आहे. म्हणून
त्यातील रोजचे काम मी विचारेल तर ते पूर्ण
करता येईल.
बाकी विशेष नाही

कृ. लोभ
[illegible]

First fold here

INLAND LETTER
अन्तर्देशीय पत्र
NO ENCLOSURES ALLOWED

INDIA POSTAGE 0.10

Dr. N. S. Hardikar
KHI
Ghataprabha
Dist Belgaum
(Mysore State)

Third fold here

Sender's name and Address
[illegible] काँग्रेस कमेटी
[illegible] रोड,
[illegible]

Second fold here

227A

PHONE 3111

CONGRESS SEVA DAL

~~ALL INDIA PUBLICITY COMMITTEE~~

CONGRESS HOUSE,
BOMBAY-4.

Date 8/8/66

Respected Dr. Saheb,

Yours of 5th August. Thanks.

I don't know ~~what~~ what will be the condition of Lokamji when this letter reaches to you. If he has any senses please tell my last 'pranams' [illegible]' to him. He had obliged me many a times for Seva Dal work when he was ~~[illegible]~~ [illegible] &

all india congress committee
7, jantar mantar road, new delhi — phone : 45851

[illegible]

[illegible]

[illegible]

with best compliments from : The Printsman, New Delhi-5.

[illegible]

Bombay Chronicle

It is a sad thing and perhaps irony of fate that when there are talks of Bombay Chronicle's revival his services will be lost.

I am going to Kashmir on 16th Aug. for Annual Camp. Some 20 people are going. I am O.K. What about you?

—[illegible]

227A

10-8-56
DELY

To

Dr. N. S. Hardiker,
Karnatak Health Institute,
GHATPRABHA

GHATPRABHA
(Dist. Belgaum)
MYSORE STATE

Telephone 4585 e-   Telegram : CONGRESS

ALL INDIA CONGRESS COMMITTEE

7 JANTAR MANTAR ROAD NEW DELHI-1

(Congress Seva Dal)

No. SD/ August 8, 1966.

My dear

Shri Manubhai Patel gave me first 32printed pages of Dr. Hardiker's articles. How many more are there ? I am sending these to Doctor. As I get the next pages from you I will send them to him. That will help him to write a forward for the book.

I wish to draw your attention to my letter dated 21st Jan.1966 are the copies of letters written by Shri Lalaji. Are you including any of those letters in this book ? I had also noted in the said letter some material about Lalaji that is still with Doctor. If you need it we can get it from him. What about Hindi Book ?

Thanking you,

Yours sincerely,

(S.V.INAMDAR)
ALL INDIA ORGANISER

229 ME|2440|66.

सत्यमेव जयते

रेल मंत्री, भारत
MINISTER FOR RAILWAYS
INDIA

New Delhi,
11th August,1966

My dear Hardiker,

Many thanks for your letter of 7th August, 1966. I will certainly be happy to visit the Karnatak Health Institute and see its good working. I will try to do so when I am on tour on that side. However, I have no immediate programme.

With kind regards,

Yours sincerely,

(S.K. Patil)

Dr. N.S. Hardikar,
Administrator,
The Karnatak Health Institute,
Ghataprabha
(Dist. Belgaum)

230

Phone: 3370

KERALA PRADESH CONGRESS SEVADAL

CONGRESS HOUSE, ERNAKULAM.

Ref. CSD/362 /66

Date 16th August, 1966.

A. I. C. C. 1966 SEPTEMBER SESSION.

Dr.N.S. Hardiker,
Sanchalak,
Congress Seva Dal,
Karnatak Health Institute,
G H A T P R A B H A. (Dist.Belgaum)

Sir,

I hope that you know the ensuing A.I.C.C. Session is going to be held on 23rd to 25th September, 1966 at Sastri Nagar in Ernakulam.

Would you be kind enough to attend the Session and bless us? A line in reply may be solicited.

Yours Obediently,

Pradesh Sevadal Organiser.
Ernakulam.

Telegrams : "LOKSEVAK" Telephone . 74142

SERVANTS OF THE PEOPLE SOCIETY

लोक सेवक मण्डल

(Founded by Lala Lajpat Rai in 1921)

LAJPAT BHAWAN, LAJPAT NAGAR, NEW DELHI-14.

Ref. No. L S M/ 445/6

PRESIDENT :
SHRI BISWANATH DAS
VICE-PRESIDENT :
SHRI MOHAN LAL
SECRETARY :
SHRI SEVAKRAM

Date 16.8.66.

Dear Shri N. S. Hardiker,

Your Post Card dated 5th August.

The book is being published in English. We would love to give photographs. The Samyukta Karnatak daily of Hubli has not sent me any blocks. I will certainly return the blocks to them. I have sent you printed and typed copies of the book through Shri Manubhai Patel to enable you to give your 'foreword'. ~~We will also include.~~ Kindly send your 'foreword' at an early

Yours sincerely,

Sevak

(Sevakram)
Secretary.

Shri N. S. Hardikar,
Karnatak Health Institute,
GHATAPPRABHA, Dist. Belgaum,
Mysore State.

P. DHARMAGNANI, M.A., B.L., 232
ASSTT. STATION DIRECTOR.

आकाशवाणी
हुलियाल रोड
धारवाड
तार. आकाशवाणी धारवाड

ALL INDIA RADIO
Haliyal Road,
DHARWAR
Telegram : Akashvani
Dharwar

क्रमांक/No. DHA.15(4)66-PI.

दिनांक /Date 18-8-1966.

My dear Doctor,

I trust this letter will find you in good helath and cheer. On my return from Raichur where I attended the inauguration by Shri Raj Bahaddur, Minister for Information and Broadcasting, of the Publicity campaign, I learnt that you could not broadcast the talk on the 15th of August owing to indisposition. It is my request that you should take full rest.

Incidentally the Gandhi Unit at the - Directorate, New Delhi desire to have a recording of your reminiscences of Mahatma Gandhi for a duration of about 15 minutes. You may narrate such of the incidents as you have witnessed as a close associate of Gandhiji. You may record it some time in the middle of next month if you find it quite convenient. On hearing from you I shall send you the formal contract.

Thanking you and with kind regards,

Yours sincerely,

(P. Dharmagnani)

Dr. N. S. Hardikar,
Karnatak Helath Centre,
GHATAPRABHA.
(Dist: Belgaum)

ggk/-

22.8.66 233

My Dear Do.

How are you? It is a long time since I had any news from you. What is the situation like in your area. I believe the Monsoons started very late this year. I hope it is not going to affect the crops again.

I was off for a week. This is part of my annual holiday. The Sun was shining all the time. The weather has a great effect on people. Today it is cold and gloomy again. I am going back on duty at 3 PM. All the week I am working 3 PM – 10 PM. Though same hours it is tiring as it is only two of us working.

I am keeping well. I shall have to start studying again. I did not make the grade last time so I shall have to sit the exam again in May. At the moment I find that I have absolutely no push. I know at this age I should be bubbling with life. But there it is.

Please drop me a line. Will write again soon.

With Love

Devi

22/8/66

My dear [illegible] Saheb,

Life being what it is is dull routine & boring. I have just done [illegible] is here [illegible]. I should be in Bombay [illegible] month 18th week [illegible]. If you would [illegible] a copy of your programme I will try to [illegible] see you but as you know by now performances, promises & [illegible] different things. Trust this finds you well in health and spirits. Our professional troubles are not yet over & I am [illegible] they [illegible] the [illegible] Anyway 68 is not far away & let us hope you will [illegible]

Love from [illegible] & self.

Yours ever

[illegible]

FIRST FOLD HERE

TO OPEN SLIT HERE

Sender's name and address

Laxmidevi S. Dwarpalak
19 Montgue Road
Richmond Surrey U.K

AN AIR LETTER SHOULD NOT CONTAIN ANY ENCLOSURE, IF IT DOES IT WILL BE SURCHARGED OR SENT BY ORDINARY MAIL.

SECOND FOLD HERE

BY AIR MAIL
PAR AVION
AIR LETTER
AEROGRAMME

RICHMOND TWICKENHAM 5 PM AUG 1966 A

SIXPENCE POSTAGE 6

Dr N. S. Hardiker,
Karnatak Health Institute
GHATPRABHA
Belgaum Dist
India

Dear Dr.

How are you? Thank you fr your last letter received. Days have gone by I must admit I have tried to get a bit of rest. I have had my ups & downs. When it becomes more downs life becomes a little difficult.

At the moment I am trying to change the job. I had one interview on last Friday & I have another one on the Thursday I hope I make one of them.

Nani & his wife are well. Nani is on leave and Studying at the moment He is supposed to go back on duty begining of Aug

I had a letter from B'bay. I believe the rain have not started yet. What is it like in Stafford

What other news with you?

The weather is very Cold here. This is middle of summer but we have hardly had any sun

My sister & her family is well. All the children have passed their exa

Sender's name and address:

Devi,
17 Montague Rd.
Richmond, Sussex.
ENGLAND.

AN AIR LETTER SHOULD NOT CONTAIN ANY ENCLOSURE; IF IT DOES IT WILL BE SURCHARGED OR SENT BY ORDINARY MAIL.

SECOND FOLD HERE

FIRST FOLD HERE

BY AIR MAIL
PAR AVION
AIR LETTER
AEROGRAMME

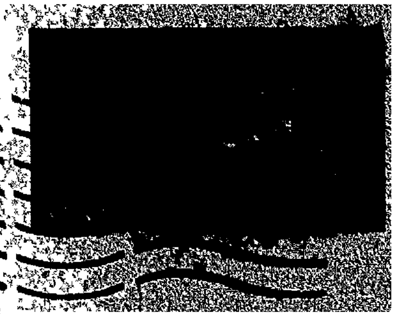

Dr. N. S. Hardiker,
Karnatak Health Institute
GHATPRABHA
Dist. Belgaum.
India

Will write again soon

With Love

Devi

FIRST FOLD HERE

P. Dharmagnani, M.A., B.L.,
Asstt. Station Director.

आकाशवाणी
हुलियाल रोड
धारवाड
तार. आकाशवाणी धारवाड

ALL INDIA RADIO
Haliyal Road,
DHARWAR
Telegram : Akashvani
Dharwar

क्रमांक/No. Dha.15(4)66-PI.

दिनांक /Date 31.8.1966.

My dear Doctor,

I hope you are in receipt of my D.O. of even number dated 18.8.1966 regarding your reminiscences (talk in English) of Gandhiji for Delhi. I am waiting for your kind acceptance. In the meanwhile may I also request you kindly to record a talk in Kannada to be broadcast on the 20th of October, 1966 on the occasion of the National Solidarity Day? The particulars aspect on which we would like you to talk is - 'Language is not a barrier for Emotional integration', (Bhashe Bhavaikyakke Pratikoolavalla). The duration is intended to be 8 to 9 minutes.

This may kindly be treated as urgent.

Thanking you and with kind regards,

Yours sincerely,

(P.Dharmagnani)

Dr. N. S. Hardikar,
"Arogyadham",
GHATAPRABHA.
(Dist: Belgaum)

GGK
31/8/

236

THE HUBLI CO-OPERATIVE HOSPITAL SOCIETY

(Estd. 1916)

IN REPLY PLEASE QUOTE

PHONE: 3288

Ref. No. 5/541/66-67.

HUBLI 1Oty Sept. 1966.

Shri. N. S. Hardiker,
Karnatak Health Institute,
Ghataprabha.

Dear Dr. Hardiker,

It affords us immense pleasure to convey to you, the fact that the Government of India, to whom we had approached for the ~~grantxxx~~ grant of Rs.25,000/-, has condescended to accord the same, and we have already drawn the grant on 3rd August 1966, from the government. The grant will be aptly utilised for the purchase of equipments for the Hospital.

Our gratitude goes to you, in this matter, for your endeavour in obtaining the above stated grant from the Government. We wish you our heart-felt good wishes, which please accept.

Thanking you once again,

Yours faithfully,

R S Kumbhakonam

Dr. R. S. Kumbhakonum,
[illegible]
The Hubli [illegible]
HUBLI.

I was under the impression that this fact has been informed to you but it was not done so. Hence I request you to excuse me for the delay in bringing this fact to your notice. It is on account of your goodself efforts and influence that this Institution has received from the Central Government. Again praying to be excused & praying His Almighty to give you long life and prosperity to serve humanity.

Yours sincerely,
R S Kumbhakonam

२३७

टेलीफोन ४५८५१ (५ लाईन) तार : कांग्रेस

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी

७, जन्तर मन्तर रोड,
नई दिल्ली-१

प्र. ऑक्टर साना स. नं. १०. ९. ५६

[illegible]

श्री राहुजींच्या दाह संस्कारास १००-१२५ लोक होते. सर्व ठीक झाले. त्यांना [illegible] आई आहे. [illegible] [illegible] आहे. [illegible] १० [illegible]. [illegible] नाही. [illegible] P.C.C. [illegible] प्रमाणे बरोबर [illegible]. त्यांनी श्री राहुजींचा [illegible] रु. २००/- [illegible] ठरवले आहे. त्याप्रमाणे त्यांनी रु. १००० [illegible] ठरवले आहे. [illegible] विचार आहे [illegible].

[illegible] श्री [illegible] राव यांच्यासंबंधी [illegible] [illegible] आहे. [illegible] आहे [illegible] विचार आहे. राहुजींच्या [illegible] [illegible] [illegible].

आपली [illegible].

श्री [illegible] विचार करत आहे. १८-१९ [illegible] १९-२० [illegible] [illegible] आहेत.

238

श्री. नवीनभाई, मदनजी वगैरे श्रीनगरलाच आहेत. तेथे प्रदेश राजकीय परिषद होती त्यापुरते थांबले आहेत.
ताराबाई आशा वगैरे आनंदात आहेत.

आ.

ह. वा. उपाध्ये

First fold here

INLAND LETTER
अन्तर्देशीय पत्र
NO ENCLOSURE ALLOWED

NEW DELHI P.O.
10 IX 66

Dr N. S. Hardikar
Kct. 1- Ghataprabha
Dist Belgaum
(Mysore State)

Third fold here

Sender's name and Address
अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी
७, जन्तर मन्तर रोड,
नई दिल्ली-१

Second fold here

FILE No 33

1966 (OCT. - DEC.)

Page No's 239 – 342

FILE No 33

1966 (OCT. - DEC.)

Page No's 239 - 342

13/10/66 230

My dear Dr.

How are you? At the moment I am free. So I thought I shall make use of the time. ~~[illegible]~~ I have got some clothes in the machine. Here we can do the dry cleaning. Only special things can be given to laundry. Otherwise we can get clothes cleaned and washed for a small sum. I would have to press them at home. It takes 1/2 hour to get them cleaned. I can press them as and when I find time.

I have started a new job since 3rd October. I am quite pleased. It is a nice place and the people are friendly. The two radiologist in charge also very good. Actually one radiologist used to work in the hospital where I trained. When I came for the interview I met the head of the department. I saw the name of the other doctor and wondered if it was the same one I worked with before. This week when he returned from the holiday I met him. I am quite happy now. It is a very busy department. I don't really mind. It makes the day go quicker. We have no students in this hospital so all the work has to be done by us. I haven't convinced myself that I need to start studying again. I will have to get to work very soon. I was just counting the months & it is just about 6 mths to go. Dear me! At that I do get lot more tired than before as it is so busy. Anyway I will try to stick around for a year or so.

Chi Narayan & his wife have gone to Newyork for a few days. They are both well.

No other news to give you. Do give my regards to Jayamma. How is everything there?

Yours affly
Devi

ಪೂಜ್ಯ ತಂದೆಯವರಲ್ಲಿ ಚನ್ನಯ್ಯ ಮಾಡುವ ಸಾಷ್ಟಾಂಗ ನಮಸ್ಕಾರಗಳು. LEXINGTON.
ಅನಂತ ವಂದನೆಗಳು. [redacted] Dated 13-9-66.

ಅಮೇರಿಕೆಯಲ್ಲಿ ಇದ್ದು ಕನ್ನಡದಲ್ಲಿ ಪತ್ರ ಬರೆಯುವುದರಿಂದ ಅಭಿರುಚಿ ಆದುದರಿಂದ ಈ ಪತ್ರವನ್ನು ಮುದ್ದಾಂ ಕನ್ನಡದಲ್ಲಿಯೇ ಬರೆಯುತ್ತಿದ್ದೇನೆ. ಈ ಮೊದಲೇ ಪತ್ರ ಬರೆಯಬೇಕಾಗಿತ್ತು. ಇಲ್ಲಿಯ ವಾತಾವರಣಕ್ಕೆ ಹೊಂದಿಕೊಂಡ ನಂತರ ಪತ್ರ ಬರೆದರಾಯಿತು ಎಂದು ತಡ ಮಾಡಿದೆ. ಪತ್ರ ತಡಮಾಡಿ ಬರೆದೆ ಕ್ಷಮಿಸಿರಿ. ನಾನು ದಿಲ್ಲಿಯಿಂದ ಹೊರಡುವಾಗ ಪ್ರವಾಸಕ್ಕೆ ಪತ್ರ ಬರೆಯಲಿಲ್ಲ ಕಾರಣವೇನೆಂದರೆ ನನಗೆ ನನ್ನ ಮುಂದಿನ ಭವಿಷ್ಯವನ್ನು ತಿಳಿಸಲು ನನಗೆ ನಿರ್ಣಯವಾಗಿ ಗೊತ್ತಿರಲಿಲ್ಲ. ವಿಮಾನವನ್ನು ಹತ್ತುವ ಮುಂಚೆ ದಿಲ್ಲಿಯಲ್ಲಿ ಕಾಗದ ಬರೆದೆ ಅದು ತಲುಪಿರಲು ಸಾಕು. ನಾನು ದಿನಾಂಕ 26-8-1966 ರಂದು ಮುಂಜಾನೆ 3-30 A.M.ಕ್ಕೆ ದಿಲ್ಲಿ ಪಾಲಂ ವಿಮಾನ ನಿಲ್ದಾಣವನ್ನು "ಪಾನ ಅಮೇರಿಕನ" ಎಂಬ ವಿಮಾನದಿಂದ ಬಿಟ್ಟು ತೆಹರಾನ, ಬೈರೂತ (Beirut), ಇಸ್ತಂಬುಲ, ಬರ್ಲಿನ, ಫ್ರಾಂಕ್‌ಫರ್ಟ - ಲಂಡನ, ನ್ಯೂಯಾರ್ಕ, ಲುಯಿವ್ಹಿಲ ಮುಂತಾದ ಪಟ್ಟಣದ ವಿಮಾನ ನಿಲ್ದಾಣಗಳಲ್ಲಿ ಇಳಿದು ದಿನಾಂಕ 27-8-1966 ರಂದು ಸಂಜೆ 6-30ಕ್ಕೆ Kentucky ರಾಜ್ಯದ LEXINGTONಕ್ಕೆ ಸುಖರೂಪವಾಗಿ ತಲುಪಿದೆ. ದಿನಾಂಕ 26-8-66 ರಂದು ಸಾಂಜೆ 6-00 PMಕ್ಕೆ ಲಂಡನದಲ್ಲಿ ವಸತಿ ಮಾಡಿ ದಿನಾಂಕ 27-8-66ಕ್ಕೆ ಲಂಡನನ್ನು ಮುಂಜಾನೆ 10-00 AMಕ್ಕೆ ಬಿಟ್ಟೆ. ಒಟ್ಟಿನಲ್ಲಿ 10,608 ಮೈಲು ಪ್ರವಾಸ ಮಾಡಿದೆ. ಟಿಕೆಟ್ಟಿನ ಖರ್ಚು Rs 4608/-. ಮೊದಮೊದಲು ವಿಮಾನ ಪ್ರವಾಸ ಆನಂದವನ್ನುಂಟು ಮಾಡಿತು. ತದನಂತರ ಬೇಜಾರ ಬಂದಿತು. ಲಂಡನದಲ್ಲಿ ಇಳಿದ ಕೂಡಲೆ ಬೇರೆ ಬೇರೆ ದೃಶ್ಯಗಳು ನನಗಾಗಿ ಮನಸ್ಸಿಗೆ ಆನಂದವಾಯಿತು. ದಿನಾಂಕ 29-8-66 ರಂದು American Peace Corps ದ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮ ಅಂದರೆ ಅಮೇರಿಕೆಯ ಯುವಕರಿಗೆ ಕನ್ನಡ ಕಲಿಸುವ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮ ಪ್ರಾರಂಭವಾಯಿತು. ನಾನು ಈ LEXINGTON ದಿಂದ ದಿನಾಂಕ 12-9-66 ರವರೆಗೆ 4-H-North-Central Camp ದಲ್ಲಿ ಅಂದರೆ 40 ಮೈಲು ದೂರದಲ್ಲಿ ಇದ್ದೆ. ಅಲ್ಲಿ ಉತ್ತಮ ರೀತಿಯಿಂದ ಸಂಘಟಿಸಿದ ಕ್ಯಾಂಪ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮದಲ್ಲಿ ಭಾಗವಹಿಸಿದೆ. ದುಡ್ಡು ಕೊಡಬೇಕಿಲ್ಲ. ಕ್ಯಾಂಪ ಸಂಘಟಿಸಲು ಬೇರೆ ತಿಂದರೆ. ನನಗೆ ನನ್ನ ಜೀವನದಲ್ಲಿ ನಾನು ಕ್ಯಾಂಪುಗಳನ್ನು ಸಂಘಟಿಸಿದ್ದು ನೆನಪಿಗೆ ಬಾರದೇ ಇರಲಿಲ್ಲ. ದಿನಾಂಕ 12-9-66 ರಿಂದ 8-10-66 ರ ವರೆಗೆ ನಾನು ಶಿಕ್ಷಣಾರ್ಥಿಗಳ ಜೊತೆ Practical ತರಬೇತಿ + ಕನ್ನಡ ಭಾಷೆಯಲ್ಲಿ ಕಲಿಸಲು ಲಕ್ಷ್ಯವಹಿಸಿದ Lexington ದಿಂದ 120 ಮೈಲು ದೂರ ಇರುವ ತರಬೇತಿ ನೀಡುವ Monticello ಎಂಬ ಚಿಕ್ಕ ಪಟ್ಟಣಕ್ಕೆ ಹೋಗುವೆ ಆದರೆ ನನ್ನ ವಿಳಾಸ ಮಾತ್ರ ಈ ಪತ್ರದ ಮೇಲ್ಗಡೆಯಲ್ಲಿ ಬರೆದ ವಿಳಾಸವೇ ಸರಿ. ಯಾಕೆಂದರೆ ಅಲ್ಲಿಂದ ನಮಗೆ ಪತ್ರಗಳು ಬರುವ ವ್ಯವಸ್ಥೆ ಮಾಡಲಾಗಿದೆ. ಉತ್ತಮವಾದ ಸಂಘಟನ ಶಕ್ತಿ, ಒಳ್ಳೆ ಕಟ್ಟಿದ ವ್ಯವಸ್ಥೆಯನ್ನು ಅರಿತುಕೊಳ್ಳುತ್ತಲಿರುವ ನಾನು ಕಲಿಯುತ್ತಿರುವೆ. ಮೊದಲಿನ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮದ ಪ್ರಕಾರ ನಾನು Hillo-Hawaii ಗೆ ಹೋಗಬೇಕಾಗಿತ್ತು ಆದರೆ ನಾನು Kentucky Stateಕ್ಕೆ ಬಂದಿರುವೆ. Lexington ದಲ್ಲಿ ಒಂದು ದೊಡ್ಡ ವಿಶ್ವವಿದ್ಯಾಲಯವಿದ್ದು 12,500 ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿಗಳು ಇರುತ್ತಾರೆ. ಇಲ್ಲಿ ನನಗೆ ಪ್ರತಿ ತಿಂಗಳು ಅಮೇರಿಕಾ ಸರಕಾರವು $ 350 ಡಾಲರ ಪಗಾರ ಕೊಡುವರು. ಇಲ್ಲೇ ಇಲ್ಲಿಯೆ ಊಟ ವಸತಿಯ ವ್ಯವಸ್ಥೆ ಇದೆ. ಒಂದು ಕಾರ್ಯಕ್ರಮ ತಿಂಗಳ ಕೊನೆಯವರೆಗೆ ಇದೆ ಇದರಲ್ಲಿ ನಾನು $1400/- (ಹದಿನಾಲ್ಕುನೂರು ಡಾಲರ) ಸಂಪಾದಿಸುವೆ. ಅದರಲ್ಲಿ ಅಂದರೆ ಒಂದು ನೂರು ಡಾಲರ ಮಾತ್ರ ಖರ್ಚು ಮಾಡುವೆ. ಇಲ್ಲಿ ನನ್ನ ಹತ್ತಿರ $1300 ಡಾಲರ ಉಳಿಯುವವು. ಈಗ ನಾನು Rural Sociology or Public Administration or Administration of local Self Govt or Youth-Programme ಈ ವಿಷಯದ ಬಗ್ಗೆ ಒಂದು ವಿಷಯದಲ್ಲಿ ಸಂಶೋಧನೆ ಮಾಡುವ ಪ್ರಯತ್ನದಲ್ಲಿ ಇದ್ದೇನೆ ಹೆಚ್ಚಿನ ಅಭ್ಯಾಸ ಮಾಡುವ ಸಾಧ್ಯತೆ ಇದೆ ಆದರೆ ಇದಕ್ಕೆ ಸಮಯ ಬೇಕು. ಇಂದಿನ ಪ್ರತಿ ದಿನ 2-3 ತಾಸು ಕೆಲಸ ಮಾಡಿ ನೂರು ಡಾಲರ ಸಂಪಾದಿಸುವೆ. ಕುಟುಂಬದ ನನ್ನ ಕುಶಲ ಬೇರೆ ಇಲ್ಲ. ದಿನಾಂಕ 1-10-1952 ರಂದು ನನ್ನ ಜನ್ಮ ದಿನ ನನಗೆ 27

11¢ AIR MAIL

JOHN F. KENNEDY U.S.A

To
Dr. N. S HARDIKARJI
KARNATAK HEALTH INSTITUTE
GHATAPRABHA (Southern Rly) (mysore-state)
GHATAPRABHA (INDIA)

AÉROGRAMME • PAR AVION

FIRST FOLD

SECOND FOLD

Mr. M K MATHAD.
PEACE CORPS PROJECT/INDIA.
CENTRE FOR DEVELOPMENTAL CHANGE
University of KENTUCKY
LEXINGTON KENTUCKY (U.S.A)

टेलीफोन ४५८५१ (५ लाईन)

तार : कांग्रेस

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी

७, जन्तर मन्तर रोड,
नई दिल्ली-१

१५. ८. ६६

पू. डॉक्टर,

श्री लाला लजपतराय यांचे छापून तयार झालेले पुस्तक रजिस्टरने आपणाकडे पाठवले आहे. फक्त कव्हर छापण्याचे बाकी आहे. आज मी श्रीशंकरराव यांना भेटून आलो. त्यांचे म्हणणे

(१) अजून त्यांना forward मिळाला नाही. तो लौकर पाठवावा. मी आज पाठवल्याची तार केलेली आहेच.

(२) आपल्याजवळ लालाजी विषयी अमेरिकेतील वर्तमान पत्रातील paper cutting आहेत ती त्यांना पाहिजेत. त्यातील काही भाग या पुस्तकात घालण्याचा त्यांचा विचार आहे. तरी रजिस्टर करून पेपर कटिंग त्यांना पाठवावीत.

(३) लालाजींच्या पत्रव्यवहारातील काही पत्रे तसेच बरोबरच या पुस्तकात -- छापणार आहेत.

आजकाल श्री भाऊसाहेब यांचेकडून लालाजींनी आपणास पाठवलेल्या पत्रांची नक्कल पुढे मिळाली. ती मी त्यांना आज देऊन दिली. ती पुस्तकात छापतील.

(४) आपला व लालाजींचा फोटो (अंकित) त्यांना पाहिजे. आहे का? २० वर्षांपूर्वी रघुवीर मध्ये एक फोटो आला होता. त्याचा ब्लॉक अगर फोटो कोठे आहे का?

(५) इंग्रजी पुस्तक ऑक्टोबर पर्यंत छापण्याचा संकल्प त्यांचा आहे.

यासंबंधी त्यांना काही सूचना करावयाच्या असतील तर त्या पाठवाव्यात.

श्री भास्करराव यांचे संबंधी लेख पुढारी मध्ये दिला आहे तो आपण पाठवलेल्या लेखाचेच भाषांतर आहे.

इतरा अंक स्वतंत्र पत्राने ~~टपाल~~ पाठविला "सेवादल सिपाही" व
दल सैनिकाचा पाठविला आहे. यानंतर सेवादलाचे हिंदीभाषांतर
एक पत्रिका मुंबई व गुजरात यांना पाठविला आहे. मराठी
पत्रिकेत अंक कोणी पाठवत आहे. तिकडे कोठे पाठवायची
असेल तर पाठवावी.

श्री लक्ष्मणराव हडीकर, आपल्या कामा करता येथे आले आहेत
ते ~~~~ उद्या पुण्यास जातील.

मी १८ तारखेस अमृतसरहून २० तारखेला धारवाडमध्ये येईन,
व तेथून २४ तारखेला बंगलोर मार्गाने केरळकडे जाईन.
हे पुन्हा तारेने Confirm करीन.

आ.

[illegible]

Dr. N. S. Hardiker
K.H.I. Ghataprabha
Dist. Belgaum
(Mysore State)

Second fold here

Sender's Name and Address

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी
७, जंतर मंतर रोड,
नई दिल्ली-१

DELHI 17-9-56

Grams : MYCONGRESS

Phone : 23952

CONGRESS SEVA DAL

(MYSORE PRADESH CONGRESS COMMITTEE)

CONGRESS HOUSE
RACE COURSE ROAD
BANGALORE-9

Ref No.

Date 20 - 9 - 1966.

Respected Shri Inamdar Ji.

I am sorry I am too late to reply your letter. I was not Station I was on leave still 19th. I came here only on 19th Evening. as soon as I reach I saw your letter. Shri Shettar told me that he had already reserved the seat for Eranakulam. He reserved in 3 tier sleeping. as it was too difficult to get first class. your seat for Erakulam reserved in 3 tier on 22nd. Rest in person. I will attend to Station on 22nd Bangalore Express. Convey my respectfull Namaskaras to Doctor Ji.

Yours sincerely
B. Lakke Gowda,
20/9

244

JAMMU KASHMIR PRADESH CONGRESS SEVA DAL

जम्मू कश्मीर प्रदेश कांग्रेस सेवा दल
मुख्य कार्यालय
जम्मू

Head Office :
JAMMU

جموں کشمیر پردیش کانگرس سیوادل
ہیڈ آفس
جموں

Ref. No. 699

Dated 21-9-1966

A condolence meeting was held to day on 21st Sept. 1966 by the Congress Sevadal, Jammu on the sudden death of shri Vishwa Nath Ji shah G.O.C. Congress Sevadal Delhi, who served the country through congress for more than forty years and Hakim sh.Jaswant Rai, the active member of Congress Jammu as well as the office Secretary of Jammu and Kashmir Pradesh Congress Sevadal.

Officers and members of Congress Seva Dal Jammu paid their tributes to the deceased patriots of the Nation and kept silence for two minutes and prayed for the Almighty may grant peace and power to their disgusted families to bear the shock.

Sd/- Ram Krishan

(JOTSHI RAM KRISHAN)MLC
ORGANISER PREDESH CONGRESS SEVADAL
JAMMU & KASHMIR, JAMMU

Dr. [illegible]
Bangalore.

Mr. N.S. Hardiker, Administrator, 245

September 20, 19[illegible]

My Dear Kakatkar,

I need not introduce to you myself freshly. You know me well.

I write to secure the services of Mr. B.N. Joshi who is working under you at Miraj in the National Fitness Corps of your region. He was working here in Ghataprabha as an N.D.S. Instructor when my friend Gen. Bhosale was living. It was he (the General) who had thought fit of helping me in getting the nurses of this Institute trained in physical drill and physical culture. When he offered this help he knew very well that nowhere in the country, nurses who were trained for serving patients in Hospitals, were given this kind of disciplinary training. Therefore, he was anxious to help me in giving training to all the nurses of this Institute.

Mr. Joshi was here for more than three years and after that Miss Sanjivani Telichari stayed for nearly 2 years. It was only last year she was transferred to Poona and none came here after that to continue the good work that was started by Gen. Bhosale. There has been a lapse of more than a year now. The girls here are not being trained in that line.

I want you to think about this. I am anxious to get Mr. B.N. Joshi who is now in Miraj, transferred to this place. I want him to come here because he knows this place, he knows most of the staff, we know him and we know his character very well. He is that way a very useful man and good instructor at that. Just the man who can handle young growing girls and teach them, who can very modestly but in strict manner train the girls in discipline.

I know very well that you belong to a different region altogether. Those who control this region may not like the idea of your handling this question. But my request to you is that you should try and through the medium of centre you should be able to give me the services of Mr. B.N. Joshi. This means that, if the transfer of Mr. Joshi to Ghataprabha is not in your hands you should recommend the same to the centre and through them you should be able to send Mr. Joshi to Ghataprabha. He is your worker and you should be able to spare him for us.

I have placed this request of mine before you and I am sure you will do the needful in the matter.

Hoping to hear from you soon

Your brother,

N.S. Hardikar

(N.S. Hardiker)
Administrator

Shri R.S. Kakatkar,
Regional Director,
National Fitness Corps,
Wetern Region,
Law College,
POONA-4.

Dr. N.S. Hardiker, Administrator, 246

September 20,1966

My Dear Rao,

Never have I written to you before. This is the first time I am writing. The motive is very selfish. Even then I am sure you will appreciate it and help me to help the cause.

Please find herewith a copy of the letter addressed to Mr. Kakatkar of the National Fitness Corps of Poona Region. It speaks for itself.

I know very well the handicaps of those officers. They may not be able to help me directly, because official etiquettes bar them from taking any initiative. The Centre will have to act and to-day I do not know anyone in the central office of the National Fitness Corps. Nor do I know any top officer in the Ministry of Education. In getting this work done your name prominently came before my eyes because you are an educationist and you know everyone in Education circle. Hence I am writing to you.

The director-General of National Fitness Corps is, it seems, Mr. A.S. Pathania. Either he or someone else in the Ministry of Education must be handling the question of transfers. I want you to see that this man - Mr. B.N. Joshi now at Miraj is transferred here for giving training to our Auxiliary Nurse Midwife students who are more than 90. I am sorry to give you this kind of trouble to help me. But then, whom shall I approach, if not you? I will speak to Mr. C.V. Krishnamoorthi Rao when he comes here and tell him that I have written to you directly. Do whatever you like but help me.

How are you? How is everything else? Are you coming this side at any time in the near future? Please write.

Your brother,

N S Hardiker

(N.S. Hardiker)

To

Shri V.K.R.V. Rao,
Member, Planning Commission,
Govt. of India,
NEW DELHI.

SGP

Telephone: 82
Telegram: LEPROCURE

GANDHI MEMORIAL LEPROSY FOUNDATION

Director
Dr. R. V. Wardekar,
M D

P O HINDI NAGAR
WARDHA
[Maharashtra]

Ref. No 676/6402/66

22th September 1966.

Dear Dr. Hardikar,

Many thanks for your letter of 7th September extending me an invitation to visit your institute. When possible I would certainly be very happy to come, stay with you all for a day or two and see the splendid work being done by Dr. Vaidya and his colleagues.

As regards your request to send Shri Vannur there for some time the position is this. He has been brought from our Andhra centre. He therefore has to be in Wardha from September to March. I can however send him to you for about 3 months or so from May 1967 to July 1967. During the period of 3 months he is with you, he can carry out a preliminary survey of the area round about your centre. It will take a very long time to carry out a complete survey of the whole district and it is not possible for us to spare Shri Vannur for such a long time. On the basis of the data collected by Shri Vannur, we can then plan out what work your organisation should start.

In case you agree to have Shri Vannur for 3 months, you will have to spend something for his stay. As per our service rules, when we depute a worker to another place for a short period, we pay him in addition to his salary a deputation allowance of Rs. 75/- p.m. In case we send Shri Vannur to your centre for 3 months the Foundation will pay his salary, house-rent allowance and T.A. bill for going from Wardha to Ghatprabha and back. You will have to pay him the deputation allowance of Rs.75/- p.m. In addition you will have to make arrangements for his travelling for survey work and also spend for it if necessary.

Please let me know your decision early.

We have been very fortunate in having a number of good workers in our Office as well as the field. The work of the Leprosy Foundation is therefore going on very well.

I am sending by registered post some of our literature which I am sure you will find interesting.

I thank you once again for your kind letter.

With best wishes,

Yours sincerely,

R. V. Wardekar

(R. V. WARDEKAR)
Director.

Dr. N. S. Hardikar,
Administrator
Karnatak Health Institute,
Ghatprabha, Dist. Belgaum.

248

concrete and practical suggestions are made in this connection. Really speaking much depends upon the worker. A good worker can make a dull programme attractive and a bad worker otherwise. Again only extremism and emotional things appeal to the youths. and the Congress ideology and programmes are rather cold for them. But if Seva Dal would offer opportunities and an avenue to build up political and social career enthusiastic and educated youths can be attracted towards Seva Dal. So it would be a step in the right direction, if service in Seva Dal is treated as an apprenticeship of the cadre for positions and responsibilities in the Congress organisation and parliamentary activities.

5) Inspite of Seva Dal being a voluntary workers body it needs some whole time or part time paid workers at Pradesh and district levels. This will bring stability and security to the workers as well as to the organisation at these levels. The selection of workers shall also have to be rather strict and critical.

To effectively guard these workers from group politics and it subsequent disadvantages to Seva Dal it is necessary that the workers be paid from an agency other than under whom one has to work. So it would be better to organise an All India service for workers at pradesh level and Pradesh service for workers at district and local levels.

S.V. Inamdar

24.9.1965

Prof.V.K.R.V.Rao
Member

योजना आयोग
नई दिल्ली
PLANNING COMMISSION
NEW DELHI

22nd September, 1966.

Dear Dr. Hardiker,

Thank you for your letter dated the 20th September, 1966.

The copy of the letter addressed to Mr. Kakatkar does not seem to have been enclosed with your letter referred to above. After I have seen that, I shall see what I can do in the matter.

Yours sincerely,

(V.K.R.V.Rao)

Dr.N.S.Hardiker,
Administrator,
Karnatak Health Institute,
(Hospital and Sanatorium),
P.O. K. H.Institute,
Dist. Belgaum.
(Mysore State)

250

R. S. KAKATKAR
REGIONAL DIRECTOR.

D.O.NO.RD.6/NFC/WR/66- 28858
Office of the Regional Director,
National Fitness Corps, W. R,
MINISTRY OF EDUCATION, GOVERNMENT OF INDIA.
...
Law College Premises, Poona.4.
Dated: the 22nd September, 1966.
31st Bhadra,SE, 1888.

Dear Dr. Hardikarji,

~~Dear~~

I am in receipt of your letter dated September 20,66. As stated by you there is absolutely no necessity for any formal introduction by you. I am aware of the excellent work that is being done by your institution.

As desired by you I shall forward your case to the NFC Directorate, New Delhi for further consideration as you yourself have agreed that this office is not in a position to handle the question of posting instructor to your institute. However, before I forward the case of your institute to the NFC Directorate, New Delhi, I shall feel highly obliged if you can kindly supply me the following information.

1) Is there any High School at Ghataprabha?.
2) If there is no High School at Ghatprabha, is there any High School within radius of 5 miles from Ghataprabha?.
3) If there is a High School either at Ghatprabha or within a distance of 5 miles from Ghatprabha, what is total enrolment in that High School?.
4) If there is a High School, is any NFC. Instructor working in that School?.

On receipt of this information from you, I shall be in a better position to forward your case to the NFC Directorate, New Delhi.

With best regards,

Yours Sincerely
R S Kakatkar
(R. S. Kakatkar)

Dr. N. S. Hardikar,
Administrator,
The Karnatak Health Institute
Hospital and Sanatorium
Ghatprabha (S.Rly)

251

VIVEK ELECTRONICS

DEALERS IN BENGAL LAMPS AND OTHER ELECTRICAL ACCESSORIES

MALLESWARAM CIRCLE Post Box No. 1035 BANGALORE - 3

Ref.

Date September 23, 1966.

Dr. N. S. Hardikar,
M/s. Karnatak Health Institute,
Ghataprabha,
Belgaum District.

Dear Sir,

Please find herein the ~~bill~~ Price of 4' and 2' tube light.

4' Mazda Tube Light	Rs.	10-65 Paise per piece. (10-65 np)
4' Light House	Rs.	9-00 " " "
2' Mazda Tube	Rs.	8-25 " " "
2' Light House		- no stock -

Minimum order 60 pieces each variety and F.O.R. Destination.

Thanking you,

Yours faithfully,
for VIVEK ELECTRONICS.

G. A. Vivekanand

(G.A. Vivekananda)
PROPRIETOR.

D. P. Karmarkar. 252
14 HOTEL 14
14 EAST 60 Street
New York – NYC
USA.

New York
[illegible]

My dear Doctor, We left Delhi on the 18th night and reached New York on the 19th night. The United Nations Assembly commenced its work on the 20th. The work is not very heavy & I am able to get ample rest. Inevitably I read a lot according to my habit.

When I came from there, I learnt that the additional supplementary grant of Rs 50,000 was approved in principle and that perhaps further information may be asked. I hope Dr. Vaidya will give the information enabling the release of the grant. The payment ~~of~~ the supplementary grant, will clear the way for trying for further grant for this year.

I hope you and Dr Vaidya and all other collegues are keeping well and in good health.

Life here is easy. I have chosen a quiet hotel, with a good room I am perfectly at home. We get all types of Vegetarian food. I take ample fruit-juice and leafy Vegetables. Fruit is plenty and I am generously ~~pat~~ patronising delicious apples.

I will ~~~~ return in the last week of December, on the close of the Session on Dec-20th.

Please post the letters on the accompanying flaps to the respective parties mentioned at the top. Take all care of your health.

Yours affectionately
D. P. Karmarkar

डॉ. वैद्य. श्री. 253

c/o Dr. Tara Kanetkar
185/171 Lyons Avenue
Newark
N.J. U.S.A.
२९-१०-६९

सप्रेम नमस्कार वि. वि.

इकडून एक पोचल्याचे पत्र टाकले होते. त्या आधी मुंबईहून एक पत्र टाकले होते. दोन्ही पोचली असतीलच. [illegible] चालतेय.

श्रीमती [illegible] बद्दल डॉ. [illegible] यांच्या पत्रात लिहिले आहेच. मी काही तिला ओळखत नाही. जे. एस. आर. ला तिला कधी दिल्याचे मला आठवत नाही. शिवाय त्या चार वर्षांत तिचं ५० ते ६० वजन कमी झालेलं म्हणे. जे एस आरला तिला मदत व प्रेम मिळण्याचे आदेश दिलेत.

डॉ. [illegible] पत्र पाठवायला उशीर नाही. [illegible] ती लिहिली नाहीतर

आल्यानंतर २-३ दिवसांनी मी रोज काम करीत ते हॉस्पिटल पाहिले. खूपच मोठं आणि व्यवस्थित आहे. ५०० बेड्स आहेत. [illegible] सर्व [illegible] आहे. पहिल्या दिवशी [illegible] वर clinical मीटिंग होती. तिला गेले. चांगली [illegible] discussions. दुसरे दिवशी obstetrical meeting होती. तिला गेले. slight Pelvic disproportion-ची एक primi केस होती. सिझेरियन केले होते. पण ते करता बरोबर होते का ते [illegible] trial [illegible] बरोबर खूप चर्चा झाली. एक दोघांनी मला पण विचारले. [illegible] मी Caesarean केले असते म्हणून सांगितले. दुसरी केस Accidental Haemorrhage-ची होती. [illegible] सिझेरियन करताना त्याने sterilisation केले [illegible] तर मी केलं असतं म्हणून सांगितले. तिसरी केस Pelvic abscess ची septic abortion ने झालेली होती. तिचा D&C [illegible] म्हणून विचारले. प्रथम [illegible] abscess नाही [illegible] D&C केली असती म्हणून सांगितले. वाद विवाद बराच रंगला होता. तिसरे दिवशी Rheumatism वर एक मोठ्या प्रोफेसरचं व्याख्यान होतं [illegible] नंतर [illegible] व्याख्यान Hypothyroidism वर होतं. प्रोफेसर [illegible] होत्या. वादविवाद चांगला झाला. मला केमिस्ट्री फारशी

कोल्हापूरला नाही Endocrinologist च सांगत होता सर्व. पण माझे
[illegible] काळ नसल्याने मला ते कळले नाही कारण. नंतरची मीटिंग
urinary infection ची होती. आणि Pyelitis च्या पुढे केसमध्ये
ते समजले.

पुण्याच्या हॉस्पिटलमध्ये अद्याप गेले नाही. त्यांनी तर [illegible]
हॉस्पिटलला माझा प्रोग्राम एक आकार केला आहे. पण ते हॉस्पिटल इथून
लांब आहे मला एकटीला सापडणार नाही. आणि चि. सौ. ताराला तर
फुरसत नाही. पहाते कधी आणि कसं जमतंय ते. सौ. ताराच्या
हॉस्पिटलमध्ये सर्वांचेच सर्जरी होते ते पण पहायचे म्हणते. Clinical
मीटिंग्स रोजच असतात व त्याला मी जाते.

चि सौ तारा सकाळी ८ ला
जाते ती साडेसहाला ७ ला येते नंतर [illegible] कोर्स रोजच असतात
[illegible] रात्रीपर्यंत [illegible] असतो ती Pediatrics मध्ये काम करते
तारांची मुलगी आणि नवरा पण ८ वाजता जातात आणि रात्री [illegible]
[illegible] रात्री मात्र सर्व एकत्र जेवतात.

येथे स्वच्छता आहे [illegible] दिवसभर [illegible]
बाहेर पडणे म्हणजे कुठे कोठे पहायचे असेल तर कठीण आहे. कारण
सध्या थंडी मला तरी खूप सवय आहे. [illegible]
[illegible] बारा, [illegible] आराम [illegible] रोज [illegible]
[illegible] नाही सध्या दूध, [illegible] फळ [illegible] चालू आहे आता

काम भरपूर आहे [illegible] स्वप्न [illegible] असेल [illegible] सौ
[illegible] फुरसत होते का [illegible] करायला? डॉ. [illegible]
[illegible] सांगितले? [illegible] मला [illegible] असायचे [illegible]
[illegible] दिवाळीला [illegible] असतीलच? [illegible] शुभेच्छा
[illegible] होवो ही प्रार्थना

डॉ. [illegible] आचार्य [illegible] तरी
[illegible] फुरसत होते का? औरंगाबादकरांच्या [illegible]
[illegible] मुंबईला [illegible] [illegible]. [illegible]
ते. औरंगाबादच्या डॉ. [illegible] मुलाला [illegible]
आलो होतो मुक्काम.

[illegible] थोडा [illegible] होत आहे तरी [illegible]
[illegible] सकाळी. सौ. [illegible] व चि. [illegible] आशीर्वाद
श्री [illegible] आचार्य डॉ [illegible] व डॉ [illegible] नमस्कार.
कळावे [illegible] Dr B R [illegible]

[illegible]

प्रा. इर्डीकर

284, c/o ~~Dr.~~ Tara Kanetkar
165/171. Lyons Avenue
Newark
N.J. U.S.A.
२९-१०-६६

पू. ती. सा. न. वि. वि.

तुझे पोचल्याबरोबर आपण, डॉ.

१९ जानी मेहूण यांना मी कार्ड टाकले होते. ते पोचलेच असतील?

[illegible] दुसरे दिवशी मी श्री करमरकर, डॉ. [illegible] यांना पण टाकली होती. पण [illegible] सौयरचा फोन आला होता. श्री करमरकरांचा पण १६ दिवसांनी आज [illegible] [illegible]

[illegible]

सोमेरचे [illegible] २-३ फोन आले. [illegible] टागोर सोसायटीची स्थापना केली आहे. [illegible] एक Cultural Program होता [illegible]

[illegible] दिवशी [illegible]

[illegible]

मोटारी, काय त्या गगनचुंबी इमारती, काय त्या यांत्रिक कलाकृती [illegible] कांचे दिवले आणि काय झिरझिरावले लोकांचे मी [illegible] त्या शहरातून कधीच फिरणं शक्यच नाहीसे वाटले. असो.

शांता खूप छान आहे. शांताची पानं सगळी गळू लागली आहेत पाच्यांचे पान सगळीकडे विखुरल्याने दिसते. चारोंकडे गवताहेत सकाळच्या वेळी खूप थंड असल्याने काही दिसत नाही. पण घरात गरम उब आहे. शांता नाचायला कोठे जात नाही

चि. सौ. तारा, तिची मुलगी व नवरा सर्व ठीक आहेत.
चि. सौ. ताराचे हॉस्पिटल जवळच आहे ७-८ दिवस तेथे clinical Meetings ना जाते चि. सौ. तारा Pediatric Department मध्ये काम करीत असल्याने आई व्यवस्था घरी आपल्यामुळे होऊच शकणार नाही. इथल्या डॉक्टरांची किंमत शास्त्राची आहे ती

एवढ्या पगारातून मी अर्जुनाना पण पाठवीत आहे आणि नोकरीही लागली आहे तेव्हा तेथे कार्यालयात निर्णय होणार नाही म्हणून हा मार्ग

श्री गंगुताईंची आणि आपली काळजी करीत आहे? शेवटी कि आचार्य काय म्हणताहेत? ची निर्मला चे काम ठीक आहे ना?

माझ्या कामाच्या काही गमती चि. सौ. ताराच्या सांगण्यात आहेत मेडिकल मजकूर डॉ. तैयारांच्या पत्रात आहे आपणाला इथे आवडेल असा मजकूर आपल्या पत्रात आहे बाकी मजकूर आता पुढील पत्री
श्री गंगुताईना सा. न. बाकी सर्वांना आशीर्वाद
कळावे हे लि.

लिखित
मधुताई

256

Grams: CONGRESS Phone: 325

Punjab Pradesh Congress Committee

CHANDIGARH.

Ref. No. ________ Dated 26.9.66

Respected Dr. Sahib

I have the opportunity to request you to send a message of good wishes to the Sports Meet as per programme attached.

With kind Regards,

Yours Sincerely

Gulzar Singh Judge

Dr. Hardikar,
Sanchalak,
Congress Seva Dal.
Ghataprabha.

257

PUNJAB PRADESH CONGRESS COMMITTEE
CONGRESS SEVA DAL

Circular No. 9/66

52E, Sector 21B,
Chandigarh-17
September 24, 1966.

Subject: DR. HARDIKER SPORTS MEET- 1st & 2nd OCTOBER at CHHEHARTA (Amritsar)

Dear friend,

I hope you all would be busy preparing for the Sports Meet. The final dates of the Meet are 1st and 2nd October, 1966. You are requested to reach in time with your SPORTSMEN and ACTIVE OFFICERS.

The detailed programme is as follows:-

1.10.1966 (Saturday)

1.	Date & time of arrival	:	1st October upto 11-00 A.M.
2.	Place	:	The Amritsar Sugar Mills, G.T. Road, CHHEHARTA (Amritsar) Phone : 8382
3.	RECEPTION	:	at 2-00 P.M. on the 1st October, the Director, Sports Meet, will have a talk with the participants.
4.	INAUGURATION ..	:	at 4-00 P.M. , Shri Hans Raj Sharma, General Secretary, P.P.C.C., will inaugurate the meet.
5.	CULTURAL MEET ..	:	There will be cultural programme at 8-00 P.M. onwards.

2.10.1966 (Sunday)

6.	FLAG HOISTING ..	:	Giani Zail Singh, M.L.A., General Secretary, P.P.C.C. will unfurl the National Flag.
7.	SPORTS	:	Sports (contd.)
8.	CLOSING FUNCTION	:	at 4-00 P.M. Prize distribution & closing function . General Mohan Singh, Founder , Indian National Army to be the Chief Guest.

OTHER INFORMATION:

(a) Bakshi Sampuran Singh, Visthapak, Congress Seva Dal, Rural, Amritsar, is the Chairman of the Reception Committee.

(b) You can contact any of the following telephones in case you feel any inconvenience at Amritsar.

43672 D.C.C., Urban - Shri Jugal Kishore D.O., Urban., Asr.
42874 Shri Roshan Lal Khanna, Pradesh Publicity Officer
47495 - Shri Bakshi Ram Khosla, District Organiser, Rural, Asr.

(c) Please bring light bedding with simple kit.

(d) Items in the Sports:
i. Volleyball, Kabaddi, Gulli-danda & Kho-kho (for gents)
ii. Dodge ball (for ladies)
iii. 100M & 200 M race (for gents)
iv. Three legged race (for ladies)
v. Mass Game (for all).

With best wishes;

Yours sincerely,
Gulzar Singh Judge
(Gulzar Singh Judge)
G.O.C.

TO ALL CONCERNED

SPS

ਪੰਜਾਬ ਪ੍ਰਦੇਸ਼ ਕਾਂਗਰਸ ਕਮੇਟੀ

ਕਾਂਗਰਸ ਸੇਵਾ ਦਲ

ਪ੨ਈ, ਸੈਕਟਰ ੨੧ਬੀ,
ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ, -੧੭
ਸਤੰਬਰ ੨੪, ੧੯੬੬.

ਸਰਕੂਲਰ ਨੰ: ੯/੬੬

ਵਿਸ਼ਾ: ਡਾਕਟਰ ਹਾਰਡੀਕਰ ਖੇਡ ਮੇਲਾ - ਅਕਤੂਬਰ ੧ ਤੇ ੨, ਛਿਹਰਟਾ (ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ)

ਪਿਆਰੇ ਸਾਥੀ,

ਆਸ਼ਾ ਹੈ ਕਿ ਆਪ ਖੇਡ ਮੇਲੇ ਦੀ ਤਿਆਰੀ ਵਿਚ ਰੁਝੇ ਹੋਵੋਗੇ। ਖੇਡ ਮੇਲਾ ਅਕਤੂਬਰ ੧ ਤੇ ੨, ੧੯੬੬ ਨੂੰ ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਸ਼ੂਗਰ ਮਿਲ, ਜੀ. ਟੀ. ਰੋਡ, ਛਿਹਰਟਾ (ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ) ਵਿਖੇ ਹੋ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਆਪ, ਆਪਣੇ ਖਿਡਾਰੀਆਂ ਤੇ ਐਕਟਿਵ ਸਾਥੀਆਂ ਸਮੇਤ ਸਮੇਂ ਸਿਰ ਪੁਜੋ। ਵਿਸਥਾਰ ਪੂਰਵਕ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਇਸ ਪ੍ਰਕਾਰ

<u>੧/੧੦/੧੯੬੬</u>

ਪਹੁੰਚਣ ਦਾ ਸਮਾਂ ਤੇ ਸਥਾਨ। ਇਕ ਅਕਤੂਬਰ ਨੂੰ ੧੧ ਵਜੇ ਤਕ, ਛਿਹਰਟਾ (ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ) ਵਿਖੇ ਪੁਜਨਾ। ਦੋ ਵਜੇ ਦੁਪੈਹਿਰ ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਖੇਡ ਮੇਲਾ -ਖਿਡਾਰੀ ਤੇ ਦੂਜੇ ਬਾਹਰੋਂ ਆਏ ਵਰਕਰਾਂ ਗਲ ਬਾਤ ਕਰਨਗੇ। ਉਦਘਾਟਨ: ਸ਼ਾਮ ਚਾਰ ਵਜੇ, ਸ੍ਰੀ ਹੰਸ ਰਾਜ ਸ਼ਰਮਾ, ਜਨਰਲ ਸਕਤਰ, ਪ੍ਰਦੇਸ਼ ਕਾਂਗਰਸ ਕਰਨਗੇ। ਰਾਤ ਅੱਠ ਵਜੇ ਮਨੋਰੰਜਨ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਹੋਵੇਗਾ।

<u>੨/੧੦/੧੯੬੬</u>

ਸਵੇਰੇ ਦਸ ਵਜੇ ਕੌਮੀ ਝੰਡਾ ਲਹਿਰਾਉਣ ਦੀ ਰਸਮ ਗਿਆਨੀ ਜ਼ੈਲ ਸਿੰਘ, ਜਨਰਲ ਸਕਤਰ, ਪ੍ਰਦੇਸ਼ ਕਾਂਗਰਸ, ਅਦਾ ਕਰਨਗੇ। ਉਸ ਤੋਂ ਬਾਦ ਬਾਕੀ ਖੇਡਾਂ ਹੋਣਗੀਆਂ। ਸ਼ਾਮ ਨੂੰ ਚਾਰ ਵਜੇ ਇਨਾਮ ਵੰਡਨ ਦੀ ਰਸਮ ਜਨਰਲ ਮੋਹਣ ਸਿੰਘ, ਬਾਨੀ ਅਜ਼ਾਦ ਹਿੰਦ ਫੌਜ, ਅਦਾ ਕਰਨ ਗੇ।

ਖੇਡਾਂ ਵਿਚ - ਵਾਲੀਬਾਲ ਕਬੱਡੀ, ਗੁਲੀ ਡੰਡਾ ਤੇ ਖੋਹ-ਖੋਹ ਅਤੇ ਡਾਜ ਬਾਲ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ੧੦੦ ਤੇ ੨੦੦ ਮੀਟਰ ਦੀਆਂ ਦੌੜਾਂ, ਤਿੰਨ ਟੰਗੀ ਦੌੜ ਤੇ ਸਭ ਲਈ ਇਕ ਸਾਂਝੀ ਖੇਡ ਸ਼ਾਮਲ ਹਨ।

ਹੋਰ ਜਾਣਕਾਰੀ ਹੇਠ ਲਿਖੇ ਅਨੁਸਾਰ ਹੈ:- ਬਖਸ਼ੀ ਸੰਪੂਰਣ ਸਿੰਘ ਜੀ ਵਿਸਥਾਪਕ, ਕਾਂਗਰਸ ਸੇਵਾ ਦਲ, ਸਵਾਗਤੀ ਕਮੇਟੀ ਦੇ ਪ੍ਰਧਾਨ ਹਨ। ਹਲਕਾ ਬਿਸਤਰਾ ਤੇ ਸਾਦੀ ਕਿਟ ਨਾਲ ਲੈਂਦੇ ਆਉਣਾ। ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਪੁਜਣ ਤੋਂ ਬਾਦ ਜੇਕਰ ਆਪ ਨੂੰ ਕੋਈ ਮੁਸ਼ਕਲ ਪੇਸ਼ ਆਵੇ ਤਾਂ ਹੇਠ ਲਿਖੇ ਟੈਲੀਫੂਨ ਨੰਬਰਾਂ/ਅਗਵਾਈ ਲੈ ਸਕਦੇ ਹੋ।

੪੩੬੭੨ ਜ਼ਿਲਾ ਕਾਂਗਰਸ ਸ਼ਹਿਰੀ- ਸ੍ਰੀ ਜੁਗਲ ਕਿਸ਼ੋਰ, ਜ਼ਿਲਾ ਸੰਗਠਕ, ਸ਼ਹਿਰੀ
੪੭੪੯੫ ਸ੍ਰੀ ਬਖਸ਼ੀ ਰਾਮ ਖੋਸਲਾ, ਜ਼ਿਲਾ ਸੰਗਠਕ- ਅੰਮ੍ਰਿਤਸਰ ਦਿਹਾਤ.
੪੨੮੭੪ ਸ੍ਰੀ ਰੌਸ਼ਨ ਲਾਲ ਖੰਨਾ, ਪ੍ਰਦੇਸ਼ ਪਰਚਾਰ ਅਧਿਕਾਰੀ

ਸ਼ੁਭ ਇਛਾਵਾਂ ਸਹਿਤ,

ਆਪ ਦਾ ਸਾਥੀ,

(signature)

([illegible] ਸਿੰਘ [illegible])

253

(C O P Y)

R.S.Kakatkar,
Regional Director.

D.O.No.RD.6/NFC/WR/66
Office of the Regional Director,
National Fitness Corps, W. R,
Law College Premises, Poona.4.
Dated: the 22nd September,66.
31st Bhadra,SE, 1888.

Dear

I am in receipt of your letter dated September 20, 1966. As stated by you there is absolutely no necessity for any formal instroduction by you. I am aware of the excellent work that is being done by your institution.

As desired by you I shall forward your case to the NFC Directorate, New Delhi for further consideration as you yourself have agreed that this office is not in a position to handle the question of posting Instructor to your institute. However, before I forward the case of your institute to the NFC Dte., New Delhi, I shall feel highly obliged if you can kindly supply me the following information.

1) Is there any High School at Ghatprabha?.
2) If there is no High school at Ghatprabha, is there any High School within radius of 5 miles from Ghataprabha?.
3) If there is a High School either at Ghatprabha or within a distance of 5 miles from Ghatprabha, what is total enrolment in that High School?.
4) If there is a High School, is any NDS. Instructor working in that School?.

On receipt of this information from you, I shall be in a better position to forward your case to the NFC Directorate, New Delhi.

With best regards,

Yours

Sd/-

(R. S. Kakatkar)

Dr. N. S. Hardikar,
Administrator,
The Karnatak Health Institute
Hospital and Sanatorium
Ghatprabha (S. Rly)

260

D.O.No.RD.6/NFC/WR/66-3268
Office of the Regional Director,
National Fitness Corps, W. R,
Law College Premises, Poona.4.
Dated: the 17th October, 1966.
25th Asvina, 1888.SE.

R.S. Kakatkar,
Regional Director.

Dear Dr. Hardikarji,

Kindly refer to my d.o.letter No.RD.6/NFC/WR 66- 28858 dated 22nd September, 1966 (Copy enclosed for ready reference).

I have not received any reply from you as yet. As already stated, inorder to present the case of your institute, the information asked for by me is quite essential.

Will you kindly supply me the necessary information so that I can forward the case with necessary recommendations? Hoping to receive an early reply.

With kind regards,

Yours sincerely
R S Kakatkar
(R. S. Kakatkar)

Encl: One

Shri (Dr) N. S. Hardikar,
Administrator,
The Karnatak Health Institute
Hospital and Sanatorium,
GHATPRABHA (S. Rly)

261.

S. V. KRISHNAMOORTHY RAO,
DEPUTY SPEAKER, LOK SABHA

TELEPHONES :
Office 31455
Residence 33513
10, Akbar Road,
NEW DELHI-11, 28-9-66

My dear Doctor,

Herewith tour programme of Raja. He is arriving at Ghataprabha at 6.15 on the 7th Friday morning and leave for Dharwar by the 9.27 Mail. He will spend 2 or 3 hours with you just to look you up. He is short of time and cannot spend more time with you. I hope you will excuse him.

Dr. V.K. Rao told me he knows nobody in the National Fitness Corps and cannot be of any help to you.

Nandaji is not in Station. He is arriving tomorrow. I shall contact him on arrival and let you know about Dr. Athalye.

All else okay.

Yours affly
Amma

TOUR PROGRAMME OF SHRI S.K. SRINATH, SON OF
SHRI S.V.KRISHNAMOORTHY RAO, DEPUTY SPEAKER, LOK SABHA.

OCTOBER, 1966:				Hours	
Saturday	1	Dep	New Delhi	16.45	A.C.Express
Sunday	2	Arr	Baroda	09.00	
Monday	3	Dep	Baroda	00.06	Gujrat Mail
		Arr	Bombay Central	0655	
			Halt at Bombay: 3rd to 5th Oct.		
Thursday	6	Dep	Bombay V.T.	1430	Madras Express
		Arr	Poona	1815	
		Dep	Poona	1955	Poona-Vasco-da-Gama
Friday	7	Arr	Ghataprabha	0615	
		Dep.	Ghataprabha	0927	Poona-Bangalore Mail
		Arr	Dharwar	1454	
Saturday	8	Dep	Dharwar	1500	Poona-Bangalore Mail
Sunday	9	Arr	Bangalore City	0635	
		Dep	Bangalore City	0730	Hubli-Mysore Mail
		Arr	Mysore	1150	
			Halt at Mysore: 9th to 11th Oct.		
Tuesday	11	Dep	Mysore	2005	Mysore-Arsikere Pass (through coach)
Wednesday	12	Arr	Shimoga	0717	
"	"	Dep	Shimoga	2054	Talguppa-Birur Fast Pass (through coach)
Thursday	13	Arr	Bangalore City	0635	
			Halt at Bangalore: 13th & 14th		
Saturday	15th	Dep	Bangalore	1435	IAC Flight No.106
		Arr	Bombay (Santa Cruz)	1600	
Sunday	16th	Dep	Bombay (Santa Cruz)	0700	IAC Flight No.181
		Arr	Delhi (Palam)	0850	

10 Akbar Road,
New Delhi, 27.9.66

263

S. V. KRISHNAMOORTHY RAO,
DEPUTY SPEAKER LOK SABHA

TELEPHONES:
RESIDENCE 33518
OFFICE 31455

10, AKBAR ROAD,
NEW DELHI

Sept. 30, 1966

My dear Doctor,

Shri C.A. Subramanyam, Managing Director, Hindusthan Antibiotics, Pimpri writes to me that he has sent to you on the 6th of this month another bottle of Thermomycin. I trust you have received it and found it useful.

With kind regards,

Yours sincerely,

(S.V.Krishnamoorthy Rao)

Dr. N.S. Hardikar,
Karnatak Health Institute,
Ghataprabha.

264

MIT LUFTPOST

PAR AVION

B 1/10/66

Heidelberg

Best of wishes. Am here today. Going to Munich & Paris tomorrow. Will be back on 15th Delhi. How are you keeping.

B. Mehta

Dr. N. S. Hardiker
Karnatak Health Institute
Ghatprabha
Dt. Belgaum
Mysore State
Indien

265

S. V. KRISHNAMOORTHY RAO,
DEPUTY SPEAKER, LOK SABHA

TELEPHONES:
RESIDENCE 33513
OFFICE 31455

10, AKBAR ROAD,
NEW DELHI-11 Oct. 6, 1966

Dear Sir,

I am directed to quote the letter received from the Private Secretary to the Minister for Home Affairs regarding the issue of a "P" Certificate to Dr.(Mrs.) M. Athalye of the Karnatak Health Institute:-

"Letter No. 11133/S-10751/S-MM/66
dated 5th October 1966.

I am desired to refer to Shri Rao's letter dated 29th September, 1966, to the Union Home Minister, regarding issue of a "P" Certificate to Dr. (Mrs.) M. Athalye of the Karnatak Health Institute and to inform you that the papers have been forwarded to the Private Secretary to the Minister of Finance for getting her case examined sympathetically."

With highest regards,

Yours sincerely,

[signature]

for Private Secretary to
Deputy Speaker, Lok Sabha.

Dr. N. S. Hardikar,
Karnatak Health Institute,
Ghataprabha.

266

Telegrams : CONGRESS

Telephone : 45851 (5 Lines)

ALL INDIA CONGRESS COMMITTEE

7, JANTAR MANTAR ROAD, NEW DELHI-1

2-८-६६

पू. डॉक्टर,

एर्नाकुलम येथे भरणाऱ्या A.I.C.C.च्या
सभेकरता ठराव मी पाठवत आहे त्याची
एक प्रत आपल्या माहितीकरता पाठवत आहे.
Private resolution ना या सभेत स्थान मिळेल
किंवा नाही याची शंका आहे. तरी पण निदान
A.I.C.C.चे मेंबर हे वाचतील तरी.

माझ्या कामाच्या पत्रांत एक गोष्ट लिहिली
नव्हती ती आपल्या माहितीकरता लिहीत आहे.

आज पर्यंत रघुवीराव माझ्या संबंधी
पुष्कळांना व्यक्तिगत पत्र लिहीत आले आहेत.
त्याच्याशी मला काहीच करायचे नव्हते. पण
श्रीनगर शिबिरातील कार्यकर्त्यांना वाचण्या
करता त्यांनी एक circular letter पाठवले
होते. मला वाटते ते पत्र सर्वांनी वाचले असावे.
मी ते मागितले नाही म्हणून वाचले पण नाही. त्या
पत्राचा तेथील कार्यकर्त्यांच्या मनावर विपरीत

व कार्यपरिणाम झाला असेल याचा मला थोडासा अंदाज आहे. तेव्हां त्या बद्दल मला विशेष वाटत नाही. परंतु अशा तऱ्हेने स्वामींच्या [illegible] कार्य करणारे मध्ये पत्र (circular letter - personal letter नाही) पाठवून विकृत वातावरण तयार करण्याचा प्रयत्न करणे healthy controversy चे द्योतक आहे असे मला वाटत नाही. उलट संघटनेच्या दृष्टीने हा एक मोठा गुन्हा आहे असे म्हणावे लागेल. संघटनेत अन्याय अगर तक्रारी दाद मिळवण्या करता वरच्या अधिकाऱ्यांकडे पाठवावयाच्या असतात स्वामींच्या लोकांत त्या पसरवून वरील अधिकाऱ्या विषयी गैरसमज अगर disrespect पसरवण्याचा प्रयत्न करणे तिरस्करणीय आहे.

शिबिरात एकनाथराव संबंधी एक प्रश्न विचारला गेला होता पण आपल्या शिबिरात संबंधी सर्वांचे पुढे चर्चा करण्यास मी तयार नाही कारण मला त्यांच्या वागण्या संबंधी काही स्पष्ट बोलावे लागेल जे मला योग्य वाटत नाही. पण व्यक्तिगत कोणाशीही चर्चा करण्यास मी तयार आहे असे सांगावे. हा प्रश्न तीर्थरूपांकडे.

बाकी विशेष नाही!

आ.
रा. वा. इनामदार

Resolutions for A.I.C.C. Meeting. ERNAKULAM.

With a view to develop further interest of the Congressmen and the Cogress Committees in the Seva Dal Organisation and to make the Congress Seva Dal more self reliant dignified and effective, It is resolued that the Congress Seva Dal ~~xx~~ be ~~registered~~ reorganised as an autonomous body under the General Control and Supervision of the All India Congress Committee.

(S.V. Inamdar)
~~All India Organiser.~~

....

With a view to encourage disciplined selfless service in the Congress Organisation it is resolVed that while selecting candidates for the coming General Elections preference shall be given to Congressmen who are trained and have worked under the Congress Seva Dal for at least one year.

(S.V. Inamdar)
~~All India Organiser.~~

Gram: CONGRESS Phone : 45851 (five lines)

ALL INDIA CONGRESS COMMITTEE

7, Jantar Mantar Road, New Delhi-1

७.१०.६८

प्रि. डॉ. [illegible],

आपला [illegible] कृपापत्र पोचला [illegible]
पत्रव्यवहारासंबंधी, [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] पत्रव्यवहारासंबंधी [illegible]
आहे.

आता यांचे पत्रव्यवहार [illegible]

स्वाधीन करत आहे. पत्रव्य-
वहारातील मजकूर व तारखा
चेक केल्या आहेत.
सौ. येथे आल्या बरोबर
श्री नेवाळ्यांचा फोन आला व पत्रे
लौकर पाठविण्याचा तगादा
लावला. आपल्या कागदांसी व
फाइली मागवल्या होत्या. पंडित
जीकडील पत्रव्यवहाराच्या उताऱ्यांहि
[illegible] . [illegible]

Dr N. S. Hardikar
K H I
Ghataprabha
Dist Belgaum
(Mysore State)

271

INDIAN WOMEN'S AID SOCIETY

(FOUNDED IN 1915)

WOMEN'S HOSPITAL

Hubli October 7, 1966

NOTICE :

A meeting of the Governing Body of the Indian Women's Aid Society, Hubli, will be held at the Hospital Premises, Hubli, on Monday, 10-th October, 1966, at 5.30 pm sharp, to consider the following :

Agenda :

1 : To read and confirm the minutes of the last meeting

2 : To consider the sub-committee report and to decide about the future working of the Hospital

3 : To invite Dr. Sushila Nayyar to pay a visit to our Hospital during her forthcoming tour in Karnatak, by the end of October or first week of November 1966.

All members of the Governing Body are requested kindly attend the meeting.

Hubli

Hon. Secretary & Treasurer.

Dr. N. S. Hardiker, President

The Civil Surgeon, Dharwar, Dharwar

The Divisional Medical Officer,
Southern Railway, Hubli

The Mayor, Hubli, Dharwar Municipal Corporation

The Tahsildar, Hubli

Dr. G. V. Joshi, M.S., Hubli

Shri. V. S. Apte, Hubli

Mrs. Umabai Kundapur, Hubli

Mrs. Indumatibai Sirur, Hubli

Shri. Tammappanna [illegible]ousali

Shri. D. G. [illegible]adima[illegible], Hubli

Shri. [illegible]ritlal [illegible]ngala, Hubli

Shri. [illegible]athurada[illegible] [illegible]yaldas, Hubli

Shri. S. G. Hubli[illegible]ar, Hubli

कुंभारवाडा

27B. ११.१०।६६

श्री सा. न. वि. वि.

आपण एक कार्ड पाठविले होते. (१८-८-६६) त्यात आपण सहजसवाल माझे विचार काय? असे विचारले होते.

त्यानंतर आजची परिस्थिती निर्माण झाली होती की युद्धविराम होऊ शकेल आणि निदान आजचे मरण उद्यावर तरी जाईल. परंतु ती आशा आता फोल ठरल्यासारखीच स्थिती आहे. उलट आपल्याला अधिक मोठ्या संकटाला तोंड द्यावे लागणार आहे असाच संभव आहे. करता मी माझेच विचार आपणाला कळवित आहे.

हिंदुस्थानी सेवादला पासून, राष्ट्र सेवादल कौमी सेवादल काँग्रेस सेवादल अशा काही सेवादलांचे माझी कार्यकर्ते तसेच काँग्रेसचे व इतर राजकीय पक्षोपपक्षांचे असे अनेक कार्यकर्ते ~~आज~~ (जुने) आज [illegible] बलिदान करण्यास तयार असावेत असे अनुमान करण्यास भरपूर वाव आहे. या कार्यकर्त्यांना आज रचना असली तरी काम करण्यास वाव मिळत नाही. त्यामुळे त्यांची

- २ -

कुचंबणा होते आहे. राज्यकर्ते आता राज्य करण्याच्या आवेशाने चाललेल्या सरकारांचे दरवाजे [illegible] आजही सर्वांना बंद आहेत. अशा परिस्थितीत आपल्या सरकारच्या आ. भा. [illegible] व स्वयंसेवक संघटनेच्या आश्रय संस्थांच्या या सर्व लोकांना एकत्र आणून त्यांच्या शक्तीचा उपयोग करून घेण्याचे ठरविले तर एक अतिशय उपयुक्त अशी संघटना तयार होऊ शकेल. अर्थात या संघटनेचे स्वरूप व कार्य विवेचन आता पत्रात मर्यादित राहणे हे सोयीचे नव्हे.

हे सर्व मी लिहीत आहे. आपल्या वयाचा विचार मनात येतो तरीही लिहितो. कारण काही होवो न होवो निदान मनातील विचार तरी लिहावे. आज एक ७० वर्षाचे वृद्ध मला विचारीत होते की संकट काळात [illegible] काही सेवा घडू शकेल काय? मी म्हटले तुम्ही काय करणार? म्हणाले की काही नाही तरी लोकांना बसून पगारखर्च लिहीन. सैनिकांना रेशन वगैरेची व्यवस्था पाहीन वेळ पडल्यास अन्न शिजवून देईन. हीच देशाची खरी भावना

अन्तर्देशीय पत्र
INLAND LETTER

ती वाया जात आहे. आजवर ५० वर्षांचे
~~[illegible]~~ वृध्दाकडून काम करून घालवणाऱ्या
आमच्या देशा अजून तरुण दिसायला
नाही. पण तरुणांना मार्गदर्शन व स्फूर्ति
ही आशाच ~~[illegible]~~ वृध्दांकडून मिळणार. असो.
आपणास जरूर वाटल्यास व गरज वाटल्यास
विचार करावा आपल्यास मागे व नीट.
आमच्याने मात्र होत नाही.

सेवादलचे काम करतांना आमच्या
दुसरा प्रश्न. ~~[illegible]~~ कराल मोडक्यांना हि मोठेपणा दिला
आहे. ज्यांनी सेवादल आपल्या स्वार्थी व
लोभ हेतूने लोकांच्या लोकांच्या
हातात आहेत तोपर्यंत त्यांचे कडून काहीही
कारभार करणे कठिण आहे. देणगीच्या स्वरूपात
केलेला पैसा वाया गेला आहे.

आदरपूर्वक आपला

द. ना.
१९.५.६२

No.4011/M(E)/66

योजना आयोग
नई दिल्ली
PLANNING COMMISSION
NEW DELHI

सत्यमेव जयते

Prof.V.K.R.V.Rao
Member

Personal

October 14, 1966.

Dear Dr. Hardiker

Thank you for your letter of 29th September, 1966, with which you have enclosed a copy of letter written by you to Shri Kakatkar regarding the transfer of Shri B.N.Joshi from Miraj to Ghatapraha. I have got in touch with the concerned people here and I hope something would be done in the matter; but I can give no assurance about results.

With deep regards,

Yours sincerely,

VKRV Rao

(V.K.R.V.Rao)

Dr.N.S.Hardiker,
Administrator,
The Karnatak Health Institute,
Hospital and Sanatorium,
Ghatapraha, District Belgaum.
(Mysore)

H. D. Ponkshe
2836 North Beachwood Drive
Hollywood 28, California

{ July 11, 66
{ August 24, 66

My Dear Dr. Hardiker:

Received your letter two weeks ago and it was really a great joy to read it. I was contemplating to write to you earlier than this, however, many things came inbetween.

I work as an Engineer-Scientist at Douglas Missile & Space Division on advance projects. Let me put it in one sentence, i.e. to comprehend, design, check and follow most of the space advance programs. In order to make it very simple, I am sending you either by Air or by Sea a published account of the entire space projects of U.S.A. in the very near future. I may also send some other current magazines by seamail

Let me write something about me. Besides, working 8 hours each day, I work on my property 3/4 acre ground with 17 room home. Work consists of gardening, painting, and repairs. Once in two weeks, a maid cleans it from inside. I have a small zoo of my ~~to~~ own. It is in my back yard and it consists of two talking parrots, a spider monkey & a German Shepherd Dog It is a great company indeed. This home is in the heart of Hollywood. I have a small class of 8 students in Hatha-Yoga, twice a week in the evenings I am working on Eastern & Western music and practice it on Organ & Harmonium So all in all week is well planned

I have a desire to get elected for a political office in this country. However, I am not putting in any special efforts as yet Little later on, I can do it

This country is going ahead well in civil rights and National Poverty Movements. Indeed, this is a dynamic country of ~~[illegible]~~ hard working people who want to go ahead for a better life Vice-President Hubert Humphery, wants me to get in the State Department in order to serve in the American Embassy in India I am thinking these things over

How is everything at Ghataprabha! How are Dr Vaidya, Dr Balankhe, Dr. Athalye, Smt. Shanta Samant, Smt. Vimal Kulkarni and Shri Mantri! I remember you and घटप्रभा almost every day, including that morning music on radio, the voices of drill & march etc

Please forgive me of my being late in writing. May I wish you, all of the staff the best of happiness and prosperity. Let me hear from you soon.

Yours aff—ly,
Hari Ponkshe

elephone · 45851 (5 lines) Telegrams : CONGRESS

ALL INDIA CONGRESS COMMITTEE

7 JANTAR MANTAR ROAD NEW DELHI-1

११.१०.६९

प्रि. डॉक्टर

आज श्री मोहनराव यांनी काढून लालाजींचा एक ब्लॉक दिलाय. पण त्यात लालाजी एकटे आहेत. श्रीरंकराव यांना आपला व लालाजींचा एकत्र फोटो अगर ब्लॉक पाहिजे होता. हा ब्लॉक मी त्यांना करून देत आहे.

आज नेहरू म्युझियमचे श्री नंदा यांचे बरोबर थोडे बोलणे झाले. तेव्हा ठरत होते या म्युझियम मध्ये फक्त पंडितजी संबंधी कागद विचार न करता राष्ट्रीय चळवळी संबंधी सर्व कागदपत्रे एकत्र करून ठेवायचा त्यांचे म्हणणे स्वातंत्र्य आंदोलनाचे सर्व जुने रेकॉर्ड त्यांना हवे ते ते आंदोलनापूर्वीचा हे रेकॉर्ड इतिहास म्हणून भविष्य सेईल तेव्हा तो रेकॉर्ड जेथे असेल तेथे जाऊन तपासण्याचे ती लोकांचे व घेऊन येण्याचे काम आम्ही आमचे माणसे करून करणार. त्यावरून डॉक्टर जोरदार वरचेवर करावा लागणार नाही. इकडील असल्यास पण ढवळाने रेकॉर्ड त्यांना देऊन टाकण्यास हरकत नाही. A.I.C.C. ने आपल्या सर्व रेकॉर्ड्स व्यवस्था करता यांचे मदत दिली आहे. ~~रेकॉर्ड~~ त्यांची व्यवस्था पहावी यांनी विनंती

ते म्हणत होते की डॉक्टर येथे येणार असतील तर त्यांची माहिती व विचार नोट करण्याच्या हेतूने आम्ही त्यांचा Interview घेऊ इच्छितात. ~~~~ आपण त्यांना या बद्दल लिहावे.

बाकी विशेष नाही.   277

आ.

ह. वा. इनामदार

ता. क. श्री नन्दा गृहखात्यात आले तो लालाजींचा प्रश्न
व्यवहार पण ज्या ~~Pe~~ Servants of the People
Society चालविते आहे त्या आमच्या कडे द्यावा

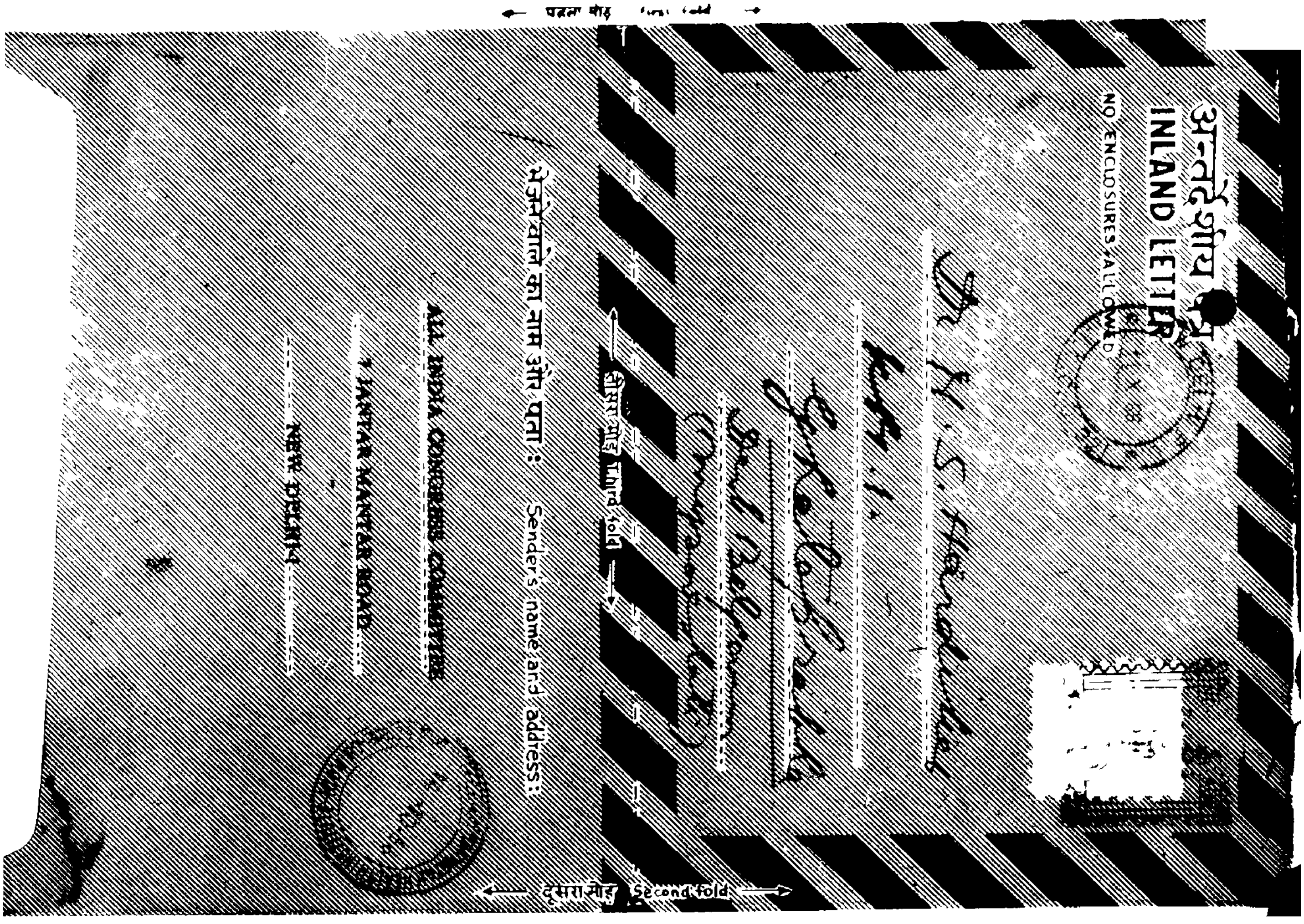

[illegible] My Respected Sir, [illegible] Lexington Dt 1-11-1966
[illegible] — Minister, He is [illegible]

I presume that the first letter in Kannada must have been received. I do not know 218 why I wrote that letter in Kannada. Sir, I am keeping with excellent health. Here I had the chance to experiment the suitable diet for my health. Early in the morning I take fruit juice. At 11-30 AM & at 6-30 P.M I take milk, bread + Butter + Jam + one egg + one tomato + Poteto chips & occasionaly fruits. Practically no stomach complaints. I do not feel heavy after food. Ofcourse, I spend about $ 1.50 or 1.70. Daily I get $ 3/- towards my food charges. I feel extremly rejoice to convey this to Dr. Vaidyaji. Neither I am neither eating rice nor any spicy food including chilly powder etc. I am teaching Kannada to the youths of America who would be coming to my country to work as Peace Corps volunteers. Really I do not like the job of a Teacher. I do not know why. But it does not mean that I am not honest towards my job in U.S.A. I feel Sir that I am extremly sincere as I represent my country. The two American Professors by name Dr adbois and Dr F A Santapalo who are connected with Peace Corps as Jr Projects Director and Director of Extension Training respectively, I presume, have assessed my ability and sincerity. Sir I take this opportunity to express that they are out to help me in securing a seat and Assistanceship at KENTUCKY University for my Higher studies. Dr Santapalo was glad to give me the practical training of county Agents of U S A & he appriciated my idea very much. About 15-20 days back I have written a letter to Shri S V Krishnamurthy Rao and Shri D P Karmarkarji about arranging for my training in U S A under Peace Corps so that I may be useful in my country to work out Peace Corps programme and implement the same. I am told that recently there was shuffling of Peace Corps Portfolio from Planning Commission to Finance Department. I do not know the reason. I do not think that my case would be materialised since entire country is deeply engrossed in General Election. As submitted earlier I have finally decided to study Master of Science in Agricultural Extension & accordingly I am at it with the assistance of the above two professors. I did not take up Social work as it differs from my country. To persue M.Sc in Agri Extension I definitely need leave of 1½ years. Accordingly I have sent my application for 1½ years leave, either on full pay, or on half pay or on leave without pay, to the Secretary – Development, Panchyah Raj, Housing & Cooperation Dept Govt of Mysore Bangalore (i.e to my Dept) on 27-10-1966. I have requested my brother Shri. N. R. MATHAD – Chidanand Ashram – V[th] Cross – Malleshwaram Bangalore to contact Shri G V K Rao – Development Commissioner Govt of Mysore – Bangalore on receipt of your letter or intimation. Sir, I therefore, earnestly desire that, kindly address a letter to Shri

G.V.K. Rao Development Commissioner — (under intimation to my brother
Shri N.R. Mathad) to kindly grant me leave of 1½ years on any conditio
condition. If it is leave without pay I may be put into economical loss
at the end of my service. During 15 years of my service I have taken
only 54 days leave when I was not keeping good health. Govt can sanction
provided it minds it. If it does not sanction then I will be thrown out,
of my Job as B.D.O. Thus I will be loosing much. Many I time I use
to say that the Job & the pay that I used to do are not solacing me
"Some how there is no mental peace" This was rather my slogan. Then
it was my impression that I am meant for some other constructional
work — not the job of a B.D.O — a slavish mentality. But I do not know
what I intend to do. Any way there is no clear picture before me. If Govt
of Mysore throws me out then I may stay here for 2-3 years if my visa
and other formalities were regularised & come to India start some
business of constructional nature

To

Dr N S HARDIKAR

KARNATAK HEALTH INSTITUTE

GHATAPRABHA (S Rly)

MYSORE - STATE (INDIA)

GHATAPRABHA —(INDIA)

AÉROGRAMME • PAR AVION

LEXINGTON NOV 2 PM 1966

11¢ AIR MAIL JOHN F. KENNEDY U.S.A.

Mr M R MATHAD
PEACE CORPS PROJECT
CENTRE FOR DEVELOPMENT CHANGE.
UNIVERSITY OF KENTUCKY
LEXINGTON - KENTUCKY (U.S.A.)

DO NOT USE TAPE OR STICKERS TO SEAL

NO ENCLOSURES PERMITTED

SECOND FOLD

poultry farming or any independent job. Ofcourse all my ideas are in fluid
stage. (Should I say floshi stage! I do not think Sir.) Any way
I sincerely request you Sir to kindly drop a letter to Shri G.V.K. Rao &
to Shri R M Patil Hon'ble Minister Govt of Mysore
to grant me one & half years leave at least on half pay & my brother
may please be intimated accordingly. I am extremely sorry for the
troubles. To whom I should trouble with whom I can express
my feelings. How about your health? I shall be highly obliged
if I have the piece of advise from you Sir. I have not spent
my dollers earned here — as I have the intension of higher study. My work
under Peace Corps would be over by 20-12-1966. If I here about my
leave before 30-11-1966 it would be ok to plan. What more I
should write Sir. I am ok. My Pranams to yourself & Dr Vaidya.
Yours lovingly
Mahadev

Nov 21, 1966

Dear ~~Dr~~ Hardikar

Even though much delayed this is a good occasion to write to you especially in reply to your kind letter of ~~Aug. 17th~~ Feb. 15th.

We deeply appreciate your invitation to us to come to Ghatabukha. ~~However~~ it would not be possible just now. We are still in the "thick" of our business affairs. I am still quite active inspite of my debilities. Of the "Old Timers" whom you knew in N.Y. — only 3 (have) and Mr Marathe are on the earth. Manley [illegible] Kasim has been here for many years. You might have known him. Mr. Marathe is still active but limited to his one store at Radio City (6th Ave & 49th St). We see him occasionally. We spoke to Mrs. M re: your dolls, she said she would write to you. I wished I had seen more of you when I visited the Inst. While it is stimulating to be well occupied the Am. environment makes the yoke pretty heavy. We would like to hear from you again

Affectionately
C.M. Gurjar

and a Happy New Year

From
[illegible] & C.M. Gurjar

Dec. 1966.

281

8.11.1966.

To

The Publicity Division,
Soviet Consulate General,
44, Tyagraj Road,
Madras~~x~~.- 17.

Sir,

The Karnatak Health Institute, Ghataprabha, District- Belgaum is a ~~itm~~ bilingual village where Marathi as well as Kannada are spoken and read. .. We are receiving your literature in Marathi regularly from Bombay. We have a library & a number of reading rooms meant for patients, their attendents, Nurses, Doctors, the staff with their families and visitors. We are not getting Soviet literature and publications in Kannada. Will you be good enough to send complimentary copies of the same to us ?

Thanks for the same.

Your borther,

N. S. Hardikar

(N.S. HARDIKAR)
Administrator.

M/66.

282

मुंबई
10-11-66

साष्टांग नमस्कार वि. वि.

तुमचं पत्र आलं. त्यांचं पत्र पोचलं असेलच? परवा
मेहताचं पत्र मिळालं आणि डॉ. गोपीनाथ वैद्यांच्या निधनाची बातमी
कळली. फार हळहळ वाटली वाचून. सर्व अक्काची अन् आप्पाकाकांचं झालं
त्याच बाईट वाटतं. चांगली माणसं देवाला फार आवडतात हेच खरं!
ईश्वरेच्छा बलीयसी!

परवा open heart surgery पाहिली Mitral
stenosis ची केस होती. Replacement of valve केलं. (आगदी जवळून
पहायला मिळायला सर्व काडे लपला मार्ग होता पहायची इच्छा जबरदस्त
असल्यानं शेवटी स्टूल वर मी चढून सर्जनच्या जवळ जाऊन उभी राहिले) फार
छान सर्व पहायला मिळाले. एक मोठी गोष्ट पाहिल्याचं समाधान वाटलं.
दुसरे दिवशी काही किरकोळ पाहिल्या. प्रत्येक केस under anesthesia
चे केली जाते नार्मल असलं तरीही आणि ज्या डॉक्टरची केस असेल त्याचं
नी करतो नर्सेस कधीच केस करत नाहीत. डॉक्टर यायला वेळ
लागला तर त्याच करायला पण त्यांना परवानगी नाही. Clinical Meetings
चालूच आहेत गावातल्या दुसऱ्या एका मोठ्या हॉस्पिटल पाहिलं कामाची पद्धत
सर्वसाधारणपणे सारखीच. इकडे सर्व चार्जेस डॉक्टरचे 200 डॉलर्स हॉस्पिटलचे वेगळे
Children ward चे daily charges 80 डॉलर्स डॉक्टरचे वेगळे पाहून
अन् ऐकून फार दडपून जाते मी नासधूस पाहून तर आता ठीक झुरझुरतो.
रोजच्या सर्वच गोष्टी Disposable कधी कधी माणूस पण! हे काही
आपल्या पचनी पडणार नाही. ना! काही पहायला मिळतंय म्हणून जेवढा
आनंद वाटतो तेवढाच असलं सगळं पाहून विषाद वाटतो असो.

शेजारचे 3-4 वेळ भेटली. त्यांच्या आठवड्यात मला खूपसे
गरम कपडे घेऊन आली (वरचेवर फोनवरून विचारते Are you warm
enough?) काही दिवस तीन ते वापरले पण चांगल्या स्थितीतले आहेत
मी खूप नाही म्हटलं कपडे वापरलेले म्हणून मी नाही म्हणते असा तिचा
गैरसमज झाला दिसला म्हणून शेवटी मी ते घेतले आणि वापरतेसुद्धा
आपल्याचा सर्व कपडे काल पण ती आली होती आली की 3-4
तास बसते. रविवारी मी General and line & Film Corporation
दुकानात गेले. तुम्ही पत्रात लिहिलेलं सर्व सामान तिथे होतं. चांगलं

2

वाटलं मला ते सर्व. Overhead
projector portable आहे. क्लास
रूम मध्ये नेण्या आणण्यायोग्य आहे. पण
हे सर्व फार महाग आहे. या सर्वांची
किंमत 700 डॉलर्स आहे शिवाय तिथली
स्क्रीन वेगळी. आपल्याकडे ते असावंच
असं मात्र मला वाटलं नाही. पण ते M.M.J.
चं म्हटल्याबरोबर साथीच्या उत्साहाला
उधाण आलं ते ती स्वतः घेऊन देते
म्हणून बसलीय. डॉक्टरांना मला ते घेणं
तिच्याकडून - बरोबर वाटत नाही. डॉ.
वैद्यांच्या परवानगी शिवाय मी हेच
म्हणू शकत नाही असं मी तिला सांगि-
तलं आहे. ती म्हणते (डॉ. वैद्यांच्याकडून
Import-Licence लवकर मागवा
आन डॉ. हर्डीकरांना म्हणा भारत -
सरकारकडून Import Licence free
मिळवा) ती म्हणते सध्यातरी मी
भारतात येत नाही कारण तिच्या दाताचं
काम चालू आहे. शिवाय माझ्या प्रवासा
करता खर्च होणारे पैसे या कामी खर्च
केल्यास अनेकांच्या उपयोगी पडतील.
मागच्या पत्रात मी मागविलेले
संस्थेचे रिपोर्ट्स पाठवले का? मी
वाट पहाते आहे.
परवा तपमान 30° होतं
पाणी गोठलं होतं. बाहेर पडलं तरच थंडी
जाणवते. घरात काही नाही. प्रकृती ठीक.
मला कल्पना आहे की तुम्हाला
बहुधा गोंधळाची जाण लागलं असेल?
आम्ही पण लिहिण्याइतकी तुमची

श्री
मुंबई
११-६६

मंद्रा,
तुमचं पत्र पोचलं. चांगल्या
पद्धती बाहेर बोलण्याचा जास्त होत्या
त्याचं बाईट वाटलं.
श्री रामनाथ जोशी
केल्याचं पत्र वाचून सर्वांना करमणूक
झाली असेल? ती. आक्का खूप हसल्या
असतील होय ना? नर्सेसचं पत्र
वाचून नर्सेसना काय वाटलं?
माझा वेळ मी कसा घालवते
म्हणून विचारलंत? ऐका नऊ - चार
खूप आराम आणि मी दारात व
मी आमंद घ्यायला वेळ होत नसल्याने
बाहेर काही कुठे फिरायला जाणं आता नाही
होत पण ते होईलसं वाटत नाही.
हॉस्पिटलमध्ये कोण काय थोडा वेळ
जाईल तोच. इतर वेळी सर्व घरकामा-
चा भार घेतला आहे. तुम्हाला माहीत
असेलच की इथे नोकर मिळत नाहीत
आणि जे लोक काम करायला म्हणून
येतात त्यांचे दर तासा कामाच्या पगारा
इतकी जास्त असतात. त्यामुळे ते
परवडत शक्य नाही. इथल्या शेजारच्या
घरी एक लहान मूल आहे. त्याच्या
करतो एक बेबी सीटर येते. रोज आठ
डॉलर्स घेते ती 5-6 तासांचे
म्हणजे महिन्याचे जवळ जवळ 1600 रु.
२४ तास राबूनसुद्धा आमच्या CMO
ना त्याच्या जिवाची पर्वा कोणी देत नाही
असं आहे न्याय? नियतीचा!

मनःस्थिती आणि वेळ दोन्ही कारण
असतील. मी तर सॉयरला रागीट
आहे.
श्री करमरकरांकडून एक पत्र आले
त्यानंतर मी त्यांना २-३ पत्र पाठवली
पण त्यांचे काही उत्तर नाही त्यामुळे
मी त्यांच्याकडे जाऊ शकले नाही आज
आमच्याकडे आले नाहीत. डॉ हर्डीकर
ना हा निरोप आणि सॉयरचा निरोप
कळवीणे.
कामाचा ताण खूप असलेला
आन् त्यात गोविंदरावांचे दुःख - इतक्या
लांबून हळहळण्या शिवाय काय करणार
मी?
सौ. वत्सलाताई आणि मुलांना
आशीर्वाद. डॉ. हर्डीकर ती गणूताईना
सा. न. बाकी सर्वांना यथायोग्य
कळावे हे विनंती
मथुताई

ता. क.
सॉयरचा आताच फोन आला
की तिला तुमच्याकडून K H I - चे
रिपोर्ट्स आणि पत्र आले आहे
त्यात मराठी पत्र आहे ते ती
पोस्टाने पाठवणार आहे. इतक्या
लवकर काम झाल्याबद्दल खूप आहे
ती. धन्यवाद
पत्राचा दुसरा भाग मेहनता देणे

M Athalye
c/o Dr Tara Kanetkar
1607/171 Lyons Avenue
Newark
N J U S A

NEWARK NOV 10 PM 1966 N J

U.S.A. MAIL

To Dr M K VAIDYA M.S.
KARNATAK HEALTH INSTITUTE
GHATAPRABHA
Dist BELGAUM.
Mysore State
INDIA.

AÉROGRAMME • PAR AVION

चि. प्रमोदचे शिक्षण आणि नोकरी दोन्ही
चालू असल्याने त्याला मुळीच वेळ नसतो.
चि. सौ. नासला काम तर असतंच पण
आता तिला डोहाळे लागले आहेत. फार
अशक्त झाली आहे. घरकामाची सारी
मी आहे तोवर विश्रांती मिळावी म्हणून मी
करते सगळे.
चि. मनीषा घरात मराठीच
बोलते. बाहेर मात्र इंग्रजी बोलते. मन
हुशार आणि उच्चार अगदी पक्के अमेरिकन
आहेत. तिच्या आई बाबांनाही तिचे बोलणे
कधी कधी कळत नाही. मला तर नाहीच नाही.
मला तिचे ओळखवत नाही. आईवडी मात्र
फार झाली आहे. फार स्मार्ट आणि
सुरेख दिसते.
डॉ. सौ. नागवेकरांची बहीण
बाळंत झालीच असेल? काय झालंय?
श्री. आचार्य तिथेच आहेत का गेले?
रा. बा. कि. कसे आहेत?
मी इथे आल्यास
चि. सौ. आशाळकडची काही बातमी नाही.
ती आक्कांना फार वाटत असेल. नाही?
तुमच्या नातूंचं पोट दुखणं कसं आहे?
ती बाबा, वौ. वहिनी चि डाकही सर्व
ठीक ना? चि उदय दिवाळीला आला
असेल? दिवाळीच्या शुभेच्छा उशिरा कळव
घरातल्या चित्रपट रोज आनंदाने ठेवा-
पुढील सरकार असतो
आज महिना झाला मला येऊन परत
जावसं वाटू लागलंय. प्रकृती ठीक
सोयर वरचेवर भेटत. तुमची प्रकृती कशी
म्हणते. ती आक्का, सौ शानाबाई आहेत ना?
ती आक्कांना नमस्कार. बाळ सर्वांना
यथायोग्य कळावे
कळावे हे विनंती
मथुताई

 12-66

My dear Dr

You must have got my letter by now. I am sending two leaflets of portable E.C.G machine. I understand New instruments Ltd. have a branch in B'bay. I have written the address at the back. I am sending the letter I received from New Instrument regarding the price of the 'cardette'. I donot know how far it would be possible to collect it from here. If you contact the branch in India and give an import permit for the machine they ~~should~~ will be able to get one for the hospital.

I have given ~~a~~ a thought to the details of the letter of, 18/11/66. ~~As you know~~ I understand you need a Radiologist. I am not a radiologist. I am only a radiographer — taking x-ray films. So I will not be of any help in that field.

What is ~~your~~ the plan for the x-ray dept. Will it be extended in the near future. What do you pay your x-ray technician?. Will you

be employing more than 2 [illegible] technician?
Drop me a line when you can

Yours
Devi

The agent for new instruments
Mr. Chandrani,
X-rays & Electronic Medical (India)
Malbar View
Chowpati
BOMBAY .7.

ॐ. २४६ काल : १३-११-६६.

श्री. डॉ. डाउंकर यांसी. कृ. सा. न. वि. वि.

माझे मी गुरु [illegible] सांगितल्याप्रमाणे "ॐ" संबंधी पुस्तक पाठविले आहे : त्या संबंधी :—

(१) भगवद्गीता = १८ अध्याय : ७०० श्लोक :

(२) सर्व साधारणपणे तीन भाग : ६ + ६ + ६ = १८

(३) मधल्या भागांत — सारा [illegible] उपयोग [illegible]

विषय सांगण्याचा (कृष्णानी अर्जुनाला) [illegible]

काही पारिभाषिक शब्दांचे दिसते नाही :

[illegible] सांगण्याची तऱ्हा [illegible] : [illegible] सांगितलेला :—

= "तस्मात् शास्त्रं प्रमाणं ते" इ. इ.

शास्त्रा प्रमाणे [illegible] — [illegible] सर्व [illegible] इ. इ.

शास्त्र — पुस्तकांत — [illegible] सांगितलेले [illegible] असतात.

[illegible] — [illegible] इ.

[illegible] अक्षरे — = [illegible] + [illegible] = ५२

[illegible] सर्व ५२ [illegible] — ॐ — अक्षरात [illegible] आहेत :

[illegible] (ॐ) [illegible] भाग [illegible]

[illegible]

(पान-५०) = [illegible]

[illegible]

[illegible] : [illegible] "ॐ" [illegible]

[illegible] , [illegible] , [illegible]

[illegible] पुस्तकांत [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] विषयावर [illegible] आहे [illegible]

[illegible] श्री [illegible]

[illegible] — त्याप्रमाणे [illegible] असो.

[illegible] पुस्तकातील — [illegible] पाहिजे [illegible]

सर्व [illegible] [illegible] इ. इ. ५ पर्यंत

P. T. O.

[illegible] आहेत – 'ॐ' [illegible]
[illegible]
[illegible] आहे.

– [illegible]
– [illegible] (e.g. [illegible])
[illegible]
[illegible]

– हे सर्व [illegible]
मी [illegible]
[illegible] "ॐ" व "ॐ नमः शिवाय" असे [illegible]
[illegible]
[illegible] "ॐ" [illegible]
[illegible]
– मी [illegible]
[illegible]
[illegible]
– [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
– [illegible]
डॉ. [illegible]
[illegible]
[illegible]
कळावे हे विनंती. सप्रेम नमस्कार.
आपला: L.D.K. Kulkarni

२८१

टेलीफोन ४५८५१ (५ लाईन) तार: काँग्रेस

अखिल भारतीय काँग्रेस कमेटी

७, जन्तर मन्तर रोड,
नई दिल्ली-१

१२-११-६६

पू. डॉ. कवर,

आपले ता. १० चे कार्ड मिळाले.
मनांत तीव्र इच्छा असूनदेखील आपण एकदा तिकडे जाऊ
शकलो नाही याचे आपल्या मनात पुष्कळच दुःख होत आहे
परंतु आपल्या वयाच्या व आजपर्यंत शरीराकडून आपण
घेतलेल्या कामाचा विचार करता आता त्याच ज्यास्त काम
न देण्याचे आपले धोरण योग्य व जरूरी आहे. आम्हाला खात्री
निश्चित वाटते की आपण याचे. त्यांत आम्ही आमच्या स्वार्थ
पहात होतो काय. डॉ. वैद्यांच्या मुलाला भेटा बद्दल निरोप दिला
~~कळले~~ होते.
आपण "पांढरी पूर्ती" बद्दल लिहिले. माझ्या मनांत या
गोष्टीचा उद्देश एवढाच आहे की पुणे वनवरला मला श्री.
बांदेकर यांनी कडे जेवावयास बोलावले होते. बोलता बोलता त्यांनी
~~मा~~ पुनश्च एक गोष्टीच्या पैशा बाबतीत. पुन्हा आताच
किती? तेव्हा मी त्यांना सांगितले आमच्या पुढे व पूर्ण होत आहे.
तेव्हा त्यांनी आपण लिहिताना ~~[illegible]~~ ही गोष्ट लिहिली गेली.
त्यांत "स्वतः पुढे करण्याचा" विचार नाही. ~~[illegible]~~ माझ्या ~~[illegible]~~
[अजून] मनांत मात्र ते निश्चित असे ही नाही. तेव्हा विचार आपल्या
मनातून काढावा हे बरे. आपण ~~[illegible]~~ दुसरी लिहिलेली
गोष्ट तर सांगणे आहे — कोणाचे वाईट न करता काम करण्या
ची. परंतु खरा बद्दल स्वभाव तर परंतु खराची कल्पना
लवकरच १९३२ चा मला सांगून जीवाची ती पुन्हा अजून
ओळखीला होत नाही. बरे ते असू द्या. हा वेगळ्याचा आवडीनिवडीचा
व स्वभावाचा प्रश्न आहे. ~~[illegible]~~
श्री. रावकरान यांना फोन केला होता. त्यांचे काम आई
सावकाराने [illegible] दिले होते. ~~[illegible]~~ पाचव्या आठवड्यात पाठवला
म्हणाले. आता त्यांचेकडून आठवड्यात परत पाठवीन

इकडे सर्व आनंदात आहेत. मी २ तारखेपासून गुजरातच्या प्रवासावर जात आहे. १०-११ डिसेंबरला त्यांची प्रदेश रॅली बडोदा येथे आहे. महाराष्ट्राची रॅली पुढे ढकलण्यात आली तो डिसेंबरच्या शेवटच्या आठवड्यात होईल.

ता. १७ डिसेंबरला [illegible] पडतो. आपण आपला संदेश पाठवावा. तो [illegible] सर्व देणार आहे.

आ.

[illegible]

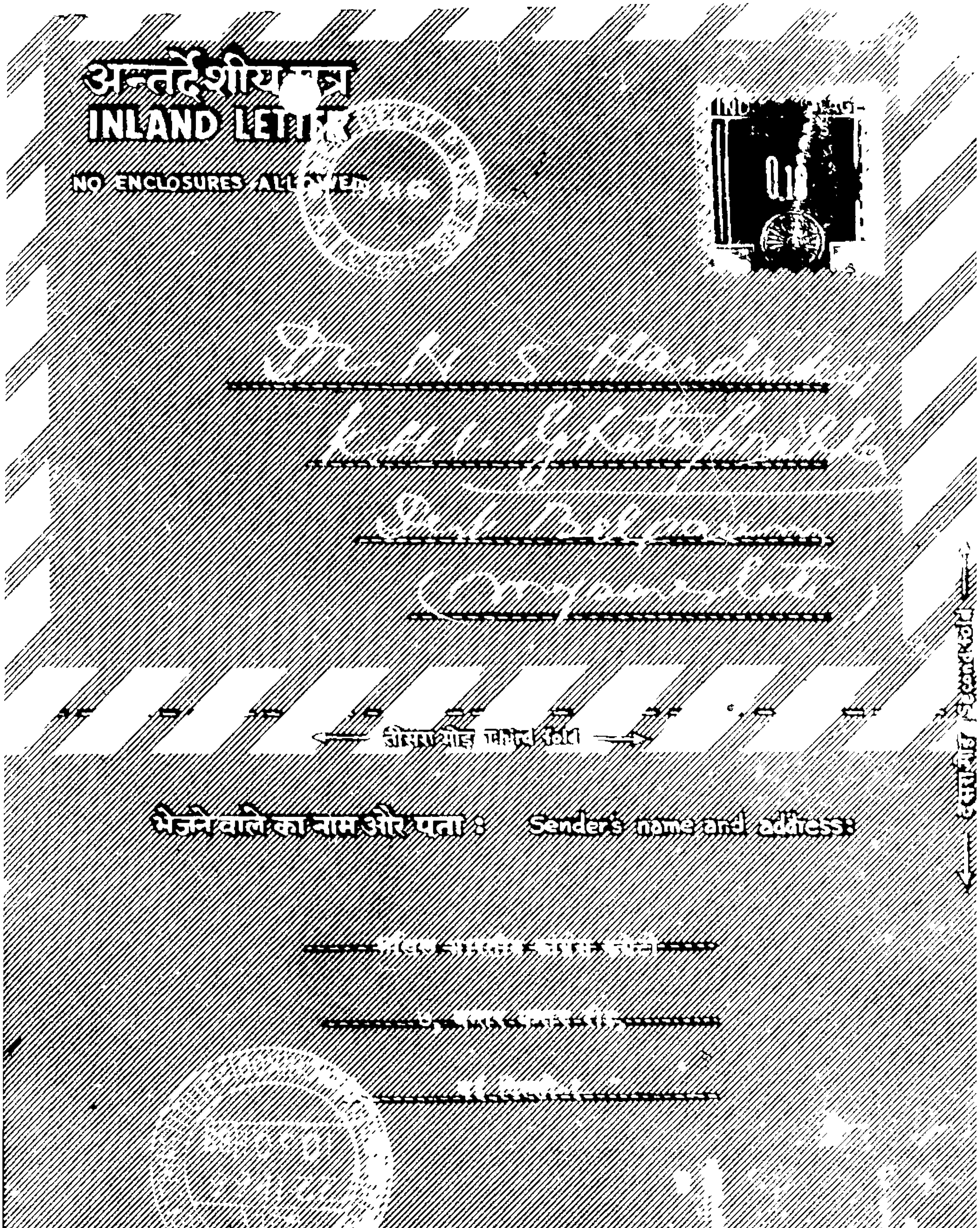

अन्तर्देशीय पत्र
INLAND LETTER
NO ENCLOSURES ALLOWED
तीसरा मोड़ Third fold
दूसरा मोड़ Second fold
भेजने वाले का नाम और पता : Sender's name and address: